



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 380]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 26, 2007/पौष 5, 1929

No. 380]

NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 26, 2007/PAUSA 5, 1929

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर, 2007

अंतिम जांच परिणाम

विषय: ताइवान, चीन जनवादी गणराज्य, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया गण, मलेशिया, थाइलैंड व अमेरिका से पॉली विनायल क्लोराइड (पीवीसी)—निलंबन ग्रेड के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच।

सं. 14/08/2006-डीजीएडी.—1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम कहा गया है) एवं सीमाशुल्क टैरिफ नियमावली (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क अथवा अतिरिक्त शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. पृष्ठभूमि एवं जांच शुरुआत

1. यतः उपर्युक्त नियमावली को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया) ने मै.इंडियन पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि. (आईपीसीएल), मै.धरगंथ केमिकल एंड वर्क्स(डीसीडब्ल्यू), मै.केमप्लास्ट सन्थार लि.(केमप्लास्ट), तथा डीसीएम श्रीराम कंसोलिडेटेड लि. (डीएससीएल) (जिन्हें एतदपश्चात आवेदक कहा गया है), की ओर से एक पूर्णतः प्रलेखित आवेदन के आधार पर, जिसमें ताइवान, चीन जनवादी गणराज्य इंडोनेशिया, जापान, कोरिया गण, मलेशिया, थाइलैंड व अमेरिका (जिन्हें एतदपश्चात संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पॉली विनायल क्लोराइड (पीवीसी)-निलंबन ग्रेड के पाटन एवं

परिणामी क्षति का आरोप लगाया गया था, के कथित पाटन के अस्तित्व, सीमा तथा प्रभाव का निर्धारण करने तथा पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश करने के लिए जो घरेलू उद्योग को क्षति दूर करने के लिए पर्याप्त हो, उक्त नियमावली के नियम 5(5) के अनुसरण में दिनांक 28 जून 2006 की अधिसूचना द्वारा एक जांच शुरू की थी, जो भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित हुई थी।

5. और यतः, निर्दिष्ट प्राधिकारी के अनुरोध पर इस जांच को पूरा करने की समयावधि को केंद्र सरकार द्वारा नियमों के नियम 17 के अनुसार 28 दिसंबर 2007 तक बढ़ाया गया था।

ख. प्रक्रिया

3. प्राधिकारी द्वारा उक्त जांच की शुरुआत करने संबंधी सार्वजनिक सूचना जारी करने के पश्चात् इस जांच के बारे में निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है।

- (I) निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उपलब्ध सूची के अनुसार भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों, ज्ञात निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योग को जांच शुरुआत करने संबंधी 28 जून 2006 की अधिसूचना की एक प्रति भेजी गई थी और उनसे उक्त अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया गया था।
- (II) प्राधिकारी ने उक्त नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देशों के दूतावासों को घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत आवेदन के अगोपनीय अंश की प्रतियां प्रदान कीं।
- (III) नई दिल्ली में संबद्ध देशों के दूतावासों को नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरुआत करने के बारे में सूचना दी गई और उनसे यह अनुरोध किया गया कि वह अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली का जवाब निर्धारित समय के भीतर देने की सलाह दें। निर्यातकों के नाम एवं पत्तों सहित निर्यातकों को भेजे गए पत्रों, अगोपनीय आवेदन तथा प्रश्नावली की एक प्रति भी उनको भेजी गई।
- (IV) नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों के निम्नलिखित निर्यातकों को संगत सूचना मांगने के लिए प्राधिकारी द्वारा एक प्रश्नावली भेजी गयी थी :-

5. मै. एलजी केम लि., सियोल, कोरिया
6. मै. हान्वाह केमिकल, सियोल, कोरिया
7. मै. पैट्रोनस, क्वालालाम्पुर, मलेशिया
8. मै. थाई प्लास्टिक्स एंड केमिकल्स पब्लिक कं. लि., थाइलैंड
9. मै. फामौसा प्लास्टिक्स कॉर्पोरेशन, ताइपेई, ताइवान, आर.ओ.सी.

10. मै. शिन-इत्सु, टोक्यो, जापान
11. मै. कानेगाफुची, टोक्यो, जापान
12. मै. ताइयो विनायल्स कॉर्पोरेशन, टोक्यो, जापान
13. मै. पीटी एसाहिमास केमिकल, जकार्ता, इंडोनेशिया
14. मै. सीजीपीसी, ताइपेई, ताइवान, आरओसी.
15. मै. तियानजिन डागु.डीएजीयू, यूएसए इंटरनैशनल ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन
16. मै. सियाम मैस्पियोन, द सियाम सीमेंट पीसीएल, बैंकॉक
17. मै. शांतोउ ओशिन, ताइपेई, ताइवान
18. मै. जिनजियांग ताइन्हे, चीन जन.गण.
19. मै. फार्मोसा प्लास्टिक्स कॉर्पोरेशन, यूएस.ए., एनजे, यूएसए
20. मै. ओशिन प्लास्टिक्स कं. लि., ताइपेई, ताइवान आर.ओ.सी.

(I) उपर्युक्त सूचना के उत्तर में चाइना क्लोर-एल्कली इंडस्ट्री एसोसिएशन (सीसीएआईए) ने चीन के निम्नलिखित 11 उत्पादकों/निर्यातकों जो जांच में भाग लेने के इच्छुक थे, की सूचना प्रस्तुत की :-

1. जिनजियांग ताइन्हे कं. लि.
1. यिचांग यिहुआ पेसिफिक कोजेन लि.
2. तियानजिन डागु केमिकल कं. लि.
3. हाओहुआ युहांग केमिकल कं. लि.
4. निंग्जिया यिंगलिंग केमिकल्स कं. लि.
5. शान्डांग ओशिन केमिकल इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.
(निर्यातक) शान्डांग हाइहुआ क्लोर रेजिन कं. लि.(उत्पादक)
के साथ
6. क्विंगडाओ हायजिंग केमिकल ग्रुप कं. लि.
7. यिविन तियानयुआन कं. लि.
8. शंघाई क्लोर एल्कली केमिकल कं. लि.
9. तियानजिन एलजी डागु केमिकल कं. लि.
10. इनर मंगोलिया सानलियान केमिकल कॉर्पोरेशन लि.

(II) तथापि, चीन जन.गण. से निर्यातकों-उत्पादकों की वृहत संख्या में भागीदारी को देखते हुए प्राधिकारी ने नियमों के नियम 17 के अनुसार नमूना लेने का सहारा लिया और चीन के निम्नलिखित तीन निर्यातकों, जिनका जाँच अवधि के दौरान भारत को निर्यातों में बँड़ा हिस्सा था, को और सूचना हेतु चुना :-

1. मै. तियानजिन डागु केमिकल कं. लि.(उत्पादक) एवं मै. तियानजिन ओहाई केमिकल इंडस्ट्रीज इम्पो. एवं एक्स. कॉर्पोरेशन (निर्यातक),

2. मै. जिनजियाँग शिहेजी जोंग्फा केमिकल कं.लि.-उत्पादक एवं मै.जिनजियाँग तिआन्ये फॉरेन ट्रेड कं. लि.-व्यापारी व निर्यातक
3. मै. यिचॉंग यिहुआ पेसिफिक कोजेन कं. लि.- उत्पादक एवं मै. हुबेई यिहुआ ग्रुप कं. लि.-व्यापारी व निर्यातक

(ii) उपर्युक्त नमूना लिए गए निर्यातकों ने प्रश्नावली तथा बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली का उत्तर दिया है। अन्य नमूना न लिए गए निर्यातकों ने सीमित उत्तर प्रस्तुत किया और इन निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण नमूना लिए गए निर्यातकों के लिए किए गए निर्धारण के आधार पर नियमावली के नियम 17(3) के आधार पर किया गया है।

(iii) जाँच में नामित अन्य देशों के निम्नलिखित निर्यातकों ने भी प्रश्नावली का उत्तर दिया और जाँच में भागीदारी की :-

- 1) मै. ताइयो विनायल कॉर्पो., जापान
- 2) मै. कानेका कॉर्पो., जापान
- 3) मै. थाई प्लास्टिक, थाइलैंड
- 4) मै. हान्वाह केमिकल, कोरिया जण.
- 5) मै. एलजी केम केमिकल, कोरिया जण.
- 6) मै.फार्मोसा प्लास्टिक्स कॉर्पो., ताइवान
- 7) मै. ओशिन प्लास्टिक्स, ताइवान
- 8) मै. पीटी एसाहिमास, इंडोनेशिया

(iv) संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) तथा मलेशिया से प्रश्नावली का उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।

(v) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश उसके द्वारा रखी गयी सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखे और उसे हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षण हेतु खुला रखा।

(vi) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के गोपनीयता दावे की जांच की है। वह सूचना जो स्वभावतः गोपनीय है अथवा हितबद्ध पक्षों द्वारा गोपनीय आधार पर उसके अगोपनीय सारांश सहित प्रदत्त सूचना गोपनीय मानी गयी है। इस प्रकटीकरण में *** याचिकाकर्ता द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना प्रदर्शित करता है, जिसे प्राधिकारी ने नियमावली के तहत गोपनीय माना है।

(vii) जांच शुरुआत के प्रत्युत्तर में हितबद्ध पक्षों द्वारा की गई टिप्पणियां रिकार्ड में दर्ज की गई हैं और उठाए गए मुद्दों की जांच इस प्रकटीकरण विवरण में की गई है।

(viii) प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग सहित हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सूचना का संभव सीमा तक सत्यापन किया। प्राधिकारी की सतत् प्रथा के अनुसार घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत का निर्धारण करने के लिए घरेलू उद्योग की लागत का सत्यापन किया गया।

(ix) सभी हितबद्ध पक्षकारों को अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करने के लिए प्राधिकारी ने 29 नवंबर 2006 को सार्वजनिक सुनवाई की। सार्वजनिक सुनवाई के दौरान पक्षकारों द्वारा मौखिक रूप से प्रस्तुत तथा लिखित में पुनः प्रस्तुत विचारों को इस जाँच के प्रयोजनार्थ रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है।

(x) उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसरण में इस जाँच परिणाम तथा निर्धारण के आधार में विचारित अनिवार्य तथ्यों को दिनांक 7 दिसंबर, 2007 के पत्रों के माध्यम से ज्ञात हितबद्ध पक्षों को सामान्य प्रकटीकरण तथा संबंधित पक्षों को गोपनीय प्रकटीकरण द्वारा प्रकट किया गया। प्रकटीकरण के संबंध में हितबद्ध पक्षों से प्राप्त टिप्पणियों पर, विभिन्न पक्षों द्वारा दिए गए तर्कों व किए गए दावों के साक्ष्य तथा आंकड़ों के अनुसार विधिवत विचार किया गया है।

(xi) जाँच में 01.01.2005 से 31.12.2005 तक की अवधि (पीओआई) शामिल थी। क्षति विश्लेषण 2002-2003, 2003-2004, 2004-2005 और जाँच अवधि शामिल थी।

(xii) संक्षिप्तता के लिए विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत तर्कों एवं तथ्यों का संभव सीमा तक संक्षेपण इस जाँच में प्रस्तुत किया गया है।

ख 1. जाँच के हितबद्ध पक्षकार

4. प्राधिकारी के रिकॉर्डों के अनुसार निम्नलिखित पक्षकारों ने स्वयं को इस जाँच के हितबद्ध पक्षकारों के रूप में अभिज्ञात कराया है:-

क) उत्तरदाता निर्यातक एवं अन्य नमूना न लिए हुए निर्यातक

5. चीन के नमूना लिए हुए निर्यातक तथा पूर्व के खण्ड में सूचीबद्ध के अनुसार अन्य देशों के उत्तरदाता निर्यातकों ने अपेक्षानुसार प्रश्नावली का उत्तर दिया है और उन्हें इस मामले में हितबद्ध पक्षकारों के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। चीन के तीन अन्य निर्यातकों ने भी स्वतंत्र व्यवहार संबंधी अपने उत्तर दिए हैं। चीन जन.गण. के अन्य नमूना न लिए गए निर्यातक भी इस जाँच के हितबद्ध पक्षकार हैं।

6. उपर्युक्त के अलावा, मै. मलेशिया इंटरनेशनल ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन एसडीएन वीएचडी(मिटको) ने भी प्रश्नावली का कोई उत्तर दिए बिना मामले के विभिन्न पहलुओं पर केवल लिखित अभ्यावेदन प्रस्तुत किए हैं।

ख आयातक एवं अन्य हितबद्ध पक्षकार

7. निम्नलिखित आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने अपने उत्तर तथा अन्य अभ्यावेदन प्रस्तुत किए हैं :-

- I. मै. डायमंड पाइप्स एंड ट्यूब्स प्रा. लि.
- II. मै. ऑर्गनाइजेशन ऑफ प्लास्टिक प्रोसेसर्स ऑफ इंडिया
- III. मै. एसोसिएशन ऑफ आईएसआई पीवीसी पाइप मैनुफैक्चरर्स ऑफ तमिलनाडु
- IV. मै. प्रीमियर पॉली फिल्म लि.
- V. मै. आरएमजी पॉली विनायल इंडिया लि.
- VI. मै. संखला इंडस्ट्रीज
- VII. मै. पीवीसी कन्वर्टर्स इंडिया प्रा. लि.
- VIII. मै. अखिल भारतीय प्लास्टिक उद्योग परिसंघ
- IX. मै. मार्वन विनायल लि.
- X. मै. अखिल भारतीय प्लास्टिक विनिर्माता एसोसिएशन

8. उपर्युक्त के अलावा निम्नलिखित पक्षकारों ने भी हितबद्ध पक्षकारों के रूप में सार्वजनिक सुनवाई में भाग लिया और संक्षिप्त अभ्यावेदन प्रस्तुत किए :-

- XI. गुजरात राज्य प्लास्टिक विनिर्माता एसोसिएशन
- XII. मै. जैन सिंचाई प्रणाली और
- XIII. आंध्र प्रदेश प्लास्टिक विनिर्माता एसोसिएशन

ग. विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

9. घरेलू उद्योग द्वारा यह निवेदन किया गया है कि पॉली विनायल क्लोराइड (पीवीसी) शुरुआती प्लास्टिक में से है और अनुप्रयोगों में बड़ी किस्मों के साथ सर्वाधिक प्रयोग होने वाली वस्तु है। एक रसायनिक प्रतिक्रिया के जरिए इथिलीन और क्लोरीन का युग्मीकरण करके इथिलीन डाइक्लोराइड (ईडीसी) बनाया जाता है जिसे फिर विनायल क्लोराइड मोनोमर (वीसीएम) में परिवर्तित किया जाता है। पॉलीमराइजेशन प्रक्रिया के जरिए वीसीएम मोनोमर को विनायल पॉलीमर महीन दानेदार, सफेद पाउडर अर्थात् पीवीसी रेजिन में परिवर्तित किया जाता है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि एक दूसरे तरीके का प्रयोग करके भी पीवीसी रेजिन का उत्पादन किया जाता है जिसमें कैल्शियम कार्बाइड से एसिटिलीन का उत्पादन किया जाता है और वीसीएम के उत्पादन के लिए एसिटिलीन की प्रतिक्रिया हाइड्रोक्लोरिक अम्ल से कराई जाती है और पीवीसी प्राप्त करने के लिए वीसीएम का पॉलीमराइजेशन किया जाता है। पॉलीमराइजेशन प्रक्रिया के विभिन्न प्रकार हैं अर्थात् 1) निलंबन पॉलीमराइजेशन, 2) इमल्शन पॉलीमराइजेशन 3), थोक मास पॉलीमराइजेशन और 4) सूक्ष्म निलंबन पॉलीमराइजेशन प्रक्रिया। विश्व का लगभग 85% पीवीसी उत्पादन निलंबन पॉलीमराइजेशन से होता है। वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद के दायरे में केवल पॉली विनायल क्लोराइड (पीवीसी) - निलंबन ग्रेड

शामिल है। इस उत्पाद को भारतीय टैरिफ वर्गीकरण के उपशीर्ष 3904. 2110 के तहत सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 39 के तहत वर्गीकृत किया गया है। तथापि, सीमाशुल्क वर्गीकरण सांकेतिक मात्र है और जांच के दायरे पर किसी भी प्रकार बाध्यकारी नहीं है।

10. पीवीसी रेजिन की सर्वाधिक महत्वपूर्ण विशेषताएं हैं आणविक भार, पोरोसिटी, कण का आकार तथा उसका वितरण। आणविक भार को रिएक्टर तापमान, प्रवर्तक घनत्व, आलोड़न तथा पायसीकरण से नियंत्रित किया जाता है। कण के आकार एवं फेरोसिटी को आलोड़न और निलंबन एजेंटों की मात्रा/प्रकृति द्वारा नियंत्रित किया जाता है। प्रक्रियात्मकता और इष्टतम निष्पादन विशेषताएं प्राप्त करने के लिए पीवीसी रेजिन का युग्मीकरण आवश्यक है अर्थात् वांछित विशेषताएं प्राप्त करने के लिए चुनिंदा रसायनिक संयोजियों तथा परिवर्तकों के साथ युग्मीकरण। इन संयोजियों को स्थिरिकारकों, प्लास्टिसाइजर्स, स्नेहकों, फिलर्स, प्रभाव परिवर्तकों, प्रसंस्करण सहायकों, रंजकों और अन्य विभिन्न सामग्रियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। एक बार इन्हें शामिल करने के बाद परिणामी सामग्री विनायल यौगिक को कई प्रकार के उत्पादों में परिवर्तित किया जा सकता है। संयोजियों के विशिष्ट पैकेज का चयन विनिर्मित किए जाने वाले अंतिम उत्पाद पर निर्भर करता है।

11. पीवीसी का उपयोग पाइप्स एवं फिटिंग्स, लोचशील होजेज, फिल्मों/शीटों, बॉटलों, प्रोफाइलों, तार एवं केबलों तथा फुटवियरों आदि जैसे विभिन्न उत्पादों के विनिर्माण में किया जाता है। पीवीसी पाइप्स एवं फिटिंग्स का प्रयोग सिंचाई, पेय जलपूर्ति, भवन निर्माण एवं प्लम्बिंग, सीवरेज, वर्षाजल डक्टिंग हेतु स्वच्छता, इलेक्ट्रिक वायरिंग को छुपाने की नालियां आदि में किया जाता है। पीवीसी फिल्मों/शीटों का प्रयोग पैकेजिंग अनुप्रयोगों, रेन वियर, ऊष्मारोधी टेपों, टेबल कवर्स, स्टेशनरी वस्तुओं, फुलाने योग्य खिलौनों, फोटो एलबमों, कॉलर बैंडों, स्ट्रेच क्लिंग/स्ट्रेच रैप/ट्विस्ट रैप फिल्मों, बिल बोर्ड फिल्म तथा कई अन्य अनुप्रयोगों में किया जाता है। पीवीसी प्रोफाइलों का प्रयोग मुख्य रूप से दरवाजों, खिड़कियों, पैनलों, पार्टिशन, फ्रेमों, कियोस्क आदि जैसे अनुप्रयोगों में किया जाता है। पीवीसी का प्रयोग तारों एवं केबलों में किया जाता है जिसका प्रयोग मुख्य रूप से घरेलू वायरिंग, इलेक्ट्रिक कॉर्ड्स तथा कम वोल्टेज वाले पावर केबलों के विनिर्माण में किया जाता है।

12. यह तर्क दिया गया है कि आवेदकों द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देशों से आयातित पीवीसी भौतिक एवं रसायनिक विशेषताओं, उत्पाद विशिष्टताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं प्रयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन जैसे गुणावगुणों के रूप में तुलनीय हैं और इसीलिए उन्हें शब्दावली के अर्थ के भीतर समान वस्तु माना जाए।

ग.1 हितबद्ध पक्षकारों के विचार

13. मै. कानेका कॉर्पोरेशन, जापान में अपने अभ्यावेदनों में यह तर्क दिया है कि याचिका में पीवीसी रेजिन का अति संक्षिप्त सामान्य अवलोकन दिया गया है। यद्यपि

आवेदन में यह विशेष रूप से कहा गया है कि वर्तमान में विचाराधीन उत्पाद के दायरे में केवल पीवीसी-निलंबन ग्रेड ही शामिल है, तथापि आवेदकों ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि पीवीसी-निलंबन ग्रेड क्या है। अतः यह महत्वपूर्ण है कि संबद्ध पीवीसी रेजिन को पर्याप्ततः स्पष्ट किया जाए ताकि प्राधिकारी वर्तमान याचिका एवं जाँच में विचाराधीन उत्पाद के दायरे का आकलन कर सकें। निर्यातक ने पीवीसी रेजिनों के विभिन्न प्रकारों तथा उसके अनुप्रयोग के क्षेत्रों का विस्तृत तकनीकी ब्यौरा दिया है। भारतीय उत्पादकों द्वारा उत्पादित पीवीसी निलंबन रेजिन के उत्पाद कैटलॉग की विस्तृत समीक्षा के आधार पर निर्यातक ने तर्क दिया है कि भारतीय उत्पादकों द्वारा कुछेक विशिष्ट श्रेणी के पीवीसी का विनिर्माण नहीं किया जाता है और वस्तुतः, घरेलू बाजार में भारतीय उत्पादकों द्वारा विनिर्मित एवं विक्रीत सामान्य ग्रेड के पीवीसी रेजिन की तुलना में ये विशिष्ट श्रेणी के पीवीसी समान वस्तु नहीं हैं। अतः, यह तर्क दिया गया है कि विशेष श्रेणी के पीवीसी को जाँच से बाहर रखा जाए।

14. कानेला द्वारा यह भी तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा कुछेक निम्न के-मूल्य तथा उच्च के-मूल्य वाले पीवीसी रेजिनों (के-मूल्य 57 से कम तथा 71 से अधिक) का उत्पादन नहीं किया जाता है क्योंकि उनके पास के-मूल्यों की इस रेंज, जिसके लिए अधिक तकनीकी ज्ञान एवं प्रक्रिया मापदंडों को नियंत्रित करने की क्षमता अपेक्षित होती है, के पीवीसी रेजिनों के विनिर्माण के लिए कुछेक अत्यावश्यक मापदंडों को नियंत्रित करने की क्षमता नहीं है।

15. इन तकनीकी तर्कों के आधार पर निर्यातक ने निवेदन किया है कि विचाराधीन उत्पाद के दायरे को घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पीवीसी रेजिन तक सीमित रखना चाहिए जिसे " विनायल क्लोराइड मोनोमर के होमो पॉलीमर, 55-71 के-मूल्य वाले, तथा सीमाशुल्क वर्गीकरण 3904.21 के अंतर्गत आने वाले 100-180 के औसत कण आकार वाले, जहाँ विभिन्न पॉलीमर श्रृंखलाएँ एक-दूसरे से जुड़ी नहीं हों, " के रूप परिभाषित किया गया है। यह भी तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी द्वारा यह पर्याप्त रूप से स्पष्ट किया जाना चाहिए कि पीवीसी रेजिनों के अन्य सभी प्रकार वर्तमान जाँच के दायरे से बाहर हैं।

16. जापान के दूतावास ने 31 जुलाई 2006 के अपने पत्र के माध्यम से विचाराधीन उत्पाद के दायरे से पीवीसी की विशिष्ट ग्रेड को बाहर रखने तथा प्राधिकारी के जांच परिणाम में इसे स्पष्ट करने के लिए इसी प्रकार का निवेदन किया है।

17. मै. सांखला इंडस्ट्रीज ने अपने अभ्यावेदनों में निवेदन किया है कि वे पीवीसी रेजिन के विशिष्ट ग्रेड जिसका के-मूल्य 57, 70, 84 है, के नियमित आयातक हैं। आमतौर पर इसका प्रयोग वांछित लोचशील विशेषताओं तथा उच्चतर इलेक्ट्रिकल विशेषताओं और विशिष्टतायुक्त यौगिकों के लिए किया जाता है। उन्होंने तर्क दिया है कि के-67 वाले पीवीसी रेजिन को छोड़कर सभी अन्य को पीवीसी रेजिन के विशिष्ट ग्रेडों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है क्योंकि पीवीसी के सभी ग्रेडों का विनिर्माण स्थानीय विनिर्माताओं द्वारा नहीं किया जाता है।

18. सारांशतः हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि विचाराधीन उत्पाद के दायरे को घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित पीवीसी के सामान्य ग्रेड तक सीमित रखा जाए और पीवीसी के सभी विशिष्ट ग्रेडों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा जाए क्योंकि वे भौतिक एवं रासायनिक तकनीकी विशेषताओं के साथ-2 वाणिज्यिक प्रतिस्थापनीयता के रूप में तुलनीय नहीं हैं।

ग. 2 घरेलू उद्योग के विचार

19. जापानी दूतावास के दिनांक 31 जुलाई 2006 के पत्र सं.3/7/06 तथा कानेका कॉर्पो., जापान की ओर से किए गए अभ्यावेदनों पर टिप्पणी करते हुए घरेलू उद्योग ने स्पष्ट किया है कि क्रॉस-लिंकड पीवीसी, क्लोरीनेटेड पीवीसी (सीपीवीसी), विनायल क्लोराइड-विनायल एसीटेट को पॉलीमर(वीसीएसी), पीवीसी प्लास्टिक रेजिन तथा पीवीसी ब्लेंडिंग रेजिन जैसे विशिष्टतायुक्त ग्रेडों वाले पीवीसी जाँचाधीन संबद्ध वस्तु से अलग हैं और भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया, कार्य एवं प्रयोग, उत्पाद विनिर्देशन तथा कीमत निर्धारण जैसी विशेषताओं के रूप में वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय नहीं हैं। घरेलू उद्योग द्वारा यह निवेदन किया गया है कि क्रॉस-लिंकड पीवीसी, सीपीवीसी तथा वीसी-एसी विचाराधीन उत्पाद से रासायनिक एवं तकनीकी रूप से भिन्न हैं। पीवीसी पेस्ट रेजिन और पीवीसी ब्लेंडिंग रेजिन, रेजिन प्लास्टिक के आकार के संबंध में भिन्न हैं। विशिष्टतायुक्त ग्रेड के पीवीसी अर्थात् क्रॉस-लिंकड पीवीसी, सीपीवीसी तथा वीसी-एसी की कीमत भी विचाराधीन उत्पाद से अधिक होती है। विचाराधीन उत्पाद से उनकी भौतिक, रासायनिक, तकनीकी एवं वाणिज्यिक भिन्नता को देखते हुए उक्त विशिष्टतायुक्त ग्रेड वाले पीवीसी रेजिन्स जाँचाधीन पीवीसी रेजिन की तुलना में 'समान वस्तु' नहीं हैं। अतः, घरेलू उद्योग विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु के दायरे से उनको विशिष्ट रूप से बाहर करने पर सहमत है।

20. तथापि, विचाराधीन उत्पाद के दायरे से उच्च एवं निम्न के-मूल्य वाले पीवीसी रेजिनों को बाहर रखने के लिए मै. कानेका कॉर्पो., जापान तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों, पर टिप्पणी करते हुए घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि उच्च के-मूल्य तथा निम्न के-मूल्य वाले पीवीसी रेजिन कह कर इन पक्षकारों ने संबंधित उत्पाद को अलग-2 करने का प्रयास किया है। विचाराधीन उत्पाद केवल पॉली विनायल क्लोराइड (पीवीसी) - निलंबन ग्रेड है और इसमें उनके के-मूल्य पर ध्यान दिए बिना पीवीसी रेजिन (निलंबन ग्रेड) की सभी किस्में शामिल हैं। भारत में उद्योग द्वारा 50-90 के-मूल्य के पीवीसी रेजिन (निलंबन ग्रेड) का उत्पादन किया जाता है। यह तर्क दिया गया है कि यह आरोप कि भारतीय उत्पादक 57-71 से इतर के-मूल्य रेंज के पीवीसी रेजिन के उत्पादन हेतु आवश्यक मापदंडों को नियंत्रित नहीं कर सकते हैं, अनुचित और गलत है। अतः, पीवीसी रेजिन के के-मूल्य के आधार पर विचाराधीन उत्पाद के दायरे को और संकुचित करने के लिए कानेका कॉर्पो., जापान के अभ्यावेदन का कोई औचित्य नहीं है।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

21. प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु के मुद्दे पर विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए विभिन्न तर्कों एवं घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए स्पष्टीकरणों की जांच की है। पाटनरोधी नियमों के नियम 2(घ) में यह प्रावधान है कि "समान वस्तु" का तात्पर्य किसी ऐसी वस्तु से है जो भारत में पाटन किए जाने के लिए जांचाधीन वस्तु के जैसी या सभी रूपों में उसके समान है अथवा ऐसी किसी वस्तु की अनुपस्थिति में कोई ऐसी अन्य वस्तु जो यद्यपि सभी रूपों में समान नहीं है परंतु उसकी विशेषताएं जांचाधीन वस्तु से काफी मिलती-जुलती हैं" वर्तमान मामले में घरेलू उद्योग और हितबद्ध पक्षकार, दोनों ने तर्क दिया है कि क्रॉस-लिंकड पीवीसी, क्लोरिनेटेड पीवीसी (सीपीवीसी), विनायल क्लोराइड-विनायल एसिटेड पॉलीमर (वीसी-वीए), पीवीसी पेस्ट रेजिन और पीवीसी ब्लेंडिंग रेजिन जैसे विशिष्ट ग्रेड वाले पीवीसी निलम्बर रेजिन विचाराधीन संबद्ध वस्तु से भिन्न हैं और भौतिक एवं रसायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया, कार्य एवं उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशन और कीमत निर्धारण जैसी विशेषताओं के रूप में तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय नहीं हैं। अतः प्राधिकारी मानते हैं कि ऐसे विशिष्टता ग्रेड वाले पीवीसी रेजिन्स घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित एवं बिक्री किए जाने वाले सामान्य ग्रेड के (पीवीसी के होमोपॉलीमर्स) पीवीसी रेजिन्स के समान वस्तु नहीं हैं। तदनुसार, ऊपर उल्लिखित ऐसे विशिष्ट ग्रेड के पीवीसी रेजिनों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा गया है।

22. जहां तक के मूल्यों के आधार पर पीवीसी के कुछेक ग्रेडों को बाहर रखने का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों के समस्त अभ्यावेदन इन तर्कों पर आधारित हैं कि या तो घरेलू उद्योग द्वारा इन ग्रेडों का उत्पादन नहीं किया जाता है या उनके पास संगत मापदंडों को नियंत्रित करके इन ग्रेडों का उत्पादन करने की क्षमता नहीं है। यह सिद्ध करने के लिए कोई तर्क नहीं दिया गया है कि ये ग्रेड अपनी भौतिक एवं रसायनिक विशेषताओं तथा तकनीकी एवं वाणिज्यिक प्रतिस्थापनीयता के संबंध में 57-71 के मूल्य के पीवीसी रेजिनों के समान नहीं हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि सभी के मूल्यों के पीवीसी रेजिनों का भारत में आयात किया जा रहा है और हितबद्ध पक्षकारों ने यह सिद्ध करने के लिए रिकार्ड में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि निम्न के मूल्य और उच्च के मूल्य के पीवीसी रेजिन भिन्न-भिन्न हैं और वे 55-71 के मूल्य वाले पीवीसी के साथ तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय नहीं हैं। अतः कप्राधिकारी ने इन ग्रेडों को बाहर रखने के लिए हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों में कोई पात्रता नहीं पाई है।

23. तदनुसार, विचाराधीन उत्पाद को एतद्वारा निम्नानुसार परिभाषित किया जाता है, "विनायल क्लोराइड मोनोमर के होमोपॉलीमर (निलम्बर ग्रेड), जहां विभिन्न पॉलीमर

श्रृंखलाएं एक-दूसरे से जुड़ी न हों और वे सीमशुल्क वर्गीकरण सं. 3904-21 के अंतर्गत आते हों । तथापि, विचाराधीन उत्पाद में क्रॉस-लिंकड पीवीसी, क्लोरिनेटेड पीवीसी (सीपीवीसी), विनायल क्लोराइड-विनायल एसिटेड को पॉलीमर (वीसी-एसी), पीवीसी पेस्ट रेजिन और पीवीसी ब्लेंडिंग रेजिन जैसे विशिष्ट ग्रेडों के पीवीसी निलंबन रेजिन्स शामिल नहीं हैं ।"

24.. कनेका कॉर्पोरेशन ने प्रकटीकरण उपरांत अपने निवेदन में के-वैल्यू के आधार पर पीवीसी के कतिपय ग्रेडों को बाहर रखने के अपने तर्क को दोहराया है । यह तर्क दिया गया है कि तकनीकी तथा वाणिज्यिक प्रतिस्थापनीयता अपने आप में कोई मानदंड नहीं है, अपितु अनेक मानदंडों पर आधारित निर्धारण का एक अंतिम परिणाम है । आगे यह भी तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग के प्रस्तुतीकरण में यह सिद्ध नहीं किया गया है कि उत्पाद की विशेषताओं, कार्य तथा उपयोग, विनिर्माण प्रौद्योगिकी, मूल्य निर्धारण आदि जैसे मानदंडों के अनुसार इन उत्पादों में भिन्नता के संबंध में कनेका के तर्क गलत हैं । मै. सांखला इंडस्ट्रीज ने अपनी टिप्पणियों में विभिन्न के-वैल्यू युक्त पीवीसी सस्पेंशन ग्रेडों के उपयोग तथा उनकी श्यानता के संबंध में कतिपय सूचना उपलब्ध कराई है और यह निवेदन किया है कि उत्पादक द्वारा अनेक प्रकार के पीवीसी बहुलकों का निर्माण किया जाता है, जिनकी मार्फॉलॉजी तथा आणविक संरुति भिन्न-भिन्न होती है, जो उसके अंतिम उपयोग पर आधारित होती है । परंतु के-67 के पीवीसी रेजिन के सस्पेंशन ग्रेड, जो सामान्य पाइप ग्रेड है, की खपत सर्वाधिक है और सभी कंपनियों द्वारा इसी ग्रेड का सबसे अधिक उत्पादन किया जाता है । सभी स्थानीय सप्लायर अपनी स्थापित क्षमता के 90% तक के-67 पाइप ग्रेड का उत्पादन कर रहे हैं । अतः इस जांच में पीवीसी के अन्य ग्रेडों को शामिल करने का कोई कारण नहीं बनता । इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यद्यपि उत्पाद पीवीसी के अनेक ग्रेड तथा उप-प्रकार हैं, तथापि उनकी भौतिक एवं रासायनिक विशेषताएं तथा अंतिम उपयोग एक समान हैं, हालांकि के-वैल्यू तथा अन्य मानदंडों के रूप में इनके विनिर्देशनों पर इन ग्रेडों का उत्पादन करने वाले विनिर्माताओं का नियंत्रण होता है । यह सिद्ध करने के लिए कि ये विभिन्न ग्रेड एक-दूसरे के समान वस्तुएं नहीं हैं, किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई वास्तविक साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है । अतः इस बारे में इस पक्षकार तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों के तर्क वैध नहीं हैं । तदनुसार पीवीसी के सभी ग्रेडों को समान वस्तु माना गया है और विचाराधीन उत्पाद में शामिल किया गया है, सिवाय इसके विशेष प्रकारों को, जिन्हें प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत तकनीकी साक्ष्य के आधार पर इन जांच परिणाम में छूट दे दी गई है ।

घ. घरेलू उद्योग की स्थिति और जांच की शुरुआत

25. संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए आवेदन मै. इंडियन पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरेशन लि. (आईपीसीएल), मै. धरग्रध केमिकल एंड वर्क्स (डीसीडब्ल्यू), मै. केमप्लास्ट सन्मार लि. (केमप्लास्ट) तथा मै. डीसीएम श्रीराम कंसॉलिडेटेड लि. (डीएससीएल) द्वारा प्रस्तुत किया गया है । मै. रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. (आरआईएल) ने आवेदन का समर्थन किया है । आवेदकों ने दावा किया है कि समर्थक

सहित आवेदक भारत में विचाराधीन उत्पादन का 100% उत्पादन करते हैं इसलिए वे इस मामले में घरेलू उद्योग हैं ।

घ.1 हितबद्ध पक्षकारों के विचार

26. भारतीय प्लास्टिक प्रसंस्कर्ता संगठन, अखिल भारतीय प्लास्टिक उद्योग परिसंघ तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने अपने-अपने अभ्यावेदनों में तर्क दिया है कि यद्यपि याचिकाकर्ताओं ने अन्य उत्पादकों के पर्याप्त समर्थन का दावा किया है, तथापि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इस तथ्य के मद्देनजर कि अन्य उत्पादन मै. आर.आई.एल और मै. फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज लि. के पास घरेलू उद्योग का लगभग 50% हिस्सा है, स्वतंत्र रूप से समर्थनकर्ता कंपनियों का सत्यापन किया जाना अनिवार्य है । स्वयं की स्वीकारोक्ति के अनुसार रिलायंस उद्योग लि. भारत के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है । तथापि, रिलायंस उद्योग लि. के आंकड़ों को क्षति निर्धारण करने तथा यह निर्धारित करने कि क्या समग्र रूप से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है, के प्रयोजनार्थ शामिल किया गया है । यह तर्क दिया गया है कि रिलायंस उद्योग को आईपीसीएल के साथ जांच में अवश्य शामिल होना चाहिए क्योंकि दोनों निकाय पूरी तरह से मै. आरआईएल के प्रबंधन के अधीन हैं । आईपीसीएल की उत्पादन प्रणाली और व्यवसाय कार्यनीति संबंधी निर्णय आर आई एल की प्रणाली के अनुरूप हैं । अतः हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि प्राधिकारी को याचिकाकर्ताओं पर मै. आरआईएल सहित घरेलू उद्योग के संपूर्ण तथ्य प्रस्तुत करने के लिए दबाव डालना चाहिए ।

27. इसके अतिरिक्त, रिलायंस उद्योग लि. बनाम प्राधिकारी एवं अन्य के सिविल अपील सं. 2001 का 1294 के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा 11 सितंबर, 2006 को पारित निर्णय तथा ईसी-बेड लिनेन मामले में डब्ल्यूटीओ अपीलीय निकाय के निर्णयों को उद्धृत करते हुए हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि क्षति विश्लेषण में मै. आरआईएल सहित संबद्ध वस्तु के सभी घरेलू उत्पादकों को शामिल किया जाना चाहिए ।

28. यह भी तर्क दिया गया है कि भारत में कुछेक उत्पादक इथिलीन/ईडीसी/वीसीएम मार्ग के बजाय संबद्ध वस्तु के उत्पादन के लिए कैलिशियम कार्बाइड मार्ग का प्रयोग किया जाता है । अतः, प्राधिकारी को विचाराधीन उत्पाद से जुड़ी कच्ची सामग्री निविष्टियों की लागत, आबद्ध खपत एवं सह-उत्पादों, यदि कोई हों, पर विचार किया जाना चाहिए । इस संबंध में विश्लेषण का घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत के परिकलन पर अत्यधिक प्रभाव पड़ेगा ।

घ.2 घरेलू उद्योग के विचार

29. घरेलू उद्योग तथा मै. आरआईएल ने अपने निवेदनों में अन्य बातों के अलावा यह तर्क दिया कि सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की हितबद्ध पक्षकारों ने गलत व्याख्या की है क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय ने नियम 2(ख) के तहत यथा परिभाषित घरेलू उद्योग की परिभाषा में बदलाव नहीं किया है । यह तर्क दिया गया है कि सर्वोच्च न्यायालय के

फैसले के सरल पाठन से स्पष्ट रूप से विदित होता है कि "समूचे घरेलू उद्योग" के शब्दों के प्रयोग द्वारा न्यायालय मात्र इस बात पर जोर दे रहा है कि प्राधिकारी "घरेलू उद्योग" की सभी इकाइयों के संबंध में क्षति का आकलन करे और एनआईपी की गणना करे। "घरेलू उद्योग" शब्दों का वैसा ही अर्थ लिया जाए जैसा कि परिभाषा में और नियमावली के तहत दिया गया है, विशेष रूप से तब जबकि सर्वोच्च न्यायालय ने उक्त परिभाषा के विरुद्ध कुछ भी कहा नहीं अथवा उसे रद्द नहीं किया है। यदि ऐसी कोई व्याख्या मांगी गई हो कि देश के सभी उत्पादकों के संबंध में क्षति तथा एनआईपी का निर्धारण किया जाए तो ऐसी स्थिति में समूचे "घरेलू उद्योग" शब्दों को "सभी घरेलू उद्योग" के रूप में पढ़ने के समान होगा जो कि उक्त आदेश में न तो कहा ही गया है और न ही ऐसा आशयित है। यह भी कहा जाता है कि एनआईपी का निर्धारण परिभाषित घरेलू उद्योग में किया जाता है; इसे समूचे देश के लिए लागू किया जाना चाहिए। इसी का हवाला रिलायंस के फैसले में देश विशेष के रूप में दिया गया है और यही निर्दिष्ट प्राधिकारी की मौजूदा प्रक्रिया भी है। डब्ल्यूटीओ करार के तहत भी "घरेलू उद्योग" शब्दों को विशेष अर्थ दिया गया है और सांविधिक परिभाषा के संदर्भ से परे इसका कोई अर्थ तय करना उचित नहीं होगा। आवेदक उत्पादकों का कुल घरेलू उत्पादन में प्रमुख भाग है और उन्हें मै. आरआईएल सहित अन्य उत्पादकों का समर्थन प्राप्त है। अतः आवेदक निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष यह आवेदन-पत्र दायर करने हेतु इस मामले में घरेलू उद्योग के रूप में योग्यता रखते हैं और अन्य घरेलू उत्पादकों का अपने-अपने लागत एवं क्षति संबंधी आंकड़े प्रस्तुत करने का कोई दायित्व नहीं बनता है। किन्तु; उपरोक्त आपत्तियों के होते हुए भी मै. आरआईएल ने प्राधिकारी के अनुरोध के अनुसार क्षति-निर्धारण के प्रयोजनार्थ अपने लागत एवं क्षति संबंधी आंकड़े प्रस्तुत किए हैं।

घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

30. प्राधिकारी नोट करता है कि भारत में संबद्ध माल के छह ज्ञात उत्पादक हैं अर्थात् (1) मै. रिलायंस इंडस्ट्रीज लि.(आरआईएल), (2) मै. फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड (फिनोलेक्स), (3) मै. इंडियन पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरेशन लि. (आईपीसीएल); (4) मै. दरभंगा केमिकल एंड वर्क्स (डीसीडब्ल्यू), (5) मै. केमप्लास्ट सानमर लि. (केमप्लास्ट), और (6) मै. डीसीएम श्रीराम कनसोलिडेटेड लि. (डीएससीएल)। इन उत्पादकों में से मै. फिनोलेक्स भी संबद्ध माल का एक प्रमुख आयातक है और इसीलिए उसे घरेलू उद्योग का एक हिस्सा बनने हेतु अर्हता प्राप्त नहीं समझा जाता है। आवेदन-पत्र अंतिम चार उत्पादकों द्वारा दायर किया गया है जिनका संबद्ध माल के घरेलू उत्पादन में लगभग 53% हिस्सा है। तदनुसार, वे उक्त नियमावली के आशय के भीतर घरेलू उद्योग बनते हैं।

31. मै. आरआईएल जिनका घरेलू उत्पादन में शेष हिस्सा है, आरंभ में तो उक्त आवेदन में शामिल तो नहीं हुए थे लेकिन उन्होंने अन्य उत्पादकों के आवेदन पत्र को समर्थन दिया। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के अनुसरण में मै. आरआईएल से कहा गया था कि वे समूचे घरेलू उद्योग के संबंध में एनआईपी तथा क्षति के निर्धारण के लिए अपने लागत एवं क्षति संबंधी आंकड़े दर्ज कराएं। आरआईएल ने प्राधिकारी के अनुरोध का

अनुपालन किया और प्राधिकारी ने इस घरेलू उत्पादक के आंकड़ों का सत्यापन भी किया है । अतः प्राधिकारी का निर्णय है कि क्षति-जांच में उन आवेदकों तथा आवेदन-पत्र के समर्थकों को कवर किया गया है जो संबद्ध माल के पात्र घरेलू उत्पादन के 100% हिस्से को कवर करते हैं ।

ड आयात मात्रा और न्यूनतम सीमाएं

32. प्राधिकारी ने डीजीसीआई एंड एस द्वारा रिपोर्ट किए तथा घरेलू उद्योग सहित विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत जानकारी के अनुसार, संबद्ध माल की आयात मात्रा की जांच की है । घरेलू उद्योग ने भी गौण स्रोतों अर्थात् आईबीआईएस से प्राप्त आयात आंकड़े उपलब्ध कराए हैं और उन्होंने तर्क दिया है कि चित्रण समस्याओं और विभिन्न अन्य शीर्षकों के तहत गलत वर्गीकरण की वजह से डीजीसीआईएंड एस द्वारा कतिपय आंकड़े प्राप्त नहीं किए जा सके होंगे । जांच प्रारंभ के समय घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत आयात आंकड़ों के आधार पर संबद्ध देशों से आयात मात्रा न्यूनतम सीमा से अधिक पाई गई और इसके अलावा संबद्ध देशों से पाटन के प्रथम दृष्टया साक्ष्य, घरेलू उद्योग को हुई क्षति और पाटन तथा क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के आधार पर प्राधिकारी ने जांच प्रारंभ अधिसूचना में बताए गए देशों के विरुद्ध यह जांच प्रारंभ की ।

33. किन्तु, हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि क्षेत्र के रूप में माने गए यूरोपीय संघ (ईयू) से हुए आयात न्यूनतम स्तर से अधिक हैं और इसीलिए ईयू को भी जांच प्रयोजनार्थ देशों में शामिल किए जाने की आवश्यकता है ताकि पाटनरोधी नियमावली के उपबंधों के अनुसार ईयू सहित आयातों के प्रभाव के संचयी आकलन पर विचार किया जा सके । यह तर्क दिया गया है कि याचिकाकर्ताओं द्वारा स्वयं दी गई ईयू की आयात कीमतें यह दर्शाती हैं कि ये कीमतें बिल्कुल कम हैं और कुछ मामलों में संबद्ध देशों की कीमतों की तुलना में भी कम हैं । अतः ईयू की ऐसी कम कीमतों के कारण यदि घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो रही है तो संबद्ध देशों से होने वाले आयातों की वजह से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है । हितबद्ध पक्षकारों ने प्रकटीकरण उपरांत निवेदनों में अपने तर्कों को दोहराया है ।

34. घरेलू उद्योग ने अपने निवेदन में तर्क दिया है कि हितबद्ध पक्षकारों के उक्त निवेदन निराधार हैं और उसके साथ वास्तविक आंकड़े भी नहीं दिए गए हैं । इस क्षेत्र (समूचे ईयू) के कुछ अलग-अलग देशों ने कीमतें नकली दिखाई हैं ताकि यह दावा किया जा सके कि ये कीमतें संबद्ध देशों की कीमतों से अपेक्षतया कम हैं । यह तर्क दिया गया है कि इस प्रकार का प्रस्ताव एवं दृष्टिकोण पाटनरोधी जांचों के आधार के विरुद्ध है । कानून में शुल्क लगाए जाने संबंधी अपवाद की काट नहीं है जबकि शुल्कारोपण की शर्तें पूरी नहीं हैं अर्थात् जब पाटन, क्षति तथा कारणात्मक संबंधी की पुष्टि हो रही हो ।

35. प्राधिकारी ने वाणिज्यिक जानकारी एवं सांख्यिकी महानिदेशालय और आईबीआईएस द्वारा यथा प्रस्तुत संबद्ध देशों की आयात आंकड़ों की जांच की है और यह बात संज्ञान में आती है कि अलग-अलग सदस्य देशों से संबद्ध माल से हुए आयात बहुत

ही कम हैं और उनका हिस्सा जांच अवधि के दौरान किए कुल आयातों में थोड़ा ही प्रतिशत है । किन्तु, संचयी आधार पर इन आयातों का हिस्सा भारत में संबद्ध माल के कुल आयातों के लगभग 6% बैठता है । लेकिन, इन देशों से हुए आयातों की औसत कीमतें, साथ में मिलाकर तथा उन पर अलग से विचार करके इस जांच में गिनाए गए देशों की औसत कीमत की तुलना में काफी अधिक है ।

देश	मी.ट.	लाख रुपए	औसत कीमत रु./मी.ट.	हिस्सा
कुल संबद्ध देश	215947	79067.85	36614.00	85.03%
कुल ईयू	15508	5788.30	37315.62	6.11%
योग	253975	92647.33	36478.87	100.00%

36. प्राधिकारी यह भी नोट करता है कि किसी देश के विरुद्ध कोई भी जांच तब की जाती है जब इस बात के पर्याप्त साक्ष्य हों कि उस देश अथवा क्षेत्र से पाटन और उसके परिणामस्वरूप क्षति हो रही है और इसके लिए यह भी शर्त है कि ऐसे देश अथवा क्षेत्र से होने वाले आयातों की मात्रा नगण्य नहीं है और पाटन-मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक नहीं है । मौजूदा मामले में यूरोपीय यूनियन के सदस्य देशों से होने वाले पाटन का कोई आरोप नहीं है हालांकि उस क्षेत्र से होने वाले आयातों की संचयी मात्रा काफी अधिक है और यह न्यूनतम स्तर से अधिक है । इस क्षेत्र का कीमत-स्तर भी जांच में शामिल संबद्ध देशों की कीमतों की तुलना में अधिक है । अतः प्राधिकारी को इस जांच में यूरोपीय यूनियन को शामिल किए जाने के बारे में हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों में कोई भी गुणावगुण दिखाई नहीं देता है ।

च. अन्य निवेदन तथा हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दे

च.1 गोपनीयता से संबंधित मुद्दे

च.1.1 घरेलू उद्योग

37. घरेलू उद्योग ने अपने विभिन्न निवेदनों में अन्य बातों के अलावा, गोपनीयता और निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अपर्याप्त खुलासों संबंधी अनेक मुद्दे उठाए हैं और अन्य बातों के अलावा यह तर्क दिया है कि प्रतिवादी निर्यातक भारतीय कानून के तहत अपना दायित्व पूरा करने में असफल रहे हैं क्योंकि उन्होंने निर्यातक प्रश्नावली के प्रत्युत्तर का सार्थक सारांश प्रस्तुत नहीं किया है । यह तर्क दिया गया है कि निर्यातकों ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है और इसके लिए उन्होंने कोई औचित्य नहीं दिया है और प्रश्नावली प्रत्युत्तर का अगोपनीय विवरण (एनसीवी) बिना कोई कारण दिए गोपनीय अंश में विहित प्रत्येक जानकारी के संबंध में नहीं दिया गया है । निर्यातकों के लिए यह जरूरी था कि इन कारणों का यथोचित विवरण दिया जाता कि गोपनीयता का दावा क्यों किया गया और कतिपय जानकारी के संबंध में सारांश देना क्यों संभव नहीं हो पाया । यहां तक कि एनसीवी के पूरे ब्यौरे भी पर्याप्त नहीं हैं जिनसे यह अनुमति हो कि गोपनीयता में प्रस्तुत जानकारी की विषय वस्तु की यथोचित समझ बन सके । इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग कारगर निवेदन के वास्तविक अधिकार से

वंचित रह गया जैसा कि गोपनीयता संबंधी उपबंध तैयार करने के उद्देश्य एवं दायरे के तहत विदित होता है । यह तर्क दिया गया है कि कानून में यह प्रावधान है कि यदि प्राधिकारियों को यह लगता है कि गोपनीयता के लिए अनुरोध करना जरूरी नहीं समझा जाता है और यदि जानकारी प्रस्तुतकर्ता ऐसी जानकारी को सार्वजनिक किए जाने अथवा वह अपने खुलासे को सामान्यीकृत अथवा सारांश रूप में प्राधिकृत किए जाने का इच्छुक नहीं है तो ऐसी स्थिति में प्राधिकारी ऐसी जानकारी की उपेक्षा कर सकते हैं । घरेलू उद्योग ने आगे यह भी तर्क दिया है कि प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत प्रश्नावली प्रत्युत्तर पूर्णतया त्रुटिपूर्ण हैं और उसमें किए गए अनेक प्रश्नों का प्रत्युत्तर नहीं दिया गया है । अतः प्राधिकारी को चाहिए कि वह ऐसे निर्यातकों के प्रत्युत्तर की उपेक्षा करे और अलग-अलग व्यवहार की मनाही द्वारा उन्हें असहयोगकारी घोषित करे ।

च.1.2 अन्य हितबद्ध पक्षकार

38. घरेलू उद्योग के गोपनीयता-दावों पर टिप्पणी करते हुए आर्गेनाइजेशन आफ प्लास्टिक प्रोसेसर्स आफ इंडिया जो संबद्ध माल के औद्योगिक प्रयोक्ताओं का प्रतिनिधित्व करता है, ने घरेलू उद्योग के अगोपनीय याचिका में जानकारी के अगोपनीय अपूर्ण खुलासे का मुद्दा उठाया है । अन्य बातों के साथ-साथ यह तर्क दिया गया है कि एनसीवी में सामान्य मूल्य की गणना संबंधी साक्ष्य अपूर्ण है और औद्योगिक प्रयोक्ता संबद्ध देशों से संबद्ध माल के आयातों के पाटन के आरोपों पर टिप्पणी नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि आवेदकों द्वारा निर्धारण की पद्धति तथा तत्वों का खुलासा नहीं किया है । यह तर्क दिया गया है कि याचिकाकर्ताओं ने समान मूल्य के निर्धारण में निर्भर जानकारी के अगोपनीय सारांश प्रस्तुत किए जाने की न्यूनतम अपेक्षा मात्र को भी पूरा नहीं किया है और उन्होंने इस जांच में स्वयं प्रस्तुत हेतु औद्योगिक प्रयोक्ताओं के अधिकार को काफी हद तक बाधित किया है ।

39. मै. फोरमोसा प्लास्टिक और मै. एलजी केम ने भी अपने-अपने निवेदनों में घरेलू उद्योग के अपनी याचिका में अत्यधिक गोपनीयता का मुद्दा उठाया है और तर्क दिया है कि आवेदन-पत्र के भाग-IV के एनसीवी में याचिकाकर्ताओं ने कोई भी जानकारी प्रस्तुत नहीं की है जिससे हितबद्ध पक्षकार एनआइपी के निर्धारण संबंधी आधार वाले इस भाग में शामिल उत्पादन लागत तथा अन्य कारकों के महत्वपूर्ण मुद्दे पर टिप्पणी करने से वंचित रह गए ।

च.1.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

40. जहां तक जांच में गोपनीयता और पक्षकारों द्वारा जानकारी के अपर्याप्त अगोपनीय खुलासे का संबंध है, पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों की जांच की गई है । प्राधिकारी नोट करता है कि जानकारी प्रस्तुत करने वाले विभिन्न पक्षकारों के गोपनीयता दावों की यथा संभव तथा व्यावहारिक सीमा तक जांच की गई है और पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत जानकारी के प्रकार के आधार पर उसे स्वीकार किया गया है । शामिल पक्षकारों की लागत तथा कीमत संबंधी जानकारी जोकि गोपनीय किस्म की होती है, को प्राधिकारी द्वारा इसी रूप में माना गया है और पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत अगोपनीय सारांशों को सार्वजनिक फोल्डर में रखा गया है ।

च.2 टिप्पणियों को समय से प्रस्तुत करना

41. जांच प्रारंभ और सार्वजनिक सुनवाई के बाद कानूनी निवेदनों में जांच प्रारंभ के स्तर के प्रति हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई विभिन्न आपत्तियों का प्रत्युत्तर देते हुए घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि सरकारी फाइल से स्पष्ट है कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने जांच प्रारंभ अधिसूचना की तारीख से निर्धारित समयावधि के भीतर जांच प्रारंभ के संबंध में अपनी-अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत नहीं की हैं। अतः हितबद्ध पक्षकारों को मौजूदा जांच के प्रारंभ होने के बारे में इतने समय बाद कोई भी आपत्ति करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है और इसी प्रकार उसे रिकार्ड में शामिल भी नहीं किया जा सकता है। यह तर्क दिया गया है कि हितबद्ध पक्षकारों को यह स्वतंत्रता नहीं है कि वे सभी प्रकार के मुद्दों को हर समय उठा सकें। यदि मुद्दा जांच प्रारंभ के बारे में है तो हितबद्ध पक्षकार निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपनी-अपनी टिप्पणियां दे सकते हैं।

42. हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि कानून में इस तरह का कोई प्रावधान नहीं है कि जांच प्रारंभ के प्रति आपत्तियां जब प्रारंभ की तारीख से 40 दिनों के भीतर दर्ज करवानी जरूरी हैं जैसाकि घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है और उन्हें जांच अवधि के दौरान मुद्दे उठाने का अधिकार है।

43. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने अपने-अपने प्रश्नावली-प्रत्युत्तर निर्धारित समयावधि के भीतर दायर किए और उन्होंने अपने-अपने निवेदन तथा पुनरुत्तर निर्धारित समय के भीतर सार्वजनिक सुनवाई के बाद दर्ज करवाए हैं। अतः घरेलू उद्योग द्वारा इस संबंध में उठाई गई आपत्तियां तर्कसंगत नहीं हैं।

44. घरेलू उद्योग ने अपने निवेदनों में सहभागी निर्यातकों द्वारा दायर प्रश्नावली-प्रत्युत्तरों पर भी टिप्पणियां की हैं और तर्क दिया है कि उन प्रश्नावली प्रत्युत्तरों में बहुत सी त्रुटियां तथा अपर्याप्त जानकारी दी गई है और इसीलिए निर्यातकों के सभी निवेदन रद्द किए जाएं तथा उन सभी निर्यातकों को असहयोगकारी घोषित किया जाए।

45. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की टिप्पणियों तथा प्राधिकारी द्वारा की जांच के आधार पर सहभागी निर्यातकों से इस जानकारी के लिए अपेक्षित सीमा तक अतिरिक्त जानकारी प्रस्तुत करने को कहा गया था। इन निर्यातकों ने प्राधिकारी के उन अनुरोधों का अनुपालन किया है और निर्यातकों द्वारा दायर प्रत्युत्तरों की प्राधिकारी द्वारा अपेक्षित तथा व्यावहारिक सीमा तक पड़ताल भी की गई है। अतः इस संबंध में घरेलू उद्योग के तर्कों को तर्कसंगत नहीं पाया गया है।

च.3 हितबद्ध पक्षकारों द्वारा विविध निवेदन तथा क्षति संबंधी तर्क

च.3.1 आर्गेनाइजेशन आफ प्लास्टिक्स प्रोसेसर्स आफ इंडिया तथा मै. फारमोसा प्लास्टिक्स, ताइवान

46. उपरोक्त हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि क्षतिकारकों का विश्लेषण यह दर्शाता है कि याची घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति नहीं होती है क्योंकि क्षमता, उत्पादन तथा बिक्रियों में काफी वृद्धि हुई है और याचिकाकर्ता सभी सूचीबद्ध कारकों के संबंध में जानकारी प्रदान करने में असफल रहे हैं जैसाकि अधिनियम के अनुच्छेद 3.4 में आवश्यक है। सरकारी अधिकार क्षेत्र में यथा उपलब्ध आवेदक कंपनियों के कार्य-निष्पादन संबंधी जानकारी यह इंगित करती है कि स्थिति बहुत अच्छी है। अतः उनका क्षति संबंधी दावा औचित्यपूर्ण नहीं है। आगे यह भी तर्क दिया गया है कि तीसरे देशों की औसत कीमतें उसी कीमत समूह में हैं अथवा वे संबद्ध देशों से होने वाले आयातों की तुलना में कहीं कम हैं। इस प्रकार इससे यह इंगित होता है कि संबद्ध देशों से हुए आयातों और आवेदकों द्वारा तथाकथित हुई क्षति के बीच कोई भी कारणात्मक संबंध नहीं है।

च.3.2 डायमंड पाइप्स एंड ट्यूब्स प्रा.लि.

47. उपरोक्त हितबद्ध पक्षकार ने निवेदन किया है कि भारत में पीवीसी विनिर्माताओं में वृद्धि हो रही है और वे अपनी-अपनी निविष्टि लागतों में कोई ज्यादा परिवर्तन किए बिना ही अपनी-अपनी इच्छा से अक्सर कीमतें कम कर रहे हैं। वे कोई बढ़ती कीमत संबंधी संशोधन करने से 5-7 दिन पहले सप्लाई बंद भी कर देते हैं जिससे इस उत्पाद की कमी हो जाती है और लघु उद्योगों के उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ जाता है। इसलिए, पाटन किए जाने के फलस्वरूप और भी एकाधिकार तथा उत्पादक संघवाद बन जाएगा तथा हजारों लघु उद्योग असुविधा तथा कठिनाई में पड़ जाएंगे। पीवीसी की मांग घरेलू उत्पादन की तुलना में अधिक होने और इस उद्योग में 12% से भी अधिक वृद्धि होने से कमी को पूरा करने और स्थानीय विनिर्माताओं की कीमत पर नियंत्रण रखने के लिए आयात करना जरूरी है।

च.3.3 एसोसिएशन आफ आईएसआई पीवीसी पाइप मैन्यूफैक्चरर्स आफ तमिलनाडु

48. इस एसोसिएशन ने अपने संक्षिप्त निवेदन में तर्क दिया है कि पीवीसी रेजिन की स्थानीय मांग लगभग 8 से 10% प्रति वर्ष की दर से बढ़ रही है और पीवीसी रेजिन विनिर्माता निरंतर कीमत में संशोधन अपना रहे हैं विशेष रूप से तब जबकि अंतर्राष्ट्रीय आफर के आधार पर कीमतों में वृद्धि की जानी अपेक्षित है और यह अल्पावधि के लिए उपलब्ध नहीं है। यदि संबद्ध माल पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो इससे

प्रयोक्ता उद्योग की कच्चे माल की कीमत बढ़ेगी और लघु उद्योग क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धा समाप्त हो जाएगी जिससे वे अपने उद्योगों को बंद करने को बाध्य हो जाएंगे । यह तर्क दिया गया है कि पीवीसी रेजिन से बनाए गए पीवीसी पाइपों को सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र, जल आपूर्ति प्रबंधन तथा मल व्ययन अनुप्रयोगों, आदि की वृद्धि के लिए एक मुख्य निविष्टि के रूप में मान्यता दी गई थी । पीवीसी रेजिन विनिर्माताओं द्वारा कीमतों में असामान्य वृद्धि/कमी से उन हजारों लघु एवं मध्यम उद्योगों के कार्यचालन पर प्रायः प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है जो स्थानीय पीवीसी रेजिन विनिर्माताओं की दया पर कच्चा माल खरीदते हैं ।

च.3.4 मै. प्रीमियर पोली फिल्म लि. और मै. आरएमजी पोली विनायल इंडिया लिमिटेड

49. उपरोक्त हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि आवेदकों ने अपनी याचिका में लगभग उन सभी देशों का उल्लेख किया है जहां पीवीसी सस्पेंसन ग्रेड आयात होता है । इनमें यूरोपीय देश शामिल नहीं हैं । इससे यह प्रदर्शित होता है कि केवल यूरोपीय देश ही अपने माल का अपने सामान्य मूल्य से कम दाम पर भारत में पाटन कर रहे हैं । सीमाशुल्क प्राधिकरण आयात खेप का आकलन करता है जो किसी भी बीजक मूल्य पर उपरोक्त देशों के लिए लागू प्लैट्स पोलीमर पर आधारित होता है । इस प्रकार, आयातित माल घरेलू कीमत के बराबर होता है और कभी-कभी उससे कुछ अधिक पर ।

च.3.5 मै. संखाला इंडस्ट्रीज

50. इस पक्षकार द्वारा यह तर्क दिया गया है कि जबकि घरेलू बाजार में पीवीसी रेजिन की कीमतें बढ़ गई हैं लेकिन तदनुसारी अवधि में फीड स्टॉक की कीमतों में मामूली सा परिवर्तन हुआ है और घरेलू विनिर्माता अपनी कीमतें अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के अनुसार ठीक कर रहे हैं । इस अवधि के दौरान स्थानीय विनिर्माताओं ने सीमाशुल्क के अंतरण का लाभ उठाया है और उन्होंने उत्पाद की कीमत सीमाशुल्कों तथा आयातों की सीआईएफ लैंडेड लागतों और आईएनआर को मुद्राओं अर्थात् अमरीकी डॉलर के संबंध में परिवर्तन घटक को ध्यान में रखकर तय की है । पीवीसी रेजिन की अंतर्राष्ट्रीय कीमत विश्व बाजार दशाओं के अनुसार घटती-बढ़ती रही है । पीवीसी रेजिन के विनिर्माण की निविष्टियों ईडीसी/वीसीएन और पीवीसी रेजिन के बीच सीमाशुल्क अंतरपणन ही काफ़ी अधिक रहा जिससे सभी स्थानीय विनिर्माताओं को बम्पर लाभ कमाने में सहायता मिली । यह तर्क दिया गया है कि भारत में रेजिन विनिर्माताओं ने उत्पादक संघ बनाया है और वे निविष्टि लागतों में कोई ज्यादा परिवर्तन किए बिना ही कीमतों में महीना-दर-महीना आधार पर वृद्धि अथवा कमी कर रहे हैं । जब कभी अंतर्राष्ट्रीय कीमतें बढ़ जाती हैं वे कीमत को कृत्रिम रूप से अपेक्षतया अधिक रखकर लाभ कमाते रहे हैं । इस संबंध में उन्होंने इस तथ्य को ध्यान में नहीं रखा है कि खरीदारों ने इस अवधि के दौरान आयात

नहीं किया है। पाटनरोधी शुल्क लगातर शुल्क ढांचे में कोई भी परिवर्तन किए जाने के फलस्वरूप आगे और भी एकाधिकार संघवाद बन जाएगा और हजारों लघु उद्योग असुविधा तथा कठिनाई में पड़ जाएंगे।

51. यह तर्क दिया गया है कि पीवीसी रेजिन के स्थानीय विनिर्माता पिछले कुछ वर्षों से या तो साप्ताहिक अथवा मासिक आधार पर अंतर्राष्ट्रीय रूख के अनुसार कीमतों में वृद्धि तथा कमी दोनों करते रहे हैं। ऐसे परिवर्तन एक वर्ष में 12 से 20 बार होते रहे हैं जो अंतर्राष्ट्रीय कीमत प्रवृत्ति और प्लैट रिपोर्ट जो सुदूर पूर्व से प्रत्येक बुधवार को रिलीज होती है तथा धातुओं संबंधी एलएमई के बराबर प्रामाणिक मानी जाती है, पर आधारित होते हैं। इसके अलावा, मांग तथा सप्लाई ही दो ऐसे आधार हैं जिस पर कीमत परिवर्तन होते हैं और निर्यातक देश इस पद्धति को उत्पाद के कीमत निर्धारण हेतु अपना रहा है। भारत ने पिछले तीन वर्षों से माल की कमी देखी है क्योंकि किसी भी अतिरिक्त क्षमता का निर्माण नहीं हुआ है और सप्लाई की तुलना में मांग अधिक रही है। इसीलिए, स्थानीय विनिर्माता अधिकाधिक लाभ कमाने के लिए कीमतों में मनमानी ढंग से कीमतें बढ़ाते गए। सभी स्थानीय विनिर्माता अपने-अपने उत्पादन को बेचने में सफल रहे हैं। बेशक आयात होता रहा हो और वे लाभ कमा रहे हैं।

52. यह तर्क दिया गया है कि पाटित आयातों से कोई आशंका नहीं है क्योंकि कुछ घरेलू उद्योगों ने पूंजी निवेश और घरेलू उद्योग की ओर आगे वृद्धि की योजना बना ली है वे इसका विस्तार निर्माण की सहसा वृद्धि तथा दूरसंचार क्रांति में अप्रत्याशित वृद्धि की जरूरत पूरी करने हेतु कर रहे हैं। इन क्षेत्रों में पीवीसी पाइपों का प्रयोग होता है। यह तर्क दिया गया है कि मै. फिनोलेक्स ने अपनी क्षमता दुगुनी कर दी है और वे इसका उपयोग वर्ष 2006-07 में भी कर रहे थे। मै. केमप्लास्ट वर्ष 2007-08 में कुडालूर में 2,00,000 एमटी के साथ नई सुविधा का अपना क्षमता विस्तार कर रहे हैं। मै.आईपीसीएल/आरआईएल अगले पांच वर्षों में अपना क्षमता विस्तार दुगुना करने की योजना बना रहे हैं जिसकी पुष्टि इन अलग-अलग फर्मों के बोर्ड संकल्प द्वारा होती है।

53. अतः स्थानीय उत्पादन की तुलना में मांग के अधिक होने और इस उद्योग में 10% से भी अधिक की वृद्धि होने से जब तक क्षमता विस्तार पूरे उत्पादन में कार्यरूप में आता है तब तक इस कमी को पूरा करने के वास्ते आयात करना जरूरी हो गया है। अतः पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की वजह से कोई कटौती करने के परिणामस्वरूप घरेलू कीमतें अपेक्षतया बढ़ेंगी और इससे वृद्धि में रुकावट आएगी।

54. यह तर्क दिया गया है कि मै. फिनोलेक्स लि. भी जो स्थानीय बाजार में पीवीसी रेजिन का विनिर्माता है पिछले कई वर्षों से अपने पाइप प्लांट और केबल प्लांट के लिए पीवीसी रेजिन का आयात करता आ रहा है और इसमें उन्होंने अपने रेजिन को स्थानीय

बाजार में अपेक्षतया ऊंची कीमतों पर बेचते हुए प्रतिस्पर्धा कीमत निर्धारण का लाभ उठाया है और लाभ को अधिकतम किया है। यह इस ओर इंगित करता है कि स्थानीय विनिर्माताओं के पास न तो माल सूची उपलब्ध है और न ही वे स्थानीय मांग को पूरा करने में सफल रहे हैं। इस कंपनी का लाभ बढ़ रहा है और कंपनी काफी क्षमता बढ़ा रही है। आगे यह भी तर्क दिया गया है कि कंपनियों के लाभों तथा आरओसीई को कायम रखा जाता है और कंपनियां क्षमता विस्तार की सोच रही हैं। मै. आरआईएल तथा मै. फिनोलेक्स इंडस्ट्रीज जिनका कुल उत्पादन में लगभग 47% हिस्सा होता है, इस याचिका में पक्षकार नहीं हैं जिसका अर्थ यह है कि पाटन नहीं हो रहा है।

च.3.6 मै. मार्वेल विनायल्स लि.

55. मै. मार्वेल इंडस्ट्रीज लि. ने अपने निवेदन में अन्य बातों के अलावा यह तर्क दिया है कि इस जांच में शामिल देशों के निर्यातकों द्वारा प्रभारित संबद्ध माल की औसत दरों और दूसरे देशों की दरों में कोई ज्यादा अंतर नहीं है। अतः संबद्ध देशों के विरुद्ध भेदभाव औचित्यपूर्ण नहीं है। उन्होंने यह भी तर्क दिया है कि शामिल देशों में संबद्ध माल की वास्तविक कीमत घरेलू उद्योग द्वारा सुझाए बनावटी सामान्य मूल्य (सीएनवी) और निर्यात कीमत की बजाए सामान्य मूल्य (एनवी) के निर्धारण हेतु प्राप्त की जाए और उसमें समायोजन विश्वसनीय स्रोतों से लिया जाए। यह तर्क दिया गया है कि आयात में वृद्धि घरेलू उत्पादन में तदनुरूपी वृद्धि बिना मांग में हुई अधिक वृद्धि के कारण हुई है। याचिकाकर्ताओं ने इस अवधि के दौरान काफी अच्छी क्षमता बढ़ा दी है। यह भी तर्क दिया गया है कि पीवीसी रेजिन की कीमतों का सीधा संबंध फीड स्टॉक की कीमत से होता है और यह पूरी जांच-अवधि के दौरान अस्थिर रही है और घरेलू उत्पादकों ने भी अपनी-अपनी कीमतों में 12 से भी अधिक बार अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के रुख के अनुसार परिवर्तन किए हैं।

च.3.7 आल इंडिया फैडरेशन ऑफ प्लास्टिक इंडस्ट्रीज

56. आल इंडिया फैडरेशन ऑफ प्लास्टिक इंडस्ट्रीज ने अपने निवेदन में अन्य बातों के अलावा तर्क दिया है कि :-

- याचिका इस दलील के तहत "सामान्य मूल्य" के निर्धारण हेतु "कृत्रिम मूल्य" पर आधारित है कि आठ संबद्ध देशों में से किसी भी देश की बाजार कीमत उपलब्ध नहीं है। यह भी तर्क दिया गया है कि संबद्ध देशों के निर्यातों के घरेलू बाजारों में कीमत हासिल करने का दायित्व याचिकाकर्ताओं पर है और उसे न तो प्रतिवादियों को और ना ही प्राधिकारी की ओर स्थानांतरित किया जा सकता है। आगे यह भी तर्क दिया गया है कि एनवी के निर्धारण में नियमावली में निर्धारित

क्रम-परंपरा का अनुसरण किया जाए । अतः एन वी का निर्धारण आठ में से प्रत्येक संबद्ध देश में मौजूद कीमतों के संबंध में किया जाना चाहिए ।

- यह तर्क दिया गया है पीवीसी सस्पेंसन ग्रेड का प्रयोग प्रयोक्ता उद्योग द्वारा किया जाता है जो पाइपों, प्लास्टिक फिटिंग्स तथा प्लास्टिक फुटवियर जैसे अंतिम माल का विनिर्माण करता है और सरकार विकास कार्य के लिए बड़े उपाय करती रही ताकि समाज के गरीब वर्गों का उत्थान किया जा सके । इस तरह के सभी विकास कार्यों जहां पाइपों तथा फिटिंग्स का प्रयोग, पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा यदि इस उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है ।
- घरेलू उद्योग के पास देश की पूरी मांग को पूरा करने के लिए क्षमता उपलब्ध नहीं है । जांच अवधि के दौरान पीवीसी सस्पेंसन ग्रेड की कुल मांग 1061920 एमटी रही लेकिन घरेलू उद्योग के सभी यूनिटों का कुल उत्पादन 747727 एमटी रहा । इस प्रकार, जांच अवधि के दौरान सप्लाई में कमी को 215947 एमटी के आयातों द्वारा पूरा किया गया, जैसा कि याचिकाकर्ता के अपने आंकड़ों में बताया गया है । इस प्रकार, आयात करना अपरिहार्य हो गया था चाहे घरेलू उद्योग ने अपनी उत्पादन क्षमता कितनी भी बढ़ाई हो ।
- घरेलू उद्योग का प्रचालन 100% क्षमता उपयोग से अधिक चल रहा था और जांच अवधि के दौरान क्षमता उपयोग में गिरावट इस अवधि में क्षमता वृद्धि के कारण हुई । यह सामान्य विचार है कि प्लांट अन्य कारणों से बंद है जिनकी वजह से 100% क्षमता उपयोग का लक्ष्य प्राप्त करना संभव नहीं हो पाया । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर किसी उद्योग में 80% पर औसत क्षमता उपयोग वास्तव में बहुत अच्छा माना जाता है । सभी चार यूनिट तथा आरआईएल और मै. फिनोलेक्स अपनी रिपोर्टों में बहुत ही अच्छी तस्वीरें दर्शाते रहे हैं जो पीवीसी सस्पेंसन ग्रेड की मांग तथा बिक्री के संबंध में हैं ।
- पीवीसी सस्पेंसन ग्रेड की कीमतें कच्चे पेट्रोलियम की कीमतों और ईडीसी तथा वीसीएम जैसे माल की कीमतों के साथ कम-ज्यादा हो रही हैं । अतः यह कहना सही नहीं है कि पाटन होता रहा है क्योंकि कीमतें कच्चे तेल की कीमतों के कारण नियंत्रित होती हैं जिनमें हाल के विगत में अंतर्राष्ट्रीय स्तरों पर बड़े पैमाने पर उतार-चढ़ाव होता रहा है ।
- न केवल कीमतें घरेलू उद्योग द्वारा नियंत्रित होती हैं बल्कि सप्लाई मात्रा भी सीमित रखी जा रही है ताकि बाजार में कमी का माहौल बनाया जा सके । घरेलू उद्योग ने कीमतों पर नियंत्रण रखने के लिए संघवाद को और ज्यादा मजबूत कर दिया है ।
- जैसा कि याचिकाकर्ताओं द्वारा दावा किया गया है, मात्रा में संबद्ध देशों की ओर से बढ़ा है लेकिन साथ ही, अन्य देशों से आयात-मात्रा में भी काफी वृद्धि हुई है

विशेष रूप से-ईयू से जिन पर पाटन का आरोप नहीं है । अन्य देशों से आयात की कीमतें भी कमोवेश उसी स्तर पर रहीं ।

- याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों से इंगित होता है कि यद्यपि आयातों में वृद्धि होती रही है लेकिन घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग भी साथ-साथ बढ़ता रहा । बहुत ही सकारात्मक मौजूदा बाजार स्थिति की वजह से घरेलू उद्योग ने यह उचित समझा कि प्रतिष्ठापित क्षमता के विस्तार में पूंजी निवेश किया जाए जिसमें वर्ष 2004-05 में लगभग 10% की वृद्धि हुई । यदि बाजार स्थिति सकारात्मक नहीं रहती तो घरेलू उद्योग प्रतिष्ठापित क्षमता के उन्नयन में पूंजीनिवेश नहीं करता और उसे परियोजना के निधिपोषण में कठिनाई होती । अतः संबद्ध माल के आयात में वृद्धि घरेलू उद्योग को हुई क्षति के निर्धारण के प्रयोजनार्थ बिल्कुल अनुचित है ।
- आवेदक कंपनियों की वार्षिक रिपोर्टों से प्रदर्शित होगा कि वर्ष 2004-05 के दौरान और उसके बाद भारत में मांग में अत्यधिक वृद्धि हुई है जिसका घरेलू उद्योग ठीक से अनुमान नहीं लगा सका । निर्माण, अवस्थापना तथा सिंचाई जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर पीवीसी का प्रयोग भी बढ़ा है । भारत में पीवीसी की प्रति व्यक्ति खपत प्रति व्यक्ति विश्वव्यापी खपत की तुलना में काफी कम है । कृषि क्षेत्र के संवर्धन तथा आधुनिकीकरण पर थ्रस्ट से पीवीसी के प्रयोग में कई गुना वृद्धि होने की आशा है ।
- वर्ष 2003-04 के बाद उपरोक्त क्षेत्रों में सहसा होने से मांग-आपूर्ति की स्थिति उलट हो जाती है और भारत में पीवीसी की अपेक्षतया अधिक मांग को पूरा करने के लिए आयात करना आवश्यक हो गया । भारतीय उत्पादकों ने भी क्षमता-विस्तार/मौजूदा क्षमताओं के मार्गाविरोध समाप्त करके अपनी-अपनी क्षमताओं का विस्तार करना आरंभ कर दिया । इस प्रक्रिया में वर्ष 2004-05 तथा जांच अवधि के दौरान उत्पादन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा । इसी अवधि के दौरान मै. भारत में संबद्ध माल के एक सर्वाधिक बड़े उत्पादक - मै. फिनोलेक्स ने भी अपनी क्षमताओं में विस्तार करना आरंभ कर दिया जिससे उसकी उत्पादकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है । इन परिस्थितियों में मै. फिनोलेक्स ने भी काफी मात्रा में माल का आयात किया जिससे कृषि निर्माण उद्योग की बढ़ती जरूरतें पूरी की जा सकें ।
- इन परिस्थितियों में, आयात मात्रा में वृद्धि तो हुई है लेकिन साथ ही, अंतर्राष्ट्रीय रुख के अनुसार आयात स्थिर हैं । वास्तव में, जांच अवधि के दौरान भारत में मात्रा के साथ-साथ वर्ष 2004-05 के दौरान पीवीसी की कीमतों में काफी वृद्धि हुई और मात्रा में भी वृद्धि हुई लेकिन जांच अवधि के मध्य में कीमतों में थोड़ी सी गिरावट आई और जुलाई/अगस्त, 05 के बाद उसमें वृद्धि होनी शुरू हो गई । इसके अलावा, जांच अवधि के बाद आयात मात्रा में गिरावट की गई और कीमतें

अंतर्राष्ट्रीय रुख के अनुसार स्थित हो गई । जांच अवधि के बाद आयात मात्रा में गिरावट आ गई क्योंकि घरेलू उद्योग द्वारा विस्तार/अवरोध समाप्त करके और बेहतर क्षमता उपयोग के बाद क्षमता बढ़ गई । यहां यह बात नोट की जाए कि जांच अवधि के बाद हालांकि मात्रा में गिरावट आई लेकिन कीमतों में गिरावट की बजाए वृद्धि हुई है क्योंकि निर्यातकों का अपेक्षतया कम कीमत पर माल के पाउन करने और भारत में बाजार हिस्सा हथियाने का कोई इरादा नहीं है ।

- पीवीसी एक वस्तु है और पीवीसी बाजार में अंतर्राष्ट्रीय रुख के अनुसार पूरे विश्व में चल रहा है । न केवल पीवीसी बल्कि ईडीसी तथा वीसीएम जैसे पीवीसी के उत्पादन के लिए प्रयुक्त कच्चे माल की कीमतें भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पीवीसी की कीमत के संचलन के अनुसार संचलित हो रही हैं । वर्ष 2003, 2004 और 2005 के लिए प्लैट के अनुसार पीवीसी, ईडीसी तथा वीसीएम का कीमत संचलन यह दर्शाता है कि इन तीनों की कीमतें साथ-साथ आगे-पीछे संचलित हो रही हैं ।
- याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि जांच अवधि के दौरान आयातों के लेण्डेड मूल्य में इससे पिछले वर्ष 2004-05 की तुलना में 14% की गिरावट आ गई लेकिन इसमें आधारवर्ष 2002-03 की तुलना में मामूली सी वृद्धि हो गई है । वर्ष 2002-03 के दौरान मूल सीमा शुल्क 30% था जो 2005-06 के दौरान घटकर 10% हो गया है । संबद्ध सामग्री की सीआईएफ कीमत वर्ष 2002-03 की तुलना में काफी अधिक बढ़ गई है, यद्यपि आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है जो घरेलू उत्पादकों द्वारा विस्तार/अवरोध दूर होने/कच्ची सामग्री की अनुपलब्धता के कारण अपने संयंत्रों को बंद किए जाने की वजह से बढ़ती हुई मांग और घटती हुई आपूर्ति के कारण अनिवार्य हो गया था । इससे यह पता चलता है कि निर्यातकों की मंशा कीमत को कम करने और घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने की नीयत से भारत में सामग्री का पाउन करने की नहीं है ।
- याचिकाकर्ताओं ने यह दावा किया है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है । घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से के प्रयोजनार्थ याचिकाकर्ताओं ने बड़ी चतुराई से केवल 4 याचिकाकर्ता कंपनियों के बाजार हिस्से के बारे में उल्लेख किया है । प्रतिवादियों ने अनुरोध किया है कि यदि आरआईएल तथा फिनोलेक्स के बाजार हिस्से को याचिकाकर्ताओं के हिस्से में जोड़ दिया जाए तो पूर्ण रूप से बदली हुई तस्वीर नजर आएगी ।
- लाभप्रदता में गिरावट, मजदूरी में तीव्र वृद्धि, जैसा कि वर्तमान मामले में हुआ है, आईपीसीएल में वीआरएस तथा अनेक अन्य कारकों के कारण एकबारगी व्यय जैसे विभिन्न अन्य कारणों से आ सकती है । इसके अलावा, याचिकाकर्ताओं द्वारा लाभ में भारी वृद्धि हासिल की गई है । वर्ष 2003-04 में केवल केमप्लास्ट के मामले में लाभ में पूर्ववर्ती वर्ष अर्थात् 2002-03 से गिरावट आई है । वस्तुतः

सबसे अधिक प्रभावित होने वाली कंपनी फिनोलेक्स है जिसने याचिका में भाग नहीं लिया है। इस प्रकार लाभ में कोई सतत गिरावट नहीं आई है जैसा कि याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है। इसके अलावा, लाभप्रदता में गिरावट, यदि कोई हो आयातों से संबंधित नहीं है जैसा कि फिनोलेक्स के उदाहरण से देखा जा सकता है।

- संबद्ध देशों से हुए आयातों द्वारा कीमत में कोई कटौती नहीं हुई है और इसलिए पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हो सकती है।
- घरेलू उद्योग अपनी कच्ची सामग्री के आयात पर निर्भर रहा है और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में पीवीसी की कीमतें ईडीसी/वीसीएम कीमतों के अनुरूप रही हैं। घरेलू उद्योग के पास इस आशय की शिकायत करने का कोई कारण नहीं है कि पीवीसी और कास्टिक सोडा दोनों की कीमतें अच्छी रही हैं।
- घरेलू उद्योग द्वारा अपनी इच्छित कीमतों पर सामग्री की बिक्री की जा रही है जैसा कि 100% से अधिक के क्षमता उपयोग में प्रदर्शित होता है। यदि उन्हें घाटा हो रहा होता और वे वास्तविक लाभ प्राप्त करने में समर्थ नहीं होते तो उन्होंने निश्चित रूप से अपनी स्थापित क्षमता के 100% से अधिक का उपयोग नहीं किया होता। यह कहना सही नहीं है कि संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा घरेलू कीमत में हास और उसका न्यूनीकरण किया जा रहा है। संबद्ध देशों से निर्यात की कीमत मुख्य कच्ची सामग्री की कीमत के अनुसार रही है और यह पीएलएटीटी बुलेटिनों में दी गई कीमतों से भी सिद्ध होता है। कीमतों में समान रूप से वृद्धि नहीं हुई है और उनमें समान रूप से कमी नहीं आई है जैसा कि आरोप लगाया गया है।
- याचिकाकर्ताओं का यह तर्क कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 24% तक की गिरावट आई है, अत्यंत भ्रामक है। यह पहले ही उल्लेख किया जा चुका है कि घरेलू उद्योग अपनी पूर्ण क्षमता पर कार्य कर रही है और यहां तक कि अपनी स्थापित क्षमता से अधिक कार्य कर रहा है। इसके अलावा घरेलू उद्योग ने स्थापित क्षमता को बढ़ाने के लिए नया निवेश किया है क्योंकि वे वर्ष 2003-04 में पीवीसी के उत्पादन हेतु स्थापित क्षमता के 121% पर पहले ही पहुंच चुके थे। ऐसा कोई कारण नहीं है कि 121% का यह आंकड़ा बाजार मांग में वृद्धि की दर के अनुसार आगे बढ़ सके। विस्तार के बाद भी उन्होंने 94% क्षमता उपयोग की प्राप्ति अतिशीघ्र कर ली है। इसलिए बाजार हिस्से को गंवाने का कोई प्रश्न नहीं उठता है जैसा कि याचिकाकर्ताओं ने बताया है और अस्तित्व के लिए कोई प्रत्यक्ष खतरा भी नहीं है जो कि स्थापित क्षमता के उपयोग के मद्देनजर प्रथम दृष्टया एक भ्रामक विवरण है।

- याचिकाकर्ता का यह तर्क कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है, सही नहीं है और वास्तविक क्षति का खतरा आसन्नवर्ती है, उतना ही गलत है ।

च.3.8 ऑल इंडिया प्लास्टिक मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन

57. ऑल इंडिया प्लास्टिक मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन ने अपने अनुरोधों में यह तर्क दिया है कि पीवीसी रेजिन की मजबूती सकारात्मक रूप से अपरिष्कृत सामग्री की कीमतों में मजबूती पर आधारित नहीं है बल्कि यह अंतर्राष्ट्रीय कीमत का एक सामान्य परिदृश्य बन गया है । याचिका में नामजद देशों के पास वीसीएम/ईडीसी/पीवीसी की भारी स्थापित क्षमताएं हैं और इस प्रकार उन्हें अपने लाभों को अधिकतम बनाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय रुझानों का पालन करना होता है । भारतीय विनिर्माताओं ने भी अपनी कीमतें विदेशों से पीवीसी रेजिन की पहुंच कीमत पर आधारित की हैं । घरेलू विनिर्माताओं ने इन सभी वर्षों में पीवीसी पर उच्चतर शुल्कों का पूरा लाभ उठाया है और उन्होंने अपना व्यापार, अपनी उत्पादन लागत पर आधारित करने के बजाय अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर आधारित करते हुए अपनी कीमतें तय करके सामूहिक मार्गदर्शन में चलाया है जोकि उत्पादक दर उत्पादक अलग-अलग हो सकती है । यह भी तर्क दिया गया है कि भारतीय उत्पादक अंतर्राष्ट्रीय कीमतों के अनुरूप भारी छूट पर संबद्ध वस्तु का निर्यात करते हैं ।

58. यह भी अनुरोध किया गया है कि के मूल्य 57-60 तथा के मूल्य 67 रेजिन की कीमतें कई बार समान रहती हैं । कुछ विनिर्माता के मूल्य 59-60 के लिए अम.डॉ. का 10 प्रति टन से अधिक प्रभारित करते हैं । तथापि, भारतीय पीवीसी निर्माताओं ने इनके मूल्यों तथा नियंत्रित उत्पादन के बीच 2500 रुपए का मूलभूत कीमत अंतर रखा है ।

59. एसोसिएशन ने घरेलू बाजार में मांग एवं आपूर्ति के अंतर तथा इस अंतर को पाटने के लिए आयातों की अनिवार्यता, घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोग, उद्योग की लाभप्रदता के मुद्दों को भी उठाया है जैसे कि अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा उठाए गए हैं ।

च.3.9 मै. एल जी केम, कोरिया

60. मै. एल जी केम ने अपने अनुरोधों में पूर्व में किए गए रिकार्ड के अनुसार घरेलू उद्योग के अत्यधिक गोपनीयता के दावे को उठाया है । यह भी तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग को उत्पादन लागत, बिक्री प्राप्ति तथा अन्य मापदंडों के संबंध में ग्रेड-वार (के-मूल्य-वार) सूचना भी प्रस्तुत करनी चाहिए क्योंकि निर्यातकों से ग्रेड-वार सूचना प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है ।

च.3.10 मै. तइयो विनायल कार्पोरेशन

61. घरेलू उद्योग के इस दावे पर टिप्पणी करते हुए कि किसी भी हितबद्ध पार्टी ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर जांच शुरुआत पर अपनी टिप्पणियां दायर नहीं की हैं, इसलिए उन्हें जांच शुरुआत से संबंधित किसी मुद्दे को उठाने और तत्पश्चात अमरीका: अजेन्टीना से ऑयल कंट्री ट्रेड्यूलर गुड्स की निर्णायक समीक्षा (डब्ल्यू टी/डीएस 268/एबी/आर) के मामले में डब्ल्यूटीओ अपीलीय निकाय की रिपोर्ट का हवाला देने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। मै. तइयो विनायल कॉर्पोरेशन ने अनुरोध किया है कि अपीलीय निकाय का निर्णय निर्णायक समीक्षा के संदर्भ में था, न कि किसी मूल जांच के संदर्भ में। इसके अलावा न तो पाटनरोधी करार में और न ही भारतीय कानून में यह प्रावधान है कि जांच शुरुआत संबंधित कोई मुद्दा जांच शुरुआत के 40 दिन के बाद नहीं उठाया जाएगा। इस प्रकार की कोई दलील अनुच्छेद 6.2 के प्रथम वाक्य का उल्लंघन होगी जिसमें यह उल्लेख है कि समूची पाटनरोधी जांच के दौरान समस्त हितबद्ध पक्षकारों को अपने हितों की रक्षा करने के लिए पूर्ण अवसर प्रदान किया जाएगा।

62. यह भी तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग भाग-VI-आवेदन की लागत सूचना का एक एनसीवी दायर करने में विफल रहा है। प्राधिकारी द्वारा उसकी एक एनसीवी दायर करने के लिए घरेलू उद्योग को निर्देश दिया जाए। यदि लागत एवं कीमत से संबंधित सूचना घरेलू उद्योग के लिए गोपनीय है तो उसी प्रकार का व्यवहार निर्यातकों को भी प्रदान किया जाना चाहिए।

च.3.11. मै. लक्ष्मीकुमारन एंड श्रीधरन

63. निम्नलिखित हितबद्ध पार्टियों का प्रतिनिधित्व करने वाली मै. लक्ष्मीकुमारन एंड श्रीधरन ने उनके द्वारा प्रतिनिधित्व की गई पार्टियों की ओर से इसी प्रकार के अनुरोध किए हैं:

- चायना क्लोर-अल्कली इंडस्ट्री एसोसिएशन, चीन जन. गण.
- मै. जिन जियांग सिहेंजी झांगफा केमिकल कंपनी लि. एवं मै. जिनजियांग तान्ये फॉरेन ट्रेड कंपनी लि.।
- मै. यिचांग यिहुआ पेसिफिक कोजेन कंपनी लि. एवं हुबाई ईहुआ गुप कंपनी लि. तथा मै. शेंडोंग ओसन केमिकल इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट लिमिटेड कंपनी।
- मै. शेंडोंग ओसन केमिकल क्लोर-अल्कली रेजिन लिमिटेड कंपनी।
- मै. क्विंगडाओ हेजिंग केमिकल (गुप) कं. लि., तथा

मै. मलेशियन इंटरनेशनल ट्रेडिंग कार्पोरेशन एडीएन.बीडीएच

64. इन हितबद्ध पार्टियों की ओर से किए गए अनुरोधों में यह तर्क दिया गया है कि याचिकाकर्ताओं के आवेदन में कई दृष्टि से भारी कमियां हैं और उसे प्राधिकारी द्वारा स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए था। चारों याचिकाकर्ताओं में से एक अर्थात् मै. इंडियन पेट्रोकेमिकल्स कार्पोरेशन लिमिटेड (आईपीसीएल) उक्त उत्पाद के अन्य घरेलू उत्पादन अर्थात् रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) से संबंधित है। संबंधित उत्पाद का विनिर्माण करने वाली दोनों रिलायंस ग्रुप की कंपनियों में से एक ने याचिका में भाग लिया है। अतः कोई इस बात का आसानी से अनुमान लगा सकता है कि आरआईएल को "आरोपित" पाटित आयातों से कोई वास्तविक क्षति नहीं हो रही है और यदि उनके आंकड़ों को शामिल कर लिया जाए तो घरेलू को हुई क्षति की पुष्टि नहीं की जा सकती है। पाटनरोधी मामलों में यह एक सुस्थापित परंपरा रही है कि संबद्ध उत्पाद से जुड़ी संबद्ध कंपनियों के प्रचालनों की एक साथ जांच की जाती है। आरआईएल और आईपीसीएल ने मिलकर 53% बाजार हिस्से पर कब्जा किया हुआ है। तथापि रिलायंस ग्रुप ने उनके द्वारा धारित 22% बाजार हिस्से के संबंध में ही सूचना देना पसंद किया और 31% बाजार हिस्से से संबंधित सूचना छिपा ली। यद्यपि उनके पास समस्त संगत सूचना उपलब्ध है। यह तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड बनाम डीए एवं अन्य (स्पेन, जापान, मलेशिया तथा ताइवान से प्यूरीफाइड थैराफेटेलिक ऐसिड, सिविल अपील सं. 1294/2001 में) के मामले में उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुसार समूचे घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत का निर्धारण करना अपेक्षित होता है। उक्त मामले में आरआईएल आवेदक है और उसे माननीय उच्चतम न्यायालय के इस निर्णय का पालन करना चाहिए।

65. यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग के अनुभव के आधार पर याचिकाकर्ताओं द्वारा एनवी का परिकलन कानूनी रूप से गलत है। आयातक देश अथवा शिकायतकर्ता घरेलू उत्पादकों के अनुभव पर आधारित आंकड़ों का उपयोग इन नियमों में अनुमत्य नहीं है। इसे "उद्गम के देश" में प्रचलित स्थितियों पर आधारित करना होता है। अतः याचिकाकर्ता द्वारा अनुमानित सीएनवी संगत विधिक उपबंधों का उल्लंघन है। निर्यातक ने आंकड़ों के गौड़ स्रोतों तथा किए गए समायोजनों के आधार पर निर्यात कीमत के अनुमान पर भी प्रश्न चिन्ह लगाया है।

66. उपर्युक्त के अलावा, निर्यातक ने घरेलू उद्योग के क्षति एवं कारणात्मक संबंध के दावों पर अनेक मुद्दे उठाए हैं, जो उपर्युक्त दर्ज किए गए अन्य हितबद्ध पार्टियों के तर्कों के समान हैं।

च.3.12 घरेलू उद्योग

67. अपने अनुरोध में घरेलू उद्योग ने यह बताया है कि संबद्ध वस्तु विभिन्न देशों द्वारा जांचाधीन है। घरेलू उद्योग की सूचना के अनुसार निम्नलिखित देशों ने संबद्ध वस्तु के खिलाफ पाटनरोधी जांच शुरू की है और उन्होंने उचित स्तरों पर इन उपायों का सहारा लिया है :-

- क. चीन: अमरीका, कोरिया, जापान, रूस और ताईवान के खिलाफ
- ख. तुर्की, चीन पीआरसी के खिलाफ
- ग. आस्ट्रेलिया, अमरीका, जापान, इजरायल, हंगरी, थाइलैंड एवं कोरिया के खिलाफ
- घ. पाकिस्तान, कोरिया एवं ईरान के खिलाफ।

68. अतः भागीदार अधिकांश हितबद्ध पक्षकार एल जी केम, एल जी इंटरनेशनल कार्पोरेशन, हनहवा केमिकल्स, फर्मोसा प्लास्टिक, तयोविनायल कार्पोरेशन, तयोप्लास्टिक कार्पोरेशन तथा कनेका कार्पोरेशन सहित ऐसी अधिकांश जांचों में आदतन पाटनकर्ता रहे हैं। यह तर्क दिया गया है कि सुनवाई के दौरान किसी निर्यातक या उत्पादक ने इस बात से इंकार नहीं किया है कि वे भारत में संबद्ध वस्तु का पाटन नहीं कर रहे हैं। अधिकांश वर्तमान हितबद्ध पक्षकार केवल उस स्थिति में "देश के हित" की बात करते हैं जब उन्हें यह पता चलता है कि उनकी आपूर्तियां उनके अधिकार क्षेत्र में फंस गई हैं।

69. क्षति एवं कारणात्मक संबंध के मुद्दों के बारे में घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि किसकी भी हितबद्ध पार्टी ने घरेलू उद्योग के उन दावों का खंडन करते हुए जिन्हें याचिका में विधिवत प्रमाणित किया गया है, कोई अनुरोध प्रस्तुत नहीं किया है। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग की वित्तीय स्थिति अत्यंत खराब हो गई है जो कि इस तथ्य से स्पष्ट हो जाती है कि आयात अत्यंत कम मूल्य और पाटित कीमतों पर किए गए हैं और संबद्ध देशों से हुए आयातों में भारी वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से पाटित आयात कुल आयातों के हिस्सों के रूप में 69% से बढ़कर 85%, कुल मांग के हिस्से के रूप में 2.25% से बढ़कर 20.34% और घरेलू उत्पादन के हिस्से के रूप में 2.55% से बढ़कर 28.88% हो गए हैं। कच्ची सामग्री की कीमत में वृद्धि के बावजूद पूर्ववर्ती अवधि के दौरान पहुंच मूल्य में 14% की गिरावट आई है। पाटित आयातों के कारण पूर्ववर्ती वर्ष में घरेलू कीमतों में भी 10% की गिरावट आई है। इन कारकों के प्रभाव को बाजार हिस्सा 46.44% से घटकर 37% होने के रूप में देखा जा सकता है जबकि क्षति अवधि के दौरान घरेलू मांग में 43% की वृद्धि हुई है। जांच अवधि के दौरान क्षमता उपयोग 114% से घटकर 94% हो गया है। बिक्री मूल्य में 100 से 104 की मामूली वृद्धि हुई है किंतु कच्ची सामग्री की लागत ही 100 से बढ़कर 117 हो गई है। प्रति इकाई लाभ 100 से घटकर 3.34 (सूचीकृत) हो गया है। आरओसीई में

जांच अवधि के दौरान मामूली 1% की गिरावट आई है। कीमत न्यूनीकरण के बावजूद कम कीमत पर बिक्री दृष्टव्य है। कीमत कटौती वस्तुतः सकारात्मक है किंतु यह इस तथ्य के कारण हुई है कि घरेलू बिक्री पर 4% बिक्री कर/वैट का घटक लागू होता है जो कि आयातों के मामले में लागू नहीं होता है। अतः घरेलू उद्योग की कीमत को आयातों के पहुंच मूल्य की बराबरी हेतु समायोजित करना होगा। यह तर्क दिया गया है कि तथाकथित किसी भी निर्यातक ने सार्वजनिक सुनवाई के दौरान उचित एवं पाटनरहित कीमत पर भारत को बिक्री करने का कोई दावा नहीं किया है।

च.4 प्राधिकारी द्वारा मुद्दों की जांच

70. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उपर्युक्त अनुरोधों में हितबद्ध पार्टियों ने घरेलू उद्योग के क्षति संबंधी दावों और कुछेक सार्वजनिक हित की चिंताओं के मुद्दों को उठाया है। उठाए गए इन मुद्दों पर इस जांच परिणाम में उचित खंडों में विचार किया गया है।

छ पाटन का निर्धारण

71. पूर्ववर्ती खंड में किए गए रिकॉर्ड के अनुसार चीन जन.गण के 11 उत्पादकों, जापान के 2 उत्पादकों, कोरिया गण. के 2 उत्पादकों, ताइवान के 2 उत्पादकों, थाइलैंड के 1 उत्पादक, इंडोनेशिया के 1 उत्पादक ने इस जांच में प्रश्नावली के अपने उत्तर प्रस्तुत किए। तथापि, चीन जन.गण. से बड़ी संख्या में उत्पादकों-निर्यातकों की भागीदारी के कारण प्राधिकारी ने चीन के निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु नियमावली के नियम-17 के अनुसार सेम्पलिंग का सहारा लिया और विस्तृत जांच हेतु तीन उत्पादकों का चयन किया।

72. जापान के प्रतिवादी निर्यातकों में से एक निर्यातक अर्थात् मै. कनेका कार्पोरेशन, जापान ने यह दलील दी है कि उनके द्वारा निर्यातित वस्तु विशिष्ट ग्रेड/प्रकार की है और इस प्रकार उक्त ग्रेड/प्रकार विचाराधीन उत्पाद के दायरे में नहीं आते हैं। इसलिए उन्होंने इस जांच से उन्हें अलग करने का तर्क दिया है। तथापि, उन्होंने उनके पाटन मार्जिन के किसी सार्थक निर्धारण हेतु पूर्ण प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया है।

73. ताइवान के दोनों प्रतिवादी निर्यातकों के अलावा एक अन्य निर्यातक अर्थात् मै. चायना जनरल प्लास्टिक कार्पोरेशन ने भी 22 नवंबर, 2007 के ई-मेल के जरिए यह सूचना दी है कि उन्होंने अगस्त, 2006 में प्राधिकारी को प्रश्नावली का उत्तर भेज दिया था। तथापि ये उत्तर प्राधिकारी को प्राप्त नहीं हुए हैं। निर्यातक ने अगस्त, 2006 के बाद 21 नवंबर, 2007 तक प्राधिकारी के साथ कोई पत्राचार भी नहीं किया है। अतः इस निर्यातक पर जांच हेतु विचार नहीं किया गया है।

74. इस जांच में अन्य सहयोगी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों का सत्यापन नियमानुसार किया गया था और प्राधिकारी द्वारा किया गया ऐसा सत्यापन निर्यातकों को उनकी टिप्पणियों के लिए उपलब्ध कराया गया था। इन निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिनों की गणना सत्यापन रिपोर्टों पर निर्यातकों की टिप्पणियों, जितनी सीमा तक वे संगत और वैध थीं, को ध्यान में रखते हुए सत्यापित आंकड़ों के आधार पर की गई है।

छ.1 निर्धारण की कार्य प्रणाली

75. प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय ने सिविल अपील संख्या 2001 की 1294, मै. आर आई एल बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी एवं अन्य में यह निर्णय दिया है कि सामान्य मूल्य निर्यातक विशिष्ट नहीं होता है बल्कि निर्यातक देश विशिष्ट होता है।

76. उपर्युक्त आदेशों के अनुसरण में संबद्ध देशों के लिए संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है। ऐसे निर्धारण के प्रयोजनार्थ अलग-अलग उत्पाद के प्रकार/ग्रेडों के सामान्य मूल्य का निर्धारण सर्वप्रथम अलग-अलग सहयोगी निर्यातकों के लिए किया गया है और तत्पश्चात सहयोगी निर्यातकों के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य के आधार पर समूचे निर्यातक देश के लिए उत्पाद के प्रत्येक प्रकार/ग्रेड के स्तरों पर विचाराधीन उत्पाद के उत्पाद प्रकार/ग्रेडों के लिए जिस सीमा तक उक्त ग्रेड/प्रकार एक समान हैं, एकल भारित औसत सामान्य मूल्य का आकलन किया गया है। उत्पाद प्रकार/ग्रेड स्तर पर इन देश विशिष्ट सामान्य मूल्यों की तुलना संबंधित निर्यातकों के उत्पाद प्रकार/ग्रेड स्तरों पर अलग-अलग पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए अलग-अलग निर्यातकों के तदनुरूपी उत्पाद प्रकार/ग्रेडों के लिए निर्यात कीमत के साथ की गई है। प्रत्येक निर्यातक के लिए भारित औसत पाटन मार्जिन की गणना उक्त निर्यातक के लिए उत्पाद प्रकार/ग्रेड स्तर पर पाटन मार्जिन के आधार पर की गई है। प्रकटीकरण उपरांत अपने निवेदन में घरेलू उद्योग तथा अनेक निर्यातकों ने यह तर्क प्रस्तुत किया है कि देश विशिष्ट सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमानुसार नहीं है और करार के सिद्धांतों का उल्लंघन है। घरेलू उद्योग का तर्क है कि उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुसार एकल सामान्य मूल्य का प्रावधान असहयोगी निर्यातकों के लिए, न कि सहयोगी निर्यातकों के लिए। यह भी तक दिया गया है कि प्रत्येक सहयोगी निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण अलग-अलग किया जाना अपेक्षित है। इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सामान्य मूल्य का निर्धारण ऊपर दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार उपर्युक्त निर्णय को ध्यान में रखकर किया गया है, अतः घरेलू उद्योग के तर्कों को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

छ.2 थाईलैंड

(क) सामान्य मूल्य: मै. थाई प्लास्टिक एंड केमिकल्स पब्लिक कंपनी लि. (टीपीसी), बैंकॉक

77. निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा शुरू की गई उपर्युक्त पाटनरोधी जांच के उत्तर में थाईलैंड के केवल एक निर्यातक अर्थात् मै. थाई प्लास्टिक एंड केमिकल्स पब्लिक कंपनी लि. (टीपीसी), बैंकॉक ने प्रश्नावली का अपना उत्तर दायर किया है और परवर्ती स्पष्टीकरण भी प्रस्तुत किए हैं। इस निर्यातक-उत्पादक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों की मौके पर जांच और सत्यापन भी नियमानुसार उत्पादक-निर्यातक के परिसरों में किया गया था। इस निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों और प्राधिकारी द्वारा किए गए सत्यापन के आधार पर इस सहयोगी निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है। चूंकि इस देश का कोई अन्य सहयोगी निर्यातक नहीं है, इसलिए इस निर्यातक के लिए अलग-अलग ग्रेड स्तर पर निर्धारित सामान्य मूल्य को माननीय भारत के उच्चतम न्यायालय के उपर्युक्त निर्णय के अनुसार समूचे थाईलैंड के लिए सामान्य मूल्य के रूप में अपनाया गया है।

78. थाईलैंड में यह संबद्ध वस्तु का उत्पादक है और उसके पास ***** मी. टन पीवीसी का उत्पादन करने के लिए कुल क्षमता की 2 एकीकृत उत्पादन सुविधाएं - एथीलिन एवं क्लोरीन से सस्पेंशन ग्रेड हैं। पीवीसी सस्पेंशन ग्रेड की उत्पादन लागत का सत्यापन व्यापार की सामान्य प्रक्रिया संबंधी जांच करने के लिए कंपनी द्वारा रखे गए रिकार्डों के अनुसार किया गया था।

79. कंपनी ने पीवीसी के अनेक ग्रेडों को शामिल करते हुए घरेलू बाजार में ***** मी.टन पीवीसी की कुल मात्रा के ***** सौदे किए हैं। तथापि कंपनी ने जांच अवधि के दौरान भारत को केवल दो ग्रेडों के पीवीसी रेजिन का निर्यात किया है। कंपनी ने जांच अवधि के दौरान अपने घरेलू बाजार में इन दोनों ग्रेडों की पर्याप्त मात्रा में बिक्री (क्रमशः ***** मी.टन तथा ***** मी.टन) की है। अतः उचित तुलना के प्रयोजनार्थ घरेलू बाजार में इन दोनों ग्रेडों की बिक्री तथा भारत को की गई बिक्री को समान वस्तुओं की बिक्री के रूप में माना गया है।

80. घरेलू बाजार में इन दोनों विशिष्ट ग्रेडों की, की गई कुल 62690 मी.टन की बिक्री में से कंपनी ने थाईलैंड में ***** बहत प्रति किलोग्राम की औसत कीमत पर अपनी तीन संबद्ध कंपनियों को ***** मी.टन की बिक्री की है। ये संबद्ध कंपनियां पीवीसी रेजिन की प्रमुख प्रयोक्ता हैं और बिक्रियां किसी एजेंट की संलिप्तता के बिना सीधे इन कंपनियों को की जाती हैं। शेष ***** मी.टन की बिक्री ***** बहत प्रति किग्रा. पर असंबद्ध ग्राहकों को की गई है। अतः संबद्ध कंपनी के लिए कीमत संरचना

में कोई खास अंतर प्रदर्शित नहीं होता है और तदनुसार घरेलू बाजार में उपर्युक्त दोनों ग्रेडों के समस्त बिक्री सौदे की जांच थाईलैंड में सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए की गई है ।

81. कंपनी द्वारा घरेलू बाजार में कुछेक एजेंटों के जरिए और ग्राहकों को सीधे इस वस्तु की बिक्री की जाती है । एजेंट द्वारा की गई बिक्री कमीशन आधार पर होती है और कंपनी एजेंटों के जरिए की गई सभी बिक्रियों पर *****% के कमीशन का भुगतान करती है । ऐसे सौदे बैंक गारंटियों पर किए जाते हैं जिसके लिए गारंटी शुल्क तथा ब्याज की लागत भी टीपीसी वहन करती है ।

82. कंपनी ने यह दावा किया है कि चूंकि भारत को ये सौदे एजेंटों के जरिए किए गए हैं, इसलिए व्यापार के समान स्तर पर उचित तुलना के प्रयोजनार्थ केवल एजेंटों के जरिए की गई घरेलू बिक्री पर ही विचार किया जाना चाहिए । तथापि, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि भारत को की गई निर्यात बिक्रियां एजेंटों और सीधे दोनों तरीकों से की गई हैं । निर्यातक ने अपने सौदेवार आंकड़ों में व्यापार के स्तर में ऐसे सभी समायोजनों का दावा किया है और बिक्री कीमत घरेलू बिक्रियों के लिए कारखाना स्तर पर वापस लाई गई है । अतः प्रयुक्त वितरण के माध्यम पर ध्यान दिए बिना कारखाना स्तर पर निर्यात बिक्री तथा घरेलू बिक्री की तुलना करना उचित है ।

83. घरेलू बिक्रियों के लिए रेजिन को 25 किग्रा. के दो प्लाई पेपर बैग में पैक किया जाता है जिसे खोला या पेलेटाइज्ड किया जा सकता है । कंपनी द्वारा जम्बो पैकों या फलैक्सी पैकों का उपयोग करके घरेलू बाजार में वस्तुओं की बिक्री भी की जाती है । कुछेक प्रमुख प्रयोक्ता भी टैंक कारों का उपयोग कर बल्क में रेजिन की खरीद करते हैं । तदनुसार पैकड सामग्री की औसत पैकिंग लागत का भी संबंधित सौदों की घरेलू बिक्री कीमतों में समायोजन किया गया है । घरेलू सौदों पर ऋण अवधि के लिए ऋण लागत हेतु समायोजन की अनुमति भी ग्राहकों/एजेंटों को ऋण वाले सौदों पर ऋण अवधि के लिए प्रदान की गई है ।

84. लागत सत्यापन से यह पता चलता है कि दोनों ग्रेडों की उत्पादन लागत समान है और औसत लागत ***** बहत प्रति किग्रा. बनती है । इन दोनों ग्रेडों के घरेलू सौदे पर्याप्त मात्रा में हुए थे और इन्हें पूर्व में किए गए रिकार्ड के अनुसार संबद्ध कंपनी द्वारा नहीं किया गया था । प्रत्यक्ष बिक्री संबंधी समस्त खर्चों की कटौती करने के बाद इन ग्रेडों के सभी सौदों की कारखाना स्तर तक एसजीए खर्च सहित उपर्युक्त उत्पादन लागत के साथ व्यापार की सामान्य प्रक्रिया संबंधी जांच की गई है ।

कुल बिक्री मी.टन	*****
लाभप्रद बिक्री मी.टन	*****
लाभप्रद बिक्री का%	86%

85. चूंकि लाभप्रद बिक्रियां कुल बिक्रियों के 80% से अधिक हैं इसलिए सभी घरेलू सौदों पर इस उत्पादक/निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु विचार करना अपेक्षित है ।

उत्पाद	निवल बीमज		कुल समायोजन	निवल मूल्य	कारखाना कीमत
कोड	मात्रा (किग्रा.)	मूल्य (बहत)	बहत	बहत	(बहत /किग्रा.)
एसजी660जी2	*****	*****	*****	*****	*****
एसपी660जी2	*****	*****	*****	*****	*****

(ख). निर्यात कीमत: मै. थाई प्लास्टिक एंड केमिकल्स पब्लिक कंपनी लि. (टीपीसी), बैंकॉक

86. जांच अवधि के दौरान इस सहयोगी निर्यातक ने ***** सौदों पर भारत को संबद्ध वस्तु की ***** बिक्री की है । इसमें से ***** मी.टन का निर्यात पांच व्यापारियों के एक्स स्टॉक के जरिए और शेष ***** मी.टन का निर्यात उनके कमीशन एजेंटों के जरिए सीधे भारत को किया गया है । व्यापारियों के जरिए की गई बिक्रियों के बीजक व्यापारियों के लिए तैयार किए गए हैं और वस्तु का सीधे भारत को पोतलदान किया गया है । प्रत्यक्ष बिक्री के बीजक भारत के लिए तैयार किए गए हैं और ऐसे सौदों पर भुगतान की प्राप्ति की गई है ।

87. बीजक में उल्लिखित इन कीमतों पर निर्यातक ने ब्याज खर्च, ऋण लागत, कमीशन, पैकिंग खर्च, अंतरदेशी, समुद्री भाड़े, बीमा, अंतिम हैंडलिंग प्रभार, श्रम लागत एवं उतराई प्रभार, सीमाशुल्क प्रभार, गेट प्रभार आदि सहित विभिन्न प्रत्यक्ष बिक्री खर्चों के लिए समायोजनों का दावा किया गया है । कंपनी द्वारा किसी भी सौदे के लिए कोई छूट या रिबेट अदा नहीं किया गया है । प्रत्यक्ष बिक्री खर्च तथा उपर्युक्त के लिए समायोजनों का सत्यापन कंपनी के रिकार्डों से किया गया है और निवल कारखाना निर्यात कीमत निकालने के लिए उनकी अनुमति दी गई है । बीजक कीमतों तथा विभिन्न प्रत्यक्ष बिक्री खर्चों को ध्यान में रखते हुए पीवीसी के अलग-अलग प्रकारों की निवल कारखाना कीमत कारखाना स्तर पर निकाली गई है जो निम्नानुसार है :-

उत्पाद कोड	मात्रा मी.टन	निवल बीजक मूल्य (बहत)	कुल समायोजन बहत	निवल मूल्य कारखानागत बहत	कीमत बहत/ किग्रा.
एसपी660जी2	*****	*****	*****	*****	*****
एसजी660जी2	*****	*****	*****	*****	*****

(ग). पाटन मार्जिन: मै. थाई प्लास्टिक एंड केमिकल्स पब्लिक कंपनी लि. (टीपीसी),
बैंकाक

88. कारखाना स्तर पर अलग-अलग उत्पाद प्रकारों के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य की तुलना उक्त निर्यातक के लिए भारत औसत पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु सहयोगी निर्यातक के तुलनीय उत्पादों की कारखाना निर्यात कीमत के साथ निम्नानुसार की गई है

प्रकार	मात्रा मी.टन	सामान्य मूल्य (बहत/किग्रा)	निर्यात कीमत बहत/किग्रा.	डीएम बहत/किग्रा.	डीएम यूएसडी/ किग्रा.
एसपी660जी2	*****	*****	*****	*****	*****
एसजी660जी2	*****	*****	*****	*****	*****
भारत औसत	*****	*****	*****	*****	*****
पाटन मार्जिन %				9.20%	9.20%

औसत विनिमय दर : 40.35

घ. पाटन मार्जिन : थाईलैंड के अन्य सभी निर्यातक

89. थाईलैंड के अन्य सभी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण सहयोगी निर्यातक के आंकड़ों के अनुसार थाईलैंड हेतु निर्धारित उत्पाद प्रकारवार सामान्य मूल्य तथा उपलब्ध सर्वोत्तम तथ्यों के अनुसार थाईलैंड के सहयोगी निर्यातक की न्यूनतम निर्यात कीमत के आधार पर किया गया है। तदनुसार थाईलैंड के अन्य सभी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनता है :

	एनवी बहत/किग्रा	ईपी बहत/किग्रा.	डीएम बहत/किग्रा.	डीएम यूएसडी/मी टन
अन्य सभी	*****	*****	*****	*****
			11.31%	

छ.3 कोरिया गणराज्य

(क) सामान्य मूल्य:

90. निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा शुरू की गई उपर्युक्त पाटनरोधी जांच के उत्तर में कोरिया गण. के केवल दो निर्यातकों अर्थात् मै. एल जी कैम लि., सिओल, कोरिया तथा मै. हनहवा केमिकल कार्पोरेशन, सियोल, कोरिया ने प्रश्नावली का अपना उत्तर दायर किया है और परवर्ती स्पष्टीकरण भी प्रस्तुत किए हैं। इस निर्यातक-उत्पादक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों की मौके पर जांच और सत्यापन भी नियमानुसार उत्पादक-निर्यातक के परिसरों में किया गया था। इन निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों और प्राधिकारी द्वारा किए गए सत्यापन के आधार पर इन सहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है। इन निर्यातकों के लिए अलग-अलग ग्रेड स्तर पर निर्धारित सामान्य मूल्य को माननीय भारत के उच्चतम न्यायालय के उपर्युक्त निर्णय के अनुसार समूचे थाईलैंड के लिए सामान्य मूल्य के रूप में अपनाया गया है।

क.1 मै. एल जी कैम लिमिटेड

91. इस कंपनी की यिओसू तथा डेसान में अवस्थित पीवीसी सस्पेंशन ग्रेड का उत्पादन करने वाली दो उत्पादक इकाइयां हैं जिनकी कुल क्षमता ***** मी.टन पीवीसी सस्पेंशन ग्रेड का उत्पादन करने की है। ये संयंत्र क्लोरीन-एथीलीन चरण से पूर्णतः एकीकृत हैं। इन संयंत्रों की पीवीसी के प्रमुख ग्रेडों के लिए अनन्य लाइनें हैं। पीवीसी सस्पेंशन ग्रेड के उत्पादन लागत का सत्यापन व्यापार की सामान्य प्रक्रिया संबंधी जांच करने के लिए कंपनी द्वारा रखे गए रिकार्डों के अनुसार किया गया था।

92. कंपनी ने जांच अवधि के दौरान ***** मी.टन पीवीसी रेजन की कुल मात्रा हेतु घरेलू बाजार में पीवीसी सस्पेंशन ग्रेड के ***** सौदे किए थे। निर्यातक ने के-मूल्य तथा अन्य मापदंडों के अनुसार वस्तु को 7 ग्रेडों में वर्गीकृत किया है। सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ घरेलू बाजार में समान वस्तु की जांच की गई थी। कंपनी ने जांच अवधि के दौरान भारत को अपने केवल तीन ग्रेडों का निर्यात किया है जो उनके ग्रेड एलएस080एस, एलएस 100 तथा, एलएस130एस के समनुरूप हैं और उसके पास घरेलू बाजार में भी इन तीनों ग्रेडों की बिक्री करने के लिए पर्याप्त मात्रा है। इन तीनों ग्रेडों की घरेलू बिक्री की मात्रा निम्नानुसार है :-

ग्रेड	घरेलू बिक्री की मात्रा मी.टन में	भारत को निर्यात बिक्री की मात्रा मी.टन में
एलएस080एस	*****	*****
एलएस100	*****	*****
एलएस130एस	*****	*****
	*****	*****

93. अतः ऊपर किए गए उल्लेख के अनुसार संबद्ध वस्तु की कुल बिक्री और इन तीनों ग्रेडों की बिक्री घरेलू बाजार में पर्याप्त मात्रा में की गई है। कंपनी की घरेलू बिक्रियां संबद्ध ग्राहकों तथा असंबद्ध ग्राहकों को की गई हैं। तीन संबद्ध ग्राहकों को पर्याप्त मात्रा में बिक्री की गई है और शेष बिक्रियां कोरिया में असंबद्ध ग्राहकों को की गई है। संबद्ध बिक्री एलजी कैम की दो सहयोगी कंपनियों को की गई हैं। घरेलू बाजार में बिक्रियों के ब्यौरे निम्नानुसार हैं :-

प्रकार	ग्राहक का प्रकार	मात्रा किग्रा	मूल्य के वॉन	कीमत	अंतर
एलएस080एस	असंबद्ध	*****	*****	*****	
एलएस100	असंबद्ध	*****	*****	*****	*****%
	संबद्ध	*****	*****	*****	
एलएस130एस	असंबद्ध	*****	*****	*****	*****%
	संबद्ध	*****	*****	*****	

94. चूंकि संबद्ध ग्राहकों के लिए औसत कीमत असंबद्ध ग्राहकों के लिए औसत कीमत की तुलना में 5% से भी अधिक कम है इसलिए केवल असंबद्ध ग्राहकों को की गई बिक्रियों पर ही इस निर्यातक के सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ विचार किया गया है।

95. घरेलू बिक्रियों में से निर्यातक ने घरेलू उद्योग की निवल कारखाना कीमत निकालने के लिए भाड़े, कमीशन, ऋण व्यय, पैकिंग लागत तथा बिक्री पश्चात तकनीकी सेवा व्यय के लिए समायोजनों का दावा किया है। घरेलू बिक्री पर समायोजन के दावे का सत्यापन किया गया है। यह पाया गया है कि निर्यातक घरेलू खपत हेतु घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की बिक्री करता है और आगे निर्यात प्रसंस्करण (डॉलर मूल्य वर्ग) करता है। खुला खाता प्रणाली के अंतर्गत प्रचालनरत प्रमुख ग्राहकों को घरेलू बिक्रियां ऋण पर की जाती हैं। ऋण लागत का आकलन अलग-अलग ग्राहक की औसत बकाया भुगतान अवधि के आधार पर किया गया है। मासिक अल्पावधि उधार एवं संदत्त ब्याज के मासिक शेष के आधार पर कोरियाई वॉन में सौदों के लिए *****% वार्षिक की औसत ब्याज दर ली गई है। स्थानीय साख पत्र पर माने गए निर्यात की आपूर्तियों की भी ऋण अवधि होती है और ऋण लागत की गणना उसी कार्य प्रणाली का उपयोग करते हुए संगणित *****% की औसत डॉलर मूल्य वर्ग ब्याज दर को ध्यान में रखते हुए की गई है।

96. कंपनी उन एजेंटों को कमीशन का भुगतान करती है जो एलजी कैम के लिए विपणन कार्यकलाप करते हैं। कमीशन की राशि एजेंट दर एजेंट अलग-अलग होती है और यह संविदा पर आधारित होती है जिसमें अलग-अलग एजेंटों के लिए निष्पादन

संबंधित कमीशन की दरों का उल्लेख होता है । कमीशन की दर ग्राहक/एजेंट के अनुसार *****% से *****% तक अलग-अलग होती हैं ।

97. घरेलू बिक्रियां कारखाना स्तर पर और ग्राहकों के अनुसार सुपुर्दगी आधार पर की गई हैं । सुपुर्दगी आधार पर बिक्रियों के संबंध में निर्यातक ने कारखाने से क्रेता तक अंतर्देशीय भाड़े के लिए व्यय किया है जिसके लिए समायोजन का दावा किया गया है । हैंडलिंग एवं अन्य व्यय सहित परिवहन लागत की जांच अलग-अलग सौदों के लिए मासिक भाड़ा बीजक से की गई है ।

98. कंपनी ने घरेलू एवं निर्यात बिक्री दोनों के लिए पैकिंग के प्रयोजनार्थ ***** के वॉन के एकीकृत समायोजन का दावा किया था । तथापि, यह देखा गया था कि निर्यातक द्वारा 25 किग्रा. के पेपर बैगों, 500 किग्रा. के जम्बो बैगों और टैंक कारों में बल्क कार्गो में घरेलू बाजार में वस्तु की बिक्री की जाती है जबकि निर्यात बाजार के लिए केवल 25 किग्रा. के बैगों का उपयोग किया जाता है । 61% (***** मी.टन) घरेलू बिक्री टैंक कारों में की जाती हैं जिनके लिए किसी पैकिंग की जरूरत नहीं होती है । शेष मात्रा पैकड रूप में होती है । सत्यापित पैकेजिंग लागत तथा डिब्बाबंद बिक्री की कुल मात्रा के आधार पर कारखाना स्तर पर पैकड स्थिति में बेचे गए पीवीसी के सौदे की घरेलू निर्यात कीमत में से कमी करने के लिए पैकड स्थिति में पीवीसी की प्रति मी.टन औसत पैकिंग लागत ***** के वॉन प्रति मी.टन निकाली गई थी ।

99. उपर्युक्त प्रत्यक्ष बिक्री व्यय के अलावा, निर्यातक ने शाखा कार्यालयों में अपनी तकनीकी टीमों के जरिए उत्पाद विकास हेतु अपने घरेलू ग्राहकों को उनके द्वारा प्रदत्त बिक्री पश्चात तकनीकी सेवाओं के लिए अपनी घरेलू बिक्री पर समायोजन का भी दावा किया है । निर्यातक ने दावा किया है कि यह सहायता घरेलू बाजार में उत्पाद बिक्री व्यय का एक अभिन्न अंग है जो निर्यात बाजार के मामले में लागू नहीं होती है और इसलिए इन व्ययों के लिए समायोजनों की अनुमति दी जानी चाहिए । तथापि, कंपनी द्वारा प्रस्तुत शाखा कार्यालयों के व्यय संबंधी ब्यौरों से यह पता चलता है कि ये व्यय वेतन के लिए किए गए हैं और कर्मचारी शाखा कार्यालयों में लाभान्वित होते हैं और इसलिए ये व्यय इस प्रकार के समायोजन के पात्र नहीं हैं ।

100. निर्यातक की घरेलू बिक्रियों की कारखाना स्तर पर कंपनी की उत्पादन लागत के आधार पर व्यापार की सामान्य प्रक्रिया संबंधी जांच की गई थी और तदनुसार इस निर्यातक की कारखाना घरेलू बिक्री कीमत निम्नानुसार बनती है :

उत्पाद प्रकार	कुल घरेलू बिक्री (किग्रा.)	औसत कीमत अम.डॉ./ मी.ट.	सीओपी अम.डॉ./ मी.ट.	लाभप्रद बिक्री मात्रा	औसत कीमत अम.डॉ./ मी.ट.	लाभप्रद बिक्री का %	एनवी अम.डॉ./ मी.ट.
एलबीएस 100	*****	*****	*****	*****	*****	87%	*****
एलबीएस 130एस	*****	*****	*****	*****	*****	82%	*****
एलबीएस 80एस	*****	*****	*****	*****	*****	65%	*****

क. 2) मै. हान्वा केमिकल कार्पोरेशन

101. इस कंपनी की यिओसू तथा उल्सान में अवस्थित पीवीसी का उत्पादन करने वाली दो उत्पादक इकाइयां हैं जिनकी कुल क्षमता ***** मी.टन पीवीसी सस्पेंशन ग्रेड का उत्पादन करने की है। ये संयंत्र क्लोरीन-एथीलीन चरण से पूर्णतः एकीकृत हैं। पीवीसी सस्पेंशन ग्रेड के उत्पादन लागत का सत्यापन व्यापार की सामान्य प्रक्रिया संबंधी जांच करने के लिए कंपनी द्वारा रखे गए रिकार्डों के अनुसार किया गया था।

102. कंपनी द्वारा सस्पेंशन ग्रेड के पीवीसी रेजिन की ***** मी.टन की कुल मात्रा के लिए घरेलू बाजार में सौदे किए जाते हैं जिनमें पीवीसी के विभिन्न ग्रेड (पी 700 से पी 2500) शामिल होते हैं। सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ घरेलू बाजार में समान वस्तु की जांच की गई थी। कंपनी ने जांच अवधि के दौरान भारत को पीवीसी के केवल 3 ग्रेडों (पी-700, पी-1000 और पी-1300) का निर्यात किया है और उसने घरेलू उद्योग में भी इन तीनों ग्रेडों की पर्याप्त मात्रा में बिक्री की है। इन तीनों ग्रेडों की घरेलू बिक्री की मात्रा निम्नानुसार है :-

ग्रेड	घरेलू बिक्री की मात्रा मी. टन में	भारत को निर्यात बिक्री की मात्रा मी.टन में
पी-700	*****	*****
पी-1000	*****	*****
पी-1300	*****	*****
	*****	*****

103. इस प्रकार घरेलू बाजार में इन तीनों ग्रेडों की बिक्रियां पर्याप्त मात्रा में हुई हैं और भारत को हुए निर्यात के साथ उचित तुलना के प्रयोजनार्थ ये समान वस्तुएं हैं।

104. कंपनी की घरेलू बिक्रियां संबद्ध ग्राहकों और असंबद्ध ग्राहकों को की गई हैं । तीन संबद्ध ग्राहकों को पर्याप्त मात्रा में बिक्री की गई है और शेष बिक्रियां कोरिया में असंबद्ध ग्राहकों को की गई हैं । निर्यात बाजार एवं घरेलू बाजार में बेचे गए ग्रेडों की बिक्री मात्रा के ब्यौरे निम्नानुसार हैं :-

पी-700	मात्रा	मूल्य	कीमत	अंतर
संबद्ध बिक्री	*****	*****	*****	
असंबद्ध बिक्री	*****	*****	*****	*****%
कुल	*****	*****	*****	
पी-1000				
संबद्ध बिक्री	*****	*****	*****	
असंबद्ध बिक्री	*****	*****	*****	*****%
कुल	*****	*****	*****	
पी-1300				
संबद्ध बिक्री	*****	*****	*****	
असंबद्ध बिक्री	*****	*****	*****	*****%
कुल	*****	*****	*****	

105. चूंकि संबद्ध ग्राहकों के लिए औसत कीमत असंबद्ध ग्राहकों के लिए औसत कीमत की तुलना में 5% से भी अधिक कम है इसलिए केवल असंबद्ध ग्राहकों को की गई बिक्रियों पर ही इस निर्यातक के सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ विचार किया गया है ।

106. घरेलू बिक्रियों में से निर्यातक ने एजेंट के कमीशन, ऋण लागत और अंतरदेशीय परिवहन लागत के लिए समायोजनों का दावा किया है । कंपनी की घरेलू बिक्रियां परेषण आधार पर की जाती हैं और परेषण एजेंटों को अधिकांश असंबद्ध बिक्री संविदाओं पर बीजक मूल्य पर औसतन *****% का कमीशन मिलता है । जहां तक ऋण का संबंध है, विक्रेता और क्रेता के बीच सहमत ऋण अवधि पर ऋण लागत जांच अवधि के दौरान अल्पावधि उधार की दर को ध्यान में रखते हुए ऋण लागत की गणना की गई है । घरेलू बीजक मूल्य के संबंध में निर्यातक ने फैक्टरी से क्रेता तक अंतरदेशीय भाड़े के लिए व्यय किया है जिसके लिए समायोजन का दावा किया गया है । ट्रांसपोर्टर द्वारा प्रभारित परिवहन लागत में हैंडलिंग तथा अन्य व्यय शामिल हैं और दरें अंतर्ग्रस्त दूरियों के आधार पर निर्धारित की गई हैं ।

107. कंपनी ने पैकिंग लागत के लिए घरेलू बिक्री कीमत में किसी समायोजन का दावा नहीं किया और यह संकेत दिया कि पैकिंग लागत उत्पादन लागत में शामिल है । तथापि, यह देखा गया था कि निर्यातक द्वारा घरेलू बाजार में इस वस्तु की बिक्री 25 किग्रा. के पेपर बैगों, 500 किग्रा. के जम्बो बैगों और टैंक कारों में बल्क कार्गो में की

जाती है जबकि निर्यात बाजार के लिए केवल 25 किग्रा. के बैगों का उपयोग किया जाता है। बल्क सामग्री की घरेलू बिक्री उनकी कुल घरेलू बिक्री के 55% से अधिक होती है, शेष मात्रा पैकड रूप में होती है। यह नोट किया गया था कि पैकिंग लागत उत्पादन लागत में शामिल नहीं की गई है। अतः व्यापार की सामान्य प्रक्रिया संबंधी जांच और कारखाना स्तर पर तुलना के प्रयोजनार्थ पैकिंग से संबंधित सौदे की घरेलू बिक्री कीमत में पैकिंग सामग्री के लिए समायोजन किया गया है। सत्यापित पैकेजिंग लागत तथा डिब्बाबंद बिक्री की कुल मात्रा के आधार पर पीवीसी की प्रति मी.टन औसत पैकिंग लागत ***** अम.डॉ. प्रति मी.टन निकाली गई थी।

108. असंबद्ध घरेलू बिक्रियों की सत्यापित उत्पादन लागत की तुलना में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया संबंधी जांच की गई थी और इस आंकड़े के आधार पर सामान्य मूल्य निम्नानुसार निकाला गया है :-

ग्रेड	मात्रा मी.टन	कीमत अम.डॉ./ मी.टन	सीओपी अम.डॉ./ मी.टन	लाभप्रद बिक्री मात्रा	लाभप्रद बिक्री का प्रतिशत	एन वी अम.डॉ./ मी.टन
पी 700	*****	*****	*****	*****	95%	*****
पी 1000	*****	*****	*****	*****	89%	*****
पी 1300	*****	*****	*****	*****	92%	*****

क.3) कोरिया गण. के लिए सामान्य मूल्य

109. अलग-अलग निर्यातकों के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य के आधार पर अलग-अलग निर्यातकों के पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु उत्पाद प्रकार/ग्रेड स्तर पर कोरिया गण के लिए भारत औसत सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है।

ख) निर्यात कीमत

ख.1) निर्यात कीमत- एल जी केम

110. जांच अवधि के दौरान एल जी केम ने 3822 सौदों पर भारत को संबद्ध वस्तु के तीन अलग-अलग ग्रेडों के ***** मी.टन का निर्यात किया है। इसमें से ***** मी.टन का निर्यात कंपनी द्वारा भारत में ग्राहकों को सीधे किया गया है और शेष ***** मी.टन मात्रा का निर्यात उसके संबद्ध व्यापारी अर्थात् मै. एल जी इंटरनेशनल सहित अन्य व्यापारियों के जरिए किया गया है। वस्तु का बीजक भारत के लिए तैयार किया गया है और भुगतान एल सी/मौके पर एल सी पर प्राप्त किया गया है। बीजक में उल्लिखित इन कीमतों में से निर्यातक ने ऋण लागत, कमीशन, पैकिंग लागत, संभार तंत्र व्यय,

बीमा, सीमाशुल्क, दलाली शुल्क एवं शुल्क प्रति अदायगी सहित विभिन्न प्रत्यक्ष बिक्री व्यय के लिए समायोजनों का दावा किया है। दावा किए गए अलग-अलग समायोजनों का सत्यापन कंपनी के रिकार्डों से किया गया है। भारत को की गई निर्यात बिक्री 25 किग्रा. के 2 प्लाई पेपर बैगों में की गई है। निर्यातक द्वारा प्रश्नावली के अपने उत्तर में किए गए दावे के अनुसार भारत को किए गए उसके निर्यातों पर पैकिंग व्यय संबंधी समायोजन गलत पाया गया था। अतः घरेलू एवं निर्यात बिक्री में प्रयुक्त पैकिंग के अलग-अलग प्रकारों को ध्यान में रखते हुए पैकिंग लागत पुनः निकाली गई है। तदनुसार निर्यातों पर पैकिंग लागत के लिए समायोजन ***** के वॉन/मी.टन बनता है।

111. जांच अवधि के दौरान निर्यात उत्पाद के संबंध में खपत की गई आयातित कच्ची सामग्री पर संदत्त शुल्क के आधार पर निर्यात सौदों के संबंध में निर्यातक द्वारा प्रति अदायगी का दावा किया गया है और सीमाशुल्क विभाग द्वारा उसकी अनुमति दी गई है। कंपनी के रिकार्डों से सत्यापित निर्यात बिक्री पर प्रति अदायगी के दावों के लिए समायोजनों की अनुमति कारखाना स्तर पर निवल ई.पी. के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्रदान की गई है। उपर्युक्त के आधार पर इस आयातक के उत्पाद प्रकारों/ग्रेडों की निवल कारखाना निर्यात कीमत निम्नानुसार बनती है।

उत्पाद कोड	मात्रा की राशि (मी.टन)	निवल बीजक मूल्य की राशि अम.डॉ.	कारखाना राशि अम.डॉ.	ईपी अम.डॉ./मी.टन
एलएस080एस	*****	*****	*****	*****
एलएस130एस	*****	*****	*****	*****
एलएस100	*****	*****	*****	*****

ख.2) निर्यात कीमत - हनवा केमिकल कार्पोरेशन

112. जांच अवधि के दौरान मै. हनवा केमिकल कार्पोरेशन (एचसीसी) ने ***** सौदों पर भारत को 19692 मी.टन संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। जांच अवधि के दौरान एचसीसी ने पीवीसी सरपेंशन के केवल 3 ग्रेडों की बिक्री की है। भारत को किए गए समस्त निर्यात सीआईएफ तथा मौके पर एल सी अथवा निर्गम आधार पर की गई हैं। दो सौदों को छोड़कर सभी बिक्रियां उसके संबद्ध व्यापारी अर्थात् मै. हनवा कार्पोरेशन (एचडब्ल्यूसी) के जरिए की गई हैं। एचडब्ल्यूसी पक्षकारों के बीच एक सेवा संविदा के तहत भारत को किए जाने वाले परेषणों पर नियत कमीशन के भुगतान पर एचसीसी तथा भारतीय ग्राहकों के बीच एक कमीशन एजेंट के रूप में काम करता है। कमीशन की राशि में पोत परिवहन दस्तावेजों के प्रलेखीकरण एवं परिक्रामण, समुद्री बीमा व्यय तथा ***** अम.डा. प्रति मी.टन से कम उप एजेंट के कमीशन को ध्यान में रखा जाता है।

भारतीय ग्राहक के लिए इकाई कीमत एचडब्ल्यूसी की बीजक कीमत है। एचसीसी द्वारा एचडब्ल्यूसी के कमीशन को छोड़कर एचडब्ल्यूसी के लिए बीजक जारी किया जाता है।

113. निर्यात सौदों में से निर्यातक ने अंतरदेशीय परिवहन व्यय, समुद्री भाड़ा व्यय एवं पत्तन हैंडलिंग व्यय तथा एचडब्ल्यूसी को संदत्त कमीशन पर व्यय किया है जिनका सत्यापन कंपनी के रिकार्डों से किया गया है। समुद्री बीमा तथा उप एजेंट के कमीशन को एचडब्ल्यूसी के कमीशन में शामिल किया जाता है और इस प्रकार बीजक मूल्य में से किसी कटौती की जरूरत नहीं है।

114. यह भी देखा गया था कि निर्यातक ने निर्यात सौदों में पैकिंग लागत के लिए कोई छूट नहीं दी है यद्यपि, सभी निर्यात 25 किग्रा. के पेपर बैगों में किए गए हैं। तथापि, ***** अम.डॉ. प्रति मी. टन की निकाली गई उपर्युक्त पैकिंग लागत निर्यात सौदों पर लागू होती है और कारखाना स्तर पर निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए इस लागत हेतु बीजक कीमत में से कटौती की गई है। निर्यातक ने निर्यात कीमत में प्रति अदायगी की राशि को जोड़ने के बारे में कोई दावा नहीं किया है। यह देखा गया था कि यह निर्यातक क्लोरीन के उत्पादन हेतु केवल लवण का आयात करता है और समस्त अन्य कच्ची सामग्रियों का उत्पादन कारखाने में किया जाता है अथवा उसकी कोरिया स्थित संयुक्त उद्यम भागीदार से खरीद की जाती है। अतः पीवीसी के आयात पर आयातित निविष्टि पर संदत्त शुल्क की प्रति अदायगी का दावा अत्यंत कम है और इस प्रकार इस निमित्त किसी समायोजन का दावा नहीं किया गया है।

115. उपर्युक्त के आधार पर कारखाना स्तर पर उत्पाद प्रकारों/ग्रेडों की निवल निर्यात कीमत निम्नानुसार बनती है :

	आंकड़े				ईपी
उत्पाद कोड	मात्रा की राशि (मी.टन)	सकल बीजक मूल्य की राशि (अम.डॉ.)	कुल समायोजन की राशि (अम.डॉ.)	निवल मूल्य (अम.डॉ.)	निवल कीमत अम.डॉ./ मी.टन
पी 1000	*****	*****	*****	*****	*****
पी 1300	*****	*****	*****	*****	*****
पी 700	*****	*****	*****	*****	*****

ख.3) निर्यात कीमत - अन्य

116. कोरिया गणराज्य में अन्य असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्धारित न्यूनतम निर्यात कीमत आधार पर की गई

है । तदनुसार कोरिया में अन्य निर्यातकों के लिए निवल कारखाना निर्यात कीमत *****
अम.डा. प्रति मी.टन के रूप में की गई है ।

ग. पाटन मार्जिन : कोरिया गणराज्य

ग.1 एल जी केम

117. अलग-अलग प्रकारों/ग्रेडों के लिए कारखाना स्तर पर कोरिया गणराज्य हेतु निर्धारित सामान्य मूल्य की तुलना इस निर्यातक के लिए भारत औसत पाटन मार्जिन निकालने के प्रयोजनार्थ तदनुसूची उत्पाद प्रकारों/ग्रेडों के लिए एलजी केम की कारखाना निर्यात कीमत के साथ निम्नानुसार की गई है :

उत्पाद प्रकार	मात्रा की राशि (मी.टन)	ईपी अम.डॉ./ मी.टन	एनवी अम.डॉ./ मी.टन	डी एम अम.डॉ./ मी.टन
एलएस 080एस	*****	*****	*****	*****
एलएस130एस	*****	*****	*****	*****
एलएस100	*****	*****	*****	*****
भारत औसत	*****	*****	*****	*****
डीएम प्रतिशत				0.03%

ग.2 हन्वा केमिकल कार्पोरेशन

118. अलग-अलग प्रकारों/ग्रेडों के लिए कारखाना स्तर पर कोरिया गणराज्य हेतु निर्धारित सामान्य मूल्य की तुलना इस निर्यातक के लिए भारत औसत पाटन मार्जिन निकालने के प्रयोजनार्थ तदनुसूची उत्पाद प्रकारों/ग्रेडों के लिए हनवा की कारखाना निर्यात कीमत के साथ निम्नानुसार की गई है :

उत्पाद प्रकार	आंकड़े मात्रा की राशि (मी.टन))	ईपी निवल कीमत अम.डॉ./ मी.टन	एनवी अम.डॉ./ मी.टन	डीएम अम.डॉ./ मी.टन
डी 1000	*****	*****	*****	*****
डी 1300	*****	*****	*****	*****
डी 700	*****	*****	*****	*****
भारत औसत	*****	*****	*****	*****
डीएम प्रतिशत				1.36%

ग.3) अन्य सभी

119. कोरिया के सभी असहयोगी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन निकालने हेतु कारखाना स्तर पर कोरिया गणराज्य से समस्त उत्पाद प्रकारों के उच्चतम सामान्य मूल्य की तुलना इस देश के अन्य सभी निर्यातकों के लिए उपर्युक्त यथानिर्धारित न्यूनतम कारखाना निर्यात कीमत के साथ की गई है जो निम्नानुसार बनता है :

	एनवी अम.डॉ./ मी.टन	ईपी अम.डॉ./ मी.टन	डीएम अम.डॉ./ मी.टन	डीएम %
सभी अन्य	*****	*****	*****	8%

छ.4 इंडोनेशिया

क) सामान्य मूल्य : मैसर्स पी टी असाहीमास केमिकल्स, इंडोनेशिया

120. निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा शुरू की गई उपर्युक्त पाटनरोधी जांच के उत्तर में थाईलैंड के केवल एक निर्यातक अर्थात् मै. पी टी असाहीमास केमिकल्स, इंडोनेशिया ने प्रश्नावली का अपना उत्तर दायर किया है और परवर्ती स्पष्टीकरण भी प्रस्तुत किए हैं। इस निर्यातक-उत्पादक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों की मौके पर जांच और सत्यापन भी नियमानुसार उत्पादक-निर्यातक के परिसरों में किया गया था। इस निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों और प्राधिकारी द्वारा किए गए सत्यापन के आधार पर इस सहयोगी निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है। चूंकि इस देश का कोई अन्य सहयोगी निर्यातक नहीं है, इसलिए इस निर्यातक के लिए अलग-अलग ग्रेड स्तर पर निर्धारित सामान्य मूल्य को माननीय भारत के उच्चतम न्यायालय के उपर्युक्त निर्णय के अनुसार समूचे इंडोनेशिया के लिए सामान्य मूल्य के रूप में अपनाया गया है।

121. कंपनी ने 5 ग्रेडों को शामिल करते हुए कंपनी ने ***** मी.टन पीवीसी रेजन की कुल मात्रा के लिए घरेलू बाजार में ***** सौदे किए हैं। कंपनी की घरेलू बिक्रियां असंबद्ध ग्राहकों को की गई हैं। घरेलू बिक्री का बड़ा भाग दो वितरकों के जरिए किया गया है और शेष की बिक्री सीधे ग्राहकों को की गई है। वितरकों के जरिए की गई बिक्रियां आंशिक रूप से नकद आधार पर और आंशिक रूप से 15 दिन के ऋण पर की गई हैं। प्रत्यक्ष ग्राहकों को की गई बिक्रियां ऋण की विभिन्न शर्तों पर की गई हैं।

122. सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ घरेलू बाजार में समान वस्तु की जांच की गई है। कंपनी ने जांच अवधि के दौरान भारत को पीवीसी सस्पेंशन ग्रेडों के केवल 4 ग्रेडों अर्थात् एफजे 57, एफजे 65 आर, एफजे 65 एस तथा एफजे 70 का ही निर्यात

किया है और उसने घरेलू बाजार में भी इन चारों ग्रेडों की पर्याप्त मात्रा में बिक्री की है । इन चारों ग्रेडों की घरेलू बिक्री की मात्रा निम्नानुसार है :-

ग्रेड	घरेलू बिक्री की मात्रा मी.टन में	भारत में निर्यात बिक्री की मात्रा मी.टन में
एफजे 57	*****	*****
एफजे 65आर	*****	*****
एफजे 65एस	*****	*****
एफजे 70	*****	*****

123. अतः संबद्ध वस्तु की कुल बिक्री और घरेलू बाजार में उपर्युक्त ग्रेडों की बिक्री पर्याप्त मात्रा में की गई है ।

124. घरेलू बिक्री के सौदों में निर्यातक ने छूट, परिवहन लागत, भंडारण व्यय, बीमा व्यय, पेलेट लागत, रायल्टी तथा सलाहकार शुल्क संबंधी व्यय एवं ऋण लागत के लिए समायोजनों का दावा निवल कारखाना कीमत निकालने के लिए किया है । दावा किए गए समायोजनों का सत्यापन उनके रिकार्डों से किया गया था । कंपनी की कुल वितरण लागत की जांच कंपनी की लाभ एवं हानि लेखे और 2005 की अवधि के लिए कंपनी के वितरण व्यय संबंधी विवरण से की गई थी । यह देखा गया था कि पीवीसी के वितरण व्यय में संभार तंत्र/परिवहन व्यय, भंडारण लागत, बीमा व्यय एवं हैंडलिंग व्यय शामिल हैं । अतः इनके लिए अलग से गलत ढंग से किए गए समायोजनों की अनुमति नहीं दी गई है । निर्यातक द्वारा ब्याज की उच्चतर दर पर दावा किए गए ऋण समायोजन में इस अवधि के दौरान बैंक ऑफ इंडोनेशिया की ब्याज दर को ध्यान में रखते हुए संशोधन किया गया है ।

125. पीवीसी के उत्पादन हेतु उसके प्रमुख प्रवर्तक तथा प्रमुख शेयरधारक के साथ लाइसेंस करार के अनुसार उत्पादक द्वारा केवल घरेलू बाजार में अपनी बिक्री कीमत के *****% की रायल्टी का भुगतान किया जाता है । तदनुसार घरेलू बिक्री पर इस व्यय के लिए समायोजन की अनुमति दी गई है ।

126. घरेलू बाजार में बिक्रियां और भारत को निर्यात पेपर बैगों में डिब्बा बंद स्थितियों में की जाती हैं । अतः पैकिंग लागत के लिए कोई समायोजन अपेक्षित नहीं था । तथापि, घरेलू बाजार में बिक्रियां पेलेटाइज्ड स्वरूप में हैं जबकि भारत को निर्यात कन्टेनरों में 25 कि.ग्रा. के पेपर बैगों के खुले रूप में हैं । अतः केवल पेलेट लागत के लिए ही घरेलू बिक्री पर समायोजन की अनुमति दी गई है ।

127. निर्यातक ने दावा किया है कि इस अवधि के दौरान अपरिष्कृत तेल की कीमत में अंतर के कारण उनकी उत्पादन लागत में पर्याप्त मासिक अंतर आया है और तदनुसार उनकी घरेलू एवं निर्यात बिक्री कीमतों में इन महीनों के दौरान पर्याप्त अंतर आया है। यह भी तर्क दिया गया था कि कीमत में यह अंतर ग्रेडों के संबंध में नहीं है बल्कि समय और ग्राहक द्वारा नियत हुआ है। चूंकि उन्होंने केवल कुछ महीनों के दौरान निर्यात बिक्री की थी, इसलिए सौदा-दर-सौदा आधार पर उचित तुलना हेतु केवल उन्हीं महीनों की घरेलू बिक्री की तुलना करना उचित होगा। उन्होंने उत्पादन की मासिक लागत तथा एसजीए व्यय और मासिक बिक्री एवं निर्यात के आंकड़ों के विवरण इस दावे के समर्थन में प्रस्तुत किए हैं ताकि यह प्रदर्शित किया जा सके कि मासिक लागत और कीमत में पर्याप्त अंतर हुआ है। निर्यातक ने यह भी प्रदर्शित किया है कि एक ग्राहक को आपूर्ति किए गए अलग-अलग ग्रेडों की कीमत एक खास माह के दौरान एक समान रही है और इसलिए कीमत में अंतर ग्रेडों के संबंध में नहीं हुआ है, अपितु कीमतों में माह-दर-माह अंतर आया है। तदनुसार निर्यातक ने यह दावा किया है कि समय के अनुसार और न कि ग्रेड दर ग्रेड आधार पर समानता के आधार पर तुलना की जानी चाहिए। घरेलू उद्योग ने प्रकटीकरण उपरांत निवेदन में तर्क दिया है कि इस निर्यातक के संबंध में निर्धारण भी उसी तरीके से किया जाना चाहिए, जैसा अन्य निर्यातकों के लिए किया गया है।

129. प्राधिकारी ने इस निर्यातक द्वारा उठाए गए उपर्युक्त मुद्दों की जांच की है और वे यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के नियम-6(1) में यह उपबंध है कि :

"पाटन मार्जिन निकालते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत तथा सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना करेंगे। यह तुलना व्यापार के उसी स्तर सामान्यतः कारखाना स्तर पर और यथा संभव उसी समय की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएगी। स्थितियों तथा बिक्रियों की शर्तों में अंतर, कराधाना, व्यापार के स्तर, मात्रा, भौतिक विशेषताओं और कीमत तुलनीयता को प्रवाहित करने के लिए प्रदर्शित किए जाने वाले किन्हीं अन्य अंतरों सहित कीमत तुलनीयता को प्रवाहित करने वाले अंतरों के लिए प्रत्येक मामले में उसके गुण-दोष के आधार पर उचित छूट दी जाएगी।"

130. इस मामले में कंपनी ने यह प्रदर्शित किया है कि कच्ची सामग्री की कीमत में उतार-चढ़ाव के कारण जांच अवधि के दौरान उनकी उत्पादन लागत, घरेलू बिक्री तथा निर्यात कीमत में माह-दर-माह पर्याप्त अंतर आया है। यह भी प्रदर्शित किया गया है कि किसी समय विशेष पर अलग-अलग ग्रेडों के बीच कीमत में कोई खास अंतर नहीं आया है। अतः उपर्युक्त उपबंध के अनुसार प्राधिकारी तदनुरूपी महीनों की निर्यात कीमत के साथ उचित तुलना करने के प्रयोजनार्थ मासिक आधार पर निर्धारित सामान्य मूल्य की तुलना करना उचित समझते हैं। तदनुसार मासिक घरेलू बिक्रियों को उत्पादन की

सत्यापित मासिक लागत के आधार पर व्यापार की सामान्य प्रक्रिया संबंधी जांच के अधीन लाया गया है और सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :

	मात्रा की राशि (मी.टन)	सकल बीजक मूल्य की राशि (अम.डॉ.)	कुल समायोजन की राशि (अम.डॉ.)	निवल बीजक मूल्य (अम.डॉ.)	निवल कीमत अम.डॉ./ मी.टन	लागत अम.डॉ./ मी.टन	एनवी अम.डॉ./ मी.टन
मार्च	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
अप्रैल	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
मई	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
जून	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
जुलाई	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
अगस्त	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
सित.	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
अक्टू.	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
नव.	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
दिस.	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****

ख) निर्यात कीमत : मै. पी.टी असाहीमास केमिकल्स, इंडोनेशिया

131. जांच अवधि के दौरान असाहीमास ने ***** सौदों पर भारत को संबद्ध वस्तु (एफ जे 57, एफजे 65 आर, एफजे 65 एस तथा एफजे 70) के ***** मी.टन का निर्यात किया है । इसमें से ***** मी.टन का निर्यात उसकी संबद्ध कंपनी अर्थात मै. मित्सुबिसी कार्पोरेशन के जरिए किया गया है और शेष मात्रा का निर्यात एक असंबद्ध व्यापारी अर्थात मै. मित्सुई एंड कंपनी के जरिए किया गया है । कंपनी ने जांच अवधि के दौरान भारत को सीधे कोई बिक्री नहीं की थी । शामिल व्यापारियों ने भारत में उनकी वास्तविक बिक्री कीमत के बारे में कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है । तथापि, कंपनी ने यह स्पष्ट किया है कि भारतीय ग्राहकों के साथ कीमतों पर व्यापारियों द्वारा बातचीत की जाती है और बातचीत पूरी होने के बाद व्यापारी भारतीय ग्राहकों को इस वस्तु के पोतलदान हेतु असाहीमास को ऑर्डर प्रस्तुत करते हैं । व्यापारियों और असाहीमास के बीच कीमत व्यवस्था ऐसी है जिसमें असाहीमास एक ऐसी राशि के लिए व्यापारियों को बीजक जारी करता है जो भारतीय क्रेताओं और व्यापारियों के बीच बातचीतशुदा कीमत से *****% कम होती है । इसके प्रत्युत्तर में व्यापारी भारतीय ग्राहक को एक अन्य बीजक जारी करते हैं । तदनुसार कंपनी ने दावा किया कि उसकी निर्यात कीमत उसके पास उपलब्ध सूचना के अनुसार शामिल व्यापारियों, जिन पर उनका कोई नियंत्रण नहीं है, के असहयोग को ध्यान में रखते हुए उपलब्ध तथ्यों का सहारा लेने के बजाए व्यापारियों द्वारा प्रभारित मानी गई कीमत पर आधारित होनी चाहिए । प्रकटीकरण उपरांत अपने निवेदन

में निर्यातक ने इस तर्क को पुनः दोहराया है कि निर्यात कीमत का निर्धारण व्यापारियों की मानित बिक्री कीमत अथवा भारत के आयात आंकड़ों के अनुसार आयात कीमत के आधार पर पाटन एवं क्षति मार्जिन की गणना के आधार पर किया जाए ।

132. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि मै. मित्सुबिशी एंव मित्सुई ने जांच में सहयोग नहीं किया है और असाहीमास की ओर से उनके द्वारा किए गए निर्यातों के संबंध में कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है तथापि, एक अन्य निर्यातक की ओर से उनके द्वारा की गई निर्यात बिक्री के संबंध में मित्सुई के परिसरों में किए गए सत्यापन से यह पता चलता है कि इन निर्यातकों की अंतिम निर्यात कीमत अनिवार्यतः वह नहीं है जैसी कि उन्होंने उत्पादकों को सूचना दी है । बाजारी स्थितियों पर निर्भर रहते हुए उन्होंने भारतीय ग्राहकों को संबद्ध वस्तु की बिक्री उस कीमत पर की है जो उनके द्वारा उत्पादकों को निर्दिष्ट कीमत से अधिक या कम है । अतः असाहीमास द्वारा किए गए दावे के अनुसार सीआईएफ कीमत नहीं निकाली जा सकती है । चूंकि प्रतिवादी निर्यातक द्वारा भारत को निर्यात हेतु वस्तु की बिक्री की गई है, इसलिए जिस कीमत पर भारत को निर्यात हेतु व्यापारियों को उनके द्वारा उस वस्तु की बिक्री की गई है वह उनकी निर्यात कीमत है और व्यापारियों को उनके असहयोग का खामियाजा भुगतना पड़ेगा और उन पर अवशिष्ट शुल्क लागू होगा । अतः प्राधिकारी यथा सत्यापित प्रत्यक्ष बिक्री व्यय की कटौती करने के बाद व्यापारियों के लिए उनकी बीजक कीमत के आधार पर इस निर्यातक की निर्यात कीमत का निर्धारण करते हैं ।

133. बीजक कीमतों में से निर्यातक ने ऋण लागत, समद्री भाड़े तथा समद्री भाड़ा व्यय, और अंतिम हैंडलिंग प्रभारों सहित विभिन्न प्रत्यक्ष बिक्री व्यय के लिए समायोजनों का दावा किया है । निर्यातक द्वारा निर्यातकों के लिए उसकी निवल बीजक कीमत में सूचित सीएनएफ/सीआईएफ में *****% की छूट को पहले ही ध्यान में रखा गया है और इसलिए इसका समायोजन अलग से नहीं किया गया है ।

134. जैसा कि पूर्व में नोट किया गया है, घरेलू बाजार में बिक्री तथा भारत को निर्यात के बीच पैकिंग के प्रकारों में कोई अंतर नहीं है, इसलिए निर्यात कीमत में से पैकिंग के लिए कोई समायोजन नहीं किया गया है ।

135. निर्यातक ने यह तर्क दिया है कि प्राधिकारी का यह विचार है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की लागत और कीमत में व्यापक उतार-चढ़ाव के मद्देनजर उचित तुलना हेतु मासिक औसत निर्यात कीमत की तुलना व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में मासिक औसत घरेलू बिक्री कीमत के साथ करना उचित है । उपर्युक्त के आधार पर इस निर्यातक की निवल निर्यात कीमत निम्नानुसार निकाली गई है :

माह	मात्रा की राशि मी.टन	बीजक मूल्य की राशि अम.डॉ.	कुल समायोजन की राशि अम.डॉ.	निवल बीजक मूल्य अम.डॉ.	निर्यात कीमत अम.डॉ./मी.टन
जन.	*****	*****	*****	*****	*****
फर.	*****	*****	*****	*****	*****
मई	*****	*****	*****	*****	*****
जून	*****	*****	*****	*****	*****
जुलाई	*****	*****	*****	*****	*****
अगस्त	*****	*****	*****	*****	*****
सित.	*****	*****	*****	*****	*****
अक्टू.	*****	*****	*****	*****	*****
दिस.	*****	*****	*****	*****	*****

ख.2) अन्य सभी

136. इंडोनेशिया के असहयोगी निर्यातकों की निर्यात कीमत का निर्धारण सर्वोत्तम उपलब्ध तथ्यों के अनुसार सहयोगी निर्यातक के आंकड़ों के आधार पर किया गया है। तदनुसार इंडोनेशिया के असहयोगी निर्यातक की निवल कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण ***** अम.डॉ. प्रति मी. टन के रूप में किया गया है।

ग) पाटन मार्जिन : इंडोनेशिया

ग.1 मै. पी.टी असाहीमास केमिकल्स, इंडोनेशिया

137. उपर्युक्त निर्यातक के लिए कारखाना स्तर पर निर्धारित मासिक सामान्य मूल्य की तुलना इस निर्यातक के लिए भारत औसत पाटन मार्जिन निकालने हेतु मासिक निर्यात कीमतों के साथ निम्नानुसार की गई है :

माह	एनवी अम.डॉ./मी.टन	ईपी अम.डॉ./मी.टन	डीएम अम.डॉ./मी.टन	मात्रा मी.टन
जन.	*****	*****	*****	*****
फर.	*****	*****	*****	*****
मई	*****	*****	*****	*****
जून	*****	*****	*****	*****
जुलाई	*****	*****	*****	*****
अगस्त	*****	*****	*****	*****
सित.	*****	*****	*****	*****
अक्टू.	*****	*****	*****	*****
दिस.	*****	*****	*****	*****
भारत औसत		*****	*****	*****
डीएम %			7.99%	

ग.2) अन्य सभी

137. कारखाना स्तर पर इंडोनेशिया के भारित औसत सामान्य मूल्य की तुलना इंडोनेशिया के सभी असहयोगी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन निकालने हेतु ऊपर यथानिर्धारित उक्त देश के सभी उक्त निर्यातकों की कारखाना निर्यात कीमत के साथ की गई है जो निम्नानुसार बनती है :

	एनवी अम.डॉ./मी.टन	ईपी अम.डॉ./मी.टन	डीएम अम.डॉ./मी.टन	डीएम %
अन्य सभी	*****	*****	*****	16.10%

छ.5 चीनी ताईपेई (ताइवान)

(क) सामान्य मूल्य

139. निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा शुरू की गई उपर्युक्त पाटनरोधी जांच के उत्तर में चीनी ताईपेई के दो निर्यातकों अर्थात् मै. फार्मोसा प्लास्टिक्स कार्पो. तथा मै. ओसन प्लास्टिक कार्पो. ने प्रश्नावली के अपने उत्तर दायर किए हैं और परवर्ती स्पष्टीकरणों का भी उत्तर दिया है । इन उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों की मौके पर जांच और सत्यापन भी नियमानुसार इन उत्पादकों/निर्यातकों के परिसरों में किया गया था । उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों तथा प्राधिकारी द्वारा किए गए सत्यापन के आधार पर चीनी ताईपेई के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण पूर्व में स्पष्ट की गई पद्धति के अनुसार किया गया है ।

क.1) मै. फार्मोसा प्लास्टिक्स कार्पोरेशन

140. कंपनी द्वारा मध्य एवं दक्षिणी ताईवान में अवस्थिति तीन संयंत्रों में पीवीसी सस्पेंशन ग्रेड का उत्पादन किया जाता है । कंपनी की उत्पादन प्रक्रिया मूलभूत कच्ची सामग्री के स्तर से लेकर क्षैतिज रूप से पूर्णतः एकीकृत है । कंपनी द्वारा ताईवान के अन्य पेट्रोरसायन उत्पादकों से प्राप्त एथिलिन से अपने खुद की क्लोरीन तथा ईडीसी/वीसीएम का उत्पादन किया जाता है ।

141. कंपनी ने जांच अवधि के दौरान ***** सौदों पर घरेलू बाजार में ***** मी.टन पीवीसी सस्पेंशन ग्रेड की बिक्री की है । तथापि, कुल बिक्रियों में से ***** मी.टन की बिक्री उसके अपनी संबद्ध कंपनियों अर्थात् मै. नया प्लास्टिक्स तथा मै. फार्मोसा केमिकल फाइबर्स को की गई थी और शेष ***** मी. टन की बिक्री घरेलू बाजार में असंबद्ध पार्टियों को की गई है । अतः संबद्ध पार्टियों को की गई बिक्री घरेलू बाजार में कुल

बिक्री के *****% से अधिक पाई गई थी । संबद्ध पार्टियों को घरेलू बाजार में बेचे गए ग्रेडों की औसत कीमत असंबद्ध ग्राहकों के लिए औसत कीमत से लगभग *****% कम पाई गई थी । इसलिए संबद्ध बिक्रियों पर चीनी टाईपेई में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु विचार नहीं किया गया है ।

142. जांच अवधि के दौरान कंपनी ने घरेलू बाजार में पीवीसी रेजिन के 8 अलग-अलग ग्रेडों की बिक्री की है, जिनमें से केवल 4(एस-60, एस-65, एस-65एस तथा एस-70) ग्रेडों का निर्यात भारत को किया गया है । असंबद्ध ग्राहकों को दूरवर्ती आधार पर घरेलू बाजार में बेचे गए इन ग्रेडों की मात्रा सामान्य मूल्य के निर्धारण और भारत को निर्यातित समान ग्रेडों के साथ अलग-अलग तुलना हेतु अपर्याप्त हैं । अनिवार्य तथ्यों के प्रकटन के बाद कंपनी ने सामान्य मूल्य की गणना तथा निर्यात कीमत के साथ तुलना में कुछेक त्रुटियों का उल्लेख किया है क्योंकि भारत को निर्यात न किए गए दो ग्रेडों/प्रकारों को सामान्य मूल्य की गणना में शामिल किया गया है, जिससे तुलना में त्रुटि उत्पन्न हो गई है । आंकड़ों की पुनः जांच की गई है और यह देखा गया है कि यद्यपि निर्यात उत्पाद के उप प्रकार एस-60-टी, एस-60-यू, एस-65 एस-टी, एस-65-टी तथा एस-70-टी का किया गया था । तथापि, गलती से सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु घरेलू बिक्री से उत्पाद के उप-प्रकारों एस-60-टी, एस-60-यू, एस-65 एस-टी, एस-65-एस-यू, एस-70-टी तथा एस-70-यू को चुन लिया गया था, जिसे तुलना में त्रुटि हो गई थी । समानता के आधार पर सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत निर्धारण हेतु आंकड़ों की पुनः जांच कर उनमें सुधार किया गया है ।

143. घरेलू बिक्रियां सीधे अंतिम प्रयोक्ताओं को की गई हैं जबकि जांच अवधि के दौरान व्यापारियों को अल्प मात्रा में बिक्री की गई है । यह कीमत सामान्यतः सुर्पुदगी कीमत है और ग्राहक भाड़ा लागत के बराबर छूट पर कारखाना स्तर पर माल प्राप्त करने को तरजीह देते हैं । घरेलू सौदों में भुगतान की पद्धति की भी जांच की गई थी । घरेलू बिक्रियां नकद अग्रिम या 60 दिन, के लिए गिरबी पर ऋण के आधार पर की जाती हैं । ऋण सौदों का निपटान ऋण अवधि की समाप्ति पर मासिक आधार पर किया जाता है । अधिकांश घरेलू ग्राहक पोतलदान से काफी पहले भुगतान कर देते हैं जबकि एक छोटे से भाग के लिए ऋण अवधि प्राप्त की जाती है । ऋण सुविधा के तहत कार्य करने वाले ग्राहकों के लिए ऋण लागत को इन ग्राहकों के लिए कीमत में शामिल किया जाता है । जांच अवधि के दौरान समस्त अत्पावधि ऋणों के आधार पर ब्याज की औसत दर तथा जांच अवधि के दौरान भुगतान किए गए ब्याज की गणना की गई है । कंपनी द्वारा माह के दौरान एक पार्टी द्वारा सठाई गई मात्रा के अनुसार छूट की भी पेशकश की जाती है जो ***** एन. टी डॉलर/किग्रा. से लेकर ***** एन. टी डॉलर/किग्रा. तक अलग-अलग होती है ।

144. घरेलू बिक्रियों में समायोजनों के केवल 2 घटक हैं । इस उत्पादक/निर्यातक की कारखाना निर्यात कीमत निकालने के लिए घरेलू सौदों में से अंतरदेशीय भाड़े और ऋण लागत की कटौती की गई है ।

145. यह भी देखा गया था कि निर्यातक में घरेलू तथा निर्यात बिक्री के लिए पैकिंग के प्रकार तथा अलग-अलग पैकिंग लागत के लिए कीमत में कोई समायोजन नहीं किया है । घरेलू एवं निर्यात बिक्री में प्रयुक्त पैकिंग के विभिन्न प्रकारों की पैकिंग लागत कंपनी के लागत रिकार्डों के अनुसार निकाली गई है और कारखाना स्तर पर निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए घरेलू बिक्री कीमत में आवश्यक समायोजन किए गए हैं ।

145. सत्यापित उत्पादन लागत में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया संबंधी जांच के अधीन असंबद्ध घरेलू बिक्री के सौदों को रखा गया था और सामान्य मूल्य इन आंकड़ों के आधार पर निम्नानुसार निकाला गया है :

	आंकड़े	औसत विनिमय दर		31.81745
उत्पाद कोड	बीजक मात्रा कि.ग्रा	निवल प्राप्ति की राशि एनटी डॉ. में	रिवल कीमत एनटीडॉ./कि.ग्रा.	एनवी अम.डॉ./मी.ट.
एस-60-टी	*****	*****	*****	*****
एस-60-यू	*****	*****	*****	*****
एस-65एस-टी	*****	*****	*****	*****
एस-65-टी	*****	*****	*****	*****
एस-65-यू	*****	*****	*****	*****
एस-70-टी	*****	*****	*****	*****

क.2) मै. ओसन प्लास्टिक्स कार्पोरेशन

147. यह प्रतिवादी कंपनी पीवीसी सस्पेंशन ग्रेड सहित अनेक उत्पादों का उत्पादन करती हैं और पीवीसी से विनिर्मित उत्पादों और उनके द्वारा विनिर्मित पीवीसी रेजिन के एक बड़े भाग की खपत स्वयं कंपनी द्वारा अपने पीवीसी उत्पादों के लिए कर ली जाती है । इसकी संबद्ध वस्तु की केवल एक उत्पादन इकाई है जो ताइपेई के निकट अवस्थित है । जिसकी पीवीसी सस्पेंशन ग्रेड की प्रति वर्ष क्षमता ***** मी.टन की है । क्लोरीन का उत्पादन करने के लिए कंपनी का क्लोर अल्कली संयंत्र नहीं है और वह स्थानीय रूप से खरीदे गए और आयात किए गए वीसीएम से पीवीसी का उत्पादन करती है ।

148. कंपनी ने ***** सौदों पर जांच अवधि के दौरान सस्पेंशन ग्रेड के पीवीसी के ***** मी.टन की बिक्री की है । संबद्ध वस्तु की समूची बिक्री घरेलू बाजार में असंबद्ध

ग्राहकों को की गई है । घरेलू बिक्री व्यापारियों के साथ-साथ सीधे अंतिम प्रयोक्ताओं को की जाती है । घरेलू बिक्री नकद और टी.टी. शर्तों पर की जाती है । तथापि, कुछेक नियमित ग्राहक 30 दिन तक ऋण सुविधा का भी लाभ उठाते हैं । ऋण अवधि की गणना बीजक की तारीख से भुगतान की तारीख तक की अवधि के रूप में की जाती है और मानक औसत बैंक ब्याज दर को ऋण सुविधा का लाभ उठाने वाले ग्राहकों के लिए ऋण लागत में परिकल्पित समायोजन के लिए लिया गया है ।

149. कंपनी द्वारा माह के दौरान उठाव की मात्रा के आधार पर नियमित ग्राहकों को मात्रा संबंधी छूट की पेशकश की जाती है जिसका समायोजन उक्त माह के अंत में किया जाता है । मात्रा के अनुसार मात्रा संबंधी छूट की दर ***** एन.टी डॉलर प्रति किग्रा. से लेकर ***** एम.टी. डालर/प्रति किग्रा. तक भिन्न-भिन्न होती है ।

150. कारखाना निर्यात कीमत निकालने के लिए बिक्री कीमत में से अंतरदेशीय भाड़े के लिए वास्तविक प्रत्यक्ष बिक्री कीमत का समायोजन किया गया है । यह देखा गया था कि कंपनी ने घरेलू एवं निर्यात बिक्रियों के लिए किसी पैकिंग अंतर या अलग-अलग पैकिंग लागत का दावा नहीं किया है क्योंकि निर्यातक का यह दावा है कि बल्क पैक तथा पेपर बैग पैकिंग हेतु पैकिंग सामग्री की लागत में कोई खास अंतर नहीं है । किंतु उनकी मानक कीमत निर्धारण नीति के अनुसार बल्क एवं पेपर बैग पैकों के बीच कीमत अंतर ***** एन.टी. डॉलर प्रति किग्रा. है और और जम्बो पैक एवं टैंक कार कीमतों के बीच कीमत में कोई अंतर नहीं है । इसके आधार पर उचित तुलना हेतु घरेलू एवं निर्यात बिक्री कीमतों में समायोजन के लिए घरेलू तथा निर्यात कीमत हेतु औसत पैकिंग लागत का आकलन किया गया है ।

151. सत्यापित उत्पादन लागत में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया संबंधी जांच के अधीन असंबद्ध घरेलू बिक्री के सौदों को रखा गया था और सामान्य मूल्य इन आंकड़ों के आधार पर निम्नानुसार निकाला गया है :

[illegible]

क.3) सामान्य मूल्य : चीनी ताइपेई

152. सहयोगी उत्पादकों के लिए उत्पाद के प्रकार/ग्रेड स्तरों पर निर्धारित सामान्य मूल्य के आधार पर चीनी ताइपेई के लिए उत्पाद के प्रकार स्तर पर भारत औसत सामान्य मूल्य का निर्धारण उसी स्तर पर अलग-अलग निर्यातकों की निर्यात कीमत के साथ तुलना हेतु किया गया है।

ख) निर्यात कीमत**ख.1) निर्यात कीमत : मै. फार्मोसा प्लास्टिक्स कार्पोरेशन**

153. जांच अवधि के दौरान फार्मोसा में भारत को ***** मी.टन संबद्ध वस्तु का निर्यात किया। ये निर्यात भारत में ग्राहकों को सीधे और व्यापारियों तथा पुनर्विक्रेताओं के जरिए किए गए हैं। व्यापारियों के लिए कमीशन की राशि सभी व्यापारियों के लिए ***** अम.डॉ./मी.टन निर्धारित है। वस्तु का पोतलदान भारत के व्यापारी और/अथवा ग्राहकों से निर्देश के तहत भारत को सीधे किया जाता है। बी/एल तथा पोतलदान दस्तावेज फार्मोसा द्वारा तैयार किए जाते हैं। सभी बिक्रियों की डिलीवरी शर्तें या तो सीआईएफ हैं या फिर सी एंड एफ हैं। वस्तुओं की डिलीवरी कंपनी द्वारा सीधे अंतिम प्रयोक्ता को की जाती है।

154. निर्यात बिक्रियों में से कंपनी ने प्रत्यक्ष बिक्री व्यय अर्थात् अन्तर्देशी एवं समुद्री भाड़े तथा बीमा व्यय, प्रलेखन शुल्क एवं हैंडलिंग शुल्क, व्यापार संवर्धन शुल्क तथा बंदरगाह सेवा शुल्क, ऋण लागत तथा पैकिंग लागत के लिए समायोजनों का दावा किया है। कंपनी के रिकार्डों से सत्यापित प्रत्यक्ष बिक्री व्यय का समायोजन करने के बाद निर्यातक के लिए कारखाना कीमत निम्नानुसार बनती है:

उत्पाद प्रकार	मात्रा किग्रा.	निवल बीजक मूल्य की राशि	समायोजन की राशि	प्राप्त निवल मूल्य की राशि	निवल ईपी अम.डॉ./ मी.टन
एस-60-टी	*****	*****	*****	*****	*****
एस-60-यू	*****	*****	*****	*****	*****
एस-65S-टी	*****	*****	*****	*****	*****
एस-65-टी	*****	*****	*****	*****	*****
एस-65-यू	*****	*****	*****	*****	*****
एस-70-टी	*****	*****	*****	*****	*****

ख.2) निर्यात कीमत: मै. ओशन प्लास्टिक्स कॉर्पोरेशन

155. ओपीसी ने केवल दो ग्रेडों को शामिल करते हुए जांच अवधि के दौरान *** सौदों पर भारत को केवल *** मी टन सरपेंशन ग्रेड के पीवीसी का निर्यात किया है। भारत को किए गए *** निर्यात सौदों में से *** सौदे व्यापारियों के जरिए तथा शेष सीधे भारत में ग्राहकों को किए गए हैं। कंपनी की मूल्य निर्धारण नीति के अनुसार अलग-अलग ग्राहकों के लिए कीमत में कोई अंतर नहीं है। तथापि कंपनी *** अम.डा/मी टन की दर से भारत में प्रत्यक्ष ग्राहकों को कुछेक सौदों पर कंपनी कमीशन का भुगतान करती है। निर्यात बिक्रियों पर कोई मात्रात्मक छूट नहीं है। निर्यातक ने प्रत्यक्ष बिक्री व्यय अर्थात् अन्तर्देशी परिवहन, समुद्री भाड़ा लागत तथा हैंडलिंग प्रभारों, बीमा, बंदरगार शुल्क एवं निर्यात विकास प्रभारों के लिए समायोजनों का दावा किया है जिनका सत्यापन किया गया है। जैसाकि ऊपर नोट किया गया है, निर्यातक ने निर्यात पैकेजिंग में अंतर के लिए कोई समायोजन नहीं किया है। निर्यात परेषणों को 25 किग्रा. के पेपर बैगों में पैक किया जाता है और तदनुसार व्यापार के समान स्तर पर एक समान तुलना हेतु कारखाना निर्यात कीमत निकालने के लिए निर्यात सौदों पर *** एनटी डालर/मी टन की दर से समायोजन अपेक्षित है। तदनुसार इस निर्यातक के लिए निवल कारखाना निर्यात कीमत निम्नानुसार बनती है:-

उत्पाद कोड	मात्रा किग्रा.	निवल बीजक मूल्य	कुल समायोजनों की राशि (एनटी डॉ. में)	निवल मूल्य की राशि (एनटी डॉ. में)	ईपी एनटीडॉ./ किग्रा.	ईपी अम.डॉ./ मी.टन
एस-101	*****	*****	*****	*****	*****	*****
एस-107	*****	*****	*****	*****	*****	*****

ख.3). निर्यात कीमत: अन्य

156. ताईवान के सहयोगी निर्यातकों के आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर ताईवान के अन्य सभी असहयोगी निर्यातकों की निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है। तदनुसार ताईवान के अन्य सभी निर्यातकों के लिए भारित औसत निवल निर्यात कीमत *** अम.डा प्रति मी टन निर्धारित की गई है।

ग). पाटन मार्जिन

ग.1) पाटन मार्जिन: मै. फारमोसा प्लास्टिक्स कार्पोरेशन

157. अलग-अलग प्रकारों के लिए कारखाना स्तर पर चीनी ताइपेई हेतु निर्धारित सामान्य मूल्य की तुलना इस निर्यातक के लिए भारित औसत पाटन मार्जिन निकालने हेतु तदनुरूपी उत्पाद में प्रकारों के लिए फारमोला की कारखाना निर्यात कीमत के साथ निम्नानुसार की गई है :

उत्पाद कोड	मात्रा की राशि कि.ग्रा.	निवल ईपी अम.डॉ./मी.टन	एन वी (अम.डॉ./मी.टन)	डीएम अम.डॉ./मी.टन
एस-60-टी	*****	*****	*****	*****
एस-60-यू	*****	*****	*****	*****
एस-65एस-टी	*****	*****	*****	*****
एस-65-टी	*****	*****	*****	*****
एस-65-यू	*****	*****	*****	*****
एस-70-टी	*****	*****	*****	*****
भारित औसत	*****	*****		*****
डीएम %				

ग.2) पाटन मार्जिन: मै. ओशन प्लास्टिक्स कार्पोरेशन

158. अलग-अलग प्रकारों के लिए कारखाना स्तर पर चीनी ताइपेई हेतु निर्धारित सामान्य मूल्य की तुलना इस निर्यातक के लिए भारित औसत पाटन मार्जिन निकालने हेतु तदनुरूपी उत्पाद प्रकारों के लिए ओशन प्लास्टिक की कारखाना निर्यात कीमत के साथ निम्नानुसार की गई है :

उत्पाद कोड	मात्रा की राशि कि.ग्रा.	ईपी एनटीएस/किग्रा	ईपी अम.डॉ./मी.ट.	एनवी अम.डॉ./मी.ट.	डीएम एनटीडॉ./किग्रा.
एस-101	*****	*****	*****	*****	*****
एस-107	*****	*****	*****	*****	*****
भारित औसत	*****	*****	*****		*****
%					8.88%

ग.3) पाटन मार्जिन: अन्य सभी

159. कारखाना स्तर पर चीनी ताइपेई से समस्त उत्पाद प्रकारों के भारित औसत सामान्य मूल्य की तुलना ऊपर यथा निर्धारित चीनी ताइपेई के अन्य सभी निर्यातकों की भारित औसत कारखाना निर्यात कीमत के साथ की गई है ताकि इस देश के अन्य सभी असहयोगी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन निकाला जा सके जो निम्नानुसार बनता है:-

	एनवी अम.डॉ./ मी.टन	ईपी अम.डॉ./ मी.टन	डीएम अम.डॉ./ मी.टन	डीएम %
अन्य सभी	*****	*****	*****	9.28%

छ.6. जापान

160. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जापान के निम्नलिखित दो निर्यातकों ने प्रश्नावली के अपने उत्तर दायर किए हैं:-

5. मै. तंड्यो विनाइल कॉर्पोरेशन, जापान, तथा
6. मै. कनेका कॉर्पोरेशन, जापान

161. तथापि मै. कनेका कॉर्पोरेशन ने भारत को मै. मित्सुई एंड कंपनी के जरिए किए गए अपने निर्यातों के संबंध में केवल आंशिक सूचना दायर की और प्रश्नावली के उत्तर में बाद में व्यापार कंपनी अर्थात् मै. मित्सुई एंड कं. लि. के अनुरोध जोड़ दिए गए थे। किंतु उत्पादन लागत तथा सामान्य मूल्यों का निर्धारण करने के लिए कनेका ने अपनी घरेलू बिक्री कीमत/तीसरे देश के लिए निर्यात कीमत और उत्पादन लागत के संबंध में कोई सूचना दायर नहीं की। निर्यातक को 5 दिसंबर, 2006 के पत्र द्वारा कमी संबंधी ज्ञापन जारी किया गया था और उनसे निर्धारित प्रपत्र में तथा ढंग से अनुरोध पूर्ण करने के लिए कहा गया था। 16 मार्च, 2007 के ई मेल के जरिए कंपनी को मांगी गई सूचना दायर करने के लिए एक और अवसर प्रदान किया गया था। तथापि, निर्यातक ने न तो कोई सूचना दायर की है और न ही कमी संबंधी ज्ञापन का कोई उत्तर दिया है। अतः इस जांच के प्रयोजनार्थ इस निर्यातक को असहयोगी माना गया है। अपने प्रकटीकरण उपरांत निवेदन में निर्यातक ने उसे असहयोगी मानने के प्राधिकारी के निर्णय का खंडन किया है और यह तर्क दिया है कि यद्यपि उसने अपने सामान्य मूल्य के बारे में कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की तथापि, प्राधिकारी को उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित सामान्य मूल्य का उपयोग करते हुए उसकी पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु उसकी निर्यात कीमत को स्वीकार करना चाहिए था। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियम 6.1 में यह प्रावधान है कि

"उस मामले में जहां हितबद्ध पक्षकार समुचित अवधि के भीतर आवश्यक सूचना प्रस्तुत करने से मना करता है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालता है, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी अपने जांच परिणाम उन्हें उपलब्ध तथ्यों के आधार पर दर्ज कर सकते हैं और केन्द्रीय सरकार को वे सस्तुतियां कर सकते हैं जिन्हें वे ऐसी परिस्थितियों में उपयुक्त समझें।"

162. पाटनरोधी करार के अनुबंध-II में यह भी उपबंधित है कि यदि अपेक्षित सूचना समुचित अवधि के भीतर प्रस्तुत नहीं की जाती तो प्राधिकारी घरेलू उद्योग द्वारा जांच शुरुआत हेतु प्रस्तुत आवेदन में दिए गए तथ्यों सहित उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारण करने के लिए स्वतंत्र होंगे।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक को उसकी पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ अपेक्षित जानकारी उपलब्ध कराने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। परंतु सूचना उपलब्ध होने के बावजूद निर्यातक ने जानबूझकर उसे उपलब्ध नहीं कराया और अब यह तर्क दिया है कि प्राधिकारी को उसकी निर्यात कीमत को स्वीकार करते हुए उपलब्ध तथ्यों के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करना चाहिए। मामला यह नहीं है कि निर्यातक के पास अपने सामान्य मूल्य से संबंधित सूचना उपलब्ध नहीं है, परंतु उसने जानबूझकर यह सूचना उपलब्ध नहीं कराई है और इस प्रकार जांच में अत्यधिक बाधा डाली है। अतः इस निर्यातक को असहयोगी करार देना सही है क्योंकि उसने प्राधिकारी

के साथ किसी भी प्रकार का सहयोग नहीं किया है। उपर्युक्त के मदेनजर प्राधिकारी को उसके तर्क में कोई सार प्रतीत नहीं होता।

163. जापान के एक अन्य प्रतिवादी निर्यातक अर्थात् मै. तइयो विनाइल कॉर्पोरेशन ने प्रश्नावली का उत्तर दायर किया और परवर्ती स्पष्टीकरणों का भी उत्तर दिया। इस उत्पादक/ निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों की मौके पर जांच और सत्यापन भी नियमानुसार उनके परिसरों में किया गया था। उत्पादन/निर्यातक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों और प्राधिकारी द्वारा किए गए सत्यापन के आधार पर जापान के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण पूर्व में उल्लिखित पद्धति के अनुसार किया गया है।

क). सामान्य मूल्य : मै. तइयो विनायल कॉर्पोरेशन

164. मै. तइयो विनायल कॉर्पोरेशन (तइयो) की स्थापना जापान में विभिन्न स्थानों पर अवस्थित मै. तोसोह कॉर्पोरेशन, मै. मित्सुई कैमिकल्स तथा मै. डेंकी कगाकु की पीवीसी उत्पादन इकाइयों के विलय के जरिए की गई थी और इसकी उत्पादन क्षमता *** मी टन पीवीसी रेजिन प्रति वर्ष की है। तइयो मुख्यतः मूल कंपनियों से कच्ची सामग्री वीसीएम की खरीद का केवल पीवीसी का निर्माण और बिक्री करने वाली एक मात्र उत्पाद कंपनी है। संबद्ध पार्टियों से आपूर्ति के अलावा तइयो असंबद्ध आपूर्तिकर्ताओं से भी वीसीएम की खरीद करती है। संबद्ध पार्टियों के बीच वीसीएम की कीमत नेप्था की कीमत से संबंधित एक फार्मूले पर आधारित है। संबंधित पार्टी की खरीद कीमत असंबद्ध पार्टियों से खरीद की कीमत से लगभग *** अधिक हैं।

165. कंपनी द्वारा कुछ विशेष ग्रेडों सहित घरेलू बाजार में पीवीसी के लगभग 28 अलग-अलग ग्रेडों का उत्पादन और बिक्री की जाती है। तथापि जांच अवधि के दौरान भारत को पीवीसी रेजिन के केवल 4 सामान्य ग्रेडों का निर्यात किया गया है।

166. कंपनी ने जांच अवधि के दौरान घरेलू बाजार में सामान्य ग्रेड और विशेष ग्रेड, दोनों को शामिल करते हुए *** मी टन पीवीसी रेजिन की बिक्री की है। कंपनी की घरेलू बाजार बिक्री सीधे अंतिम प्रयोक्ता को (संबद्ध/असंबद्ध) अथवा जापानी व्यापार कंपनियों (संबद्ध/असंबद्ध) को की जाती है। तथापि, असंबद्ध पार्टियों को घरेलू बिक्री कुल घरेलू बिक्री की 93% और संबद्ध पार्टियों को बिक्री कुल घरेलू बिक्री की 7% है। संबद्ध पार्टियों के लिए कीमतें असंबद्ध पार्टियों के लिए कीमतों से मामूली अधिक हैं। अतः सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ समूची घरेलू बिक्री को निकटवर्ती माना गया है।

167. सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ घरेलू बाजार में समान वस्तु की जांच की गई थी। कंपनी ने जांच अवधि के दौरान भारत को पीवीसी सस्पेंशन ग्रेडों के केवल चार ग्रेडों का निर्यात किया है और इसने घरेलू बाजार में भी इन चारों ग्रेडों की पर्याप्त मात्रा में बिक्री की थी। इन चारों ग्रेडों की घरेलू बिक्री की मात्रा निम्नानुसार है:-

प्रकार	घरेलू बिक्री की मात्रा (मी.ट.)	भारत को निर्यात बिक्री की मात्रा
टीएच 700	*****	*****
टीएच 800	*****	*****
टीएच 1000	*****	*****
टीएच 1300	*****	*****
कुल	*****	*****

168. किए गए उल्लेख के अनुसार संबद्ध वस्तु की कुल बिक्री और इन चारों ग्रेडों की बिक्री घरेलू बाजार में पर्याप्त मात्रा में की गई है और बिक्रियां निकटवर्ती हैं। अतः घरेलू बाजार में बेचे गए सामान्य ग्रेड पीवीसी (टीएच श्रृंखला अर्थात् टीएच 700, 800, 1000 तथा 1300) के समस्त सौदों पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ विचार किया गया है।

169. घरेलू बिक्री के सौदों में से ताइयो ने अंतर्देशी भाड़े, ऋण लागत, निर्धारित बिक्री लागत में अंतर, तकनीकी सहायता लागत में अंतर, विज्ञापन लागत में अंतर, सामान्य एवं प्रशासनिक लागत में अंतर तथा वित्तीय लागत में अंतर के लिए समायोजनों का दावा किया है ताकि व्यापार के समान स्तर पर निर्यात कीमत के साथ तुलना करने के लिए घरेलू बिक्री कीमत को कारखाना स्तर पर लाया जा सके। अंतर्देशी भाड़े, ऋण लागत जैसे प्रत्यक्ष बिक्री व्यय तथा बिक्री पश्चात् कीमत समायोजनों की जांच कंपनी के रिकॉर्डों से की गई है और वास्तविकता के अनुसार उनकी अनुमति दी गई है।

170. कंपनी के रिकॉर्डों से यथा सत्यापित तथा इन शीर्षों के अंतर्गत वास्तविक व्यय के आधार पर पर्याप्ततः न्यूनीकृत निर्यात एवं घरेलू बिक्रियों पर परिवर्ती लागत घटकों के लिए दावा किए गए अन्य समायोजनों तथा कारोबार आधारित आवंटनों की अनुमति दी गई है ताकि उचित तुलना के लिए बिक्री कीमत को कारखाना स्तर पर लाया जा सके। कंपनी ने कोई छूट नहीं दी है और सूचित की गई बिक्री कीमत घरेलू व्यापारियों के लिए कमीशन/नियत राशि से रहित है। अतः इन दोनों मदों के लिए कोई समायोजन नहीं दर्शाया गया है।

171. कंपनी ने घरेलू तथा निर्यात बिक्री के लिए पैकिंग लागत हेतु किसी अंतर का दावा नहीं किया है। तथापि यह देखा गया था कि घरेलू पैकिंग 25 कि.ग्रा. के पेपर बैगों, 1 मी टन के जम्बों पैकों तथा टैंकरों/लॉरी द्वारा बल्क में की गई है जबकि निर्यात बिक्री 25 किग्रा. के पेपर बैगों में की गई है। घरेलू बाजार के लिए पैक्ड पीवीसी को पैलेराइज किया जाता है जबकि निर्यातों के लिए पेपर बैगों को कंटेनरों में खुला रखा जाता है। अतः अंतर्गस्त पैकिंग लागत में कोई अंतर नहीं है जिसे निर्यातक ने अपने उत्तर में हिसाब में नहीं लिया है। खुले एवं डिब्बाबंद वस्तु की मात्रा तथा किए गए व्यय का सत्यापन कंपनी की लेखा बहियों, से किया गया था और घरेलू तथा निर्यात बिक्री हेतु संशोधित पैकिंग लागत निकाली गई थी। तदनुसार पैकिंग लागत में अंतर के समायोजन के लिए निर्यात बिक्री सौदों में से *** जापानी येन प्रति मी टन की राशि घटानी अपेक्षित है।

172. निर्यातक के घरेलू बिक्री सौदों की सत्यापित उत्पादन लागत की तुलना में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया संबंधी जांच की गई थी। तदनुसार, घरेलू बाजार में इन ग्रेडों की बिक्री के आधार पर उत्पाद के अलग अलग प्रकारों के लिए सामान्य मूल्य का निम्नानुसार निर्धारण किया गया है।

उत्पाद कोड	औसत विनिमय दर					110.207
	आंकड़े	निवल पूर्व कारखाना द्वार कीमत की राशि (येन)	कुल समायोजन की राशि (येन)	निवल कारखाना कीमत की राशि (येन)	कारखाना कीमत येन/किग्रा.	
टीएच1000	*****	*****	*****	*****	*****	*****
टीएच 1300	*****	*****	*****	*****	*****	*****
टीएच 700	*****	*****	*****	*****	*****	*****
टीएच 800	*****	*****	*****	*****	*****	*****

ख). निर्यात कीमत

ख.1) मै. तइयो विनायल कॉर्पोरेशन, जापान

173. जापान ने जांच अवधि के दौरान*** सौदों में भारत को संबद्ध वस्तु *** मी टन का निर्यात किया है। कंपनी के बिक्री सौदे की पद्धति की जांच की गई थी। यह देखा गया था कि जांच अवधि के दौरान तइयो ने भारत को सीधे कोई निर्यात नहीं किया था। सभी बिक्रियाँ चारों जापानी व्यापार कंपनियों के जरिए की जाती हैं। व्यापार कंपनियाँ भारतीय क्रेताओं से कीमत संबंधी बातचीत करती हैं और प्रत्युत्तर में भारत को वस्तु के सीधे पोत परिवहन हेतु तइयो को आर्डर देती है। तइयो को दिए गए व्यापारी के आर्डर में प्रत्येक सौदे के लिए तइयो को उनकी बिक्री कीमत का ब्यौरा देता है जिसमें भारतीय ग्राहक के लिए अंतिम सीआईएफ निर्यात कीमत प्रदर्शित की जाती है। व्यापार कंपनियों से आर्डर मिलने के बाद तइयो खेप की व्यवस्था करती है। तइयो द्वारा अंतर्देशी परिवहन तथा समुद्री भाड़े का भुगतान किया जाता है और व्यापार कंपनी के लिए उसकी कीमत में शामिल किया जाता है जो सी एफ आर पर आधारित होती है। तथापि, व्यापार कंपनी द्वारा बीमा एवं अन्य व्यय का भुगतान किया जाता है जिसे तइयो को व्यापार कंपनी द्वारा दिए गए कीमत के ब्योरे में शामिल किया जाता है। व्यापार कंपनी द्वारा सीआईएफ कीमत पर कमीशन (***) से ***% तक) भी वसूल किया जाता है और व्यापार कंपनी के लिए तइयो की अंतिम सीएफआर कीमत बीमा, ब्याज व्यय एवं एवं कमीशन को घटाकर निकाली जाती है। तइयो द्वारा व्यापार कंपनियों को बीजक जारी किया जाता है और बी/एल तारीख को उनसे भुगतान प्राप्त किया जाता है। अतः तइयो ऋण संबंधी कोई व्यय नहीं करती है। तइयो द्वारा प्रस्तुत बीजक कीमत तइयो की सीएफआर कीमत से रहित होती है और कंपनी ने व्यापार कंपनी द्वारा प्रस्तुत अंतिम ब्रेकडाउन कीमत के आधार पर उक्त व्यापार कंपनी द्वारा प्रभारित भारतीय ग्राहक के लिए अंतिम सीआईएफ कीमत का भी उल्लेख किया है। तथापि भारतीय ग्राहक के लिए वास्तविक बीजक तइयो के पास उपलब्ध नहीं है। तइयो के वस्तु व्यापार से संबंधित व्यापार कंपनियों में से एक

कंपनी अर्थात् मै. मित्सुई एंड कं. द्वारा प्रदत्त सूचना के आधार पर व्यापारी की अंतिम कीमत की सत्यता का पता लगाने के लिए सत्यापन किया गया था। तथापि, यह देखा गया था कि व्यापारी की अंतिम कीमत में यदा-कदा ब्रेकडाउन आर्डर शीट में उल्लिखित कीमत से काफी अंतर होता है और व्यापारी वास्तविक बाजार स्थिति के आधार पर भारतीय ग्राहक से कम या ज्यादा कीमत वसूल करता है।

174. व्यापार कंपनियों की ओर से तइयो द्वारा भारत को किए गए पोत लदानों पर वसूल की गई सीएफआर कीमतों में से केवल अंतर्देशी भाड़े तथा समुद्री भाड़े के लिए समायोजनों का दावा किया गया है क्योंकि पूर्व में बताए गए अनुसार शेष व्यय व्यापार कंपनियां वहन करती हैं। भारत में किसी अंतिम प्रयोक्ता को कोई नकद छूट नहीं दी गई है क्योंकि बिक्री व्यापारियों के जरिए की जाती है। सत्यापित आंकड़ों के अनुसार प्रत्यक्ष बिक्री व्यय का समायोजन किया गया है।

175. तइयो ने भारत को की गई निर्यात बिक्री के लिए किसी परिवर्ती पैकिंग लागत का दावा नहीं किया है। तथापि यह देखा गया था कि भारत को निर्यात 25 किग्रा. के प्लाई पेपर बैगों में किए जाते हैं जबकि घरेलू बिक्री डिब्बाबंद एवं खुले दोनों रूपों में की जाती है। अतः पूर्व में किए गए रिकार्ड के अनुसार पैकिंग व्यय की पुनः गणना की गई है और तदनुसार भारत के लिए निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए *** येन प्रति मी. टन की दर से परिवर्ती पैकिंग लागत बिक्री कीमत में से घटा दी गई है। तदनुसार कारखाना स्तर पर इस निर्यातक के अलग-अलग उत्पाद प्रकारों/ग्रेडों की निवल निर्यात कीमत निम्नानुसार बनती हैं।

	आंकड़े		विनिमय दर		110.207
उत्पाद कोड	मात्रा की राशि (केजीएस)	निवल बीजक मूल्य की राशि (जेपीवाई)	निवल कारखाना कीमत की राशि (जेपीवाई)	निवल ईपी जेपीवाई/मी.ट.	निवल ईपी अम.डॉ./मी.ट.
टीएच-1000	*****	*****	*****	*****	*****
टीएच-1300	*****	*****	*****	*****	*****
टीएच-700	*****	*****	*****	*****	*****
टीएच-800	*****	*****	*****	*****	*****

ख.2). अन्य निर्यातक

176. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जापान में संबद्ध वस्तु के ऐसे अनेक उत्पादक तथा निर्यातक हैं जिन्होंने जांच में सहयोग नहीं किया है। अतः जापान के अन्य सभी असहयोगी निर्यातकों की निर्यात कीमत का निर्धारण उक्त देश के सहयोगी निर्यातकों के आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है। तदनुसार, जापान के सभी अन्य निर्यातक की निवल निर्यात कीमत *** अम-डा प्रति मी टन निर्धारित की गई है।

ग.) पाटन मार्जिन

ग.1). मै. तइयो विनायल कार्पोरेशन

177. इस निर्यातक के लिए भारित औसत पाटन मार्जिन निकालने हेतु जापान के लिए अलग-अलग प्रकारों के कारखाना स्तर पर निर्धारित सामान्य मूल्य की तुलना तदनुरूपी उत्पाद प्रकारों के लिए तइयो विनाइल की कारखाना निर्यात कीमत के साथ की गई है जो निम्नानुसार है:

उत्पाद कोड	आंकड़े	मात्रा की राशि (केजीएस)	निवल बीजक मात्रा की राशि (जेपीवाई)	निवल कारखाना कीमत की राशि (जेपीवाई)	निवल ईपी अम.डॉ./ मी.टन	एनवी अम.डॉ./ मी.टन	डीएम अम.डॉ./ मी.टन
टीएच-1000	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
टीएच-1300	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
ओएच-700	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
ओएच-800	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
भारित औसत	*****				*****		*****
डीएम %							9%

178. प्रकटीकरण उपरांत अपने वक्तव्य में निर्यातक ने पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु अपने कुछ समायोजन दावों की समीक्षा करने का अनुरोध किया है। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि उनके आंकड़ों के सत्यापन के दौरान समायोजनों में संशोधन किया गया था, क्योंकि उन समायोजनों का आधार सही नहीं पाया गया था और जिस सीमा तक ऐसे दावों को ग्राह्य पाया गया है, उन्हें अनुमत्य किया गया है। इसकी विधिवत सूचना निर्यातक को सत्यापन रिपोर्ट के माध्यम से दे दी गई थी। अतः पाटन का निर्धारण सही है और इसमें कोई संशोधन अपेक्षित नहीं है।

ग.2). पाटन मार्जिन: अन्य सभी

179. सहयोगी निर्यातकों के आंकड़ों के आधार पर कारखाना स्तर पर निर्धारित जापान के सामान्य मूल्य की तुलना ऊपर किए गए निर्धारण के अनुसार उक्त देश के सभी अन्य निर्यातकों की कारखाना निर्यात कीमत के साथ की गई है ताकि इस देश के सभी असहयोगी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन निकाला जा सके जो निम्नानुसार बनता है:-

	एनवी अम.डॉ./मी.टन	ईपी अम.डॉ./मी.टन	डीएमअम.डॉ./मी.टन	डीएम %
अन्य सभी	*****	*****	*****	13%

छ.7). चीन जन.जण.

180. जैसा कि जांच की शुरुआत के उत्तर में पूर्ववर्ती खंड में नोट किया गया है, चाइना क्लोर-अल्कली एसोसिएशन (सीसीएआईए) ने निम्नलिखित 11 चीनी उत्पादकों/निर्यातकों की सूचना दायर की है जो जांच में भाग लेने के हितबद्ध थे:

- V. जिनजियांग तियान्ये कं.लि.
- VI. यीचांग यीहुआ पैसिफिक कोजेन लि.
- VII. तियानजिन डीएजीयू कैमिकल कं.लि.
- VIII. हाओहुआ युहांग कैमिकल कं. लि.
- IX. निंगजिया यिंगलिज कैमिकल्स कं.लि.
- X. शेनडोग ओशन कैमिकल इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं.लि. शेनडोग हैहुआ क्लोर अल्कली रेजिन के.लि. के साथ
- XI. क्विंगडाओ हैजिंग कैमिकल ग्रुप कं.लि.
- XII. यीबिन तियानयुआन कं.लि.
- XIII. शंघाई क्लोर अल्कली कैमिकल कं.लि.
- XIV. तियानजिन एलजीडीएजीयू कैमिकल कं.लि.
- XV. इनर मंगोलिया सनलियन कैमिकल कॉर्पोरेशन लि.

181. चीन जन गण के निर्यातकों की व्यापक भागीदारी को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 17(3) के अनुसार सैम्पलिंग का सहारा लिया और सीसीएआईए को सूचना देते हुए आगे की विस्तृत जांच हेतु चीन के निम्नलिखित तीन निर्यातकों का चयन किया जिनका जांच अवधि के दौरान भारत को हुए उक्त देश से निर्यात का एक बड़ा हिस्सा था:

- V. मै.तियानजिन डागू कैमिकल कं.लि. (उत्पादक) तथा मै. तियानजिन बोहाई कैमिकल इंडस्ट्रीज इम्प एंड एक्सप.कॉर्पोरेशन (निर्यातक);
- VI. मै. जिनजियांग शिहेजी झोंग्फा कैमिकल कं.लि.-उत्पादक तथा मै. जिनजियांग तियान्ये फॉरेन ट्रेड कं. लि. व्यापारी एवं निर्यातक;
- VII. मै. यीचांग यीहुआ पैसिफिक कोजेन कं.लि.-उत्पादक तथा मै. हुबाई यीहुआ ग्रुप कं.लि. व्यापारी-व्यापारी निर्यातक

182. उपर्युक्तानुसार चयनित निर्यातकों ने प्रश्नावली के अपने उत्तर और बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली के उत्तर दायर किए हैं और प्राधिकारी ने संभव सीमा तक उनका सत्यापन किया है। चीन जन.गण. के निम्नलिखित अचयनित निर्यातकों ने भी अलग व्यवहार तथा पृथक मार्जिन हेतु अनुरोध दायर किए हैं:-

V. मै. तियानजिन एल जी डागू कैमिकल कं.लि.

VI. मै. यीबिन तियानयुआन कं.लि.; तथा

VII. शंघाई क्लोर-अल्कली कैमिक कं.लि.

183. तथापि एक साथ जांचाधीन देशों के निर्यातकों की इतनी बड़ी संख्या में भागीदारी और अंतर्ग्रस्त भारीभरकम आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग अनावश्यक रूप से बोझिल हो जाएगी और इससे जांच समय पर पूरी नहीं हो पाएगी। अतः प्राधिकारी ने अलग व्यवहार हेतु उपर्युक्त अचयनित निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना की जांच करना व्यवहार्य एवं उचित नहीं माना है।

184. अतः अचयनित निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण नियमावली के नियम 18(2) के साथ पठित नियम 17(3) के अनुसार चयनित निर्यातक के लिए किए गए निर्धारण के आधार पर किया गया है।

185. प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8(2) के अनुसार चीन जन.गण. तथा उसके निर्यातकों के लिए गैर बाजार अर्थव्यवस्था की परिकल्पना की गई थी। तथापि, चीन के निर्यातकों ने उक्त पैराग्राफ के दूसरे परंतुक के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की परिकल्पना का खंडन किया है और चीन में अपने सामान्य मूल्य का दावा अनुबंध 1 के पैरा 7 में निर्धारित सिद्धान्तों के बजाय पैरा 1 से 6 में निर्धारित के अनुसार किया है। बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करने के लिए अलग-अलग चयनित उत्पादक/निर्यातक के दावों की जांच उक्त अनुबंध के पैरा 8.3 में निर्धारित मापदण्डों के अनुसार निम्नानुसार की गई है:

छ.7.1. चयनित निर्यातकों के बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दावों की जांच

क). मै. तियानजिन डागू कैमिकल कं.लि.(उत्पादक) तथा मै. तियानजिन बोहाई कैमिकल इंडस्ट्रीज इंप एंड एक्सप कॉर्पोरेशन (निर्यातक)

186. चयनित उत्पादक-निर्यातक ने मिलकर बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का विस्तृत उत्तर तथा प्राधिकारी द्वारा मांगे गए स्पष्टीकरण के उत्तर में पूरक सूचना दायर

की है। इस निर्यातक/उत्पादक द्वारा दायर सूचना का सत्यापन भी मौके पर जांच और चीन जनगण में उनके परिसरों में सत्यापन के जरिए किया गया है।

187. मै. तियानजिन डागू कैमिकल कं.लि. (तियानजिन डागू) चीन में संबद्ध वस्तु का एक उत्पादक है जिसकी तियानजिन प्रांत के तियानजिन डिबेलपमेंट एरिया में उत्पादन सुविधा है। कंपनी द्वारा जांच अवधि के दौरान *** मी टन की कुल क्षमता से एथिलीन तथा एसिटिलीन पद्धतियों के उपयोग द्वारा पीवीसी का उत्पादन किया गया है। एसिटिलीन प्रक्रिया में मूल कच्ची सामग्री के रूप में कैल्शियम कार्बाइड तथा लवण का उपयोग किया जाता है। कंपनी इन प्रमुख कच्ची सामग्रियों की खरीद स्थानीय रूप से विभिन्न असंबद्ध राज्य स्वामित्व के उपक्रमों तथा अन्य निजी कंपनियों से करती है। एथिलीन प्रक्रिया में कंपनी कच्ची सामग्री का उपयोग विभिन्न चरणों में करती है। कंपनी एथिलीन का आयात करती है और ईडीसी एवं पीवीसी का उत्पादन करने के लिए उसे विखंडित करती है। ईडीसी तथा वीसीएम का भी आयात करती है और पीवीसी का उत्पादन करने के लिए उसका सीधे उपयोग करती है। कंपनी का अपना क्लोर अल्कली संयंत्र है जिसमें क्लोरीन तथा कार्बोस्टिक सोडा का उत्पादन होता है। एथिलीन पद्धति से पीवीसी के उत्पादन हेतु कंपनी पाइप लाइन के जरिए "सिनोपेक" से एथिलीन की खरीद करती है। एथिलीन का आयात उसकी सहायक कंपनी अर्थात् मै. तियानजिन डागू इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन के जरिए भी किया जाता है। घरेलू खरीद कीमत आयात की तुलना में ***% तक कम पाई गई है। कंपनी अपने कैप्टिव उत्पादन के अलावा ईडीसी तथा वीसीएम का आयात भी करती है।

188. कंपनी द्वारा उपर्युक्त दो पद्धतियों से पीवीसी के चार ग्रेडों का उत्पादन किया जाता है। तथापि जांच अवधि के दौरान एथिलीन पद्धति से उत्पादित केवल तीन ग्रेडों का भारत को निर्यात किया गया है। डागू द्वारा विनिर्मित उत्पाद की बिक्री उसी कंपनी द्वारा घरेलू बाजार में की जाती है। तथापि निर्यात बिक्रियां संबंधित व्यापार कंपनी अर्थात् मै. तियानजिन बोहाई कैमिकल इंडस्ट्रीज इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कॉर्पोरेशन द्वारा की जाती है।

189. मै. तियानजिन डागू कैमिकल कं की स्थापना तियानजिन डागू कैमिकल इंडस्ट्री लि. कंपनी की स्टॉक पुनर्गठन प्रक्रिया द्वारा फरवरी, 2004 में की गई थी जो तियानजिन नगरपालिका की जनवादी सरकार द्वारा अनुमोदित है। नई कंपनी को पूर्ववर्ती कंपनी की सभी प्रचालन परिसंपत्तियों का उक्त नई कंपनी की कुल पंजीकृत पूंजी के *** तक इक्विटी अंशदान के रूप में निवेश करके मार्च 2004 में औपचारिक रूप से पंजीकृत किया गया था। नई कंपनी की स्थापना हेतु राज्य की स्वामित्व वाली अन्य छः कंपनियों ने शेष राशि का नकद योगदान किया था।

190. प्रवर्तक कंपनी अर्थात् मै. तियानजिन डागू कैमिकल इंडस्ट्री लि. कंपनी के पूर्ववृत्त से यह पता चलता है कि इस कंपनी की स्थापना मै. तियानजिन बोहाई कैमिकल इंडस्ट्री ग्रुप कॉर्पोरेशन द्वारा ग्रुप कॉर्पोरेशन की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी के रूप में वर्ष 1996 में की गई थी। मै. तियानजिन बोहाई कैमिकल इंडस्ट्री ग्रुप कॉर्पोरेशन की स्थापना सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी के रूप में तियानजिन सिटी गवर्नमेंट द्वारा वर्ष 1990 में की गई थी जो अब भी विद्यमान है।

191. प्रतिवादी कंपनी अर्थात् मै. तियांनजिन डागू कैमिकल इंडस्ट्री लि. कंपनी के गठन एवं परिसंपत्ति अंतरण की प्रक्रिया का कंपनी के रिकार्डों से सत्यापन किया गया था ताकि इस कंपनी की पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति से किसी विकृति का पता लगाया जा सके। यह पाया गया था कि पूर्ववर्ती मै. तियानजिन डागू कैमिकल इंडस्ट्री लि. कंपनी का नई कंपनी अर्थात् मै. तियानजिन डागू कैमिकल कं. लि. के रूप में गठन सरकार के निर्देशानुसार किया गया है और परिवर्तन की प्रक्रिया राज्य स्वामित्व की अन्य कंपनियों के जरिए की गई है। ऐसा प्रतीत होता है कि परिवर्तन के बाद कंपनी के पास अत्यधिक पुनर्भुगतान तथा परिसमापन संबंधी देनदारियां तथा अतिरिक्त परिसंपत्तियां हैं यद्यपि परिवर्तन से पूर्व कंपनी की परिसंपत्ति के निवल मूल्य में पर्याप्त कमी आई थी जो प्रचालन परिसंपत्तियों के मूल्य का लगभग ***% था। ऐसा प्रतीत होता है कि कंपनी ने देनदारियों के एक भाग को चुकता करने के लिए दीर्घावधिक उधार लिया है। किंतु ऐसे उधार तथा ब्याज संबंधी देनदारियां, यदि कोई हों, को स्पष्ट नहीं किया जा सका। नई कंपनी की प्रबंधन संरचना की भी जांच की गई थी ताकि कंपनी के प्रचालन में सरकार की भागीदारी की जांच की जा सके। यह पाया गया था कि कंपनी का एक निदेशक मंडल है जिसमें 7 निदेशक हैं जिनमें से छः सरकारी नामिती है और एक निदेशक निजी निवेशक का प्रतिनिधि है और तियानजिन सिटी गवर्नमेंट बोर्ड में सरकारी नामिती की नियुक्ति करती है।

192. निर्यातक कंपनी अर्थात् मै. तियानजिन बोहाई कैमिकल इंडस्ट्री इंपो. एंड एक्सप कॉर्पोरेशन भी मै. तियानजिन बोहाई कैमिकल इंडस्ट्री ग्रुप कॉर्पोरेशन का एक भाग है जिसकी स्थापना सरकारी स्वामित्व की कंपनी के रूप में तियानजिन सिटी गवर्नमेंट द्वारा 1990 में की गई थी जो अब भी विद्यमान है।

193. उपर्युक्त जांच को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी का यह मानने का प्रस्ताव है कि उत्पादक कंपनी राज्य के पर्याप्त नियंत्रण और प्रावधान में है। उस पूर्ववर्ती कंपनी, जिससे प्रतिवादी कंपनी का गठन किया गया है, की पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था उन्मुखी हैसियत से पर्याप्त अग्रणीत विकृतियां हुई हैं। अतः प्रतिवादी उत्पादक अर्थात् मै. तियानजिन डागू कैमिकल कं. लि. की लागत एवं कीमत को नियमावली के अनुबंध 1

के पैरा 6 के अनुसार उनके सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु स्वीकार नहीं किया जा सकता।

ख). मै. जिनजियांग शिहेंजी झोंगफा कैमिकल कं.लि.-उत्पादक तथा मै. जिनजियांग तियान्ये फारेन ट्रेड कं.लि.-व्यापारी एवं निर्यातक:

194. इस चयनित उत्पादक निर्यातक ने चयनित उत्पादक-निर्यातक ने मिलकर बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का विस्तृत उत्तर तथा प्राधिकारी द्वारा मांगे गए स्पष्टीकरण के उत्तर में पूरक सूचना दायर की है। इस निर्यातक/उत्पादक द्वारा दायर सूचना का सत्यापन भी मौके पर जांच और चीन जनगण में उनके परिसरों में सत्यापन के जरिए किया गया है।

195. मै. जिनजियांग शिहेंजी झोंगफा कैमिकल कं.लि.(झोंगफा) संबद्ध वस्तु की उत्पादक है जो चीन के जिनजियांग प्रांत के शिहेंजी शहर में अवस्थित हैं और इसने जांच अवधि के दौरान अपनी संबद्ध व्यापार कंपनी अर्थात् मै. जिनजियांग तियान्ये फोरेन ट्रेड कं.लि.(तियान्ये) के जरिए संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात किया है। कंपनी ने जांच अवधि के दौरान पीवीसी के विभिन्न ग्रेडों की***मी टन की क्षमता से मूल कच्ची रसायनी के रूप में कैल्शियम कार्बाइड का उपयोग करते हुए (एसिटिलीन पद्धति) पीवीसी का उत्पादन किया है। तथापि जांच अवधि के दौरान भारत को पीवीसी रेजिन के केवल एक ग्रेड का ही निर्यात किया गया है। कंपनी पर्याप्त व्यापार कार्यकलाप भी करती है और बाजार से पीवीसी की खरीद कर उसकी घरेलू बाजार में पुनः बिक्री करती है।

196. उत्पादक कंपनी अर्थात् मै. जिनजियांग झोंगफा कैमिकल कं.लि. ने अपने अनुरोध के सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ शंघाई स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध सीमित लिमिटेड कंपनी के रूप में बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा किया है। अतः इस कंपनी के बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी दावे का सत्यापन कंपनी के रिकार्ड से और कंपनी के कार्यालयों/वकीलों द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण के अनुसार किया गया था। जिनजियांग झोंगफा कैमिकल कं.लि.की उत्पादन सुविधा शिहेंजी शहर के डिवेलपमेंट जोन में अवस्थित है। कंपनी का कास्टिक सोडा और पीवीसी का उत्पादन करने वाला एक पुराना ग्रांज है। पूर्ववर्ती शिहेंजी कैमिकल फैक्ट्री(राज्य स्वामित्व वाली) की एक पुरानी उत्पादन सुविधा के उसी कम्प्लेक्स में है जिसमें कुछेक रासायनिक उत्पादों का उत्पादन होता है। पीवीसी के अपने उत्पादन के लिए झोंगफा द्वारा शिहेंजी से एचसीएल की खरीद की जाती है। झोंगफा द्वारा कैल्शियम कार्बाइड की खरीद राज्य की स्वामित्व वाली और अन्य निजी कंपनियों से की जाती है और अपरिष्कृत वीसीएम के उत्पादन हेतु कैल्शियम कार्बाइड एचसीएल से अभिक्रिया करता है। पीवीसी के उत्पादन हेतु अपरिष्कृत वीसीएम का शोधन और बहुलकीकरण किया जाता है। तथापि शिहेंजी कैमिकल इंडस्ट्री फैक्ट्री, जो राज्य स्वामित्व की एक कंपनी है, और झोंगफा के बीच संबंध अत्यंत घनिष्ठ हैं।

197. जिनजियांग झोंगफा कैमिकल कं.लि.(प्रतिवादी उत्पादक) का स्थापना जिनजियांग प्रांतीय सरकार की स्वामित्व की 5 राज्य स्वामित्व की कंपनियों के पूंजी अंशदान से जिनजियांग प्रांतीय सरकार द्वारा शिहेजी हिवेलपमेंट जोन में 24 जुलाई 1995 को की गई थी। झोंगफा की पंजीकृत पूंजी वर्ष 1996 में बढ़ाकर *** मिलियन और 2001 में पुनः बढ़ाकर *** मिलियन कर दी गई थी।

198. जून 1996 में राज्य द्वारा मै. जिनजियांग तियान्ये प्लास्टिक एंड कैमिकल ग्रुप कं.लि. के नाम और तर्ज पर एक नई कंपनी की स्थापना की गई थी और प्लास्टिक विनिर्माण संयंत्र एवं शिहेजी कैमिकल इंडस्ट्री फैक्ट्री (पीवीसी यूनिट) की कुछ परिसंपत्तियां इस ग्रुप कंपनी को अंतरित कर दी गई थीं। ऐसा प्रतीत होता है कि शिहेजी कैमिकल इंडस्ट्री फैक्ट्री (एचसीएल विनिर्माता यूनिट) के संयंत्रों और परिसंपत्तियों का एक भाग अभी भी राज्य के पास है। वर्ष 2001 में उक्त कंपनी का नाम बदलकर मै. जिनजियांग तियान्ये ग्रुप कं. लि. रख दिया गया था। बाद में झोंगफा कैमिकल कं.लि. की शेयर धारिता पद्धति बदल दी गई थी। वर्ष 1997 में मै. जिनजियांग तियान्ये प्लास्टिक एंड कैमिकल ग्रुप कं.लि. ने मै.जिनजियांग तियान्ये कं.लि. के नाम और तर्ज पर एक नई स्टॉक होल्डिंग कंपनी प्रवर्तित की। *** आरएमबी की पंजीकृत पूंजी के साथ सीमित शेयर कंपनी के रूप में इस कंपनी का 9 जून, 1997 को औपचारिक पंजीकरण किया गया था। 21 मई 1997 के स्टॉक प्रस्ताव दस्तावेज(प्रस्तावित कंपनी का आईपीओ दस्तावेज) के अनुसार कंपनी ने प्लास्टिक तथा रसायनिक उत्पादों के उत्पादन की तैयारी कर रही कंपनी के रूप में स्वयं को घोषित किया। आर एम बी की कुल पंजीकृत पूंजी में से प्रवर्तक कंपनी मै. जिंजियांग तियाने प्लास्टिक एंड कैमिकल ग्रुप कं. लि. ने *** अंशदान (***) आरएमबी) किया। *** शेयरों का शेष स्टॉक (प्रत्येक 1 आरएमबी) शंघाई स्टॉक एक्सचेंज के जरिए जनता को जारी किया गया जिसमें से *** शेयर प्रवर्तक कंपनी के कर्मचारियों को आबंटित किए गए थे। कंपनी वर्ष 1997 में शंघाई स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हुई। मै. जिनजियांग तियान्ये प्लास्टिक एंड कैमिकल ग्रुप कं.लि. के जरिए ग्रुप कंपनी द्वारा धारित पूर्ववर्ती प्लास्टिक तथा रसायन विनिर्माण यूनिटों की परिसंपत्तियों के रूप में स्टॉक सूचीबद्ध कंपनी में सरकार की धारिता ***% थी।

199. पूर्ववर्ती रसायन एवं प्लास्टिक फैक्ट्रियों की परिसंपत्तियों के पूंजीकरण और नई तियान्ये कंपनी में ग्रुप की शेयर पूंजी के अंशदान के प्रयोजनार्थ तियान्ये ग्रुप की परिसंपत्ति का मूल्यांकन वर्ष 1997 में एक स्वतंत्र मूल्यांकन द्वारा किया गया था। मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 1996 के अंत में कंपनी की कुल परिसंपत्तियां *** मिलि.आरएमबी थी जो भूमि उपयोग के अधिकतर के पुर्नमूल्यांकन जिसे पूर्व में हिसाब में नहीं लिया गया था तथा भवन संयंत्रों और मशीनों के पुर्नमूल्यांकन के कारण

बढ़कर ***मिलियन हो गई थी। वर्तमान देयताएं जो *** मिलियन की भी पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया में बढ़कर *** मिलियन (***मिलि.की वृद्धि) हो गई थी।

200. इस प्रकार पुनर्मूल्यांकन के बाद किसी नकद अंशदान के बिना तियान्ये में ग्रुप का पूंजी अंशदान इस कंपनी की निवल परिसंपत्तियों (रासायन तथा प्लास्टिक यूनिटों की परिसंपत्तियां) के रूप में था। पुनर्मूल्यांकन के बाद यूनिटों की निवल परिसंपत्ति *** मिलि. थी जिसे प्रतिभूति समिति के विनियमों के अनुसार ***% की अंतरण छूट दर से एक-एक आरएमबी के 36 मिलियन शेयरों की इक्विटी में परिवर्तित कर दिया गया था। (वर्ष 2005 में कंपनी की परिसंपत्तियां *** मिलि. आरएमबी थी और देयताएं *** मिलि. इक्विटी *** मिलि. थी।)

201. वर्ष 1997 से 2001 तक झोंगफा कैमिकल कं.लि. के राज्य स्वामित्व के मूल प्रवर्तकों के शेयरों का जिनजियांग तियान्ये कं.लि. को कई बार अंतरण हुआ है और ***% शेयर 7 व्यक्तियों को भी दिए जाएंगे जो उसके शीर्षस्थ प्रबंधक थे जिसे बाद में जिनजियांग तियान्ये कं.लि. को अंतरित कर दिया गया था। जिससे झोंगफा कैमिकल कं.लि. जिनजियांग तियान्ये कं.लि. की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बन गई थी।

202. प्रतिवादी व्यापार कं. अर्थात् मै. जिनजियांग तियान्ये फॉरेन ट्रेड कं.लि. की स्थापना वर्ष 2000 में की गई थी और वह जिनजियांग तियान्ये कं.लि. के अभी भी नियंत्रण में है। उपर्युक्त जांच से यह पता चलता है कि उत्पादक कंपनी अर्थात् मै.जिनजियांग झोंगफा कैमिकल कं.लि. मै. जिनजियांग तियान्ये कं.लि. के 100% स्वामित्व में है जो मै. जिनजियांग तियान्ये ग्रुप कं. लि. के जरिए राज्य की ***% धारिता के साथ एक स्टॉक सूचीबद्ध कंपनी है। निर्यातक जिनजियांग तियान्ये कं.लि. की एक सहायक कंपनी भी है जो राज्य के पास अधिकांश शेयरों के साथ एक सूचीबद्ध कंपनी है। जिनजियांग कैमिकल इंडस्ट्री फैक्ट्री, जो उत्पादक के उसी फैक्ट्री परिसर में प्रचालन कर रही है, अभी भी 100% सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी बनी हुई है। अतः चीन जन.गण. के जिनजियांग प्रांत की प्रांतीय सरकार के पास प्रतिधारिता के जरिए उपर्युक्त सभी कंपनियों का नियंत्रण है यद्यपि तियान्ये कं.लि. को स्टॉक होल्डिंग कं. के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

203. निर्णय लेने की प्रक्रिया तथा इन कंपनियों के प्रबंधन में राज्य की भागीदारी के स्तर की सत्यापना करने के लिए उपर्युक्त सभी कंपनियों की प्रबंधन संरचना की भी जांच की गई थी। जांच से यह पता चलता है कि जिनजियांग तियान्ये ग्रुप कं. लि. पर जिनजियांग प्रांत के राज्य स्वामित्व वाले परिसंपत्ति पर्यवेक्षण एवं प्रबंधन ब्यूरो/आयोग का नियंत्रण है जो राज्य के निवेशक के कार्य करता है और शामिल कंपनियों के निदेशक मंडल की नियुक्ति करता है। सूचीबद्ध कंपनी अर्थात् मै. जिनजियांग तियान्ये कं. के बोर्ड

में 8 निदेशक हैं जिनमें से उनकी नियुक्ति ग्रुप द्वारा की गई है। बोर्ड में 2 स्वतंत्र निदेशक हैं और अन्य तीन की नियुक्ति अन्य शेयर धारकों तथा वित्तीय संस्थाओं द्वारा की जाती है। निदेशक मंडल कंपनी के शीर्ष प्रबंधन की नियुक्ति करता है। तदनुरूपी उत्पादक अर्थात् मै. जिनजियांग झोगफा कैमिकल कं.लि. मै. जिनजियांग तियान्ये कं.लि. के 100% स्वामित्व में है जिसने इस कंपनी के बोर्ड में सभी 7 निदेशकों की नियुक्ति की है।

204. उपर्युक्त जांच से यह पता चलता है कि पूर्ववर्ती प्लास्टिक एवं रसायन यूनिटों का प्लास्टिक एवं रसायन ग्रुप कंपनी से तियान्ये स्टॉक सूचीबद्ध कंपनी, जिसमें राज्य की अभी भी सर्वाधिक शेयर धारिता है, को स्वामित्व के कई बार अंतरण द्वारा राज्य के स्वामित्व से पुर्नगठन किया गया है। प्रबंधन नियंत्रण और प्रबंधन कार्य परिसंपत्ति प्रबंधन ब्यूरो के जरिए मोटे तौर पर राज्य के हाथों में है पूर्ववर्ती राज्य की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी से अधिकांश शेयर धारिता के साथ एक सूचीबद्ध कंपनी में परिवर्तन की प्रक्रिया से भी पूर्ववर्ती गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से पर्याप्त विकृतियां हुई हैं। कंपनी संबद्ध वस्तु के उत्पादन के लिए राज्य स्वामित्व की अन्य कंपनियों से कच्ची सामग्री तथा अन्य निविष्टियों की पर्याप्त मात्रा में खरीद भी करती है। उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी का यह विचार है कि प्रतिवादी उत्पादक अर्थात् मै. जिनजियांग झोगफा कैमिकल कं.लि. की लागत एवं कीमत को नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 6 के अनुसार उनके सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु स्वीकार नहीं किया जा सकता।

ग. मै. यीचांग यीहुआ पेंसिफिक कोजेन कंपनी लि.- उत्पादन कर्ता और मै. हुबेई यिहुआ ग्रुप कं.लि. व्यापारकर्ता एवं निर्यातक

205. उत्तरदाता उत्पादक हुबेई शहर/भूभाग के इचांग शहर में स्थित है और उनकी एक विनिर्माण करने वाली इकाई है जो *** मी. टन प्रति वर्ष की क्षमता से कैल्शियम कार्बाइड से पीवीसी का उत्पादन करती है। कंपनी ने केवल एक श्रेणी के पीवीसी का उत्पादन किया और जांच की अवधि के दौरान उसी का घरेलू बाजार के साथ-साथ भारतीय बाजार में विक्रय किया।

206. मै. 'हुबेई यिहुआ ग्रुप लि. लाइबिलिटी कं. (समूह कंपनी) केंद्रीकृत योजित आर्थिक प्रणाली के तहत पूर्णतः राज्य के स्वामित्व वाले उपक्रम के रूप में स्थापित की गई थी। राज्य के स्वामित्व वाले उपक्रमों की सुधार प्रक्रिया के तहत इस उपक्रम में सरकार की धारिता चीन जन.गण. की राज्य परिषद द्वारा 27 मई 2003 को प्रख्यापित उद्यमों की राज्य स्वामित्व की परिसंपत्तियों के पर्यवेक्षण एवं प्रबंधन संबंधी अंतरिम विनियम के अनुसार अब यीचांग शहर राज्य परिसंपत्ति प्रबंधन आयोग के नियंत्रण एवं क्षेत्राधिकार में है।

207. अप्रैल 1997 में मै. हुबाई यीहुआ ग्रुप लि. लायबिलिटी कं. ने 30:70 विदेशी इक्विटी संयुक्त उद्यम स्थापित करने के लिए मै. ब्रिटिश इंटरनेशनल पावर कॉर्पोरेशन, यू.के. के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किए। दिनांक 26.7.97 को ताप एवं विद्युत के उत्पादन हेतु मै. यीचांग यीहुआ पैसिफिक कोजेन कं. लि.(पैसिफिक कोजेन) के नाम और तर्ज पर हुबाई ग्रुप की ***% तथा ब्रिटिश इंटरनेशनल पावर कॉर्पोरेशन की ***% इक्विटी भागीदारी से एक परिवर्तित संयुक्त उद्यम(जेवी) की स्थापना की गई थी।

208. मई, 2001 में ब्रिटिश इंटरनेशनल पावर कॉर्पोरेशन ने अपने शेयरों का एक भाग (***%) का अंतरण शंघाई स्टॉक एक्सचेंज में सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनी मै. हुबाई यीहुआ कैमिकल इंडस्ट्री के लिए (कैमिकल) को कर दिया और शेष ***% शेयर अपने पास रख लिया। कैमिकल की स्थापना मूलतः राज्य के अधीन एक कैमिकल फैक्ट्री के रूप में वर्ष 1970 में की गई थी जिसे वर्ष 1997 में एक सूचीबद्ध कंपनी के रूप में पुनर्गठित किया गया था। कंपनी के अधिकांश शेयर हुबाई यीहुआ ग्रुप (***%) तथा अन्य निवेश कंपनियों/निधियों के पास हैं। हुबाई यीहुआ ग्रुप की चीन में कई रसायन एवं उर्वरक विनिर्माण सुविधाएं हैं।

209. वर्ष 2002 में मै. ब्रिटिश इंटरनेशनल पावर कॉर्पोरेशन ने पैसिफिक कोजेन में अपने शेयर मै. एंग्लो कैमैन इनर्जी डिवेलपमेंट कं. लि. (एंग्लो), जो एक विदेशी कंपनी है, को अंतरित कर दिए।

210. कंपनी का प्रबंधन निदेशक मंडल में निहित किया गया है जिसमें 5 निदेशक हैं जिनमें से दो-दो निदेशक हुबाई ग्रुप तथा यीहुआ कैमिकल्स का प्रतिनिधित्व करने वाले और एक एंग्लो के मैनेजिंग का प्रतिनिधित्व करने वाला है। तथापि यीहुआ कैमिकल परवर्ती तथा एंग्लो कैमैन बीच न्याय करार के अनुसार कंपनी ने पूर्ववर्ती कंपनी को पैसिफिक कोजेन कंपनी के प्रचालनों पर पूर्ण नियंत्रण दे दिया है। अतः पैसिफिक कोजेन, यीहुआ, कैमिकल द्वारा नियंत्रित है, जो एक सूचीबद्ध कंपनी है और इसके ***** % शेयर हुबेई ग्रुप द्वारा धारित हैं। हुबेई ग्रुप, यीचांग सिटी स्टेट एसेट मैनेजमेंट कमीशन के पर्यवेक्षण के तहत सरकार के स्वामित्व का एक उद्यम है।

211. वर्ष 2003 में पैसिफिक कोजेन के तीनों शेयर धारकों ने व्यापार के दायरे को बदलकर उसमें पीवीसी व्यापार को शामिल करने के लिए एक करार पर हस्ताक्षर किए और उसी वर्ष संगठन अनुच्छेद में भी संशोधन किया गया। निदेशक मंडल ने यीचांग सिटी में एक पीवीसी विनिर्माण यूनिट की स्थापना करने के लिए दिनांक 14 जनवरी, 2003 को एक प्रस्ताव पारित किया। इस कंपनी ने ***** मिलियन आरएमबी का भुगतान करके शहरी सरकार से ***** वर्ग मीटर भूमि 50 वर्ष की लीज पर प्राप्त की।

कंपनी द्वारा लीज करार एवं भूमि संबंधी दस्तावेज सत्यापनार्थ प्रस्तुत किए गए। यह पाया गया है कि लीज की राशि का भुगतान एकबारगी एकमुश्त राशि के रूप में किया गया है और कंपनी द्वारा शहरी सरकार को किसी वार्षिक लीज किराए का भुगतान नहीं किया जाता।

212. पीवीसी संयंत्र यीचांग सिटी सरकार द्वारा लीज पर प्रदत्त भूमि पर स्थापित किया गया था। प्रौद्योगिकी लगभग ***** मिलियन आरएमबी के लाइसेंस शुल्क का भुगतान करके जिंसी टेक्नोलॉजी डिजाइन इंस्टीट्यूट, लियाओनिंग प्रांत से प्राप्त की गई। उत्पादन सितंबर, 2004 से शुरू किया गया।

213. उत्तरदाता कंपनी ने निवेदन किया है कि उत्पादन कंपनी एक चीन-ब्रिटिश संयुक्त उद्यम है और यद्यपि कंपनियों में उल्लेखनीय स्टेट होल्डिंग है, तथापि कंपनी के निवेश संबंधी निर्णयों सहित उनकी व्यावसायिक निर्णय प्रक्रिया सरकार के नियंत्रण से मुक्त है।

214. कंपनी द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया कि राज्य के शेयर यीचांग सिटी स्टेट एसेट मैनेजमेंट कमीशन के पर्यवेक्षणाधीन हैं, जो शेयरधारक की भूमिका का निर्वहन करता है और कंपनियों में एक निवेशक के रूप में राज्य के हितों के संरक्षण हेतु शेयरधारक के सभी कार्य संपन्न करता है। यह देखा गया है कि यह कमीशन कंपनी के कार्यों का पर्यवेक्षण बोर्ड में मनोनीत निदेशकों के माध्यम से करता है। कमीशन को निदेशक मंडल की नियुक्ति करने का अधिकार है और मंडल पर इसका प्रशासनिक नियंत्रण है, जिसे व्यवसाय एवं निवेश संबंधी निर्णय लेने के अधिकार हैं। परंतु ***** मिलियन आरएमबी से अधिक निवेश से संबंधित सभी निर्णय उन्हें मंडल द्वारा पारित किए जाने के बाद कमीशन को प्रस्तुत करना अपेक्षित है।

215. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि एक विदेशी संयुक्त उद्यम के रूप में कंपनी को रियायती आयकर लाभ प्राप्त हैं और यह 33% की सामान्य दर के स्थान पर 15% की दर से आयकर का भुगतान करती है। कंपनी प्रमुख कच्चे माल अर्थात् कैल्शियम कार्बाईड की खरीद निजी तथा राज्य के स्वामित्व/अर्ध स्वामित्व के उद्यमों से करती है।

216. निर्यातक अर्थात् मेसर्स हुबेई यिहुआ गुप कंपनी लि. राज्य के 100% स्वामित्व का उद्यम है।

217. उपर्युक्त जांच यह दर्शाती है कि यद्यपि उत्पादक कंपनी अर्थात् पैसिफिक कोजेन एक चीन-ब्रिटिश संयुक्त उद्यम है, तथापि कंपनी में राज्य की होल्डिंग उल्लेखनीय है और कंपनी की व्यावसायिक निर्णय प्रक्रिया पर स्टेट एसेट मैनेजमेंट कमीशन का उल्लेखनीय नियंत्रण है। ऐसा प्रतीत होता है कि राज्य की परिसंपत्तियों के संयुक्त उद्यम

में रूपांतरण की प्रक्रिया में पूर्ववर्ती गैर-बाजारोन्मुखी प्रणाली की कतिपय विकृतियां जारी रहती आई हैं ।

218. कंपनी संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन के लिए राज्य के स्वामित्व की अन्य सत्ताओं से प्रमुख कच्चे माल व अन्य निविष्टियों की खरीद उल्लेखनीय मात्रा में करती है । उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी द्वारा यह अभिमत प्रस्तावित है कि उत्तरदाता उत्पादक अर्थात् मेसर्स जिनजियांग जोंगफा केमिकल कंपनी लि. की लागत व कीमतें पाटनरोधी नियमावली अनुबंध-1 के पैरा 6 की शर्तों के अनुसार उनके सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु स्वीकार नहीं की जा सकतीं ।

219. चीन के नमूनाकृत निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा अस्वीकार करने के बारे में टिप्पणी करते हुए इन निर्यातकों ने तर्क प्रस्तुत किया है कि मात्र इसलिए कि यह कंपनी राज्य के स्वामित्व में है और इसके निदेशकों को राज्य द्वारा नामित किया जा रहा है, यह नहीं कहा जा सकता कि यह कंपनी बाजार अर्थव्यवस्था वातावरण में प्रचालित नहीं है और राज्य द्वारा किसी कंपनी की इक्विटी होल्डिंग का 100% विनिवेश उस कंपनी को बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा देने की पूर्वापेक्षा नहीं होना चाहिए । यह तर्क दिया गया है कि राज्य दोहरी भूमिका निभाता है - एक निवेशक के रूप में और दूसरी एक संप्रभु के रूप में । संप्रभु अधिकारों का प्रयोग करके राज्य किसी उद्योग विशेष अथवा सभी उद्योगों में सभी कंपनियों के लिए लाइसेंसिंग, कोटा, कीमत नियंत्रण आदि लागू करता है । निवेशक के रूप में अधिकारों का प्रयोग करके राज्य निदेशकों की नियुक्ति, संयंत्र एवं मशीनरी में निवेश, प्रचालन आदि से संबंधित निर्णय लेता है । दैनंदिन प्रचालन भी राज्य द्वारा नियुक्त निदेशकों अथवा अन्य अधिकारियों द्वारा किए जाते हैं । परंतु, यह उल्लेखनीय है कि ऐसे निदेशक अथवा अधिकारी राज्य की भूमिका उस कंपनी में एक निवेशक के रूप में निभाते हैं, न कि एक संप्रभु के रूप में । सिर्फ उसी स्थिति में जब राज्य एक संप्रभु के रूप में हस्तक्षेप करता है, तभी कंपनी के प्रचालनों में उसे राज्य का हस्तक्षेप माना जाता है, अन्यथा नहीं । यह तर्क दिया गया है कि चीन ने इस भेद को स्वीकार किया है और निवेशक के रूप में राज्य की भूमिका के निर्वहन हेतु राज्य परिसंपत्ति पर्यवेक्षण एवं प्रबंधन आयोग (एसएसएसएमसी) की स्थापना की है । एसएसएसएमसी अपने नियंत्रणाधीन कंपनियों में संप्रभु की कोई भूमिका नहीं निभाता । रिकॉर्ड में ऐसा कुछ भी दर्ज नहीं है जो यह बताता हो कि पूर्ववर्ती राज्य के स्वामित्व के दर्जे से वर्तमान दर्जे में रूपांतरण की प्रक्रिया के दौरान पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली में कोई उल्लेखनीय विकृतियां चलती आई हों ।

220. प्राधिकारी नोट करते हैं कि बाजार अर्थव्यवस्था के उनके दावे के सत्यापन के बाद दोनों निर्यातकों को विस्तृत सत्यापन रिपोर्टें भिजवाई गई थीं, जिसमें उनके दावों को स्वीकार न करने के आधारों का विस्तृत ब्यौरा दिया गया था । प्रकटीकरण विवरण में भी

इस निर्धारण का पर्याप्त अगोपनीय सारांश दिया गया था । सभी नमूनाकृत निर्यातकों के संबंध में यह स्पष्ट रूप से सिद्ध हो गया था कि ये कंपनियां या तो उल्लेखनीय रूप से राज्य के नियंत्रण में रही हैं और इन कंपनियों में राज्य का प्रबंधकीय नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण है, अथवा उन्होंने अपनी पूर्ववर्ती गैर-बार अर्थव्यवस्था प्रणाली को छोड़ दिया है और वे अपने साथ पूंजीगत परिसंपत्ति के मूल्यांकन, भूमि उपयोग अधिकारों के रूप में पूर्ववर्ती प्रणाली की उल्लेखनीय विकृतियों को लेती आई हैं, जैसा कि अलग-अलग मामलों में दर्ज किया गया है । इसके अलावा, यह पाया गया है कि ये कंपनियां अपना प्रमुख कच्चा माल अन्य संबंधित अथवा असंबंधित राज्य के स्वामित्व की सत्ताओं से खरीदती थीं और उनकी कीमतें संभवतः बाजार पर आधारित कीमतें नहीं होती थीं । अतः प्राधिकारी इस संबंध में अपने जांच परिणाम की पुष्टि करते हैं ।

छ. 7.2 सामान्य मूल्य : चीन जन.गण.

221. प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 6 की शर्तों के अनुसार चीन में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु चीन के नमूनाकृत उत्पादकों/निर्यातकों में से कोई भी बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति में प्रचालनरत नहीं पाया गया है । पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैराग्राफ 7 में उपबंधित है कि :

"किसी गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश में कीमत अथवा संरचित मूल्य के आधार पर अथवा ऐसे किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों को प्रदत्त कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, किसकी अन्य उचित आधार पर समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गई कीमत अथवा भुगतान योग्य कीमत के आधार पर किया जाएगा, जिसमें यदि जरूरी हो, लाभ की समुचित मार्जिन का समायोजन भी किया जाएगा ।"

222. इस संदर्भ में प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन में संबद्ध वस्तुओं के कुछेक उत्तरदाता नमूनाकृत एवं गैर-नमूनाकृत उत्पादक एथिलीन प्रणाली के उपयोग से पीवीसी रेजीन का उत्पादन करते हैं, जबकि चीन में उत्पादित पीवीसी रेजीन का प्रमुख भाग एसीटिलीन प्रणाली से उत्पादित होता है । चाइना क्लोर-अल्कली एसोसिएशन ने इन उत्पादकों की क्षमता, उत्पादन एवं निर्यात बिक्री से संबंधित समेकित सूचना उपलब्ध कराई है, जो यह दर्शाती है कि चीन के उत्पादकों का लगभग 60% उत्पादन एसीटिलीन प्रणाली से होता है, जबकि शेष एथिलीन प्रणाली से उत्पादित होता है । तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि बाजार में बिकने वाले पीवीसी की कीमत प्रणाली पर निर्भर नहीं होती, जिससे यह विनिर्मित किया जाता है । अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं (जैसे हेरिमेन केमसल्ट लि. लन्दन) में प्रयुक्त कच्चे माल के आधार पर उत्पाद की कीमतों में अंतर नहीं किया जाता । अतः घरेलू बाजार में इस उत्पाद का सामान्य मूल्य इसी रेंज में होगा ।

223. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरुआत अधिसूचना में प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षों को सूचित किया था कि घरेलू उद्योग का सुझाव था कि यदि चीन के निर्यातक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की अवधारणा का खंडन नहीं करते हैं तो चीन जन.गण. के लिए समुचित बाजार अर्थव्यवस्थाओं वाले तीसरे देश के रूप में ताइवान का चयन किया जाए। तथापि, जांच की प्रक्रिया के दौरान हितबद्ध पक्षों ने इस पहलू पर कोई टिप्पणी नहीं की है। अतः नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के दूसरे परन्तुक की शर्त के अनुसार प्राधिकारी चीन के निर्यातकों हेतु सामान्य मूल्य की संरचना का प्रस्ताव करते हैं। सामान्य मूल्य की संरचना के प्रयोजनार्थ हैरिमेन केमसल्ट लि., लन्दन द्वारा एशिया क्षेत्र के लिए जांच अवधि हेतु सूचित, कच्चे माल अर्थात् वीसीएम के अंतर्राष्ट्रीय मूल्य की जांच की थी। उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि इस क्षेत्र में वीसीएम की औसत कीमत 662.08 अम.डॉ. प्रति मी.टन है। प्राधिकारी ने उक्त कीमत को चीन जन.गण. में ग्रहणीय निर्यातकों के खपत अनुपात और भारत की सर्वश्रेष्ठ यूनिट/उद्योग की इष्टतम परिवर्तन लागत का उपयोग उपलब्ध सर्वोत्तम तथ्यों के रूप में अपनाया है। संरचित सामान्य मूल्य ***** अम.डॉ. प्रति मी.टन बनता है।

224. ऊपर उल्लिखित संरचित सामान्य मूल्य की तुलना चीन ताइपेई हेतु निर्धारित सामान्य मूल्य और हैरिमेन केमसल्ट लि., लंदन द्वारा एशिया क्षेत्र हेतु सूचित पीवीसी सरपेंशन ग्रेड की औसत कीमतों से की गई है। संरचित सामान्य मूल्य इन आंकड़ों से अनुज्ञात तुलनीय है, अतः प्राधिकारी इसे चीन जन.गण. हेतु सामान्य मूल्य के रूप में अपनाना उचित समझते हैं।

क. 7.3. निर्यात कीमत तथा चीन के नमूनाकृत निर्यातकों हेतु अलग-अलग पाटन भाड़िन

(क) मैसर्स टियानजिन डागू केमिकल कंपनी लि. (उत्पादक) एवं मैसर्स टियानजिन बोहाई केमिकल इंडस्ट्रीज इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पोरेशन (निर्यातक)

क.1) निर्यात कीमत

225. उपर्युक्त उत्पादक निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान भारत को ***** मी.टन पीवीसी का निर्यात किया था। इस अवधि के दौरान उत्पादक कंपनी के पास कोई निर्यात लाइसेंस नहीं था और इस अवधि के दौरान सभी निर्यात उनकी संबद्ध व्यापारिक कंपनी अर्थात् मैसर्स टियानजिन बोहाई केमिकल इंडस्ट्रीज इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पोरेशन के माध्यम से किए गए। सबसे पहले उत्पादक द्वारा वस्तुओं की बिक्री व्यापारी को वेट बीजकों पर घरेलू बिक्री के रूप में की गई और व्यापारिक कंपनी ने वस्तुओं का बीजक जपान के रिसेलर अर्थात् मैसर्स मित्सुई एंड कं. लिमिटेड को भेजा, जबकि मित्सुई के साथ बिक्री वापस के अनुसार भुगतान प्राप्त होने अथवा पुष्टिकृत उधार प्राप्त होने के बाद वस्तुओं को समुद्री मार्ग से भारत स्थित ग्राहकों के पास भेजा गया। निर्यातों पर वेट वापसी का दावा व्यापारी कंपनी द्वारा किया जाता है। बोहाई

क.2) पाटन मार्जिन

229. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस निर्यातक ने एथिलीन प्रणाली से उत्पादित पीवीसी रेजीन का निर्यात किया है । अतः चीन जन.गण. के लिए कारखाना द्वार स्तर निर्धारित भारित औसत सामान्य मूल्य की तुलना इस निर्यातक की निवल कीमत से की गई है और पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :-

किस्म. कोड	8 मात्राओं का योग	निर्यात कीमत अम.डॉ./ मी.टन	सामान्य मूल्य अम.डॉ./ मी.टन	पाटन मार्जिन अम.डॉ./ मी.टन
एसई 700	*****	*****	*****	*****
एसई-700	*****	*****	*****	*****
एसएलके-1000	*****	*****	*****	*****
एसआर800	*****	*****	*****	*****
भारित औसत	*****	*****		*****
				13.54%

ख) मेसर्स जिनजियांग शिहेजी जोंगफा केमिकल कं. लिमिटेड-उत्पादक एवं मेसर्स जिनजियांग टियान फॉरेन ट्रेड कंपनी लि.- व्यापारी एवं निर्यातक

ख.1) निर्यात कीमत

230. इस निर्यातक ने अपनी संबद्ध ग्रुप कंपनी अर्थात् मेसर्स जिनजियांग रियान फॉरेन ट्रेड कंपनी लि. के माध्यम से जांच अवधि के दौरान केवल एक ग्रेड की पीवीसी की ***** मी.टन मात्रा का निर्यात भारत को किया है । कुछेक सौदे अन्य देशों में व्यापारियों के माध्यम से और अन्य सौदे भारत के अंतिम प्रयोक्ताओं एवं वितरकों से किए गए हैं । जोंगफा तथा टियान के बीच समझौते के अनुसार वस्तुओं की बिक्री उत्पादक कंपनी से निर्यातक कंपनी को नहीं की जाती । निर्यातक कंपनी वैट वापसी का दावा करने के लिए उत्पादन कंपनी वैट वापसी का दावा करने के लिए उत्पादक कंपनी को घोषणा देते हैं । वैट का भुगतान तथा वापसी उत्पादक द्वारा प्राप्त की जाती है ।

231. अधिकांश सौदे सी एंड एफ आधार पर किए गए हैं और कुछेक सौदे सीआईएफ एवं एफओबी आधार पर हैं । प्रत्यक्ष बिक्री व्यय जैसे कारखाने से टियान जीन पत्तन तक कार्गो का प्रहस्तन, लदाई तथा उतराई सहित अंतर्देशीय मालभाड़े एवं समुद्री मालभाड़े का समायोजन सत्यापन के अनुसार है ।

232. वस्तुओं की पैकिंग 25 किग्रा. की कागज की थैलियों में है और घरेलू एवं निर्यात पैकिंग में कोई अंतर नहीं है। अंतः पैकिंग सामग्री के अंतर का दावा नहीं किया गया है। कारखाना द्वार स्तर पर निवल निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए एफओबी कीमत पर 4% वेट समायोजन को बीजक मूल्य में से घटा दिया गया है। तदनुसार इस निर्यातक की कारखाना द्वार निर्यात कीमत निम्नानुसार बनती है :-

उत्पाद कोड	मात्रा का योग मी.टन में	सकल बीजक मूल्य का योग (अम.डॉलर)	कुल बिक्री व्ययों का योग अम.डॉलर में	कारखाना द्वार मूल्य अम.डॉलर में	कीमत अम.डॉलर/मी.टन
एसजी-5	*****	*****	*****	*****	*****

ख.2) पाटन मार्जिन

233. पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु चीन जन.गण. के लिए पीवीसी रेजीन हेतु कारखाना द्वार स्तर पर निर्धारित भारित औसत निर्यात मूल्य की तुलना इन निर्यातकों की कारखाना द्वार स्तर पर निवल निर्यात कीमत से की गई है, जो इस प्रकार है :-

उत्पाद कोड	मात्रा का योग मी.टन में	निवल निर्यात कीमत अम.डॉलर/मी.टन	सामान्य मूल्य अम.डॉलर/मी.टन	पाटन मार्जिन अम.डॉलर/मी.टन
एसजी-5	*****	*****	*****	*****
कुल				16.70%

ग) मेसर्स यीचांग यिहुआ पैसिफिक कोजेन कंपनी लिमिटेड-उत्पादक एवं मेसर्स हुबेई हिआ ग्रुप कं. लिमिटेड- व्यापारी एवं निर्यातक

ग.1) निर्यात कीमत

234. जांच अवधि के दौरान उत्पादन-निर्यातक द्वारा ***** के सौदे के एवज में भारत को ***** मी.टन संबद्ध वस्तु का निर्यात किया। यह स्पष्ट किया गया कि यद्यपि निर्यात कीमत संबंधी सभी वार्ताएं उत्पादक कंपनी द्वारा सीधे की गई थी, तथापि निर्यात ग्रुप कंपनी के जरिए किया गया, जिसके पास निर्यात लाइसेंस था। उत्पादक ने निर्यात लाइसेंस वर्ष 2007 में प्राप्त किया है और अब वह सीधे निर्यात के लिए स्वतंत्र है। उत्पादक अर्थात् पैसिफिक कोजेन वस्तुओं की बिक्री व्यापारी अर्थात् यिहुआ ग्रुप को वेट बीजक पर घरेलू बिक्री के रूप में करती है। व्यापारी वस्तुओं के बीजक मूल्य पर 17%

वेट का भुगतान करता है और वस्तुओं के निर्यात के पश्चात् उत्पादक के बीजक मूल्य पर वेट वापसी के रूप में 13% की वापसी का दावा करता है । भारतीय ग्राहकों के अंतिम बीजक ग्रुप कंपनी द्वारा बनाए जाते हैं । कंपनी द्वारा वेट के दावे से संबंधित दस्तावेज सत्यापनार्थ प्रस्तुत किए गए थे ।

235. भारत को किए गए निर्यात सीधे अंतिम प्रयोक्ताओं एवं भारत के व्यापारियों को किए गए हैं । किसी भी एजेंट को किसी कमीशन का भुगतान नहीं किया गया है । अतः मूल प्रस्तुतीकरण में डाटा एंट्री संबंधी त्रुटि सुधार ली गई है और संशोधित परिशिष्ट-2 प्रस्तुत किया गया ।

236. प्रत्यक्ष बिक्री व्यय जैसे अंतर्देशीय एवं समुद्री मालभाड़ा एवं बीमा, लदाई एवं उतराई व्यय, सीमाशुल्क ब्रोकरेज शुल्क, कंटेनर प्रहस्तन प्रभार, टीएचसी, बुकिंग प्रभार तथा बैंक प्रभार संबंधी व्यय, जिनका सत्यापन संबंधित दस्तावेजों से किया गया था, बीजक कीमतों में से घटा दिए गए हैं और निवल कारखाना द्वार निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है ।

237. निर्यातित वस्तुएं 25 किग्रा. की कागज की थैलियों में पैक की जाती हैं और घरेलू व निर्यात पैकिंग में कोई अंतर नहीं होता । अतः पैकिंग लागत का कोई समायोजन अपेक्षित नहीं है ।

238. उपर्युक्त के आधार पर उपर्युक्त उत्पादक-निर्यातक के लिए निवल कीमत एवं पहुंच मूल्य निम्नानुसार बनता है :

उत्पाद कोड	निर्यात कीमत			विनिमय दर 8.132		कारखाना द्वार का योग (अम.डॉ.)	वेट समायोजन (अम.डॉ.)	निवल कारखाना द्वार का योग (अम.डॉ.)
	मात्रा का योग (मी.टन)	निवल बीजक मूल्य का योग (अम.डॉ.)	कुल बिक्री व्यय का योग आरएमबी	कारखाना द्वार का योग (अम.डॉ.)	सीआईएफ कीमत अम.डॉ. / मी.टन			
एसजी 5	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****

ग.2 पाटन मार्जिन

239. पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए ची जन.गण.हेतु कारखाना द्वार स्तर पर निर्धारित भारित औसत सामान्य मूल्य की तुलना इस निर्यातक की कारखाना द्वार स्तर पर निवल निर्यात कीमत से की गई है, जो इस प्रकार है :-

उत्पाद कोड	मात्रा का योग	सामान्य मूल्य अम.डॉ./मी.टन	कारखाना द्वार निवल अम.डॉ./मी.टन	पाटन मार्जिन अम.डॉ./मी.टन
एसजी5	*****	*****	*****	*****
कुल योग	*****			18.14%

घ) अन्य गैर नमूनाकृत निर्यातक

240. नियमावली के नियम 17(3) के अनुसरण में चीन जन.गण. के निम्नलिखित गैर नमूनाकृत निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण चुनिन्दा निर्यातकों अथवा उत्पादकों के संबंध में पाटन की भारित औसत मार्जिन के रूप में किया गया है :-

- v. हाओयुहा यूहांग केमिकल कंपनी लि.
- vi. निजिया यिंगलिंगे केमिकल कंपनी लि.
- vii. शेनडांग हाइहुआ क्लोर अल्कली रेजीन्स कं. लि. (उत्पादक) तथा शेनडांग ओशन केमिकल इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लि. (निर्यातक)
- viii. क्विनडाओ हाइजिंग केमिकल ग्रुप कंपनी लि.
- ix. यिबिन रिआनयुआन कंपनी लि.
- x. शंघाई क्लोर अल्कली केमिकल कंपनी लि.
- xi. टियानजिंग एल जी डागू केमिकल कंपनी लि.
- xii. इनर मंगेलिया सेनलिएन केमिकल कार्पोरेशन लि.

241. तदनुसार निम्नलिखित गैर नमूनाकृत उत्पादकों/निर्यातकों हेतु पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :-

निर्यातक	निर्यात मात्रा मी.टन में	पाटन मार्जिन अम.डॉ./ मी.टन	पाटन मार्जिन मूल्य अम.डॉ.लर	ईपी अम.डॉ./ मी.टन
टियानजिन डागू	*****	*****	*****	*****
यीचांग	*****	*****	*****	*****
जिनजियांग	*****	*****	*****	*****
कुल/भारित औसत	*****	*****	*****	*****
पाटन मार्जिन %		16.34%		

ड) सभी असहयोगी निर्यातक

242. चीन जन.गण. के अन्य असहयोगी निर्यातकों हेतु पाटन मार्जिन का निर्धारण उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ तथ्यों के अनुसार उक्त देश के सहयोगी निर्यातकों के संबंध में जांच किए गए आंकड़ों को ध्यान में रखकर किया गया है, जो निम्नानुसार है :-

	सामान्य मूल्य अम.डॉ./मी.टन	ईपी अम.डॉ./मी.टन	पाटन मार्जिन अम.डॉ./मी.टन	पाटन मार्जिन %
अन्य सभी	*****	*****	*****	18.14%

छ.8 यूएसए**क) सामान्य मूल्य**

243. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूएसए के किसी भी उत्पादक एवं निर्यातक ने जांच शुरुआत सूचना का उत्तर नहीं दिया और उक्त देश हेतु पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ कोई जानकारी प्रस्तुत नहीं की। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 6.8 एवं अनुबंध-II के साथ पठित नियम 6.8 में प्रावधान है कि यदि किसी हितबद्ध पक्ष से अपेक्षित सूचना निर्धारित प्रारूप व तरीके से उचित समय के भीतर प्राप्त नहीं होती तो प्राधिकारी घरेलू उद्योग द्वारा जांच शुरुआत के आवेदन में प्रदत्त सूचना सहित उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारण करने के लिए स्वतंत्र हैं। उपर्युक्त स्थिति के मद्देनजर प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध सर्वश्रेष्ठ तथ्यों के आधार पर यूएसए में संबद्ध वस्तुओं की पाटन मार्जिन के अनुमान का प्रस्ताव करते हैं।

245. यूएसए में संबद्ध वस्तुओं की वास्तविक बिक्री कीमत के बारे में सत्यापन योग्य सूचना के अभाव में प्राधिकारी ने हैरिमेन केमसल्ट लि. लंदन में प्रकाशित कीमत सूचना, जो जांच अवधि से संबंधित है, की जांच की है। अमेरिकी बाजार में सस्पेंशन ग्रेड पीवीसी के बारे में प्रकाशित कीमत सूचना दर्शाती है कि इस अवधि के दौरान औसत कीमत (पाईप) 1254.38 अम.डॉलर प्रति मी.टन थी, जबकि यूएसए से निर्यात की स्पोर्ट कीमत 932.88 अम.डॉलर प्रति मी.टन थी। तथापि अन्य क्षेत्रों में प्रचलित कीमतों एवं प्राधिकारी के पास उपलब्ध आयात सांख्यिकी की तुलना में ये कीमतें अत्यंत विकृत प्रतीत होती हैं। अतः यूएसए में सामान्य मूल्य का अनुमान उपलब्ध तथ्यों के आधार पर लगाया गया है, जिसमें जापान, जो समान आर्थिक स्थितियां, उद्योगों का विकास आदि प्रदर्शित करना है, में उक्त वस्तुओं की लागत व कीमत को प्रयुक्त किया गया है। तदनुसार यूएसए के सभी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण जापान में संबद्ध वस्तुओं के भारित औसत सामान्य मूल्य के आधार पर किया गया है, जो ***** अम.डॉलर प्रति मी. टन है।

ख) निर्यात कीमत एवं पाटन मार्जिन

246. यूएसए की संबद्ध वस्तुओं की निवल निर्यात कीमत का अनुमान प्राधिकारी के पास उपलब्ध आयात सांख्यिकी से सीआईएफ निर्यात कीमत के आधार पर लगाया गया है, जिसमें उपलब्ध तथ्यों के आधार पर प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष बिक्री व्यय को समायोजित किया गया है। इस देश के सभी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ, इस प्रकार अनुमानित निर्यात की तुलना कारखाना-द्वार स्तर पर सामान्य मूल्य से की गई है। तदनुसार यूएसए के सभी असहयोगी निर्यातकों के लिए औसत निवल कारखाना-द्वार निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन का आकलन निम्नानुसार किया गया है :-

	विनिमय दर	44.19
सीआईएफ कीमत	रूपए/मी.टन	अम.डॉ./मी.टन
	35744.21	808.88
उपलब्ध तथ्यों के अनुसार समायोजन		*****
निवल निर्यात कीमत		*****
सामान्य मूल्य		*****
पाटन मार्जिन		*****
		12.49%

छ.9 मलेशिया

क) सामान्य मूल्य

247. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मलेशिया से किसी उत्पादक तथा निर्यातक ने जांच शुरुआत सूचना का उत्तर नहीं दिया और उक्त देश हेतु पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है। केवल एक निर्यातक अर्थात् मेसर्स मलेशियन इंटरनेशनल ट्रेडिंग कार्पोरेशन एसडीएन.बीएचडी (मिटको) ने मामले के विभिन्न पहलुओं के बारे में केवल लिखित प्रस्तुतीकरण दिया है और प्रश्नावली का कोई उत्तर अथवा सामान्य मूल्य या निर्यात कीमत के संबंध में कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। तदनुसार प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध सर्वोत्तम तथ्यों के आधार पर सभी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत एवं पाटन मार्जिन का निर्धारण प्रस्तावित करते हैं।

248. मलेशिया में संबद्ध वस्तुओं की वास्तविक बिक्री कीमत के बारे में सत्यापन योग्य सूचना के अभाव में प्राधिकारी ने हैरिमेन केमसल्ट लि. लंदन में प्रकाशित कीमत सूचना,

१७५५

जो जांच अवधि से संबंधित है, की जांच की है। मलेशिया के बाजार में सस्पेंशन ग्रेड पीवीसी के बारे में प्रकाशित कीमत सूचना दर्शाती है कि इस अवधि के दौरान औसत कीमत 921.53 अम.डॉ. प्रति मी.टन थी। एशिया क्षेत्र के सहयोगी निर्यातकों की बिक्री कीमत के अनुसार इस क्षेत्र में औसत कीमत को देखते हुए यह कीमत असाधारण रूप से अधिक प्रतीत नहीं होती। अतः मलेशिया में सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ उपर्युक्त आंकड़े विश्वसनीय नहीं पाए गए हैं। उपर्युक्त के मद्देनजर मलेशिया में सामान्य मूल्य का अनुमान कोरिया, जो समान आर्थिक स्थितियां एवं उद्योगों आदि का विकास प्रदर्शित करता है, में उक्त वस्तुओं की लागत व कीमत के आधार पर लगाया गया है। तदनुसार मलेशिया के सभी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण कोरिया में संबद्ध वस्तुओं के भारित औसत सामान्य मूल्य के आधार पर किया गया है जो ***** अम.डॉलर प्रति मी. टन है।

249. मलेशियाई निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन के निर्धारण पर टिप्पणी करते हुए उक्त निर्यातक ने तर्क दिया है कि प्राधिकारी को तीसरे देशों के आंकड़े प्रयुक्त करने से पूर्व हितबद्ध पक्षों को तीसरे देश के चयन के बारे में सूचित करना चाहिए था। यह भी तर्क दिया गया है कि जहां प्रकाशित आंकड़ों का प्रयोग चीन के लिए किया गया है, यह पद्धति मलेशिया के लिए नहीं अपनाई गई है। इस संबंध में यह उल्लेखनीय है कि उपर्युक्त पक्षकार सहित मलेशिया के निर्यातकों से किसी सहयोग के अभाव में प्राधिकारी ने नियम 6.8 के अनुसार, उपलब्ध सर्वोत्तम तथ्यों के आधार पर मलेशिया में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है, जिसमें किसी हितबद्ध पक्षकार को पूर्व सूचना देना अथवा परामर्श करना अपेक्षित नहीं है। जहां तक प्रकाशित आंकड़े प्रयुक्त करने का प्रश्न है, जैसा कि जांच परिणाम में दर्ज किया गया है, प्रकाशित आंकड़े मलेशिया में सामान्य मूल्य के निर्धारण की दृष्टि से अत्यंत विकृत एवं अविश्वनीय हैं। अतः उपलब्ध तथ्यों के आधार पर विश्वसनीय निर्धारण किया गया है।

ख) निर्यात कीमत एवं पाटन मार्जिन

250. मलेशिया की संबद्ध वस्तुओं की निवल निर्यात कीमत का अनुमान प्राधिकारी के पास उपलब्ध आयात सांख्यिकी से सीआईएफ निर्यात कीमत के आधार पर लगाया गया है, जिसमें उपलब्ध तथ्यों के आधार पर प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष बिक्री व्यय को समायोजित किया गया है।

251. इस देश के सभी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु, इस प्रकार आकलित निर्यात कीमत की तुलना कारखाना-द्वार स्तर पर सामान्य मूल्य से की गई है। तदनुसार मलेशिया के सभी असहयोगी निर्यातकों के लिए औसत निवल कारखाना द्वार निर्यात कीमत एवं पाटन मार्जिन का आकलन निम्नानुसार किया गया है :-

	रुपए/मी.टन	अम.डॉ./मी.टन
सीआईएफ मूल्य	35936	813.22
उपलब्ध तथ्यों के अनुसार कुल समायोजन		*****
निवल निर्यात कीमत		*****
सामान्य मूल्य		*****
पाटन मार्जिन		*****

छ.10 पाटन मार्जिन : सारांश

252. उपर्युक्त जांच के आधार पर संबद्ध देशों तथा इस जांच में सहभागी निर्यातकों हेतु पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है जो निम्नानुसार है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों की पाटन मार्जिन उल्लेखनीय तथा न्यूनतम से अधिक है, सिवाय दो निर्यातकों के, जहां पाटन मार्जिन न्यूनतम स्तर से कम पाई गई हैं।

देश	उत्पादक	निर्यातक	पाटन मार्जिन अम. डॉलर/मी.टन	पाटन मार्जिन (%)
थाईलैंड	मै. थाई प्लास्टिक्स एंड केमिकल्स पब्लिक कंपनी लिमिटेड	मै. थाई प्लास्टिक्स एंड केमिकल्स पब्लिक कंपनी लिमिटेड	*****	9.20%
	थाईलैंड के अन्य सभी उत्पादक	कोई भी निर्यातक	*****	11.31%
कोरिया जन.गण	एल जी केम लिमिटेड	एल जी केम लिमिटेड	*****	0.03%
	हेन्वा केमिकल कार्पोरेशन	हेन्वा कार्पोरेशन	*****	1.36%
	कोरिया जन.गण. के अन्य सभी उत्पादक	कोई भी निर्यातक	*****	8.37%
इंडोनेशिया	पीटी असाहिमास केमिल्स	पीटी असाहिमास केमिल्स	*****	7.99%
	इंडोनेशिया के अन्य सभी उत्पादक	कोई भी निर्यातक	*****	16.10%

चीनी ताईपेई	फार्मोसा प्लास्टिक्स कार्पोरेशन	फार्मोसा प्लास्टिक्स कार्पोरेशन	*****	1.53%
	ओशियन प्लास्टिक्स कार्पोरेशन	ओशियन प्लास्टिक्स कार्पोरेशन	*****	8.88%
	चीनी ताईपेई के अन्य सभी उत्पादक	कोई भी निर्यातक	*****	9.28%
जापान	ताईयो विनाइल कार्पोरेशन	ताईयो विनाइल कार्पोरेशन	*****	9.25%
	ताईयो विनाइल कार्पोरेशन	मित्सुई एंड कंपनी	*****	12.82%
	जापान के अन्य सभी उत्पादक	कोई भी निर्यातक	*****	8.88%
चीन जन. गण.	मै. टियानजिन डागू केमिकल कंपनी लि.	मै. टियानजिन बोहाई केमिकल इंडस्ट्रीज इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पोरेशन	*****	13.54%
	मै. जिनजियांग शिहेजी जोंगफा केमिकल कंपनी लि.	मै. जिनजियांग टियानये फोरेन ट्रेड कंपनी लि.	*****	16.70%
	मै. यिचांग यिहुआ पेसेफिक कोजन कंपनी लि.	मै. हुबेई यिहुआ गुप कंपनी लि.	*****	18.14%
	गैर-नमूनाकृत उत्पादक/निर्यातक	गैर-नमूनाकृत उत्पादक/निर्यातक	*****	16.57%
	चीन जन. गण. के अन्य सभी उत्पादक	कोई भी निर्यातक	*****	18.14%
यूएसए	सभी उत्पादक	कोई भी निर्यातक	*****	12.49%
मलेशिया	सभी उत्पादक	कोई भी निर्यातक	*****	12.47%

ज. क्षति निर्धारण

253. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का भारत को आयात अत्यधिक पाटित कीमतों पर किया गया है, जैसा कि पिछले खंडों में निर्धारित किया गया है, सिवाय उन उत्पादकों के, जहां पाटन मार्जिन न्यूनतम से कम पाई गई है। अतः घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच उक्त पाटित आयातों के संदर्भ में की गई है। प्रकटीकरण उपरांत अपने निवेदन में घरेलू उद्योग ने घरेलू उद्योग के दायरे और सूचना प्रदान करने के संबंध में अन्य घरेलू उत्पादकों की बाध्यता के संबंध में अपनी वैचारिक स्थिति को दोहराया है। यह तर्क दिया गया है कि मै. आरआईएल एक समर्थक कंपनी है परंतु सहभागी कंपनी नहीं है अतः मै. आरआईएल से सूचना प्राप्त करना अवांछित था। यह भी तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी ने माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा अपने निर्णय में प्रयुक्त "समस्त घरेलू उद्योग" शब्दों का निर्वचन "समस्त घरेलू उत्पादक" के रूप में किया है, जो उपर्युक्त निर्णय में माननीय न्यायालय की टिप्पणी के विपरीत है,

क्योंकि माननीय न्यायालय ने नियम 2(ख) में यथापरिभाषित घरेलू उद्योग की परिभाषा में कोई परिवर्तन नहीं किया है। तथापि, इस संबंध में यह उल्लेखनीय है कि प्राधिकारी उपर्युक्त निर्णय के अनुसार सभी घरेलू उत्पादकों से सूचना निरंतर मांगते रहे हैं। अतः घरेलू उद्योग के तर्क स्वीकार्य नहीं हैं।

254. उपर्युक्त को ध्यान में रखकर क्षति की जांच के प्रयोजनार्थ संपूर्ण घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत तथा क्षति निर्धारण हेतु आवेदक घरेलू उत्पादकों तथा मै. आरआईएल की लागत एवं क्षति संबंधी सूचना पर विचार किया गया है और इसकी जांच आरआईएल बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुसरण में की गई है।

ज.1 हितबद्ध पक्षों के विचार

255. जैसा कि पिछले खंड में दर्ज किया गया है, हितबद्ध पक्षों ने अन्य बातों के साथ तर्क दिया है कि क्षति संबंधी मानदंडों के विश्लेषण से यह प्रदर्शित होगा कि याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग को कोई वास्तविक नहीं हुई है, क्योंकि क्षमता, उत्पादन तथा बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

256. आगे यह भी तर्क दिया गया है कि तीसरे देशों की औसत कीमतें संबद्ध देशों से आयातों की तुलना में उसी कीमत बैंड के भीतर अथवा उससे भी कम है जो यह दर्शाता है कि संबद्ध देशों से आयातों तथा याचिकाकर्ताओं को हुई कथित क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है। यह भी तर्क दिया गया है कि देश में मांग-आपूर्ति के बीच उल्लेखनीय अंतर है और बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए आयात बहुत जरूरी हैं, क्योंकि घरेलू उत्पादक मांग को पूरा करने के लिए अपनी क्षमताओं में वृद्धि नहीं कर सके हैं। पीवीसी रेजिन की अंतर्राष्ट्रीय कीमत में विश्व में बाजार की स्थितियों के अनुसार घट-बढ़ होती रही है। पीवीसी रेजिन के ईडीसी/वीसीएम तथा स्वयं पीवीसी रेजिन जैसे विनिर्माताओं के लिए निविष्टियों की सीमाशुल्क आर्बिट्रेज बहुत अधिक था, जिससे स्थानीय विनिर्माताओं में कीमतें बढ़ाकर अथवा इन्हें माह दर माह आधार पर निविष्टि लागत में बिना किसी उल्लेखनीय परिवर्तन के घटाकर भारी लाभ कमाया।

257. आगे यह भी तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग 100% क्षमता उपयोग से अधिक पर प्रचालित था और जांच अवधि के दौरान क्षमता उपयोग में आई गिरावट इस अवधि के दौरान क्षमता वर्धन के कारण आई। सामान्यतः 100% क्षमता उपयोग हासिल करना संभव नहीं है, क्योंकि संयंत्र को रखरखाव तथा अन्य प्रचलनात्मक कारणों से बंद रखना पड़ता है और किसी भी उद्योग में 80% क्षमता उपयोग अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वास्तव में बहुत अच्छा माना जाता है। आगे यह भी तर्क दिया गया है कि

याचिकाकर्ताओं का यह तर्क कि घरेलू उद्योग ने आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान 24% तक बाजार हिस्सा गंवाया है, गुमराह करने वाला है। यह पहले ही बताया जा चुका है कि घरेलू उद्योग लगभग पूर्ण क्षमता से एवं स्थापित क्षमता से अधिक कार्य कर रहा था। इसके अलावा घरेलू उद्योग ने स्थापित क्षमता में वृद्धि हेतु नया निवेश किया था, क्योंकि वह वर्ष 2003-04 में पीवीसी के उत्पादन हेतु स्थापित क्षमता के 121% तक पहुंच चुका था।

256. यह तर्क प्रस्तुत किया गया है कि बाजार की मांग की वृद्धि दर के अनुसार 121% के आंकड़े का और अधिक बढ़ पाना किसी भी तरह संभव नहीं था। विस्तार के बाद भी उन्होंने 94% का क्षमता उपयोग शीघ्रता से हासिल कर दिया। अतः बाजार हिस्सा गंवाने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता, जैसा कि याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है और घरेलू उद्योग की उत्तरजीविता को कोई सीधा खतरा भी नहीं है।

ज.2.2 घरेलू उद्योग के विचार

259. घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि घरेलू उद्योग की वित्तीय स्थिति बहुत नाजुक हो गई है, जो इस तथ्य से स्पष्ट है कि आयात बहुत कम मूल्य और पाटित कीमतों पर किए गए और संबद्ध देशों से आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कुल आयातों के हिस्से के रूप में और कुल मांग के हिस्से के रूप में संबद्ध देशों से पाटित आयातों में वृद्धि हुई है। कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि के बावजूद पहुंच मूल्य में पिछले वर्ष की तुलना में 14% की गिरावट आई है। पाटित आयातों के कारण घरेलू कीमतों में भी पिछले वर्ष की तुलना में 19% की गिरावट आई है। इन कारकों का प्रभाव बाजार हिस्से में गिरावट के रूप में देखा जा सकता है, जबकि क्षति की अवधि के दौरान घरेलू मांग में बढ़ोत्तरी हुई है। घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग और लाभप्रदता में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

ज.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

260. अधिनियम के अनुच्छेद 3.1 तथा नियमावली के अनुबंध-11 में दो बातों की वस्तुनिष्ठ जांच का प्रावधान है अर्थात् (क) पाटित आयातों की मात्रा और घरेलू बाजार में समान उत्पादों के लिए कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; और (ख) पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंधी में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामकारी प्रभाव। प्राधिकारियों से यह जांच करने की अपेक्षा की जाती है कि क्या आयातों में निरपेक्ष रूप से अथवा उत्पादन के सापेक्ष अथवा आयातक सदस्य में उपभोग के रूप में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां तक पाटित आयातों के कीमत प्रभाव का प्रश्न है, प्राधिकारियों से यह जांच करने की अपेक्षा की जाती है कि क्या आयातक देश में

समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई है अथवा ऐसे आयातों के प्रभाव का उद्देश्य कीमतों में उल्लेखनीय स्तर पर मंदी लाना है अथवा कीमत वृद्धि को रोकना है, जो अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक होती।

261. प्राधिकारी ने क्षति की जांच से संबंधित पहलू के बारे में हितबद्ध पक्षों के तर्कों पर विचार किया है और जिस सीमा तक ये तर्क वैध थे, प्रकटीकरण विवरण में उठाए गए मुद्दों का यथा स्थान निराकरण भी किया है। प्राधिकारी ने अपने समक्ष उपलब्ध तथ्यों तथा हितबद्ध पक्षों के तर्कों को ध्यान में रखकर क्षति संबंधी मानदंडों की वस्तुनिष्ठ रूप से जांच की है।

ज.3 क्षति का संचयी आकलन

262. नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iii) के अनुसार उन मामलों में, जहां एक से अधिक देशों के किसी उत्पाद के आयातों की पाटनरोधी जांच एक साथ की जा रही हो, निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन तभी करेंगे, यह निर्धारित होता है कि (क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में स्थापित पाटन मार्जिन निर्यात कीमत को प्रतिशत के रूप में व्यक्त करने पर दो प्रतिशत से अधिक हो और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयात की तीन प्रतिशत हो अथवा अलग-अलग देशों का निर्यात तीन प्रतिशत से कम हो, निर्यात कुल मिलाकर समान वस्तु के आयात के सात प्रतिशत से अधिक बनते हों, और (ख) आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों को देखते हुए आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन उचित हो।

263. संबद्ध पक्षों ने तर्क दिया है कि ईयू को एक भूभाग के रूप में मानने पर न्यूनतम से अधिक स्तर पर है और ईयू के कुछ सदस्य देशों की कीमतें संबद्ध देशों के कीमत स्तर के समान अथवा नीचे हैं। अतः पाटनरोधी नियमावली के प्रावधानों के अनुसार ईयू से आयातों सहित आयातों के प्रभाव के संचयी आकलन के प्रयोजनार्थ ईयू को भी जांच के अधीन आने वाले देशों में शामिल किया जाना जरूरी है।

264. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ईयू के प्रत्येक सदस्य देश से आयात की मात्रा और कुल आयातों में उनका हिस्सा बहुत कम और न्यूनतम स्तर से कम है। उनका संचयी हिस्सा भी 7% से कम है। ईयू से आयातों की औसत कीमत संबद्ध देशों की औसत कीमत से काफी अधिक है। इसके अलावा, इन देशों पर पाटन का कोई आरोप नहीं है। अतः ईयू के आयातों के संबंध में जांच शुरू करने अथवा संबद्ध देशों से पाटित आयातों के साथ ऐसे आयातों के प्रभाव की संचयी जांच करने का कोई आधार नहीं है।

265. जहां तक संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण क्षति के संचयी आकलन की शर्तों का प्रश्न है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि:

- (v) प्रत्येक सदस्य देश की पाटन मार्जिन 2% से अधिक है, सिवाय उन निर्यातकों के जिनकी पाटन मार्जिन न्यूनतम से कम निर्धारित की गई है;
- (vi) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का आयात एक ही टैरिफ वर्गीकरण के अंतर्गत किया गया है ;
- (vii) संबद्ध देशों में से प्रत्येक से आयातों की मात्रा नगण्य नहीं है, जैसा कि करार के अनुच्छेद 5.8 में परिभाषित है ;
- (viii) आयातित संबद्ध वस्तुएं घरेलू रूप से उत्पादित पीवीसी रेजिन के वाणिज्यिक तथा तकनीकी विकल्प हैं ;
- (ix) संबद्ध वस्तुओं का आयात अंतिम प्रयोक्ताओं एवं अन्य आयातकों द्वारा किया गया है और इन वस्तुओं का देश के वाणिज्य क्षेत्र में प्रवेश एक ही प्रकार के चैनलों के माध्यम से हुआ है ;
- (x) संबद्ध देशों से पाटित वस्तुएं तथा घरेलू रूप से उत्पादित समान वस्तुएं परस्पर परिवर्तनीय हैं और इनका उपयोग प्रयोक्ता उद्योग द्वारा एक-दूसरे के स्थान पर किया जा रहा है । संबद्ध देशों के आयातों से संबंधित सौदेवार सूचना यह दर्शाती है कि आयात वास्तविक प्रयोक्ताओं तथा व्यापारियों द्वारा किया जा रहा है, जिन्होंने उक्त सामग्री की खरीद पुनः बिक्री हेतु की है । संबंधित देशों द्वारा आपूर्तित वस्तुएं वितरण के समान चैनलों के जरिए भारतीय बाजारों में प्रवेश कर रही हैं और भारतीय बाजार में सीधी प्रतिस्पर्धा कर रही हैं;
- (xi) संबद्ध देशों से आपूर्तित उत्पादों का विपणन भारत में एक ही अवधि में तुलनीय बिक्री चैनलों के जरिए और समान वाणिज्यिक स्थितियों में किया जा रहा है ।

266. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का यह अभिमत है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के प्रभाव और आयातित उत्पादों एवं समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों के आलोक में घरेलू तौर पर उत्पादित समान वस्तु पर इसके प्रभाव का संचयी आकलन करना उचित है । अतः क्षति तथा कारणात्मक संबंध के विश्लेषण के प्रयोजनार्थ, जिसका विवेचन ऊपर किया गया है, घरेलू उद्योग पर संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा एवं कीमत के प्रभाव की जांच हेतु तथा क्षति के अस्तित्व एवं पाटन एवं क्षति, यदि कोई हो के बीच कारणात्मक संबंधी की जांच हेतु कीमतों तथा लाभप्रदता पर इसके प्रभाव को संचित किया गया है ।

ज.3.1 वास्तविक क्षति

267. नियमावली में सभी संबंधित आर्थिक कारकों एवं सूचकों, जो घरेलू उद्योग की स्थिति को प्रभावित करते हैं, के मूल्यांकन के आधार पर घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच का प्रावधान है । इस जांच के प्रयोजनार्थ आवेदक घरेलू उद्योग हैं, जैसा कि नियमावली के नियम 2(ख) के अंतर्गत परिभाषित है । तथापि, प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि माननीय उच्चतम न्यायालय ने आर आई एल बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी मामले में यह अभिमत व्यक्त किया था कि प्राधिकारी से पूरे घरेलू उद्योग के लिए क्षति तथा क्षति रहित कीमत का निर्धारण करने की अपेक्षा की जाती है न कि किसी कंपनी अथवा उद्यम विशेष के लिए । अतः उपर्युक्त आदेशों के अनुपालनार्थ प्राधिकारी द्वारा मै. आरआईएल से लागत तथा क्षति संबंधी सूचना मंगाई गई और क्षति रहित कीमत एवं क्षति निर्धारण के प्रयोजनार्थ आवेदक घरेलू उद्योग के साथ उक्त आंकड़ों का प्रयोग किया गया ।

268. क्षति एवं कारणात्मक संबंध के विश्लेषण के प्रयोजनार्थ, जिसका ऊपर विवेचन किया गया है, घरेलू उद्योग पर संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों की मात्रा एवं कीमत प्रभाव की जांच तथा क्षति के अस्तित्व एवं पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई हो, की जांच हेतु कीमतों तथा लाभप्रदता पर इनके प्रभाव के आकलन के लिए संबद्ध देशों से पाटित आयातों को संचित किया गया है ।

269. प्रकटीकरण उपरांत अपने निवेदन में हितबद्ध पक्षकारों ने आगे यह तर्क दिया है कि सत्यापित आयातों के संचयी आकलन से संबंधित निर्णय की समीक्षा की जानी चाहिए, खास तौर से इस तथ्य के मद्देनजर कि संचयन से जांच परिणाम सकारात्मक होने की संभावना बढ़ जाती है और क्षति से संबद्ध वास्तविक कारण गुमराह हो जाते हैं । यह तर्क दिया गया है कि संचयन तभी किया जाना चाहिए जब एक ही विचाराधीन उत्पाद का एक साथ आयात किया गया हो, न कि तकनीकी अथवा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय उत्पाद का । इसके साथ ही यह भी तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी द्वारा क्षति एवं कारणात्मक संबंध का विश्लेषण देश-वार आयात कीमतों के संदर्भ में किया जाना चाहिए था । प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति के संचयी आकलन की शर्तों को पूरा किया गया है, अतः क्षति का संचयी आकलन किया जाना अपेक्षित है और सभी स्रोतों से पाटित आयातों के प्रभाव की संचयी जांच की जानी अपेक्षित है । अतः जहां आयातों के पहुंच मूल्य में देशवार भिन्नता है, यह देखा जाना अपेक्षित है कि घरेलू उद्योग पर इन पाटित आयातों का मिला-जुला प्रभाव क्या है । तदनुसार जांच परिणाम में सभी स्रोतों से आयातों के भारित औसत पहुंच मूल्य दर्शाए गए हैं, जो सही पद्धति है ।

(क) मात्रा का प्रभाव : पाटित आयातों की मात्रा का प्रभाव तथा घरेलू उद्योग पर इसका प्रभाव

270. संबद्ध देशों के पाटित आयातों तथा अन्य देशों के पाटित आयातों की मात्रा के प्रभाव की जांच निम्नानुसार की गई है :-

(i) आयात की मात्रा तथा संबद्ध देशों का हिस्सा

271. क्षति निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंड एस के आयात आंकड़ों, सहयोगी निर्यातकों के निर्यात आंकड़ों एवं घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त द्वितीयक स्रोतों (अर्थात् आईबीआईएस) के आंकड़ों की जांच की है। उपर्युक्त स्रोतों से हासिल आंकड़ों की तुलना की गई और यह पाया गया कि डीजीसीआईएंड एस के आंकड़ों में कतिपय देशों के आयातों की मात्रा उन देशों के सहयोगी निर्यातकों द्वारा सूचित निर्यात मात्रा की तुलना में बहुत कम बताई गई है जबकि आईबीआईएस के आंकड़े निर्यातकों के आंकड़ों के काफी निकट हैं। अतः यह प्रतीत होता है कि डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों में संबंधित टैरिफ शीर्ष के अंतर्गत समस्त आयात सौदे शामिल नहीं किए गए हैं। अतः मात्रा के विश्लेषण के लिए प्राधिकारी आईबीआईएस द्वारा प्रदत्त सौदेवार आंकड़ों को प्रयुक्त करना अधिक उचित मानते हैं। इन आंकड़ों के आधार पर संबद्ध देशों की आयात मात्राएं निम्नानुसार हैं :-

आयात (मी.टन)	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि (जन.-दिसंबर 05)
चीन	683	15	309	22506
इंडोनेशिया	2435	575	3640	15051
जापान	1212	6430	2571	21599
कोरिया	3455	16558	27118	70143
मलेशिया	472	112	6711	16680
ताइवान	3931	10735	3550	28601
थाइलैंड	3361	2804	4576	10299
यूएसए	1120	23195	10296	31068
कुल संबद्ध देश	16668	60423	58771	215947
प्रवृत्ति	100	363	353	1296
अन्य देश	7336	18857	10047	38028
प्रवृत्ति	100	257	137	518
कुल आयात	24003	79280	68817	253975
प्रवृत्ति	100	330	287	1058

272. उपर्युक्त आंकड़े यह दर्शाते हैं कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों के आधार वर्ष की तुलना में लगभग 13 गुना वृद्धि हुई है और सभी देशों से आयातों में भी 11 गुना वृद्धि हुई है। अन्य देशों से आयातों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है परंतु यह संबद्ध देशों की तुलना में बहुत कम है। तथापि, जांच अवधि के दौरान उससे पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में आयातों में अचानक उछाल आया। जांच के अधीन अलग-अलग देशों से

आयातों की मात्रा की उल्लेखनीय वृद्धि प्रदर्शित करती है । भारत में कुल आयातों में संबद्ध देशों का हिस्सा क्षति की जांच अवधि में लगभग 69% से बढ़कर 85% हो गया है ।

	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि(जन-दिसं 05)
संबद्ध देशों का हिस्सा	69.44%	76.21%	85.40%	85.03%
प्रवृत्ति	100	110	123	122
अन्य देश	30.56%	23.79%	14.60%	14.97%
प्रवृत्ति	100	78	48	49

273. आयातों की मात्रा में वृद्धि का विश्लेषण घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि के संदर्भ में भी किया गया है । मांग का आकलन उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आवेदक घरेलू उद्योग तथा मै. आर आई एल की वास्तविक बिक्री और मैसर्स फीनोलेक्स की अनुमानित बिक्री के आधार पर किया गया है ।

मात्रा (मी. टन में)	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि(जन-दिसं 05)
बिक्री-घरेलू उद्योग + आरआईएल	617461	697380	721097	727156
प्रवृत्ति	100	113	117	118
बिक्री-अन्य घरेलू उत्पादक	99835	96411	102022	90551
प्रवृत्ति	100	97	102	91
कुल घरेलू बिक्री	717296	793791	823119	817707
प्रवृत्ति	100	111	115	114
आबद्ध खपत	28335	30515	15966	20436
प्रवृत्ति	100	108	56	72
कुल निर्यात	24003	79280	68817	253975
प्रवृत्ति	100	330	287	1058
कुल मांग	769635	903586	907902	1092119
प्रवृत्ति	100	117	118	142

274. उपर्युक्त आंकड़े घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की मांग में स्वस्थ वृद्धि की ओर संकेत करते हैं जहां इस उत्पाद की कुल मांग आधार वर्ष की तुलना में 42% से अधिक की वृद्धि दर्शाती है वहीं भारत को कुल आयातों में 900% से अधिक वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग की बिक्री आधार वर्ष की तुलना में 18% की मद्धिम वृद्धि दर्शाती है । संबद्ध देशों से आयातों में आधार वर्ष की तुलना में लगभग 1200% से अधिक की वृद्धि हुई है ।

275. हितबद्ध पक्षों ने तर्क दिया है कि आयातों में वृद्धि इस अवधि के दौरान मांग में हुई उल्लेखनीय वृद्धि के कारण हुई है, परंतु भारत के घरेलू उत्पादकों ने क्षमता व उत्पादन में तदनुरूप वृद्धि नहीं की है । अतः पाटित आयातों के प्रभाव की जांच हेतु घरेलू उद्योग तथा अन्य घरेलू उत्पादकों की मांग, उत्पादन तथा बाजार हिस्से का विश्लेषण भी किया गया है ।

(ii) मांग, उत्पादन एवं बाजार हिस्से

(क) घरेलू उद्योग का उत्पादन

मात्रा मी.टन में)	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि(जन-दिसं 05)
स्थापित क्षमता-घरेलू उद्योग + आरआईएल	621320	621320	741320	746020
प्रवृत्ति	100	100	119	120
उत्पादन -घरेलू उद्योग + आरआईएल	652840	703706	706419	748056
प्रवृत्ति	100	108	108	115
क्षमता उपयोग	105.07%	113.26%	95.29%	100.27%
प्रवृत्ति	100	108	91	95

276. उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि वर्ष 2002-03 तथा 2003-04 के बीच घरेलू मांग में लगभग 18% की वृद्धि हुई और घरेलू उद्योग ने कुल क्षमता में लगभग 19% वृद्धि करने के लिए 2004-05 में क्षमता वर्धन किया। अतः क्षमता में वृद्धि तथा मांग में वृद्धि एक-दूसरे के लगभग अनुरूप थे। तथापि पिछले वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान मांग में लगभग 20% की अचानक वृद्धि हुई और इस अवधि में आयात कई गुना बढ़ गए। आधार वर्ष की तुलना में घरेलू उद्योग का उत्पादन लगभग 15% बढ़ गया और क्षमता उपयोग में लगभग 5% की कमी आई। पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में क्षमता उपयोग में सुधार हुआ है और घरेलू उद्योग अपनी पूरी क्षमता से उत्पादन कर रहा है, हालांकि वर्ष 2003-04 में इसने 113% का उच्चतर क्षमता उपयोग हासिल किया था। इससे संकेत मिलता है कि घरेलू उद्योग अपनी निर्धारित क्षमता की तुलना में लगभग 1,00,000 मी.टन अतिरिक्त उत्पादन करने की क्षमता रखता है, जो उसने सस्ती कीमत पर पाटित आयातों की उपलब्धता के कारण नहीं किया।

(ख) घरेलू उद्योग की बिक्री

मात्रा (मी.टन में)	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि(जन-दिसं 05)
बिक्री-घरेलू उद्योग + आरआईएल	617461	697380	721097	727156
प्रवृत्ति	100	113	117	118
बिक्री-अन्य घरेलू उत्पादक	99835	96411	102022	90551
प्रवृत्ति	100	97	102	91
कुल घरेलू बिक्री	717296	793791	823119	817707
प्रवृत्ति	100	111	115	114
कुल आयात	24003	79280	68817	253975
प्रवृत्ति	100	330	287	1058
कुल मांग	769635	903586	907902	1092119
प्रवृत्ति	100	117	118	142

277. ये आंकड़े दर्शाते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री में लगभग 18% की और पिछले वर्ष की तुलना में केवल 1% की वृद्धि हुई है, जबकि मांग आधार वर्ष की तुलना में 42% तथा पिछले वर्ष की तुलना में 20% बढ़ी है। इसी अवधि के दौरान आयातों में कई गुना वृद्धि हुई है।

(ग) मांग एवं बाजार हिस्सा

मांग में हिस्सा	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि(जन-दिसं 05)
घरेलू उद्योग + आरआईएल	617461	697380	721097	727156
प्रवृत्ति	100	113	117	118
अन्य उत्पादक	99835	96411	102022	90551
प्रवृत्ति	100	82	87	64
सभी घरेलू उत्पादक	93.20%	87.85%	90.66%	74.87%
प्रवृत्ति	100	94	97	80
आबद्ध खपत	3.7%	3.4%	1.8%	1.9%
प्रवृत्ति	100	92	48	51
संबद्ध देशों से आयात	2.17%	6.69%	6.47%	19.77%
प्रवृत्ति	100	309	299	913
अन्य देशों से आयात	0.95%	2.09%	1.11%	3.48%
प्रवृत्ति	100	219	116	365

278. उपर्युक्त आंकड़ों से ज्ञात होता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग व सहयोगी उत्पादकों के बाजार हिस्से में लगभग 17% की गिरावट आई है, और संबद्ध देशों का बाजार हिस्सा वर्ष में 2% से बढ़कर जांच अवधि में लगभग 20% हो गया है। इसी अवधि में अन्य देशों के हिस्से में 1% से 3.5% की मामूली वृद्धि हुई है।

279. प्रकटीकरण उपरांत अपने निवेदन में हितबद्ध पक्षकारों ने दोहराया है कि घरेलू बाजार में मांग-आपूर्ति का अंतर के कारण आयात करना जरूरी हो जाता है और घरेलू विनिर्माता बढ़ती हुई मांग के अनुरूप अपनी रफ्तार नहीं रख पाए हैं। साथ ही कतिपय हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग द्वारा पिछले वर्ष किया गया क्षमता विस्तार और भविष्य में नियोजित विस्तार यह संकेत है कि कोई क्षति नहीं हुई है। प्राधिकारी के अनुसार ये दोनों तर्क विरोधाभासी हैं। ऐसी स्थिति में जब मांग में अच्छी वृद्धि हो, तो घरेलू उद्योग द्वारा क्षमता में विस्तार की अपेक्षा करना बिल्कुल उचित है। घरेलू उद्योग का 100% से ऊपर क्षमता उपयोग बनाए रखने का ट्रैक रिकॉर्ड रहा है, सिवाए जांच अवधि के, जो इस बात का द्योतक है कि जब मांग तथा कीमत अच्छी होती है तो उद्योग अधिक क्षमता से कार्य कर सकता है और प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए

निर्धारित लागत घटा सकता है । केवल जांच अवधि में ही पाटित आयातों की उपस्थिति में क्षमता उपयोग में गिरावट आई है और केवल लगभग 1,00,000 मी.टन की नोशनल क्षमता अप्रयुक्त रही है । यदि यह उद्योग अपने क्षमता उपयोग को ऐतिहासिक स्तर पर बनाए रखता तो घरेलू प्रयोक्ताओं के लिए यह अतिरिक्त उत्पादन उपलब्ध होता जिससे उस स्तर तक मांग-आपूर्ति का अंतर घट जाता ।

(ख) घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

280. संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग पर कीमतों के प्रभाव की जांच कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत दबाव तथा कीमत मंदी, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है । इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ भारित औसत उत्पादन लागत (सीओपी), भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) तथा घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत (एनआईपी) की तुलना में संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच लागत से की गई है । उक्त प्रयोजनार्थ आरआईएल के मामले में उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुसार क्षति रहित कीमत (एनआईपी) का निर्धारण समस्त घरेलू उद्योग के लिए किया गया है, जिसमें घरेलू उद्योग तथा आरआईएल के लागत संबंधी सत्यापित आंकड़ों को प्रयुक्त किया गया है । जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, मेसर्स फीनोलेक्स संबद्ध वस्तुओं का प्रमुख आयातक है अतः उसे घरेलू उद्योग के भाग के रूप में शामिल किए जाने की पात्रता नहीं है । अतः एनआईपी तथा क्षति निर्धारण में मेसर्स फीनोलेक्स के लागत आंकड़ों पर विचार नहीं किया गया है ।

(i) कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री का प्रभाव

281. संबद्ध देशों के प्रभाव के निर्धारण हेतु जांच की समस्त अवधि के दौरान संबद्ध देशों से पाटित आयातों के भारित और पहुंच मूल्य (एलवी) की तुलना इसी अवधि में घरेलू उद्योग के भारित औसत एनएसआर से की गई । इस प्रयोजनार्थ आयातों के पहुंच मूल्य की गणना में ऊपर उल्लिखित आयात आंकड़ों के अनुसार संबद्ध देशों से आयातों के सीआईएफ मूल्य में 1% प्रहस्तन प्रभार तथा लागू मूल सीमाशुल्क जोड़ा गया है ।

282. घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति (एनएसआर) के निर्धारण करते समय घरेलू उद्योग द्वारा जाने वाले रिबेट, छूट तथा कमीशन एवं भुगतान किए गए केन्द्रीय उत्पाद शुल्कों को घटा दिया गया है ।

283. कम कीमत पर बिक्री के निर्धारण के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों/भू-भागों से आयातों की भारित औसत पहुंच कीमतों की तुलना घरेलू उद्योग हेतु जांच अवधि के निर्धारित एवं ऊपर उल्लिखित क्षति रहित कीमत (एनआईपी) से की गई है ।

284. संबद्ध देशों से पाटित आयातों की कीमत कटौती एवं कम कीमत पर बिक्री का ब्योरा निम्नानुसार है :-

रूपए/मी.टन				
कीमत कटौती/कम कीमत पर बिक्री	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि (जन-दिसं 05)
घरेलू बिक्री कीमत-रूपए/मी.टन	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	99	119	107
निर्माण व बिक्री की लागत- रूपए/मी.टन	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	101	123	116
पहुंच मूल्य-रूपए/मी.टन				
सभी देश	39371.87	37209.07	47719.98	40835.06
संबद्ध देश	38049.20	36653.87	47751.69	40986.79
कीमत कटौती				
सभी देश	(*****)	*****	(*****)	(*****)
संबद्ध देश	*****	*****	(*****)	(*****)
क्षति रहित कीमत -रूपए/मी.टन				*****
कम कीमत पर बिक्री				
सभी देश				*****
संबद्ध देश				*****

285. उपर्युक्त आंकड़ों से ज्ञात होता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत में वर्ष 2004-05 तक वृद्धि हुई और तत्पश्चात इसमें लगभग 7% की गिरावट आई, जबकि घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत (एनएसआर) भी 2004-05 तक बढ़ी और उसके बाद पिछले वर्ष की तुलना में इसमें 12% की उल्लेखनीय गिरावट आई है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पहुंच मूल्य में भी 2004-05 तक वृद्धि हुई और तत्पश्चात पिछले वर्ष की तुलना में इसमें लगभग 15% की उल्लेखनीय गिरावट आई। अतः ऐसा प्रतीत होता है कि घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति आंशिक रूप से उत्पादन लागत में गिरावट तथा आंशिक रूप से आयातों के पहुंच मूल्य में आई तेज गिरावट से प्रभावित हुई है।

286. यह भी देखा गया है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत संबद्ध देशों के आयातों के भारित औसत पहुंच मूल्य के लगभग समान स्तर पर है। अतः समग्र स्तर पर कीमत कटौती मामूली तौर पर नकारात्मक है हालांकि कतिपय देशों की कीमत कटौती उल्लेखनीय तौर पर सकारात्मक है। तथापि घरेलू उद्योग की कीमतों में उल्लेखनीय मंदी है, क्योंकि घरेलू उद्योग को अपना बाजार हिस्सा बचाए रखने के लिए अपनी कीमतें कम रखनी पड़ीं; अतः कीमत कटौती से कीमत प्रभाव की तस्वीर स्पष्ट नहीं होती।

287. अलग-अलग तथा संचयी रूप से, सभी संबद्ध देशों से आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग के लिए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित एनआईपी से बहुत कम है, जो घरेलू उद्योग पर उल्लेखनीय कीमत कटौती के प्रभाव का द्योतक है ।

(ii) पाटित आयातों की कीमत दबाव तथा मंदी का प्रभाव

288. पाटित आयातों के कीमत ह्रास/मंदी के प्रभावों की जांच भी संबद्ध देशों की उत्पादन लागत, निवल बिक्री प्राप्ति तथा पहुंच मूल्य के संदर्भ में की गई है । जैसा कि तालिका में दर्शाया गया है उत्पादन लागत तथा घरेलू बाजार में बिक्री कीमत यह दर्शाती है कि जांच अवधि के दौरान बिक्री प्राप्ति में गिरावट उत्पादन लागत में गिरावट की तुलना में काफी अधिक है । जहां आधार वर्ष की तुलना में वर्ष 2004-05 तक उत्पादन लागत में 23% की बढ़ोत्तरी हुई और उसके बाद जांच अवधि में लगभग 5% की गिरावट आई, वहीं वर्ष 2004-05 तक बिक्री प्राप्ति में 19% की वृद्धि हुई और जांच अवधि के दौरान लगभग 10% की गिरावट आई । इसी अवधि के दौरान पहुंच मूल्य में 21% की वृद्धि हुई और उसके बाद जांच अवधि के दौरान अचानक लगभग 15% की गिरावट आई । उपर्युक्त आंकड़ों से संकेत मिलता है कि घरेलू उद्योग बाजार हिस्से को बनाए रखने के लिए आयात कीमतों के अनुरूप अपनी कीमतों में कमी करने पर विवश हो गया है ।

ज.4 क्षति संबंधी अन्य मानदंडों की जांच

289. घरेलू उद्योग की मात्रा तथा कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव तथा प्रमुख सूचकों जैसे आयातों की मात्रा तथा मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा बिक्री एवं विभिन्न क्षेत्रों के बाजार हिस्से सहित मांग के पैटर्न की जांच के बाद प्राधिकारी द्वारा अन्य आर्थिक मानदंडों, जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति के अस्तित्व को इंगित कर सकते हैं, का विश्लेषण भी किया गया है, जो निम्नानुसार है :-

(i) उत्पादकता पर वास्तविक तथा संभावित प्रभाव

प्रति कर्मचारी उत्पादकता	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि (जन-दिसं. 05)
उत्पादन-घरेलू उद्योग-मी.टन	652840	703706	706419	748056
कर्मचारियों की संख्या	1177	1158	1052	1076
उत्पादन/कर्मचारी-मी.टन	555	608	671	695
प्रवृत्ति	100	110	121	125

290. यद्यपि घरेलू उद्योग के उत्पादन में वृद्धि हुई है, तथापि इसके नियोजन में कमी आई है। अतः घरेलू उद्योग की उत्पादकता, जिसे श्रमिक उत्पादन के रूप में मापा गया है, में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

(ii) लाभ तथा नकद प्रवाह पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव

लाभप्रदता(रूपए/मी.टन)	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि (जन-दिसं. 05)
घरेलू उद्योग की भारित औसत एनएसआर-रूपए/मी.टन	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	99	119	107
घरेलू उद्योग की भारित औसत बिक्री लागत-रूपए/मी.टन	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	101	123	116
लाभ/हानि प्रति मी.टन	*****	*****	*****	(*****)
प्रवृत्ति	100	56	35	(102)
नकद लाभ				
लाभ/हानि-लाख रूपए	*****	*****	*****	(*****)
जोड़ें: मूल्यहास-लाख रूपए	*****	*****	*****	*****
नकद लाभ-लाख रूपए	*****	*****	*****	(*****)
प्रवृत्ति	100	71	54	(55)

291. घरेलू उद्योग की लागत एवं बिक्री संबंधी आंकड़े दर्शाते हैं कि प्रति इकाई बिक्री प्राप्ति में 2004-05 तक वृद्धि होने के बाद जांच अवधि के दौरान इसमें अत्यधिक गिरावट आई और यह बिक्री की लागत से भी कम हो गई, परिणामतः जांच अवधि के दौरान नकद लाभ नकारात्मक रहा।

(iii) नियोजन तथा मजदूरी

	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि (जन-दिसं. 05)
कर्मचारियों की संख्या	1177	1158	1052	1076
प्रवृत्ति	100	98	89	91
मजदूरी-लाख रूपए	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	98	105	104

292. आधार वर्ष की तुलना में घरेलू उद्योग का नियोजन स्तर घटा है, परंतु मजदूरी व्यय में वृद्धि हुई है। हितबद्ध पक्षों ने तर्क दिया है कि मजदूरी का बोझ तथा वीआरएस व्यय घरेलू उद्योग को हुई क्षति के उल्लेखनीय कारण हैं। तथापि नियोजन में गिरावट

तथा मजदूरी के बोझ में वृद्धि 2003-04 तथा 2004-05 की अवधि के दौरान हुई जब घरेलू उद्योग क्षमता वर्धन करने के साथ-साथ अधिक उत्पादन करने तथा लागत को किफायती बनाने के लिए अतिरिक्त जनशक्ति को कम कर रहा था । जांच अवधि के दौरान मजदूरी में बढ़ोत्तरी का प्रभाव मामूली है और यह क्षति का कारण प्रतीत नहीं होता ।

(iv) निवेश, निवेश से आय तथा पूंजी जुटाने की क्षमता

	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि (जन-दिसं. 05)
लाभ/हानि - लाख रुपए	*****	*****	*****	(*****)
प्रवृत्ति	100	63	41	(121)
ब्याज-लाख रुपए	*****	*****	*****	*****
ब्याज पूर्व लाभ/हानि-लाख रुपए	*****	*****	*****	(*****)
नियोजित पूंजी-लाख रुपए	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	94	80	90
प्राप्ति (पुनर्मूल्यांकन के बिना)	*****%	*****%	*****%	(*****)%
प्रवृत्ति	100	73	51	(49)

293. घरेलू उद्योग के वित्तीय कार्य निष्पादन का विश्लेषण नकद लाभ एवं निवेश से आय के रूप में किया गया है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने क्षति की जांच के दौरान क्षमता वर्धन किया है और घरेलू उद्योग के कुछ घटकों ने जांच अवधि के दौरान अपनी परिसंपत्तियों का पुनर्मूल्यांकन किया है । अतः घरेलू उद्योग द्वारा घरेलू प्रचालन हेतु लगाई गई पूंजी क्षति की जांच अवधि के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है । तथापि इस उद्योग की लाभप्रदता में निरंतर गिरावट आ रही है और कीमतों पर पाटित आयातों के दबाव के कारण जांच अवधि के दौरान यह नकारात्मक हो गई है । लगाई गई पूंजी से प्राप्त आय में आधार वर्ष के दौरान निरंतर गिरावट आने के बाद जांच अवधि में यह नकारात्मक हो गई ।

294. हितबद्ध पक्षों ने तर्क दिया है कि भारत में संबद्ध वस्तुओं की अच्छी मांग के कारण घरेलू उद्योग की विस्तार योजना उल्लेखनीय है । प्राधिकारी ने नोट किया था कि संबद्ध वस्तुओं की मांग में प्रति वर्ष 10% से अधिक की वृद्धि हुई है और आगे निवेश तथा विस्तार की भी अच्छी संभावना है । परंतु निवेश से नकारात्मक आय के कारण आगे निवेश करना कठिन हो जाएगा ।

(v) पाटन की सीमा

295. पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को कितनी क्षति हो सकती है, इसके सूचक के रूप में पाटन की सीमा यह दर्शाती है कि जांच अवधि के लिए, उल्लिखित देशों के विरुद्ध निर्धारित पाटन मार्जिन उल्लेखनीय है।

(vi) कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

296. पाटित आयातों से इतर कारकों, जो घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित कर सकते हैं, के विश्लेषण हेतु लागत संरचना में परिवर्तन, घरेलू उद्योग में प्रतिस्पर्धा और प्रतिस्पर्धी विकल्पों की कीमतों की जांच की गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू बाजार में पीवीसी रेजिन का मांग काफी अधिक है और निर्माण कार्यकलापों में उल्लेखनीय वृद्धि तथा कृषि में पीवीसी पाइप के प्रयोग के कारण मांग में तेजी से वृद्धि हो रही है। दरअसल निर्माण से संबंधित अनेक प्रकार के कार्यकलापों में पारंपरिक सामग्री का स्थान अब पीवीसी ले रहा है और देश में मांग-आपूर्ति के बीच अंतर काफी अधिक है। देश में इस उत्पाद के अनेक उत्पादक हैं, जिन्होंने जांच में भाग लिया है, सिवाय एक (अर्थात् मेसर्स फीनोलेक्स) को छोड़कर। चूंकि घरेलू बाजार में मांग, आपूर्ति की तुलना में बढ़ गई है, अतः घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा कीमतों को प्रभावित करती प्रतीत नहीं होती है।

297. पीवीसी तथा आधारभूत कच्चे माल अर्थात् एथिलीन/ईडीसी/वीसीएम की कीमत के बारे में हितबद्ध पक्षों ने परस्पर विरोधी तर्क प्रस्तुत किए हैं। कुछेक हितबद्ध पक्षों का तर्क है कि घरेलू उद्योग बार-बार कीमत संशोधन का सहारा ले रहा है और अपनी कीमतों को अंतर्राष्ट्रीय कीमतों से जोड़ रहा है। जबकि अन्य पक्षों का तर्क है कि पीवीसी की कीमत कच्चे माल की कीमत की घट-बढ़ से संबंधित होती है, और यह कूड की कीमत से संबद्ध होती है और संबद्ध देशों की कीमतों से प्रभावित नहीं होती। यह तर्क दिया गया है कि चूंकि घरेलू उद्योग की कीमतें लागत तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कीमतों पर निर्भर होती हैं और इससे घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं पहुंचनी चाहिए। परंतु प्राधिकारी नोट करते हैं कि जहां जांच अवधि में महत्वपूर्ण कच्चे माल की कीमतों में गिरावट के कारण घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में भी गिरावट आई है, वहीं उत्पादन लागत में गिरावट की तुलना में बिक्री कीमत में गिरावट अधिक है। यह भी नोट किया जाता है कि जिन देशों के संबंध में जांच की गई, उनके आयातों की कीमतें अत्यधिक पाटित कीमतें हैं और यही पाटित कीमतें घरेलू बाजार की कीमतों को प्रभावित कर रही हैं।

(vii) माल सूचियां

विवरण	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि (जन-दिसं. 05)
औसत मालसूची-घरेलू उद्योग (मी. टन)	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	145	74	197
उत्पादन के % के रूप में मालसूची	*****%	*****%	*****%	*****%
प्रवृत्ति	100	135	68	172

298. घरेलू उद्योग के मालसूची आंकड़े आधार वर्ष तथा पिछले वर्ष की तुलना में मालसूची धारित में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाते हैं। उत्पादन के प्रतिशत के रूप में मालसूची में आधार वर्ष की तुलना में 73% की और पिछले वर्ष की तुलना में 100% से अधिक की वृद्धि हुई है।

(viii) वृद्धि

299. आधार वर्ष (अर्थात् 2002-03) की तुलना में देश में मांग में जांच अवधि के दौरान 42% की वृद्धि हुई है। तथापि घरेलू उद्योग के उत्पादन व बिक्री में वृद्धि मध्यम रही है और इसी अवधि में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 15% से अधिक की गिरावट आई है। इससे इंगित होता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों ने मांग पर सीधा कब्जा कर लिया है। जांच अवधि के दौरान लाभप्रदता के संदर्भ में भी वृद्धि में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

ज.5 अन्य ज्ञात कारक तथा कारणात्मक संबंध

ज.5.1 हितबद्ध पक्षों के विचार

300. जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है हितबद्ध पक्षों का तर्क है कि घरेलू उद्योग की क्षति, यदि कोई हो, के लिए पाटित आयात उत्तरदायी नहीं हैं।

ज.5.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

2301. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षों के उपर्युक्त तर्कों के आलोक में संबद्ध देशों से पाटित आयातों तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के मुद्दे की जांच की है।

302. घरेलू कीमतों की प्रवृत्ति, उत्पादन लागत तथा संबद्ध देशों से आयातों के पहुंच मूल्य स्पष्ट रूप से इंगित करते हैं कि घरेलू कीमतों पर पाटित कीमतों से संबद्ध होने का उल्लेखनीय दबाव पड़ा है। अतः अलग-अलग देशों से पाटित आयातों एवं हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध स्थापित करने के लिए कीमत कटौती अपने आप में निश्चयात्मक मानदंड नहीं है। ऐसा प्रतीत होता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों की बैच मार्किंग न्यूनतम आयात कीमतों से हुई है। इसके विपरीत पाटित आयातों के कारण कम कीमत पर बिक्री भी उल्लेखनीय रही है।

303. उपर्युक्त तर्कों के अलावा प्राधिकारी ने अन्य कारकों से हुई क्षति, यदि कोई हो, को अलग करने के लिए नियमावली में किए गए प्रावधान के अनुसार कारणात्मक संबंध तथा अन्य असंबद्ध कारकों के मुद्दे की भी जांच की है। इस संबंध में नियमावली में यथा निर्धारित निम्नलिखित संकेतात्मक कारकों की जांच की गई है :-

(i) अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा तथा कीमतें

304. नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (V) में असंबंधित विश्लेषण हेतु एक कारक के रूप में पाटित कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा व मूल्य की जांच को अधिदेशित किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान भारत में किए गए आयातों में संबद्ध देशों से आयातों का योगदान 85% से अधिक था। शेष मात्रा का आयात 23 अन्य देशों से किया गया, जिनका अलग-अलग निर्यात हिस्सा नगण्य था। यूरोपीय समुदाय के सदस्य देशों से संचयी आयातों के मुद्दे की जांच की गई है और यह नोट किया गया कि ईयू से संचयी आयात कुल आयातों के लगभग 6% थे और उनकी कीमतें संबद्ध देशों के आयातों से अधिक हैं। अतः संबद्ध देशों से इतर देशों के आयातों से हुई क्षति का कारण संबद्ध देशों से पाटित आयातों को नहीं माना जा सकता।

(ii) मांग में संकुचन एवं/अथवा खपत के तरीके में परिवर्तन

305. विचाराधीन उत्पाद की कुल घरेलू मांग आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान लगभग 42% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है। पिछले वर्ष की तुलना में मांग में लगभग 20% की वृद्धि हुई है। घरेलू बाजार में इस उत्पाद की खपत के तरीके में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है और यह उत्पाद बाजार में तेजी से पारंपरिक उत्पादों का स्थान ले रहा है। अतः खपत के पैटर्न में प्रातेकूल परिवर्तन को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता।

(iii) विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों की व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां एवं उनके बीच प्रतिस्पर्धा

306. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं का आयात मुक्त रूप से किया जा सकता है और घरेलू बाजार में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां प्रचलित नहीं हैं। देश में उचित व्यापार पर कोई प्रतिबंध नहीं है और संबद्ध वस्तुओं का आयात अनेक देशों से किया जाता है एवं घरेलू उत्पादकों के साथ उनकी प्रतिस्पर्धा होती है। घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं के अनेक उत्पादक हैं और मांग में भी स्वस्थ वृद्धि है जो आपूर्ति से अधिक है। अतः मांग कोई बाधा न होने के कारण घरेलू बाजार में अस्वास्थ्यकर प्रतिस्पर्धा अथवा किसी अनुचित व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धति को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता।

(IV) प्रौद्योगिकी का विकास एवं निर्यात कार्य निष्पादन

307. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विश्व में संबद्ध वस्तुओं के प्रमुख उत्पादकों द्वारा प्रयुक्त की जा रही प्रौद्योगिकियों के बीच कोई प्रमुख अंतर नहीं है। संबद्ध देशों के सहयोगी विदेशी उत्पादकों की उत्पादन प्रौद्योगिकियों का भी सत्यापन किया गया था और यह देखा गया था कि उत्पादकगण एथिलीन प्रणाली अथवा एसिटीलीन प्रणाली के जरिए एक समान उत्पादन प्रौद्योगिकी अपनाते हैं। घरेलू उद्योग भी पीवीसी रेजिन के उत्पादन हेतु वही प्रौद्योगिकियां प्रयुक्त करता है। अतः प्रौद्योगिकी के विकास अथवा घरेलू उद्योग के उत्पादन की अक्षम विधि को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता।

308. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग का कुल निर्यात इसके कुल उत्पादन का 2% से भी कम है और यद्यपि क्षति की अवधि के दौरान प्रति मी.टन निर्यात प्राप्ति में सुधार हुआ, तथापि निर्यात की मात्रा में निरंतर गिरावट आई। निर्यात में गिरावट का कारण घरेलू मांग में वृद्धि और भारत में मांग-आपूर्ति के बीच अंतर होना है।

विवरण	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि (जन-दिसं. 05)
घरेलू उद्योग की निर्यात बिक्री मी.टन	0	16370	15217	11012
प्रवृत्ति		100	93	67
निर्यात कीमत रु./मी.टन		*****	*****	*****
प्रवृत्ति		100	107	119

309. तथापि, क्षति का विश्लेषण कंपनी के घरेलू प्रचालन के अनुसार किया गया है, अतः घरेलू उद्योग के निर्यात कार्य निष्पादन के कारण हुई क्षति, यदि कोई हो, को घरेलू उद्योग को हुई क्षति नहीं माना गया है।

(v) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

310. श्रमिक उत्पादन के रूप में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है।

ज.6 कारणात्मक संबंध को स्थापित करने वाले कारक

311. क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में वास्तविक गिरावट आई है। अतः पाटित आयातों तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध निम्नलिखित आधारों पर स्थापित किया जाता है :-

5. संबद्ध देशों की संचयी पाटित आयात कीमतों तथा उनके परिणामस्वरूप आयातों की पहुंच कीमतों में पिछले वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान अत्यधिक गिरावट आई है और कीमतों में अचानक गिरावट की परिणति घरेलू उद्योग की कीमतों में उल्लेखनीय मंदी में हुई है।
6. घरेलू उद्योग द्वारा बिक्री कीमतों में कटौती का प्रतिकूल प्रभाव कंपनी के मुनाफे, नकद प्रवाह और निवेश से आय पर पड़ा है।
7. यद्यपि ऐसा प्रतीत होता है कि आयात कीमतों में गिरावट का उत्तर घरेलू उद्योग ने बिक्री कीमतों में कटौती करके दिया है, तथापि संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण इसने अपना उल्लेखनीय बाजार हिस्सा गंवा दिया है।
8. ऐसा भी प्रतीत होती है कि मांग में वृद्धि का उत्तर घरेलू उद्योग ने क्षति की जांच के दौरान क्षमता वर्धन के माध्यम से दिया है। परंतु कम कीमत पर उल्लेखनीय बिक्री के अस्तित्व एवं इससे कीमतों में आई मंदी की परिणति घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट एवं बाजार हिस्से में गिरावट में हुई है। पिछले वर्ष 100% से अधिक क्षमता पर प्रचालन के बाद क्षमता उपयोग में भी गिरावट आई है।

ज.7 समग्र आकलन

312. घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति के अस्तित्व की ओर संकेत करने वाले कारकों का उपर्युक्त विश्लेषण यह दर्शाता है कि मध्यवर्ती अवधि के दौरान अनेक मानदंडों में सुधार के बावजूद घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में गिरावट आई है और घरेलू बाजार में उत्पाद की मांग अच्छी होने के बावजूद लाभप्रदता तथा निवेश से आय में गिरावट के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। हुई क्षति वास्तविक तथा अत्यधिक है।

313. प्रकटीकरण उपरांत अपने वक्तव्य में हितबद्ध पक्षकारों ने क्षति संबंधी विभिन्न मानदंडों, कारणात्मक संबंध तथा सार्वजनिक हित के मुद्दों के विश्लेषण से संबंधित अपनी टिप्पणियों को दोहराया है। यह तर्क दिया गया है कि अनेक मानदंडों में घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में सुधार प्रदर्शित होता है, अतः घरेलू उद्योग का वास्तविक क्षति का दावा न्यायोचित नहीं है। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति का निर्धारण घरेलू उद्योग की स्थिति का समग्र रूप में आकलन है और एक अथवा एकाधिक मानदंडों से इस संबंध में पुष्टिकारक मार्गदर्शन प्राप्त नहीं होता। अतः जांच किए गए मानदंडों के समग्र आकलन के आधार पर प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के कारण घरेलू उद्योग को जांच अवधि के दौरान बाजार हिस्से के नुकसान और वित्तीय घाटे के रूप में वास्तविक क्षति हुई है। अतः हितबद्ध पक्षकारों के तर्क मान्य नहीं हैं।

314. अतः प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और यह क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों की कीमत एवं मात्रा के प्रभाव के कारण हुई है। प्राधिकारी के ध्यान में लाए गए अन्य कारणों के कारण हुई क्षति, यदि कोई हो, का कारण पाटित आयातों को नहीं माना गया है।

झ. क्षति की सीमा तथा क्षति मार्जिन

315. जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, प्राधिकारी ने सभी सहयोगी घरेलू उत्पादकों की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग हेतु क्षति रहित कीमत का निर्धारण किया है। तदनुसार घरेलू उद्योग हेतु क्षति रहित कीमत ***** रूपए (44.19 रूपए की विनिमय दर पर ***** अम.डॉलर) निर्धारित की गई है। अपने प्रकटीकरण उपरांत निवेदन में घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि क्षति रहित कीमत के निर्धारण के लिए प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई विधि की परिणति उत्पादन लागत से आय में भारी कमी में हुई है। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत का निर्धारण प्राधिकारी द्वारा निरंतर अपनाई गई पद्धति के अनुसार किया गया था जिसमें उच्च न्यायालय के निर्णय, जिसका उल्लेख पहले किया गया है, में प्रदत्त दिशा-निर्देशों का ध्यान रखा गया था। अतः क्षति रहित कीमत को संशोधित करके उसे बढ़ाने के संबंध में घरेलू उद्योग के तर्क स्वीकार्य नहीं हैं।

316. क्षति मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की इस क्षति रहित कीमत की तुलना संबद्ध देशों के निर्यातकों के निर्यात के भारत औसत पहुंच मूल्य से की गई है। क्षति मार्जिन की गणना की गई है, जो निम्नानुसार बनती है :-

देश	उत्पादक	निर्यातक	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन
			अम.डॉ./ मी.टन	%
थाइलैंड	मे. थाई प्लास्टिक्स एंड केमिकल्स पब्लिक कंपनी लिमिटेड	मे. थाई प्लास्टिक्स एंड केमिकल्स पब्लिक कंपनी लिमिटेड	*****	0 से 10%
	अन्य सभी	कोई भी	*****	0 से 10%
	एलजी केम लि.	एलजी केम लि.	*****	0 से 5%

कोरिया	हानवा केमिकल कार्पोरेशन	हानवा कार्पोरेशन	*****	0 से 5%
	अन्य सभी	कोई भी	*****	0 से 10%
इंडोनेशिया	पीटी असहाइमास केमिकल	पीटी असहाइमास केमिकल	*****	10 से 20%
	अन्य सभी	कोई भी	*****	15 से 25%
चीनी ताइपेई	फर्मोसा प्लास्टिक	फर्मोसा प्लास्टिक	*****	0 से 5%
	ओसियन प्लास्टिक	ओसियन प्लास्टिक	(*****)	5 से 10%
	अन्य सभी	कोई भी	*****	0 से 5%
जापान	ताइयो विनयल कार्पोरेशन	ताइयो विनयल कार्पोरेशन	*****	0 से 10%
	ताइयो विनयल कार्पोरेशन	मित्सुई एंड कंपनी	*****	0 से 5%
	अन्य सभी	कोई भी	*****	5 से 15%
चीन जन.गण.	मै.टियानजिन डागू केमिकल कंपनी लिमिटेड	मै. टियानजिन बोहाई केमिकल इंडस्ट्रीज इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पोरेशन	*****	0 से 5%
	मै. जिनजियांग शिहेजी जोंगफा केमिकल कंपनी लि.	मै. जिनजियांग टियानये फारेन ट्रेड कंपनी लि.	*****	0 से 5%
	मै. यिचांग यिहुआ पेट्रोफिक कोजन कंपनी लि.	मै. हुबेई यिहुआ ग्रुप कंपनी लि.	*****	0 से 10%
	सूची के अनुसार गैर नमूनाकृत उत्पादक/निर्यातक	सूची के अनुसार गैर नमूनाकृत उत्पादक/निर्यातक	*****	0 से 5%
	अन्य सभी	कोई भी	*****	0 से 10%
	यूएसए	सभी उत्पादक/निर्यातक	*****	0 से 10%
मलेशिया	सभी उत्पादक/निर्यातक	कोई भी	*****	0 से 10%

ट. वास्तविक क्षति का खतरा

317. वास्तविक क्षति के उपर्युक्त दावे के अलावा घरेलू उद्योग ने वास्तविक क्षति के खतरे का दावा भी इस आधार पर किया है कि कम कीमत पर बिक्री के साथ-साथ संबद्ध देशों के उत्पादकों के पास बड़े पैमाने पर निपटान योग्य क्षमता का होना घरेलू उद्योग को क्षति के खतरे का स्पष्ट संकेत है। उपर्युक्त दावों को ध्यान में रखकर नियमावली के अनुबंध-II के पैरा VII के अनुसार वास्तविक क्षति के खतरे के मुद्दे की जांच की गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि :-

- भारत को संबद्ध देशों से पाटित आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जांच अवधि के दौरान हुए आयात आधार वर्ष के आयातों की तुलना में 12 गुना अधिक हैं और पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि लगभग 300% है। संबद्ध वस्तुओं की मांग बहुत अच्छी है और कीमत कारक के कारण आयात में वृद्धि की प्रवृत्ति जारी रहने की संभावना है।
- इन देशों के संबंध में क्षमता तथा पीवीसी रेजिन की मांग-आपूर्ति से संबंधित आंकड़े दर्शाते हैं कि इन देशों के पास क्षमताएं अत्यधिक हैं और संबद्ध वस्तुओं के उत्पादकों का निर्यात उन्मुखीकरण भी स्पष्ट है।
- पिछले खंड में लागत तथा क्षमता के बारे में किया गया विश्लेषण दर्शाता है कि पाटित आयातों ने भारत में घरेलू कीमतों को अत्यधिक मंदा कर दिया है।

318. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है । जहां तक क्षति के खतरे का प्रश्न है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं के सभी प्रमुख उत्पादकों की क्षमताएं उल्लेखनीय हैं और वे भारत तथा अन्य देशों को उल्लेखनीय मात्राओं का निर्यात कर रहे हैं । देश में मांग की स्थिति के अनुरूप घरेलू उद्योग ने क्षमताओं में विस्तार की योजना बनाई है और संबद्ध देशों से पाटित आयात जारी रहने के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति का स्पष्ट रूप से खतरा है ।

ठ. निष्कर्ष

319. उठाए गए मुद्दों तथा हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए निवेदनों तथा प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध कराए गए तथ्यों, जिन्हें इस जांच परिणाम में रिकार्ड किया गया है, की जांच के उपरान्त प्राधिकारी इन निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि :-

- (v) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं ने भारतीय बाजार में निर्यातक देशों के घरेलू बाजार में सामान्य मूल्य से कम कीमतों पर पवेश किया है;
- (vi) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और क्षति का खतरा भी मौजूद है; और
- (vii) संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों की मात्रा तथा कीमत प्रभाव दोनों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है ।

ड. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

320 हितबद्ध पक्षों के तर्कों एवं चिन्ताओं से प्राधिकारी नोट करते हैं कि मांग-आपूर्ति में अंतर के कारण भारत में संबद्ध वस्तुओं का आयात अत्यंत आवश्यक है क्योंकि यदि इस उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है, तो प्रयोक्ता उद्योग के अंतिम छोर के प्रयोक्ताओं पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा । यह भी तर्क प्रस्तुत किया गया है कि लघु उद्योग क्षेत्र एवं कृषि तथा अवसंरचना जैसे प्राथमिकता वाले क्षेत्र पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा । प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्यतः पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करना है ताकि भारतीय बाजार में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है । पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध देशों से आयातों पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा, अतः उपभोक्ताओं के लिए इसकी उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी । इसके विपरीत, यदि पाटित आयातों से उत्पन्न विकृतियों को दूर नहीं किया जाता, तो इसकी परिणति घरेलू उत्पादन आधार के बंद हो जाने और परिणामतः विदेशी उत्पादकों द्वारा कीमत वृद्धि में होगी जिसका प्रयोक्ता उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा ।

ढ सिफारिशें

321. प्राधिकारी द्वारा नियमावली में यथानिर्धारित शर्तों के अनुसार पाटन, क्षति तथा संबद्ध देशों से हुए पाटन एवं घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की जांच शुरू करके संपन्न की गई और संबद्ध देशों के विरुद्ध सकारात्मक पाटन मार्जिन का निर्धारण करने और इस निष्कर्ष पर पहुंचने, कि ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हो रही है, प्राधिकारी का अभिमत है कि पाटन एवं घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को निष्प्रभावी करने के लिए निश्चयात्मक उपाय करना अपेक्षित है। तदनुसार प्राधिकारी निम्नलिखित प्रकार व तरीके से निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

322. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क लगाने के नियम के अनुसार प्राधिकारी पाटन की कमतर मार्जिन तथा क्षति की मार्जिन के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की संस्तुति करते हैं, ताकि घरेलू उद्योग की क्षति दूर हो सके। तदनुसार संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा इसके साथ संलग्न शुल्क तालिका के कॉलम 9 में उल्लिखित राशि के बराबर ऐसा ऐसा शुल्क लगाने की तारीख से पांच वर्ष की अवधि हेतु निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	उप शीर्ष अथवा टैरिफ मद	वस्तु का विवरण	विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	माप की इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)		
1	3904.21	विनाइल क्लोराइड मोनोसर (सस्पेंशन ग्रेड) का होमोपॉलीमर	पाद टिप्पणी देखें ***	थाइलैंड	कोई भी	मै. थाई प्लास्टिक्स एंड केमिकल पब्लिक कं. लि.	मै. थाई प्लास्टिक्स एंड केमिकल पब्लिक कं. लि.	1821	मी.टन	रुपए
2	-तदेव-	-तदेव-	-तदेव-	थाइलैंड	कोई भी	अन्य कोई उत्पादक-निर्यातक युग्म		2456		रुपए
4	-तदेव-	-तदेव-	-तदेव-	संबद्ध देशों से इतर कोई भी	थाइलैंड	कोई भी	कोई भी	2456	मी.टन	रुपए
5	-तदेव-	-तदेव-	-तदेव-	कोरिया	कोई भी	एल जी केम लि.	एल जी केम लि.	शून्य	मी.टन	रुपए
6	-तदेव-	-तदेव-	-तदेव-	कोरिया	कोई भी	हानवा केमिकल कार्पोरेशन	हानवा केमिकल कार्पोरेशन	शून्य	मी.टन	रुपए
7	-तदेव-	-तदेव-	-तदेव-	कोरिया	कोई भी	अन्य कोई उत्पादक-निर्यातक युग्म		1984		रुपए
8	-तदेव-	-तदेव-	-तदेव-	संबद्ध देशों से इतर कोई भी	कोरिया	कोई भी	कोई भी	1984	मी.टन	रुपए
9	-तदेव-	-तदेव-	-तदेव-	इंडोनेशिया	कोई भी	पीटी असाहीमास केमिकल्स	पीटी असाहीमास केमिकल्स	2351	मी.टन	रुपए
10	-तदेव-	-तदेव-	-तदेव-	इंडोनेशिया	कोई भी	अन्य कोई उत्पादक-निर्यातक युग्म		4738		रुपए

11	-तदैव-	-तदैव-	-तदैव-	संबद्ध देशों से इतर कोई भी	इंडोनेशिया	कोई भी	कोई भी	4738	मी.टन	रुपए
12	-तदैव-	-तदैव-	-तदैव-	चीनी ताइपेई	कोई भी	फार्मासा प्लास्टिक्स कार्पोरेशन	फार्मासा प्लास्टिक्स कार्पोरेशन	शून्य	मी.टन	रुपए
13	-तदैव-	-तदैव-	-तदैव-	चीनी ताइपेई	कोई भी	ओशियन प्लास्टिक्स कार्पोरेशन	ओशियन प्लास्टिक्स कार्पोरेशन	शून्य	मी.टन	रुपए
14	-तदैव-	-तदैव-	-तदैव-	चीनी ताइपेई	कोई भी	अन्य कोई उत्पादक-निर्यातक युग्म		1119		रुपए
15	-तदैव-	-तदैव-	-तदैव-	संबद्ध देशों से इतर कोई भी	चीनी ताइपेई	कोई भी	कोई भी	1119	मी.टन	रुपए
16	-तदैव-	-तदैव-	-तदैव-	जापान	कोई भी	ताइयो विनायल कार्पोरेशन	ताइयो विनायल कार्पोरेशन	2813	मी.टन	रुपए
17	-तदैव-	-तदैव-	-तदैव-	जापान	कोई भी	ताइयो विनायल कार्पोरेशन	मित्सुई एंड क.	1620	मी.टन	रुपए
18	-तदैव-	-तदैव-	-तदैव-	जापान	कोई भी	अन्य कोई उत्पादक-निर्यातक युग्म		3834		रुपए
19	-तदैव-	-तदैव-	-तदैव-	संबद्ध देशों से इतर कोई भी	जापान	कोई भी	कोई भी	3834	मी.टन	रुपए
20	-तदैव-	-तदैव-	-तदैव-	चीन जन.गण.	कोई भी	टियानजिन डागू केमिकल कं. लि.	टियानजिन बोहाई केमिकल इंड.इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कार्पो.	1047	मी.टन	रुपए
21	-तदैव-	-तदैव-	-तदैव-	चीन जन.गण.	कोई भी	जिनजियांग शिहेजी जोंगफा केमिकल कं. लि.	जिनजियांग टियानये फॉरेन ट्रेड कं. लि.	459	मी.टन	रुपए
22	-तदैव-	-तदैव-	-तदैव-	चीन जन.गण.	कोई भी	यिचांग यिहुआ पेसेफिक कोजेन कं. लि.	हुबेई यिहुआ ग्रुप कं. लि.	2702	मी.टन	रुपए
23	-तदैव-	-तदैव-	-तदैव-	चीन जन.गण.	कोई भी	****सूची के अनुसार गैर-नमूनाकृत उत्पादक/निर्यातक		1467	मी.टन	रुपए
24	-तदैव-	-तदैव-	-तदैव-	चीन जन.गण.	कोई भी	अन्य कोई उत्पादक-निर्यातक युग्म		2702	मी.टन	रुपए
25	-तदैव-	-तदैव-	-तदैव-	संबद्ध देशों से इतर कोई भी	कोई भी	कोई भी	कोई भी	2702	मी.टन	रुपए
26	-तदैव-	-तदैव-	-तदैव-	यूएसए	कोई भी	कोई भी	कोई भी	2170	मी.टन	रुपए
27	-तदैव-	-तदैव-	-तदैव-	संबद्ध देशों से इतर कोई भी	यूएसए	कोई भी	कोई भी	2170	मी.टन	रुपए
28	-तदैव-	-तदैव-	-तदैव-	मलेशिया	कोई भी	कोई भी	कोई भी	3713	मी.टन	रुपए
29	-तदैव-	-तदैव-	-तदैव-	संबद्ध देशों से इतर कोई भी	मलेशिया	कोई भी	कोई भी	3713	मी.टन	रुपए

*** इस उत्पाद को "विनाइल क्लोराइड मोनोमर (सस्पेंशन ग्रेड के होमो पॉलीमर) के रूप में परिभाषित किया गया है, जहां विभिन्न पॉलीमर श्रृंखलाएं एक-दूसरे से संबद्ध नहीं हैं, जो सीमाशुल्क वर्गीकरण सं. 3904.21 के अंतर्गत आता है, सिवाय स्पेशियल्टी पीवीसी

सस्पेंशन रेजिन्स का छोड़कर जैसे क्रॉस लिंकड पीवीसी, क्लोरीनेटेड पीवीसी (सीपीवीसी), विनाइल क्लोराइड-विनाइल एसीटेट कोपोलीमर (वीसी-वीएसी) पीवीसी पेस्ट रजिन तथा पीवीसी ब्लेण्डिंग रेजिन" ।

***** चीन ज.गण. के गेर नमूनाकृत निर्यातकों की सूची

- (क) हाओहुआ युहांग केमिकल कं. लि.
- (ख) निजिया यिंगलीगे केमिकल कं. लि.
- (ग) शोनडॉंग यिहुआ क्लोर अल्कली रेजिन कं. लि.
- (घ) शेनडॉंग ओशियन केमिकल इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.
- (ङ) किनडाओ हाइजिंग केमिकल ग्रुप कं. लि.
- (च) यिबिन टियानहुआ कं. लि.
- (छ) शंघाई क्लोर अल्कली केमिकल कं. लि.
- (ज) टियानजिन एल जी डागू केमिकल कं. लि.
- (झ) इनर मंगोलिया सेनलियान केमिकल कार्पोरेशन लि.

आगे की प्रक्रिया

323. इस सिफारिश के संदर्भ में केन्द्र सरकार के आदेश के विरुद्ध कोई अपील अधिनियम के संगत प्रावधानों के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथा सेवा कर अपीलीय न्याधिकरण के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी ।

324. प्राधिकारी अधिनियम के संगत प्रावधानों तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं के अनुसार समय-समय पर इसमें की गई सिफारिशों के अनुसार निश्चयात्मक उपायों को जारी रखने, उसमें संशोधन करने अथवा उन्हें समाप्त करने की आवश्यकता की समीक्षा करेंगे । ऐसी समीक्षा के लिए किसी भी अनुरोध पर प्राधिकारी द्वारा तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक इसे इस प्रयोजनार्थ निर्धारित समय-सीमा के भीतर हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्रस्तुत न किया जाए ।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 26th December, 2007

Final Finding

Subject: Final Findings in the Anti-dumping investigation involving import of Poly Vinyl Chloride (PVC)—Suspension Grade from Taiwan, China PR, Indonesia, Japan, Korea RP, Malaysia, Thailand and USA

No. 14/8/2006-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as Rules);

A. Background and initiation:

1. Having regard to the Antidumping Rules, the Designated Authority (herein after referred to as Authority), on the basis of a fully documented application filed by M/s Indian Petrochemicals Corporation Ltd. (IPCL), M/s. Dhargandhra Chemical & Works (DCW), M/s. Chemplast Sanmar Ltd., (Chemplast) and M/s. DCM, Shriram Consolidated Ltd. (DSCL) (hereinafter referred to as the applicants) alleging dumping of Poly Vinyl Chloride (PVC)- Suspension Grade (hereinafter referred to as subject goods), originating in or exported from Taiwan, China PR, Indonesia, Japan, Korea RP, Malaysia, Thailand and USA (hereinafter referred to as subject countries) and consequent injury to them, initiated an anti-dumping investigation, vide notification dated 28th June 2006, published in the Gazette of India, Extraordinary, in accordance with the sub-Rule 5(5) of the said Rules, to determine the existence, degree, and extent of alleged dumping, and to recommend the amount of anti-dumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

2. And whereas on the request of the Designated Authority the time period for completion of this investigation was extended by the Central Government till 28th December 2007 in terms of Rule 17 of the Rules.

B. Procedure

3. Procedure described below has been followed with regard to this investigation after initiation of the investigation:

- (i) The Designated Authority sent copies of initiation notifications dated 28th June 2006 to the Embassies of the subject countries in India, known exporters from the subject countries, importers and the domestic industry as per the list available and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- (ii) Copies of the non-confidential version of the application filed by the domestic industry were made available to the known exporters and the Embassies of the subject countries in accordance with Rules 6(3) supra.
- (iii) The Embassies of the subject countries in New Delhi were informed about the initiation of the investigations in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, non-confidential application and questionnaire sent to the exporters was also sent to the Embassies of the subject countries along with a list of known exporters/ producers.
- (iv) The Authority sent questionnaire to the following known exporters from subject countries to elicit relevant information in accordance with the Rule 6(4):-

- 01 M/s. LG Chem Ltd., Seoul, Korea;
- 02 M/s. Chemical, Seoul, Korea;
- 03 M/s. Petronas; Kuala Lumpur, Malaysia;
- 04 M/s Thai Plastics & Chemicals Public Co. Ltd., Thailand;
- 05 M/s Formosa Plastics Corporation, Taipei, Taiwan, R.O.C;
- 06 M/s. Shin-Etsu, Tokyo, Japan;
- 07 M/s. Kanegafuchi, Tokyo, Japan;
- 08 M/s. Taiyo Vinyls Corporation, Tokyo, Japan;
- 09 M/s. PT. Asahimas Chemical, Jakarta, Indonesia;
- 10 M/s. CGPC, Taipei, Taiwan, R.O.C.;
- 11 M/s Tianjin Dagou, DAGU USA International Trading Corp,
- 12 M/s Siam Maspion, The Siam Cement Pcl., Bangkok,
- 13 M/s. Shantou Ocean, Taipei, Taiwan;
- 14 M/s. Xinjiang Tianye, P.R.China;
- 15 M/s Formosa Plastics Corporation, U.S.A, NJ, U.S.A;
- 16 M/s Ocean Plastics Co., Ltd., Taipei, Taiwan R.O.C;

(v) In response to the initiation of the investigation, China Chlor-Alkali Industry Association (CCAIA) filed the information of following 11 Chinese producers/exporters who were interested in participating in the investigation:-

1. Xinjiang Tianye Co Ltd
2. Yichang Yihua Pacific Cogen Ltd
3. Tianjin DAGU Chemical Co Ltd
4. Haohua Yuhang Chemical Co Ltd
5. Ningxia Yinglige Chemicals Co Ltd
6. Shandong Ocean Chemical Import and Export Co Ltd (exporter) with Shandong Haihua Chlor Alkali Resin Co Ltd (Producer)
7. Qingdao Haijing Chemical Group Co Ltd
8. Yibin Tianyuan Co Ltd
9. Shangahi Chlor Alkali Chemical Co Ltd
10. Tianjin LG DAGU Chemical Co Ltd
11. Inner Mongolia Sanlian Chemical Corporation Ltd

vi) However, in view of large participation from producers-exporters from China PR, the Authority resorted to sampling in terms of Rule 17 of Rules and selected the following three exporters from China, who represented major portion of exports from that country to India during the POI, for further examination:

1. M/s Tianjin Dagou Chemical Company Limited (Producer) and M/s Tianjin Bohai Chemical Industries Imp. & Exp. Corporation (Exporter);
2. M/s Xinjiang Shihezi Zhongfa Chemical Co. Ltd. - Producer and M/s Xinjiang Tianye Foreign Trade Co. Ltd. - Trader & Exporter;
3. M/s Yichang Yihua Pacific Cogen Co. Ltd. - Producer and M/s Hubei Yihua Group Co. Ltd. - Trader & Exporter

vii) The sampled exporters as above have filed their questionnaire response and market economy questionnaire responses. The other non-sampled exporter have filed limited responses and dumping margins for these exporters have been determined in terms of Rule 17(3) of the Rules based on the determination made for the sampled exporters.

vii) The following exporters from the other countries named in the investigation have also filed their questionnaire response and participated in the investigation.

- I) M/s. Taiyo Vinyl Corpn. Japan,
- II) M/s. Kaneka Corporation, Japan,
- III) M/s. Thai Plastic, Thailand,
- IV) M/s. Hanwha Chemical, Korea RP,
- V) M/s L G Chem, Korea RP
- VI) M/s. Formosa Plastics Corpn, Taiwan,
- VII) M/s. Ocean Plastics, Taiwan,

VIII) M/s. PT Asahimas, Indonesia

- ix) No questionnaire response has been received from the United States of America (USA) and Malaysia.
- (x) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties
- (xi) The Authority has examined the confidentiality claims of various interested parties in respect of the data submitted by them. The information, which is by nature confidential or which has been provided on a confidential basis by the interested parties, alongwith non-confidential summary thereof, has been treated confidential. *** in this finding represents information furnished by all the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- (xii) The comments of the interested parties, in response to the initiation of the investigation, have been taken on record and the Authority has examined the issues raised therein in this finding.
- (xiii) The Authority verified the information submitted by the interested parties, including the domestic industry, to the extent possible. Cost verification of the domestic industry was carried out to determine the Non-Injurious Price (NIP) of the domestic industry as per the consistent practice of the Authority.
- (xiv) The Authority held a public hearing on 29th November 2006 to provide an opportunity to all interested parties to present their views. The oral submissions made by the parties during the public hearing, and reproduced in writing, have been taken on record for the purpose of this investigation.
- (xv) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts considered for these findings and basis of determination, were disclosed to known interested parties, vide general disclosure and confidential disclosures to parties involved, vide letters dated 7th December 2007. Comments to the disclosures received from the interested parties have also been duly considered in these findings to the extent the arguments and claims made by various parties are substantiated with evidence and data;
- (xvi) Investigation was carried out for the period starting from 01.01.2005 to 31.12.2005 (POI). However, injury investigation was carried out for the period 2002-03, 2003-04, 2004-05 and the POI.

- (xvii) For the sake of brevity, the arguments and facts submitted by various interested parties have been summarized and reported in the finding to the extent possible.

B.1 Interested Parties to the investigation

4. As per the records of the Authority, following parties have made themselves known as interested parties to this investigation:

a) Responding exporters and other non-sampled exporters

5. The sampled exporters from China and responding exporters from other countries as listed in the previous section have filed questionnaire responses as required and have been listed as interested parties in this case. Three other exporters from China PR have also submitted their request for grant of individual treatment and filed their MET responses. Other non-sampled exporters from China PR are also interested parties to this investigation.

6. In addition to the above, M/s. Malaysian International Trading Corporation SDN. BHD (MITCO) has also made only written submissions on various aspects of the case without filing any questionnaire response.

b) Importers and other Interested Parties

7. The following imports and other interested parties have also filed their responses and other submissions:

- i. M/s Diamond Pipes & Tubes Pvt. Ltd
- ii. M/s Organization of Plastics Processors of India
- iii. M/s Association of ISI PVC Pipe Manufacturers of Tamil Nadu
- iv. M/s Premier Poly Film Ltd
- v. M/s RMG Poly Vinyl India Limited
- vi. M/s Sankhala Industries
- vii. M/s PVC Converters India Pvt. Ltd
- viii. M/s All India Federation of Plastic Industries
- ix. M/s Marvel Vinyls Limited
- x. M/s The All India Plastic Manufacturers Association

8. In addition to the above, the following parties also attended the public hearing as interested parties and filed brief submissions:

- i. Gujarat State Plastic Manufacturers Association,
- ii. M/s Jain Irrigation System and
- iii. Andhra Pradesh Plastic Manufacturers Association.

C. Product under Consideration and Like Articles

9. It has been submitted by the domestic industry that Poly Vinyl Chloride (PVC) is one of the earliest plastics and most extensively used commodity, with enormous variety of applications. Through a chemical reaction, Ethylene and Chlorine is combined to form Ethylene Dichloride (EDC), which is in turn transformed into Vinyl Chloride Monomer (VCM). Through polymerization process, the VCM monomer is converted into vinyl polymer, a fine-grained, white powder i.e. PVC resin. The Authority also notes that PVC resin is also produced using a different route in which acetylene is produced from Calcium Carbide and acetylene is reacted with Hydrochloric Acid to produce VCM which is polymerized to obtain PVC. There are different types of polymerization processes viz. 1) Suspension polymerization, 2) Emulsion polymerization, 3) Bulk Mass polymerization and 4) Micro Suspension polymerization process. About 85% of the world's PVC production is by suspension polymerization. The scope of the product under consideration in the present petition covers Poly Vinyl Chloride (PVC) - Suspension Grade only. The product is classified under Chapter 39 of the Customs Tariff Act, 1975 under subheading 3904.2110 under the Indian Tariff Classification. The customs classifications are however, indicative only and are in no way binding on the scope of the investigation.

10. Most important properties of the PVC resin are molecular weight, porosity, particle size and its distribution. Molecular weight is controlled by the reactor temperature, initiator concentration, agitation and emulsification. Particle size and porosity is controlled by agitation and quantity/nature of suspending agents. To achieve processability and optimum performance characteristics, PVC resin must be compounded i.e. combined with selected chemical additives and modifiers to achieve the desired properties. These additives are classified as stabilizers, plasticizers, lubricants, fillers, impact modifiers, processing aids, colorants and other miscellaneous ingredients. Once these are added, the resulting material vinyl compound can be converted into wide range of products. The selection of a particular package of additives depends upon the end products to be manufactured.

11. PVC is used in manufacturing of various products like Pipes & Fittings, Flexible Hoses, Films/Sheets, Bottles, Profiles, Wire & Cables, and Foot-wears etc. PVC Pipes & Fittings are used for Irrigation, Drinking water supply, Buildings construction and Sanitation for plumbing, Sewerage, Rainwater ducting, Conduits for concealing electrical wiring, etc. PVC Films/sheets are used for packaging application, rainwear, insulation tapes, table covers, stationery items, inflatable toys, photo albums, collar bands, stretch cling/stretch wrap/twist wrap films, bill board film and many more applications. PVC Profiles are used mainly in applications like doors, windows, panels, partitions, frames, kiosks etc. PVC is used in Wire & Cables, which are used mainly in manufacturing domestic wiring, electrical chords and low voltage power cables.

12. It has been argued that PVC produced by the applicants and imported from subject countries is comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, product properties, manufacturing process & technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution and marketing and therefore, treated as like articles within the meaning of the term.

C.1 Views of interested parties

13. M/s Kaneka Corporation, Japan in its submissions has argued that the petition gives a very brief general overview of PVC Resin. Even though it has been categorically stated in the application that the scope of the product under consideration in the present petition covers PVC - Suspension Grade only, the applicants have not adequately elaborated on what PVC Suspension Resin is. Therefore, it is important that subject PVC Resin is adequately explained so that the Designated Authority may appreciate the scope of the product under consideration in the present petition and investigations. The exporter has given very elaborate technical details of various types of PVC Resins and their application areas. On the basis of extensive review of the product catalogue of the PVC suspension resin produced by the Indian Producers, the exporter has argued that certain special grade PVC are not manufactured by the Indian Producers and as such those special grade PVC are not like articles compared to the general grade PVC manufactured and sold by the Indian producers in the domestic market. Therefore, it has been argued that special grade PVC should be exempted from the investigation.

14. It has also been argued by Kaneka that certain low K-Value and High K-value PVC resins (K-value below 57 and above 71) are not produced by the domestic industry as they do not have the capability to control certain critical parameters to manufacture PVC resins in this range of K values which require more technical know how and ability to control the process parameters.

15. On the basis of these technical arguments, the exporter has submitted that the scope of the product under consideration should be restricted to the PVC resin produced by the domestic industry and described as "homopolymer of Vinyl Chloride Monomer, where various polymer chains are not linked to each other, having K-Value between 55-71 and average particle size between 100-180, falling under customs classification no. 3904.21." It has also been argued that the Authority should adequately clarify that all other types of PVC Resins are beyond the scope of the present investigation.

16. Embassy of Japan vide its letter dated 31st July 2006 has also made a similar submission for exclusion of specialty grade PVC from the scope of product under consideration and clarification of the same is in the findings of the Authority.

17. M/s. Sankhla Industries in its submission has submitted that they are regular importer of specialty grade PVC Resin which is of K-value 57, 70, 84. These are generally used for desired flexible properties as well as higher electrical properties and specialty compounds. They have argued that except PVC Resin of K-67, all others should be classified as specialty grades of PVC resin as all the grades of PVC Resin are not manufactured by local manufacturers.

18. In summary, the interested parties have argued that the scope of the product under consideration should be limited to the general grade PVC manufactured by the domestic industry and all special grade PVC should be excluded from the scope of product under consideration as they are not like articles in terms of physical and chemical characteristics and technical as well as commercial substitutability.

C.2 Views of the domestic industry

19. Commenting on letter No. 3/7/06 dated 31st July 2006 from the Embassy of Japan and submissions made on behalf of Kaneka Corporation, Japan, the domestic industry has clarified that specialty grade PVC such as cross-linked PVC, chlorinated PVC (CPVC), vinyl chloride – vinyl acetate copolymer (VC-VAc), PVC paste resin and PVC blending resin, are different from the subject goods under investigation and are not technically and commercially substitutable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process, functions and uses, product specifications and pricing. It has been submitted by the domestic industry that cross-linked PVC, CPVC and VC-VAc are chemically and technically different from the product under consideration. The PVC paste resin and PVC blending resin are physically different with respect to resin particle size. The specialty grade PVC's i.e., cross-linked PVC, CPVC and VC-VAc are also priced higher than the product under consideration. In view of their physical, chemical, technical and commercial difference from the product under consideration, the above specialty grade PVC resins are not 'like article' compared to the PVC resin under investigation. Therefore, the domestic industry has agreed for their specific exclusion from the scope of the product under consideration and like articles.

20. However, commenting upon the arguments of M/s Kaneka Corporation, Japan and other interested parties for exclusion of high and low K-value PVC resins from the scope of the product under consideration, the domestic industry has argued that these parties have attempted to make a differentiation of the Product concerned by calling them High K-Value and Low K-Value PVC Resin. The Product under Investigation is Poly Vinyl Chloride (PVC) – Suspension Grade and covers all grades of PVC resin (suspension grade) irrespective of any K- Value. In India, the industry produces PVC resin (suspension grade) of K-Value ranging between 50 -90. It has been argued that the assertion that Indian producers cannot control the parameters needed for production of PVC Resin

outside the K-Value range of 57-71 is totally incorrect and false. Therefore, there is no justification in the submission of Kaneka Corporation, Japan for further delineating the product scope of the Product concerned on the basis of the K-Value of PVC resin.

C.3 Examination by the Authority

21. The Authority has examined various arguments of the interested parties and clarification given by the domestic industry on the issue of product under consideration and like article. Rule 2(d) of the Antidumping Rules provide that "like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respect, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation". In the instant case, both the domestic industry and the interested parties have argued that the specialty PVC suspension resins such as cross-linked PVC, chlorinated PVC (CPVC), vinyl chloride – vinyl acetate copolymer (VC-VAc), PVC paste resin and PVC blending resin, are different from the subject goods under investigation and are not technically and commercially substitutable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process, functions and uses, product specifications and pricing. Therefore, the Authority holds that such specialty PVC resins are not like article to the general grade (homopolymers of PVC) PVC resins manufactured and sold by the domestic industry. Accordingly, such special grade PVC resins described as above are excluded from the scope of the product under consideration.

22. As far as exclusion of certain grades of PVC on the basis of their K values is concerned, the Authority notes that the entire submission of the interested parties is based on the arguments that the domestic industry either does not produce these grades or does not have the capability to produce these grades by controlling the relevant parameters. No argument has been extended to prove that these grades are not alike to the PVC resin in the K value range of 57-71 in respect of their physical and chemical characteristics and technical and commercial substitutability. The Authority notes that PVC resin of all K-value ranges are being imported to India and the interested parties have not placed any evidence on record to prove that the low K value or high K value PVC resins are different and are not technically and commercially substitutable with the PVC with K-values 55 -71. Therefore, the Authority does not find any merit in the arguments of the interested parties for exclusion of these grades.

23. Accordingly, the product under consideration is hereby described as "homopolymer of vinyl chloride monomer (suspension grade), where various polymer chains are not linked to each other, falling under customs classification no. 3904.21. The product under consideration however, excludes the specialty PVC suspension resins such as cross-linked PVC, chlorinated PVC (CPVC),

vinyl chloride – vinyl acetate copolymer (VC-VAc), PVC paste resin and PVC blending resin".

24. in their post disclosure submissions Kaneka Corporation has reiterated their arguments about exclusion of certain grades of PVC on the basis of K values. It has been argued that technical and commercial substitutability is not a parameter in itself but an end-result of a determination based on a number of parameters. It has been further argued that the domestic industry submissions does not establish that the contentions of Kaneka with regard to differences in these products in terms of parameters such as product characteristics, functions & usage, manufacturing technology, pricing etc. are incorrect. M/s Sankhla Industries in its comments has provided certain information regarding the use of PVC suspension grades of different K values and viscosity and has submitted that producer makes a range of PVC polymers which vary in morphology and in molecular mass, depending on the intended end use. But suspension grade of PVC resin of K-67 which is general pipe grade is the largest consumed and all the companies produce this grade highest. All the local suppliers are producing K67 pipe grade at 90% of their installed capacity. Therefore, there is no reason to include other grades of PVC in this investigation. In this connection the Authority notes that though product PVC has several grades and sub-types all of them have similar physical and chemical characteristics and end uses though specifications in terms of K values and other parameters are controlled by the manufacturers to produce these grades. No material evidence has been placed by any interested party to establish that these different grades are not like articles to each other. Therefore, the arguments of this party and other interested parties in this respect are not valid. Accordingly, all grades of PVC have been treated as like article and covered under the product under consideration except the specialty types specifically exempted in these findings on the basis of technical evidence placed before the Authority.

D. Standing of the Domestic Industry and initiation of the investigation

25. The application for imposition of antidumping duty on the subject goods was filed by M/s Indian Petrochemicals Corporation Ltd. (IPCL), M/s. Dhargandhra Chemical & Works (DCW), M/s. Chemplast Sanmar Ltd., (Chemplast) and M/s. DCM Shriram Consolidated Ltd. (DSCL). The application was supported by M/s Reliance Industries Ltd. (RIL). The applicants have claimed that the applicants, alongwith the supporter, constitute 100% of the production of product under consideration in India, therefore, constitute the domestic industry in this case.

D.1 Views of Interested Parties

26. Organization of Plastics Processors of India, All India Federation of Plastic Industries and other interested parties, in their respective submissions, have argued that while the Petitioners have claimed enough support of the other

producers, it is also imperative for the Designated Authority to independently verify the supporting companies in view of the fact that the other producers M/s. RIL and M/s. Finolex Industries Limited constitute approximately 50% of the Domestic Industry. By its own admissions, Reliance Industries Limited is one of India's largest producers. However, data from Reliance Industries Limited has not been included for the purpose of conducting an injury analysis and to determine whether the domestic industry as a whole has suffered any injury. It has been argued that Reliance Industry must join the investigation alongwith IPCL as both the entities are entirely under M/s RIL's management. IPCL's production system and business strategy decisions are entirely aligned with that of RIL. Therefore, the interested parties have argued that the authority should force the petitioners to come out with complete facts of the domestic industry including that of M/s RIL.

27. Further, quoting the recent judgment of the Hon'ble Supreme Court in Reliance Industries Limited vs. Designated Authority and Others passed in Civil Appeal No. 1294 of 2001 on 11th September, 2006 and WTO Appellate Body rulings in EC-Bed Linen case, the interested parties have argued that the injury analysis should take into account all domestic producers of subject goods, including M/s RIL.

28. It has also been argued that certain producers in India use the Calcium Carbide route to produce the subject goods as opposed to Ethylene / EDC / VCM route. Therefore, the Authority should take into consideration the raw material inputs costs, captive consumption and the by-products, if any, associated with the product under consideration. The analysis on this aspect will have substantial impact on the calculation of the NIP for the Domestic Industry.

D.2 Views of the domestic industry

29. The domestic industry and M/s RIL, in their submissions have inter-alia argued that the Supreme Court judgment has been wrongly interpreted by the interested parties as the Supreme Court has not changed the definition of domestic industry as defined under Rule 2 (b). It has been argued that a plain reading of the Supreme Court judgment clearly reveals that by using the words "domestic industry as a whole", the Court is merely emphasizing the fact the Authority has to assess injury and compute NIP for all units constituting the "domestic industry". The words "domestic industry" has to be given the same meaning as given in the definition and under the Rules, particularly when the Supreme Court has not said anything contrary to the definition or quashed the same. If an interpretation is sought to be placed that the injury and NIP has to be determined for all the producers in the country, it would tantamount to reading the words "domestic industry as a whole" as "domestic producers as a whole", which is neither said nor intended in the said order. It may be added that the NIP is determined for the defined domestic industry; it has to be made applicable to the entire country. This is what has been referred to as country specific in the

Reliance judgment and this is also the current practice of the Designated Authority. Even under the WTO Agreement, the term "domestic industry" has been given a particular meaning and assigning any meaning outside the context of statutory definition would not be proper. The applicant producers command major proportion of the total domestic production and have been supported by other producers, including M/s RIL. Therefore, the applicants command standing as the domestic industry in this case to file this application before the Authority and other domestic producers are under no obligation to file their cost and injury data. However, notwithstanding the above objections, M/s RIL has filed its cost and injury data for determination of injury as per the request of the Authority.

D.3 Examination by the Authority

30. The Authority notes that there are six known producers of the subject goods in India viz. 1) M/s Reliance Industries Ltd. (RIL) 2) M/s. Finolex Industries Limited (Finolex) 3) M/s Indian Petrochemicals Corporation Ltd. (IPCL), 4) M/s. Dhargandhra Chemical & Works (DCW), 5) M/s. Chemplast Sanmar Ltd., (Chemplast), and 6) M/s. DCM Shriram Consolidated Ltd. (DSCL). Out of these producers, M/s Finolex is also a major importer of the subject goods and therefore, does not qualify to be considered as a part of the domestic industry. The application has been filed by the last four producers commanding about 53% of the domestic production of the subject goods and accordingly, constitutes the domestic industry within the meaning of the Rules.

31. M/s RIL which commands the remaining portion of the domestic production had not initially joined the application but supported the application of the other producers. In pursuance of the Supreme Court Judgment, M/s RIL was asked to file its cost and injury data for determination of NIP and injury for the domestic industry as a whole. RIL has complied with the request of the Authority and the data of this domestic producer has also been verified by the Authority. Therefore, the Authority holds that the injury investigation covers the applicants and supporters of the application which covers 100% of the eligible domestic production of the subject goods.

E. Import Volumes and De-Minimis Limits

32. The Authority has examined the volume of imports of the subject goods as reported by DGCI&S and as per the information submitted by various interested parties, including the domestic industry. The domestic industry has also provided the import data sourced from the secondary sources i.e. IBIS, Mumbai and has argued that certain import data might not have been captured by DGCIS due to description problems and misclassification under different other heads. On the basis of the import data submitted by the domestic industry at the time of initiation, the import volume from the subject countries were found to be above the de-minimis levels and further on the basis of prima-facie evidence of dumping from the subject countries, injury to the domestic industry and causal link

between the dumping and injury, the Authority initiated this investigation against the countries named in the initiation notification.

33. However, the interested parties have argued that Imports from European Union (EU) taken as a territory is above de-minimis level and hence EU too needs to be included in the countries for investigation purposes—to consider cumulative assessment of the effect of imports including those from EU, in terms of the provisions of the anti-dumping rules. It has been argued that the import prices from the EU, given by the petitioners themselves, show that they are quite low and in some cases lower than those from the subject countries. Therefore, if such low prices from EU are not causing any injury to the domestic industry, imports from the subject countries cannot cause injury to the domestic industry. The interested parties have reiterated their arguments in their post disclosure submissions.

34. Domestic Industry, in its submissions has argued that such submissions of interested parties are without any basis or supported by actual data. Prices from some of the individual countries of the territory (EU as a whole) have been flashed by the interested parties to claim that they were lower than subject countries. It has been argued that such an approach is against the basics of anti-dumping investigations. The law does not carve out an exception for imposition of duty when the conditions of imposition are not satisfied i.e. when there is dumping, injury and causal link.

35. The Authority has examined the import data of the subject goods as provided by the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics and IBIS and it is noticed that the imports of the subject goods from the individual member countries are very small and account for very small percentage of total imports during the POI. However, cumulatively these imports constitute about 6% of total imports of the subject goods to India. But the average price of imports from these countries, taken together as well as considered separately, is significantly higher than the average price from the countries named in this investigation.

Country	MT	Rs. Lacs	Average Price Rs./MT	Share
Total Subject Countries	215947	79067.85	36614.00	85.03%
Total EU	15506	5786.30	37315.62	6.11%
Total	253975	92647.33	36478.87	100.00%

36. The Authority also notes that an investigation can be initiated against a country or territory only when there is sufficient evidence of dumping from that country or territory and consequent injury on account of such dumping, with further conditions that the volume of imports from such country or territory, is not negligible and the margin of dumping is not de-minimis. In the instant case, there is no allegation of dumping from the member countries of the European Union though the cumulative volume of imports from that territory is significant and

above de-minimis level. The price level from this territory is also significantly higher than the price from the subject countries under investigation. Therefore, the Authority does not find any merit in the arguments of the interested parties for inclusion of the European Union in the investigation.

F. Other submissions and issues raised by interested parties

F.1 Confidentiality issues

F.1.1 Domestic Industry

37. The domestic industry, in its various submissions have inter-alia raised several issues on confidentiality and inadequate disclosures made by the exporters and other interested parties and has inter-alia argued that the responding exporters have failed to fulfill their obligation under the Indian law by not providing the meaningful summary of the response to exporters' questionnaire. It has been argued that the exporters have claimed excessive confidentiality without any justification and Non-Confidential Version (NCV) of the questionnaire response has not been given for all the information contained in the confidential version without assigning any reasons. It was obligatory for the exporters to give proper statement of reasons as to why confidentiality was claimed and why summarization was not possible for certain information. Even, the NCV is not in sufficient detail to permit a reasonable understanding of the substance of the information submitted in confidence. This has resulted in depriving domestic industry a legitimate right to make effective submissions as contemplated under the object and scope of framing of provisions on confidentiality. It has been argued that the law provides that if the authorities find that a request for confidentiality is not warranted and if the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in generalized or summary form, the authorities may disregard such information. The domestic industry has further argued that the questionnaire responses by the responding exporters are grossly deficient and do not respond to a number of questions raised therein. Therefore, the Authority should disregard the response of the exporters and declare them as non-cooperative by denial of individual treatment.

F.1.2 Other Interested parties

38. Commenting on the confidentiality claims of the domestic industry the Organization of Plastic Processors of India, representing the industrial users of the subject goods has raised the issue of insufficient non-confidential disclosure of information by the domestic industry in their non-confidential petition. It has been argued inter-alia that the evidence as to calculation of normal value in the NCV is incomplete and the Industrial Users are unable to comment upon the allegations of dumping of imports of the subject goods from the subject countries for the reasons that details of methodology and elements of determination has

not been disclosed by the applicants. It has been argued that the Petitioners has not fulfilled even the bare minimum requirement of providing non-confidential summaries of the information relied upon in arriving at the normal value and has significantly hampered the right of the industrial users to submit itself in this investigation.

39. M/s Formosa Plastics and M/s LG Chem in their submissions have also raised the issue of excessive confidentiality claim of the domestic industry in its petition and has argued that the petitioners have not submitted any information in NCV of part VI of the application which has deprived the interested parties to comment on the crucial issue of cost of production and other parameters flowing from this part which forms the basis for determination of NIP.

F.1.3 Examination by the Authority

40. As far as the confidentiality and insufficient non-confidential disclosure of information by the parties to the investigation is concerned, the issues raised by the parties have been examined. The Authority notes that to the extent possible and practicable the confidentiality claims of various parties submitting the information have been examined and admitted on the basis of nature of information provided by the parties. The information, such as cost and price information of the parties involved, which are by nature confidential, have been treated so by the Authority and the non-confidential summaries submitted by the parties have been placed in the public folder.

F.2 Timely submissions of comments

41. Responding to various objections raised by the interested parties to the initiation and standard of initiation in their legal submissions after the public hearing, the domestic industry has argued that it is apparent from the public file that none of the interested parties has filed their comments on initiation within the prescribed time limit from the date of initiation notification. Therefore, the interested parties cannot be allowed to raise any objection with respect to the initiation of the present investigation at such a later stage and the same may not be taken on record. It has been argued that it is not open for the interested parties to raise all kinds of issues at all points of time. If the issue relates to initiation, the interested parties can offer their comments at that stage itself within the prescribed time limits.

42. The interested parties have argued that there is no such stipulation in the law that objections to initiation has to be filed within 40 days from the date of initiation as argued by the domestic industry and they have the right to raise the issues during the course of the investigation.

43. The Authority notes that the exporters, importers and other interested parties have filed their questionnaire response within the prescribed time and

also filed their written submissions and rejoinders after the public hearing within the stipulated time. Therefore, the objections raised by the domestic industry in this respect are not tenable.

44. The domestic industry, in its various submissions, has also commented upon the questionnaire responses filed by the participating exporters and has argued that there are significant deficiencies and inadequate information in those questionnaire responses and therefore, those submissions of the exporters should be rejected and all of them should be declared non-cooperative.

45. The Authority notes that on the basis of comments of the domestic industry and examination done by the Authority, the participating exporters were asked to submit additional information to the extent required for this information. The exporters have complied with those requests from the Authority and the responses filed by the exporters have also been verified by the Authority to the extent required and feasible. Therefore, the arguments of the domestic industry in this respect have not been found to be tenable.

F.3 Miscellaneous submissions and injury arguments by interested parties

F.3.1 Organization of Plastics Processors of India and M/s Formosa Plastics, Taiwan

46. The above interested parties have argued that analysis of injury parameters would show that the petitioning domestic industry does not suffer material injury as the capacity, production and sales have increased significantly and the petitioners have failed to provide information on all listed parameters of injury as mandated under Article 3.4 of the Act. Information about the performance of the petitioning companies as available in the public domain indicates a very healthy position. Therefore, their claim of injury is not justified. It has been further argued that third countries' average prices are in the same band of prices, or even lower as compared to the imports from the subject countries indicating thereby that there is no causal link between the imports from the subject countries and injury allegedly suffered by the petitioners.

F.3.2 Diamond Pipes & Tubes Pvt. Ltd

47. The above interested party has submitted that the PVC resin manufacturers in India are increasing and decreasing prices very often as per their wish, without any substantial change in their input costs. They also stop the supply 5-7 days before of any upward price revision creating scarcity of the product and affecting production of small-scale industries. Hence, any change in the duty structure by imposing Anti-Dumping Duty will lead to further monopoly and cartelization and put the thousands of small-scale industries into inconvenience and hardship. The demand of PVC being higher than the

domestic production and with the growth of over 12% in the industry, the imports are a necessity to meet the shortfall and also to keep on check the price of local manufacturers.

F.3.3 Association of ISI PVC Pipe Manufacturers of Tamil Nadu

48. The Association in its brief submission has argued that local demand of PVC Resin is growing by almost 8 to 10% per annum and the PVC Resin manufacturers are adopting frequent price changes especially when the prices are to be increased based on international offer and non-availability for short period. If anti-dumping duty is imposed on the subject goods, it will increase the raw material price of the user industry and remove the competitiveness of the small-scale industrial sectors forcing them to close the industries. It has been argued that PVC pipes made out of PVC Resin was recognized by the Government as one of the key inputs for the growth of agriculture, rural water supply management and sewerage applications, etc. Abnormal price increase/decrease by the PVC resin manufacturers very often has seriously affected the working of thousands of small and medium scale industries who are at the mercy of procuring the raw materials from local PVC resin manufacturers.

F.3.4 M/s Premier Poly Film Ltd and M/s RMG Poly Vinyl India Limited

49. The above interested parties have argued that the applicants have mentioned in their petition the name of almost all the countries from where PVC suspension grade is being imported except European countries, which shows that only European countries are not dumping their goods into India below its normal value. It has been argued that the goods are not being sold below its normal value or dumped into India as alleged. The Custom Authority assess the import consignment based on Platt's Polymer price applicable for above countries irrespective of invoice value, thus, the imported material becomes at par with the domestic price and sometimes, slightly higher.

F.3.5 M/s Sankhala Industries

50. It has been argued by this party that whereas the prices of PVC resin has gone up in the domestic market, there has been marginal change in the prices of feed stock in the corresponding period and the domestic manufacturers are correcting the prices in tune with the international prices. During this period, the local manufacturers have enjoyed the custom duty arbitrage and priced the product taking note of the custom duties and CIF landed costs for the imports and the conversion factor for currencies i.e. USD to INR. International price of PVC Resin has been fluctuating according to market conditions in the world. The custom duty arbitrage between inputs for manufacturer of PVC Resin such as EDC/VC and PVC resin itself was very high which helped all the local manufacturers to make bumper profits. It has been argued that the Resin manufacturers in India have formed cartel and are increasing the prices or

reducing month on month basis without any substantial change in the input costs. They have been keeping the price artificially higher and making profits whenever the international prices have moved up notwithstanding the fact that the buyers have not imported during the period. Any change in the duty structure by imposing anti-dumping duties will lead to further monopoly/cartelization and put the thousands of small-scale industries into inconvenience and hardship.

51. It has been argued that the local manufacturers of PVC resin have been correcting the prices both up and down with the international trend either weekly or monthly since last few years. The changes effected are at least 12 to 20 times a year which are based on the international pricing trend and Platt report which is released every Wednesday from the far-east and considered authentic equivalent to LME for metals. Further, the demand and supply are the only basis on which prices change and all the exporting countries are adopting this method to price the product. India has witnessed shortages since last three years due to no additional capacity has been built up and demand has exceeded supply, the local manufacturers were arbitrarily increasing the prices for generating more profits. All the local manufacturers have been able to sell all their productions notwithstanding the import and are profit making.

52. It has been argued that there is no threat from dumped imports as some of the domestic industries have planned investments and further growth of the domestic industry and are expanding to meet the unprecedented growth in the construction boom and telecom revolution where PVC pipes are used. It has been argued that M/s. Finolex has doubled its capacity and are utilizing the same in 2006-07. M/s. Chemplast is expanding with a new facility by 2,00,000 MT at Cuddalore in 2007-08. M/s. IPCL/RIL have expansion plans for doubling in the next five years which is confirmed by Board resolution in the respective firms.

53. Hence, the demand being higher than the local production and with the growth of over 10% in the industry, the imports are a necessity to bridge the shortfall till the expanded capacities come into full production. Therefore, any curtailment due to anti-dumping duty will result in higher domestic prices and act as hindrance in growth.

54. It has been argued that M/s. Finolex Ltd, which is also manufacturer of PVC Resin in local market, has also been importing PVC resin for their pipes plant as well as cable plant since last several years taking advantage of the competitive pricing and maximizing the profits by selling their resin local at higher prices, indicates that the local manufacturers do not have inventory nor are able to meet the local demand. The profitability of this company is on the rise and the company is also adding significant capacity. It has been further argued that the profits and ROCE of the companies are maintained and the companies are going for expansion. M/s. RIL and M/s. Finolex Industries whose production accounts for about 47% of the total production are not parties to this petition, which means there is no dumping.

F.3.6 M/s Marvel Vinyls Ltd.

55. M/s Marvel Industries Ltd. in its submissions has argued inter-alia that there is no significant difference in average rates of the subject goods charged by exporters from the countries subject to investigation and other countries. Therefore, discriminating against the subject countries is not justified. They have also argued that actual price of the subject goods in the countries involved should be obtained for determination of Normal Value (NV) instead of Constructed Normal Value (CNV) suggested by the Domestic industry and export price and adjustments should be taken from reliable sources. It has been argued that the increase in import is due to significant increase in demand without corresponding increase in domestic production. The petitioners have added significant capacities during this period. It has also been argued that the prices of PVC resin is directly linked to the price of feedstock and has remained volatile through out the period of investigation and the domestic producers have also changed their prices as per the trend of international prices on more than 12 occasions.

F.3.7 All India Federation of Plastic Industries

56. All India Federation of Plastic Industries, in its submissions, has inter-alia argued that

- The petition is based on 'Constructed Value' approach for determination of 'Normal Value' under the plea that the domestic market price in each of the eight subject countries is not available. It has also been argued that onus of obtaining the prices in the domestic markets of exports in the subject countries lies on the petitioners and the same can neither be shifted to the respondents or to the Authority. It has been further argued that determination of NV should follow the hierarchy laid down in the Rules. 'NV' therefore must be determined with respect to prices prevailing in each of the subject eight countries.
- It has been argued that PVC suspension grade is used by the user industry which manufacturers finished goods such as pipes and pipe fittings and plastic footwear and the Government has been recently making huge efforts for development work so that poor sections of society are uplifted. All such development work, where pipes and fittings are used will be very badly affected if anti-dumping duty is imposed on this product.
- That the domestic industry does not have the capacity to meet the entire demand in the country. During the period of investigation, while the total demand of PVC suspension grade was 1061920 MT, the total production of the domestic industry by all units was 747727 MT. Thus, the shortfall in supply during POI was met through imports of 215947 MTs, as per petitioners' own statistics. Thus, imports were inevitable no matter to what levels the domestic industry stretched their production capacity.

- That the domestic industry was operating above 100% capacity utilization and the drop in capacity utilization during the POI is due to capacity addition during this period. It is common knowledge that there are plants shut down and other reasons, due to which it was not possible to achieve 100% capacity utilisation. The average capacity utilization at 80%, in any industry at international level, is in fact considered very good.
- All the four units and RIL as well as M/s Finolex have been painting very rosy picture in their annual reports, in respect of demand and sale of PVC suspension grade.
- That the prices of PVC suspension grade is moving in tandem with prices of crude petroleum and prices of their raw materials like EDC and VCM. Therefore, it is not correct to say that there has been any dumping as the prices are governed by crude oil prices which have been fluctuating very widely at international levels in the recent past.
- That not only prices are completely dictated by the domestic industry, but the quantity of supply is also being restricted, in order to create a shortage in the market. The domestic industry has further strengthened the cartel, in order to dictate prices.
- As claimed by the petitioners, the volume has increased from the subject countries but at the same time, the volume of imports has also increased substantially from other countries, specifically the EU, not alleged for dumping. The import prices from the other countries are also more or less in the same range.
- That the data presented by the petitioners indicate that while imports have been rising, the capacity utilization of the domestic industry was also going up simultaneously. Because of very positive prevailing market situation only, the domestic industry thought it appropriate to invest in expansion of the installed capacity, which went up by nearly 10% in 2004-05. Had the market situation not been positive, the domestic industry would not have made investment in up-gradation of the installed capacity and may have found it difficult to fund the project. Therefore, rise in import of the subject goods is totally immaterial for the purpose of determination of injury to the domestic industry.
- The annual reports of the applicant companies would show that during 2004-05 onwards, the demand in India has increased tremendously, which even the domestic industry could not project correctly. The use of PVC has also expanded in the areas like construction, infrastructure and irrigation, etc. in a big manner. Per capita consumption of PVC in India is far lower as compared to per capita consumption globally. With new thrust on the promotion and modernization of agriculture sector, the use of PVC is expected to grow manifold.
- Because of the sudden demand in the above-mentioned sectors, from 2003-04 onwards, the demand supply situation get reversed and imports become inevitable to cater the higher demand of PVC in India. The Indian producers also started expanding their capacities by way of expansion/de-bottlenecking of existing capacities. In the process, the production

during 2004-05 and POI was also affected. During the same period, M/s. Finolex, one of the largest producers of the subject material in India also started expanding its capacities which has affected its productivity. M/s. Finolex in the circumstances also imported the material in substantial quantities to cater to the growing needs of the agricultural and construction industry.

- In the circumstances, the volume of imports has increased but at the same time the prices of the imports remain constant as per the international trend. In fact, the prices of PVC increased substantially during 2004-05 along with the volumes in India, during POI, volumes have increased but the prices fell down little bit during the mid of POI but started increasing from July/Aug'05 onwards. Further, after POI the import quantities have been reduced and prices have firmed-up as per the international trend. The quantities of imports have declined after POI due to increased capacities after expansion/de-bottlenecking and better capacity utilization by the domestic industry. Here, it may be noted that after POI, though the quantities have reduced, the prices have increased instead of decreasing as exporters have no intention to dump the material at lower price and capture the market share in India.
- PVC is a commodity and the prices of PVC are moving world-over as per the international trend in the market. Not only the PVC, but also the prices of raw material used for the production of PVC, like EDC and VCM, move internationally in line with the movement of PVC price. The price movement of PVC, EDC and VCM as per PLATT for the year 2003, 2004 and 2005 shows that the prices of all the three are moving simultaneously in tandem.
- The Petitioners have claimed that the landed value of imports has declined by 14% during POI as compared to preceding year 2004-05, but it has increased slightly as compared to the base year 2002-03. The basic customs duty during 2002-03 was 30%, which has come down to 10% during 2005-06. The CIF of subject material has rather increased substantially as compared to 2002-03 though the quantities of imports has increased which was inevitable because of rising demand and lower supplies by the domestic producers due to their plant shutdowns on account of expansion/de-bottlenecking/non-availability of raw materials. This shows that exporters have no intention to reduce the price and dump the material in India with an intention to cause injury to domestic industry.
- The petitioners have claimed that the market share of the domestic industry has declined during the injury investigation period. For the purpose of domestic industry's market share, the petitioners have very cleverly mentioned about the market share of four petitioner companies only. Respondents submit that if the market share of RIL and Finolex is added in the total of the petitioners share, an entirely different picture will emerge.
- The decline in profitability can be for various other reasons such as sharp rise in wages, as in the present case, one-time expenditure on account of

VRS as in IPCL and several other factors. Further, there is a robust increase in profits by the petitioners. Only, in the case of Chemplast in the year 2003-04, the profit declined from the previous year i.e, 2002-03. In fact, the worst sufferer is Finolex, which has not joined in the petition. Thus, there is no continuous decline in profits as claimed by the petitioners. Further, decline in profitability, if any, is not related to imports, as can be seen from the example of Finolex.

- There has been no price undercutting from the imports from the subject countries and therefore, the dumped imports could not have caused any injury to the domestic industry.
- The Domestic industry has been depending on the import of their raw materials and the PVC prices in the international market have been moving in tandem with the EDC/VCM prices. The domestic industry has no reason to complain as the prices of both PVC as well as Caustic Soda have remained good.
- The domestic industry has been selling the materials at dictated prices which are reflected in the capacity utilization beyond 100%. If they were incurring losses and were not able to realise genuine profits, they would have certainly not worked at more than 100% of their installed capacity. It is not correct to state that exporters from the subject countries have been depressing and suppressing the domestic price. The export price from the subject countries have moved in tandem with the cost of the main raw materials and this is also proved by the prices given in PLATT Bulletins. Prices have not gone uniformly up and there is no uniform depression as alleged.
- The contention of the petitioners that domestic industry has lost market share to the extent of 24% during POI as compared to the base year is quite misleading. It has already been stated that domestic industry has been working at near full capacity and even beyond the installed capacity. Further, the domestic industry made fresh investment in increasing the installed capacity, since they had already reached 121% of installed capacity for production of PVC in the year 2003-04. There was no way that this figure of 121% could move upwards in accordance with the rate of growth in market demand. Even after expansion, they have achieved 94% of capacity utilization very quickly. Therefore, there is no question of loss of market share as stated by the petitioners and there is also no direct threat to survival which prima-facie is a misleading statement in view of the utilization of installed capacity.
- The petitioner's contention that there has been material injury to the domestic industry is not correct and the threat of material injury being eminent is equally incorrect. –

F.3.8 The All India Plastic Manufacturers Association

57. The All India Plastic Manufacturers Association, in its submissions has argued that volatility of PVC Resin is positively not based on the volatility of

crude prices but has become a common phenomenon of international pricing. The countries named in the petition are having huge installed capacities of VCM/EDC/PVC and as such they have to follow the international trends to maximize their profits. The Indian manufacturers have also based their prices based on the landed cost of PVC Resin from abroad. The domestic manufacturers have taken full advantage of the higher duties on PVC all these years and under group guidance have conducted the business by fixing up their prices based on international pricing instead of basing on their production costs which could vary from producer to producer. It has also been argued that the Indian producers export the subject goods at huge discounts in line with the international prices.

58. It has also been submitted that the resin prices of K value 57-60 and K value 67 are many times same. Some manufacturers charge USD10 per ton more for K value 57-60. However, Indian PVC manufacturers have kept Rs. 2500/- basic price difference between these K values and controlled production.

59. The association has also raised the issues of gap in demand and supply in the domestic market and inevitability of imports to fill the gap, capacity utilization of the domestic industry, and profitability of the industry as has been raised by the other interested parties.

F.3.9 M/s LG Chem, Korea

60. M/s LG Chem in its submissions has raised the issue of excessive confidentiality claim of the domestic industry as recorded earlier. It has also been argued that the domestic industry should also file grade-wise (K-value-wise) information on cost of production, sales realization and other parameters as the exporters have been asked to file grade-wise information.

F.3.10 M/s Taiyo Vinyl Corporation

61. Commenting on the Domestic industry's claim that none of the interested parties have filed their comments on initiation within 40 days of initiation notification, therefore, they shall not be allowed to raise any issue relating to initiation thereafter referring to the WTO Appellate Body Report in the case of *US: Sunset Review of Oil Country Tubular Goods from Argentina* (WT/DS 268/AB/R). M/s Taiyo Vinyl Corporation has submitted that the decision of the appellate body was in the context of sunset review and not in the context of an original investigation. Further, neither the anti-dumping agreement nor the Indian law provides that no issues regarding initiation shall be raised after 40 days of the initiation of the investigation. Such a contention would be a violation of the first sentence of Article 6.2 which states throughout the anti-dumping investigation all interested parties shall have a full opportunity for the defense of their interests.

62. It has also been argued that domestic industry has failed to file a NCV of Part VI – Costing Information of the application. The authority may direct the domestic industry to file a NCV of the same. If the information relating to costs and prices are confidential for the domestic industry, similar treatment ought to be given to the exporters also.

F.3.11 M/s LakshmiKumaran and Sridharan

63. M/s LakshmiKumaran and Sridharan representing the following interested parties have made similar submissions on behalf of the parties represented by them:

- China Chlor-Alkali Industry Association, China PR
- M/s. Xinjiang Shihezi Zhongfa Chemical Co. Ltd. & M/s.Xinjiang Tianye Foreign Trade Co. Ltd.
- M/s. Yichang Yihua Pacific Cogen Co. Ltd. & Hubei Yihua Group Co. Ltd. & M/s. Shandong Ocean Chemical Import & Export Limited Company
- M/s. Shandong Ocean Chemical Chlor-Alkali Resin Limited Company
- M/s. Qingdao Haijing Chemical (Group) Co., Ltd., and
- M/s Malaysian International Trading Corporation SDN. BDH

64. In the submissions made on behalf of these interested parties, it has been argued that the application of the petitioners is grossly deficient in many respects and should not have been accepted by the Authority. One of the four petitioners viz. M/s Indian Petrochemicals Corporation Ltd (IPCL) is related to another domestic producer of the product concerned namely M/s Reliance Industries Ltd. (RIL). Of the two Reliance Group companies that manufacture the product concerned, only one of them has joined the petition. Therefore, one can easily presume that RIL is not at all suffering injury from the 'alleged' dumped imports and if their data is included, injury to the domestic industry might not be substantiated. It is a well established custom in anti-dumping cases that operations of related companies concerning the product concerned are examined together. RIL and IPCL put together command a market share of 53%. However, Reliance group has chosen to give information only with respect of 22% of the market share held by them and to hide the information relating to 31% of the market share, though they hold all the relevant information with them. It has been argued that Authority is required to determine NIP for the Indian industry as a whole in terms of the Supreme Court decision in Reliance Industries Ltd Vs DA & Others [In Purified Terephthalic Acid from Spain, Japan, Malaysia and Taiwan, Civil appeal No.1294/2001]. RIL is the appellant in the said case and they should abide by the decision of the Hon'ble Supreme Court.

65. It has been argued that the construction of NV by the petitioners based on the experience of the domestic industry is legally flawed. Use of data based on the experience of importing country or the complaining domestic producers is not permitted under the rules. It has to be based on the conditions prevailing in the

'country of origin'. Therefore, CNV projected by the petitioner is violative of the relevant legal provisions. The exporter has also questioned the estimation of export price based on secondary data sources and adjustments made.

66. In addition to the above, the exporter has raised several issues on the injury and causal link claims of the domestic industry which is similar to the arguments of other interested parties recorded above.

F.3.12 Domestic Industry

67. Domestic industry in its submission has stated that the subject goods have been subjected to investigation by various countries. As per information of the domestic industry, following countries have initiated anti-dumping investigations against subject goods and have resorted to measures at appropriate levels:-

- a. China: against USA, Korea, Japan, Russia & Taiwan
- b. Turkey: against China PRC
- c. Australia: against USA, Japan, Israel, Hungary, Thailand & Korea
- d. Pakistan: against Korea & Iran

68. Therefore, clearly, majority of participating interested parties have been found to be habitual dumpers in most of such investigations including LG Chem., LG International Corporation, Hanwha Chemicals, Formosa Plastics, Taiyo Vinyl Corporation, Taiyo Plastics Corporation, and Kaneka Corporation. It has been argued that none of the exporters or producers, during the hearing, denied that they are not dumping their subject goods in India. Most of the present interested parties are only resorting to "country hopping" once they find that their supplies are blocked in other jurisdictions.

69. As regards the issues of injury and causal link, the domestic industry has argued that none of the interested parties have made any submissions disputing the claims of the domestic industry which have been duly substantiated in the petition. The domestic industry submits that the financial condition of the domestic industry has become very precarious which is apparent from the fact that the imports made at extremely low values and at dumped prices and there has been a substantial rise in imports from the subject countries. Dumped imports from the subject countries have increased from 69% to 85% as a share of total imports, 2.25% to 20.34% as a share of total demand and 2.55% to 28.88% as a share of domestic production. The landed value has declined by 14% over the preceding period despite increase in the raw material prices. The domestic prices have also declined by 10% over the preceding year due to dumped imports. The effect of these factors can be seen in the form of decline in market share from 46.44% to 37% while the domestic demand has grown by 43% during the injury period. Capacity utilization has declined from 114% to 94% during the POI. Sales Value has negligibly increased from 100 to 104 but the raw material costs alone have gone up from 100 to 117. Profit per unit has come

down from 100 to 3.34 (indexed). ROCE has declined to a meager 1% during period of investigation. Price underselling despite suppression of prices is visible. Price undercutting is indeed positive but this is due to the fact that the domestic sales attract an element of 4% sales tax/VAT which is not there in the case of imports. Therefore, the prices of the domestic industry have to be adjusted to match the landed value of imports. It has been argued that none of the so-called exporters had made any claim of sales to India at fair and undumped prices during the public hearing.

F.4. Examination of the issues by the Authority

70. The Authority notes that in the above submissions the interested parties have raised the issues of injury claims of the domestic industry and certain public interest concerns. These issues raised have been examined in appropriate sections in this finding.

G. Dumping Determination

71. As recorded in the previous section, 11 producers from China PR, 2 producers from Japan, 2 producers from Korea RP, 2 producers from Taiwan, one producer from Thailand, one producer from Indonesia submitted their questionnaire response in this investigation. However, due to participation of large number of producers-exporters from China PR, Authority resorted to sampling in terms of Rule 17 of the Rules for determination of dumping margin in respect of the Chinese exporters and selected three producers for detailed examination:

72. One of the responding exporters from Japan i.e. M/s Kaneka Corporation, Japan has pleaded that the goods exported by them is of specialty grades/types and as such those grades/types are not covered within the scope of product under consideration. Therefore, they have pleaded for their exclusion from this investigation. However, they have not filed complete questionnaire response for any meaningful determination of their dumping margin.

73. In addition to the two responding exporters from Taiwan, another exporter viz. M/s China General Plastics Corporation also has intimated vide e-mail dated 22nd November 2007 that they had sent the questionnaire response to the Authority in August 2006. However, these responses have not been received by the Authority. The exporter has also not made any communication with the Authority after August 2006 till 21st November 2007. Therefore, this exporter has not been considered for examination. This exporter has also mailed the copies of certain submissions and questionnaire responses supposed to have been filed and after disclosure of essential facts have made a plea that since their submissions have not been taken on record they should be provided an opportunity to request for a review.

74. The data submitted by other co-operating exporters to this investigation were verified in accordance with the Rules and reports of such verification carried out by the Authority were made available to the exporters for their comments. The dumping margins in respect of these exporters have been worked out based on the verified data taking into account the comments of the exporters to the verification reports to the extent they are relevant and valid.

G.1 Methodology of determination

75. The Authority notes that the Hon'ble Supreme Court of India, in the Civil Appeal No. 1294 of 2001, M/s RIL Vs Designated Authority & Others, has held that normal value is not exporter-specific but exporting country-specific.

76. In pursuance of the above orders, Normal values of the subject goods for the subject countries have been determined. For the purpose of such determination, normal values of individual product types/grades have been determined first for the individual co-operating exporters and then a single weighted average normal value has been worked out for each of the product types/grades of the product under consideration at the product type/grade levels for the exporting country as a whole based on the normal values determined for the co-operating exporters; to the extent the grades/types are identical. These country-specific normal values at the product type/grade levels have been compared with the export prices for the corresponding product types/grades of the individual exporters to determine individual dumping margins at product type/grade levels of the concerned exporters. The weighted average dumping margin for each exporter has been calculated on the basis of the product type/grade level dumping margins for that exporter. In their post disclosure submissions the domestic industry as well as several exporters have argued that determination of country specific normal value is not in order and violates the principles of the Agreement. The domestic industry has argued that computation of single normal value in terms of the Supreme Court Judgment is provided for the non-cooperative exporters and not for the cooperative exporters. It has been argued that individual normal value is required to be determined for each cooperative exporter separately. In this connection the Authority notes that the determination of the normal value has been done keeping in view the above judgment as explained above and therefore, the arguments of the domestic industry cannot be accepted.

G.2 Thailand

a) Normal value: M/s Thai Plastic and Chemicals Public Company Limited (TPC), Bangkok

77. In response to the above anti-dumping investigation initiated by the Designated Authority, only one exporter from Thailand i.e. M/s Thai Plastic and Chemicals Public Company Limited (TPC), Bangkok filed its questionnaire

response and also responded to subsequent clarifications. On-the-spot investigation and verification of the data submitted by this producer-exporter was also conducted in the premises of the producer-exporter in accordance of the Rules. On the basis of the data submitted by this exporter and verified by the Authority, Normal Value for this co-operating exporter has been determined. Since there is no other co-operating exporter from this country, the Normal values determined for this exporter at the individual grade levels has been adopted as the normal value for Thailand as a whole as per the Hon'ble Supreme Court of India judgment quoted above

78. This is producer of the subject goods in Thailand and has two integrated production facilities in Thailand with a total capacity to produce ***** MT of PVC Suspension Grade from Ethylene and Chlorine. Cost of production of PVC suspension grade was verified as per the records maintained by the company for conducting ordinary course of trade test.

79. The company has made ***** transactions in the domestic market for total quantity of ***** MT of PVC resin covering several grades of PVC. However, the company has exported only two grades of PVC resin to India during the POI. The company has significant quantities of sales of these two grades (***** MT and ***** MT respectively) in its domestic market during the POI. Therefore, for the purpose of fair comparison, sales of these two grades in the domestic market and sales to India have been considered as like articles.

80. Out of total sales of ***** MT of the two specific grades in the domestic market, the company has sold ***** MT to its 3 affiliated companies in Thailand at an average price of *****baht per Kg. These affiliated companies are major users of PVC resin and sales are directly to these companies without involvement of an agent. Balance ***** MT has been sold to unaffiliated customers at *****baht per Kg. Therefore, price structure to the affiliate does not show any significant difference and accordingly all sales transaction in domestic market for the above two grades have been examined for determination of normal value in Thailand.

81. The company sales the goods in the domestic market through certain agents and also sales directly to the customers. The agent-sales are on commission basis and the company pays a commission of *****% on all sales through the agents. Such transactions are against bank guarantees for which the guaranty fee and interest costs are also borne by TPC.

82. The company has claimed that since the transactions to India are through agents, for the purpose of fair comparison at the same level of trade, only domestic sales through the agents should be considered. However, the Authority notes that export sales to India are both, through agents and direct. The exporter has claimed all such adjustments towards the level of trade in their transaction-wise data and the selling price has been brought back to the ex-factory level for

the domestic sales. Therefore, it is appropriate to compare the export sales and domestic sales at the ex-factory level, irrespective of channel of distribution used.

83. For domestic sales, the resin is packed in 25kg two ply paper bag which can be loose stuffed or palletized. The company also sales the goods in the domestic market using jumbo packs or flexi packs. Certain major users also buy the resin in bulk using tank cars. Accordingly, average packing cost for packed materials has also been adjusted from the domestic selling prices of relevant transactions. Adjustments towards credit cost for the credit period against domestic transactions has also been allowed towards the credit period against the transactions involving credit to customers/agents.

84. The cost verification indicates that the costs of production of the two grades are same and average cost works out to *****Baht per Kg. The domestic transactions of these two grades were in sufficient quantity and not affected by affiliation as recorded earlier. Therefore, all transactions of these grades, after deducting all direct selling expenses have been subjected to ordinary course of trade test with the above cost of production including SGA expenses upto the ex-factory level.

Total Sales MT	*****
Profitable Sales MT	*****
% of Profitable sales	86%

85. Since profitable sales are more than 80% of total sales all domestic transactions are required to be considered for determination of normal value for this producer/exporter.

Product	Net Invoice		Total	Net Value	Ex-Factory Price
	Qty. (Kg)	Value (Baht)	Adjustments		
Code			Baht	Baht	(Baht/kg)
SG660G2	*****	*****	*****	*****	*****
SP660G2	*****	*****	*****	*****	*****

b) Export Price: M/s Thai Plastic and Chemicals Public Company Limited (TPC), Bangkok

86. During the POI, this co-operating exporter has exported ***** MT of the subject goods to India against ***** transactions. Out of which, ***** MTs have been exported through 5 traders' ex-stock and rest *****MT has been exported directly to India through their commission agents. Sales through traders are invoiced to the traders and goods have been shipped directly to India. Direct sales have been invoiced to India and payment has been realized against such transactions.

87. Against these invoice prices, the exporter has claimed adjustments against various direct selling expenses, including interest expenses, credit costs, commission, packing expenses, inland and ocean freights, insurance, terminal handling charges, labour cost and liff off charges, customs charges, gate charges etc. No discount or rebate has been paid by the company against any of the transactions. Direct selling expenses and adjustments towards the above have been verified from the records of the company and have been allowed to arrive at net ex-works export price. Taking into account the invoice prices and various direct selling expenses, net-ex-works export price of individual types of PVC has been worked out at ex-factory level as follows:

Product Code	Quantity MT	Net Invoice Value (Baht)	Total Adjustments Baht	Net Value Ex-factory Baht	Price Baht/Kg
SP660G2	*****	*****	*****	*****	*****
SG660G2	*****	*****	*****	*****	*****

C. Dumping Margin: M/s Thai Plastic and Chemicals Public Company Limited (TPC), Bangkok

88. The Normal value determined for individual product types at the ex-factory level has been compared with the ex-factory export price of comparable products of the co-operating exporter to determine weighted average dumping margin for the exporter as follows:

	Quantity	Normal Value	Export Price	DM	DM
Type	MT	(Baht/kg)	Baht/Kg	Baht/Kg	USD/Kg
SP660G2	*****	*****	*****	*****	*****
SG660G2	*****	*****	*****	*****	*****
Weighted average	*****	*****	*****	*****	*****
Dumping Margin %				9.20%	9.20%

Average Exchange Rate: 40.35

d) Dumping Margin: All other exporters from Thailand

89. Dumping Margin for all other exporters from Thailand has been determined based on the product type-wise normal value determined for Thailand as per co-operating exporter's data and lowest export price of the co-operating exporter from Thailand as per best facts available. Accordingly, the dumping margin for all other exporters from Thailand works out as follows:

	NV Baht/Kg	EP Baht.Kg	DM Baht/Kg	DM USD/MT
All others	*****	*****	*****	*****
			11.31%	

G.3 Korea RP

a) Normal value:

90. In response to the above antidumping investigation initiated by the Designated Authority, two exporters from Korea RP i.e., M/s LG Chem Limited, Seoul, Korea and M/s Hanwha Chemical Corporation, Seoul, Korea filed their questionnaire responses and also responded to subsequent clarifications. On-the-spot investigation and verification of the data submitted by this producer-exporter was also conducted in the premises of the producer-exporters in accordance of the Rules. On the basis of the data submitted by these exporters and verified by the Authority, Normal Value for these co-operating exporters have been determined. Normal values determined for these exporters at the individual grade levels have been used for determining the weighted average Normal Value for Korea RP as a whole as per the Hon'ble Supreme Court of India judgment quoted above.

a.1) M/s LG Chem Limited

91. This Company has two production units producing PVC suspension grade, located at Yeosu and Daesan with a total capacity to produce *****MT of PVC Suspension Grade. The plants are fully integrated from Chlorine–Ethylene stage. The plants have dedicated lines for major grades of PVC. Cost of production of PVC suspension grade was verified as per the records maintained by the Company for conducting ordinary course of trade test.

92. The company had ***** transactions of PVC suspension grade during the POI, in the domestic market for total quantity of *****MT of PVC resin. The exporter has classified the goods into 7 grades as per the K-values and other parameters. For the purpose of determination of normal value, the like article in the domestic market was examined. The company has exported only three grades corresponding to their grades LS080S, LS100, and LS130S to India during the POI and it had significant quantities of sales of these three grades in domestic market also. Quantities of domestic sales of these three grades are as follows:

Grade	Qty of domestic sales in MT	Qty of Export sales to India in MT
LS080S	*****	*****
LS100	*****	*****
LS130S	*****	*****

Total	*****	*****
-------	-------	-------

93. Therefore, total sales of the subject goods as well as sales of these three grades as indicated above are in sufficient quantities in the domestic market. Domestic sales of the company are to affiliated customers as well as unaffiliated customers. Significant quantities have been sold to three affiliated customers and rest of the sales are to unaffiliated customers in Korea. Affiliated sales are to two sister concerns of LG Chem. Details of sales in domestic market are as follows:

Type	Customer type	Qty Kg	Value KWon	Price	Difference
LS080S	Unaffiliated	*****	*****	*****	
LS100	Unaffiliated	*****	*****	*****	*****%
	Affiliated	*****	*****	*****	
LS130S	Unaffiliated	*****	*****	*****	*****%
	Affiliated	*****	*****	*****	

94. Since the average price to the affiliated customers is lower than the average price to unaffiliated customers by more than 5%, the sales to unaffiliated customers only has been considered for determination of normal value of this exporter.

95. Against the domestic sales, the exporter has claimed adjustments towards freight, commission, credit expenses, packing cost and post-sales technical service expenses to arrive at net-ex-works price of the domestic sales. The adjustment claims on domestic sales have been verified. It is found that the exporter sales the goods in the home market for domestic consumption as well as further export processing (dollar denominated). Domestic sales to major customers operating under open account system are against credit. The credit cost has been worked out based on average outstanding payment period of individual customer. Average interest rate of *****% per annum has been taken for transactions in Korean Won based on their monthly balance of monthly short term borrowings and interests paid. Deemed export supplies against local LCs also have credit period and credit cost has been computed on the actual credit period taking into account average Dollar denominated interest rate of *****% computed using the same methodology.

96. The Company pays commission to the agents who carry out marketing activities for LG Chem. The commission amount varies from agent to agent and is based on contract which indicates the performance linked commission rates for individual agents. The commission rate varies from *****% to *****% depending upon the customer/agent.

97. The domestic sales are ex-works as well as delivered basis depending upon the customers. On delivered sales, the exporter has incurred expenses towards Inland freight from the factory to the buyer for which adjustment has

been claimed. The transport cost including handling and other expenses were checked from the monthly freight invoices traced to individual transactions.

98. The Company had claimed uniform adjustment of Kwon *****per Kg for both domestic as well as export sales on account of packing. However, it was noticed that the exporter sales the goods in the domestic market in 25 Kg paper bags, 500 Kg jumbo bags and bulk cargo in tank cars whereas for the export market, only 25 Kg bags are used. 61% (***** MT) of domestic sales are in tank car requiring no packing. Remaining quantities are in packed condition. Based on the verified cost of packaging and total volume of packed sales, average packing cost PVC in packed condition was worked out to Kwon ***** per MT for deduction from the domestic sales price transactions of PVC sold in packed condition to arrive at ex-factory level.

99. In addition to the above direct selling expenses, the exporter has also claimed adjustment on its domestic sales towards after-sales technical services provided by them to their domestic customers for product development through their technical teams in the branch offices. The exporter argued that this support is an integral part of the product sales expenses in domestic market which is not the case in the export market and therefore, adjustments towards these expenses should be allowed. However, the expense details of the branch offices submitted by the company shows that the expenses are towards salaries and employee benefits in the branch offices and therefore, these expenses do not qualify for such adjustment.

100. The domestic sales of the exporter were subjected to ordinary course of trade test based on the cost of production of the company at the ex-factory level and accordingly the ex-factory domestic selling price of this exporter worked out as follows:

Product type	Total Domestic sales (KG)	Average Price USD/MT	COP US\$/MT	Profitable sales Volume	Average Price US\$/MT	% of profitable sales	NV US\$/MT
LBS100	*****	*****	*****	*****	*****	87%	*****
LBS130 S	*****	*****	*****	*****	*****	82%	*****
LBS80S	*****	*****	*****	*****	*****	65%	*****

a.2) M/s Hanwha Chemical Corporation

101. The Company has two production units producing PVC, located at Yeosu and Ulsan with a total capacity to produce *****MT of PVC Suspension Grade. The plants are fully integrated from Chlorine–Ethylene stage. Cost of production of PVC suspension grade was verified as per the records maintained by the Company for conducting ordinary course of trade test.

102. Company has***** transactions in the domestic market for total quantity of *****MT of suspension grade PVC resin, covering several grades of PVC (P700 to P2500). For the purpose of determination of normal value, the like article in the domestic market was examined. The company has exported only three grades (P-700, P-1000 & P-1300) grades of PVC resin to India during the POI and it had significant quantities of sales of these three grades in domestic industry also. Quantities of domestic sales of these three grades are as follows:

Grade	Qty of domestic sales in MT	Qty of Export sales to India in MT.
P-700	*****	*****
P-1000	*****	*****
P-1300	*****	*****
	*****	*****

103. Therefore, sales of these three grades in the domestic market are in sufficient quantities and are like articles for the purpose of fair comparison with export to India.

104. Domestic sales of the company are to affiliated customers as well as unaffiliated customers. Significant quantities have been sold to three affiliated customers and rest of the sales are to unaffiliated customers in Korea. Details of sales in of the grades sold in export market and domestic market are as follows:

P-700	Qty	Value	Price	Difference
Affiliate sales	*****	*****	*****	
Non-Affiliate sales	*****	*****	*****	*****%
Total	*****	*****	*****	
P-1000				
Affiliate sales	*****	*****	*****	
Non-Affiliate sales	*****	*****	*****	*****%
Total	*****	*****	*****	
P-1300				
Affiliate sales	*****	*****	*****	
Non-Affiliate sales	*****	*****	*****	*****%
Total	*****	*****	*****	

105. Since the average price to the affiliated customers is lower than the average price to unaffiliated customers by more than 5%, the sales to unaffiliated customers only have been considered for determination of normal value of this exporter.

106. Against the domestic sales, the exporter has claimed adjustments towards agent's commission, credit costs and inland transport cost. The domestic sales of the company are on consignment basis and consignment agents get a

commission of average *****% on the invoice value on most of the unaffiliated sales contracts. As far as credit is concerned, credit cost on the credit period agreed between the seller and the buyer has been worked out taking into account short- term borrowing rate during POI. On the domestic invoice values, the exporter has incurred expenses towards Inland freight from the factory to the buyer for which adjustment has been claimed. The transport cost charged by the transporter includes handling and other expenses and rates have been fixed based on distances involved.

107. The Company did not claim any adjustment in domestic selling price on account of packing cost and indicated that the packing cost is included in the cost of production. However, it was noticed that the exporter sales the goods in the domestic market in 25 Kg paper bags, 500 Kg jumbo bags and bulk cargo in tank cars whereas for the export market, only 25 Kg bags are used. Domestic sales of bulk material are more than 55% of their total sales and remaining quantities are in packed condition. It was also noticed that packing cost is not included in the cost of production. Therefore, for the purpose of ordinary course of trade test as well as for comparison at ex-factory level, adjustment for packing materials been done on the domestic selling price of transactions involving packing. Based on the verified cost of packaging and total volume of packed sales, average packing cost per MT of PVC was worked out as US\$ *****per MT

108. Unaffiliated domestic sales were subjected to ordinary course of trade test against the verified cost of production and the normal value has been worked based on this data as follows:

Grade	Qty MT	Price US\$/MT	COP US\$/MT	Profitable sales volumes	Percentag e of profitable sales	NV US\$/MT
P700	*****	*****	*****	*****	95%	*****
P1000	*****	*****	*****	*****	89%	*****
P1300	*****	*****	*****	*****	92%	*****

a.3) Normal Value for Korea RP

109. On the basis of the normal values determined for individual exporters, weighted average normal value for Korea RP have been determined at product type/grade level for determination of dumping margin of individual exporters.

b) Export Prices

b.1) Export Price- LG Chem

110. During the POI, the LG Chem has exported ***** MT of 3 different grades of the subject goods to India against 3822 transactions. Out of which, *****MTs have been exported directly by the company to customers in India and balance

quantity ***** MT have been exported through traders including its affiliated trader viz. M/s LG International. The goods have been invoiced to India and payment has been realized against LC/LC at sight. Against these invoice prices, the exporter has claimed adjustments against various direct selling expenses including credit costs, commission, packing expenses, logistic expenses, insurance, customs brokerage fee and duty drawback. Individual adjustments claimed have been verified from the records of the company. Export sales to India are in 25 Kg two ply paper bags. Packing expense adjustment on its exports to India as claimed by the exporter in its questionnaire response was found to be wrong. Therefore, the packing expenses were re-worked out taking into account different types of packing used in domestic and export sales. Accordingly, adjustment towards packing cost on exports worked out to Kwon *****/ MT.

111. The drawback is claimed by the exporter and admitted by the Customs on export transactions based on the duty paid on imported raw material consumed on the export product during the POI. Adjustments towards drawback claims on the export sales as verified from the records of the company have been allowed for the purpose of determination of net EP at ex-factory level. On the basis of the above, net ex-works export price of the product types/grades of this exporter works out as follows:

Product code	Sum of Quantity (MT)	Sum of Net Invoice Value USD	Sum of Ex-factory USD	EP USD/MT
LS080S	*****	*****	*****	*****
LS130S	*****	*****	*****	*****
LS100	*****	*****	*****	*****

b.2) Export Price-Hanwha Chemical Corporation

112. During the POI, M/s Hanwha Chemical Corporation (HCC) has exported ***** MT of the subject goods to India against ***** transactions. During the POI, HCC has sold only three grades of PVC Suspension. All exports to India are on CIF term and LC at sight or usance basis. All sales except two transactions are through its affiliated trader viz. M/s Hanwha Corporation (HWC). HWC acts as a commission agent between HCC and Indian Customers against payment of fixed commission on the shipments to India under a service contract between the parties. The Commission amount takes care of documentation and negotiation of shipping documents, ocean insurance expense and sub-agent's commission less than US\$ ***** per MT. The unit price to the Indian customer is the invoice price of HWC. HCC raises the invoice to HWC excluding the HWC commission.

113. Against the export transactions, the exporter has incurred inland transport expenses, ocean freight expenses and port handling expenses, and commission paid to HWC which were verified from the records of the company. Ocean

insurance and subagent's commissions are included in HWC's commission and hence no deduction is required from the invoice value.

114. It was also noticed that the exporter has not made any allowance towards the packing cost in the export transactions though all exports are in 25 Kg paper bags. However, average packing cost as worked out above @ US\$ ***** per MT is applicable for the export transactions and deduction from the invoice prices has been made towards this cost to arrive at net export price at ex-works level. The exporter has not claimed addition of drawback amount to the export price. It was noticed that this producer imports only salt for production of chlorine and all other raw materials are captively produced in-house or procured from its Joint Venture partner in Korea. Therefore, their drawback claim of duty paid on imported inputs, on export of PVC is very marginal and hence no adjustment towards this has been claimed.

115. On the basis of the above, net export price of the product types/grades at ex-works level works out as follows:

Product code	Data				EP
	Sum of Qty (MT)	Sum of Gross Invoice Value (US\$)	Sum of Total adjustment (US\$)	Net Value (US\$)	Net Price US\$/MT
P1000	*****	*****	*****	*****	*****
P1300	*****	*****	*****	*****	*****
P700	*****	*****	*****	*****	*****

b.3) Export Price-Others

116. Export Price for other non-cooperative exporters in Korea RP has been determined based on the lowest export price determined for the co-operative exporters. Accordingly, net ex-works export price for other exporters in Korea has been determined as USD *****Per MT

c Dumping Margins: Korea RP

c.1 LG Chem

117. Normal value determined for Korea RP at ex-works level for individual types/grades has been compared with the ex-works export price of LG Chem for the corresponding product types/grades to arrive at weighted average dumping margin for this exporter as follows:

Product Type	Sum of Quantity (MT)	EP USD/MT	NV USD/MT	DM USD/MT
--------------	----------------------	-----------	-----------	-----------

LS080S	*****	*****	*****	*****
LS130S	*****	*****	*****	*****
LS100	*****	*****	*****	*****
Weighted average	*****	*****	*****	*****
DM Percentage				0.03%

c.2 Hanwha Chemical Corporation

118. Normal value determined for Korea RP at ex-works level for individual types have been compared with the ex-works export price of Hanwha for the corresponding product types to arrive at weighted average dumping margin for this exporter as follows:

	Data	EP	NV	
Product code	Sum of Qty (MT)	Net Price US\$/MT	US\$/MT	DM US\$/MT
P1000	*****	*****	*****	*****
P1300	*****	*****	*****	*****
P700	*****	*****	*****	*****
Weighted Average	*****	*****	*****	*****
DM Percentage				1.36%

c.3) All others

119. Highest normal value of all product types from Korea RP at ex-works level has been compared with the lowest ex-works export price as determined above for all other exporters from this country to work out the dumping margin for all non-cooperating exporters from Korea which works out as follows:

	NV USD/MT	EP USD/MT	DM USD/MT	DM %
All others	*****	*****	*****	8%

G.4 Indonesia

a) Normal value: M/s PT Asahimas Chemicals, Indonesia

120. In response to the above anti-dumping investigation initiated by the Designated Authority, only one exporter from Indonesia viz. M/s PT Asahimas Chemicals, Indonesia filed its questionnaire response and also responded to subsequent clarifications. On-the-spot investigation and verification of the data submitted by this producer-exporter was also conducted in the premises of the producer-exporter in accordance of the Rules. On the basis of the data submitted by this exporter and verified by the Authority, Normal Value for this co-operating

exporter has been determined. Since there is no other co-operating exporter from this country the Normal values determined for this exporter at the individual grade level has been adopted as the normal value for Indonesia as a whole as per the Hon'ble Supreme Court of India judgment quoted above.

121. The company has ***** transactions in the domestic market for total quantity of *****MT of PVC resin covering 5 grades. Domestic sales of the company are to the unaffiliated customers. Major portion of the domestic sales are through two distributors and rest are to direct customers. Sales through the distributors are partly on cash basis and partly against credit of 15 days. Sales to direct customers are on various credit terms.

122. For the purpose of determination of normal value, the like article in the domestic market was examined. The company has exported only four grades of PVC suspension grades i.e., FJ 57, FJ 65R, FJ 65S and FJ 70 to India during the POI and it had significant quantities of sales of these four grades in domestic market also. Quantities of domestic sales of these four grades are as follows:

Grade	Qty of domestic sales in MT	Qty of Export sales to India in MT
FJ 57	*****	*****
FJ 65R	*****	*****
FJ 65S	*****	*****
FJ 70	*****	*****

123. Therefore, total sales of the subject goods as well as sales of the above grades are in sufficient quantities in the domestic market.

124. Against the domestic sales transactions, the exporter has claimed adjustments towards discounts, transportation cost, warehouse expenses, insurance expenses, pallet costs, royalty and advisory fee expenses and credit costs to arrive at net ex-works prices. The adjustments claimed were verified from their records. Total distribution cost of the company was checked from the profit and loss accounts of the company and the distribution expenses statement of the company for the period 2005. It was noticed that the distribution expense of PVC includes the logistic/transportation expenses, warehousing cost, insurance expenses and handling expenses. Therefore, adjustments wrongly claimed separately on these accounts have been disallowed. The credit adjustment claimed by the exporter on a higher rate of interest has been revised taking into account Bank of Indonesia interest rate during the period.

125. As per the license agreement with its main promoter and major shareholder for production of PVC, the producer pays a royalty of *****% of its sales value in the domestic market only. Accordingly, adjustment towards this expense has been allowed on domestic sales.

126. The sales in domestic market and exports to India are in packed condition in paper bags. Therefore, no adjustment towards packing cost was required. However, the sales in domestic market are in palletized form whereas exports to India are loose stuffing of 25 Kg paper bags in containers. Therefore, an adjustment towards pallet cost only has been allowed on the domestic sales.

127. The exporter has submitted that their cost of production had a significant monthly variation due to price variation of the crude oil during this period and accordingly, their domestic as well as export sales prices varied significantly during such months. It was also argued that price variation is not in terms of grades but is a function of time and customer. Since they had export sales only during few months, it would be appropriate to compare the domestic sales of the corresponding months only for a fair comparison on transaction to transaction basis. They also submitted statements of monthly cost of production and SGA expenses as well as monthly sales and export data in support of this claim to demonstrate that the monthly cost and price variations are significant. The exporter also demonstrated that the price of different grades supplied to one customer is same during a particular month and therefore, the price differential is not in terms of grades but the prices have varied from month to month. Accordingly, the exporter has argued that the like to like comparison should be done in terms of time and not on grade to grade basis. The domestic industry, in its post disclosure submissions has argued that the determination for this exporter's should be done in the same manner in which determination has been made for the other exporters.

129. The Authority has examined the above issues raised by this exporter and notes that Rule 6(1) of the AD Rules provides that

"While arriving at margin of dumping, the Designated Authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at the ex-factory level, and in respect of sales made at as nearly as possibly the same time. Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and in terms of sale, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability"

130. In the instant case, the Company has demonstrated that their cost of production, therefore, domestic prices and export prices have varied significantly from month to month during the POI due to the fluctuation of raw material prices. It has also been demonstrated that there is no significant price variation between different grades at a particular point of time. Therefore, in terms of the above provision, the Authority finds it appropriate to compare the normal value determined on monthly basis for the purpose of fair comparison with the export prices of the corresponding months. Accordingly, monthly domestic sales have

been subjected to ordinary course of trade test based on verified monthly cost of production and normal values have been determined as follows:

Month	Sum of Quantity(MT)	Sum of net invoice value (USD)	Sum of total adjustments (USD)	Net invoice value (USD)	Net Price USD/MT	Cost USD/MT	NV USD/MT
Jan	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
Feb	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
Mar	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
April	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
May	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
June	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
July	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
Aug	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
Sept	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
Oct	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
Nov	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
Dec	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****

b) Export Price: M/s PT Asahimas Chemicals, Indonesia

131. During the POI, the Asahimas has exported *****MT of the subject goods (FJ 57, FJ 65R, FJ 65S and FJ 70) to India against **** transactions. Out of which, *****MTs have been exported through its affiliated company viz. M/s Mitsubishi Corporation and balance quantity has been exported through an unrelated trader viz. M/s Mitsui and Co. The company did not have any direct sales to India during the POI. The traders involved have not provided any information about their actual selling price in India. However, the Company clarified that prices with the Indian customers are negotiated by the traders and after conclusion of the negotiation, the traders place order on Asahimas for shipping the goods to Indian customers. The price arrangement between the traders and Asahimas is such that Asahimas raises the invoice on the traders for an amount which is *****% less than the price negotiated between the Indian buyer and the traders. The traders in turn raise another invoice on the Indian customer. Accordingly, the company claimed that its export price should be based on the price supposed to have been charged by the traders as per the information available with it, instead of resorting to best facts available in view of non-cooperation of the traders involved on whom they have no control. In their post disclosure submissions the exporter has again reiterated its argument for determination of their export price for both dumping and injury margin calculations based on the assumed sales price of the traders or the import price from the import statistics in India.

132. The Authority notes that though M/s Mitsubishi and Mitsui have not cooperated in the investigation and submitted any information in respect of exports made by them on behalf of Asahimas, verification carried out in the premises of Mitsui in connection with the export sales made by them on behalf of

another producer reveals that the final export price of these exporters are not necessarily same as reported by them to the producers. Depending upon the market conditions, they have sold the goods to Indian customers at a price which is higher or lower than the prices indicated by them to the producers. Therefore, the CIF price cannot be arrived at as claimed by Asahimas. Since the goods have been sold by the responding exporter for exports to India, the price at which the goods have been sold by them to the traders for exports to India constitute their export price and the traders would suffer for their non-cooperation and would attract residual duty. Therefore, the Authority proceeds to determine the export price of this exporter on the basis of its invoice price to the traders after deducting the direct selling expenses as verified.

133. Against the invoice prices, the exporter has claimed adjustments against various direct selling expenses, including credit costs, Inland freight and ocean freight expenses, and terminal handling charges. Discount of ***% has already been taken into account in the CNF/CIF prices reported by the exporter in its net invoice value to the traders, therefore, not adjusted separately.

134. Since there is no difference in packing types between the sales in the home market and the export to India as noted earlier, no adjustment towards packing has been made from the export price.

135. The exporter has argued and the Authority is of the view that comparison of the monthly average export price with monthly average domestic sales price in ordinary course of trade is appropriate for a fair comparison in view of wide fluctuation in cost and prices of the subject goods during the POI. On the basis of the above, net export price of this exporter has been worked out as follows:

Month	Sum of Quantity MT	Sum of invoice Value USD	Sum of Total adjustment USD	Sum of Net Value USD	Export Price USD/MT
Jan	*****	*****	*****	*****	*****
Feb	*****	*****	*****	*****	*****
May	*****	*****	*****	*****	*****
June	*****	*****	*****	*****	*****
Jul	*****	*****	*****	*****	*****
Aug	*****	*****	*****	*****	*****
Sep	*****	*****	*****	*****	*****
Oct	*****	*****	*****	*****	*****
Dec	*****	*****	*****	*****	*****

b.2) All others

136. Export Price of the non-cooperating exporters from Indonesia has been determined based on the basis of the co-operating exporter's data as per best facts available. Accordingly, net ex-works export price of the non-cooperating exporters from Indonesia has been determined as USD *****Per MT.

c) Dumping Margins: Indonesia**c.1) M/s PT Asahimas Chemicals, Indonesia**

137. Monthly normal values determined for the above exporter at ex-works level have been compared with the monthly export prices to arrive at the weighted average dumping margin for this exporter as follows:

Month	NV USD/MT	EP USD/MT	DM USD/MT	Qty MT
Jan	*****	*****	*****	*****
Feb	*****	*****	*****	*****
May	*****	*****	*****	*****
June	*****	*****	*****	*****
July	*****	*****	*****	*****
Aug	*****	*****	*****	*****
Sept	*****	*****	*****	*****
Oct	*****	*****	*****	*****
Dec	*****	*****	*****	*****
Weighted average		*****	*****	*****
DM %			7.99%	

c.2) All others

137. Weighted average Normal value of Indonesia at ex-works level has been compared with the ex-works export price of all other exporters from that country as determined above to work out the dumping margin for all non-cooperating exporters from Indonesia which works out as follows:

	NV USD/MT	EP USD/MT	DM USD/MT	DM %
All others	*****	*****	*****	16.10%

G.5 Chinese Taipei (Taiwan)**a) Normal value:**

139. In response to the above anti-dumping investigation initiated by the Designated Authority, two exporters from Chinese Taipei viz. M/s Formosa Plastics Corporation and M/s Ocean Plastics Corporation filed their questionnaire responses and also responded to subsequent clarifications. On-the-spot investigation and verification of the data submitted by these producers/exporters was also conducted in the premises of the producers/exporters in accordance with the Rules. On the basis of the data submitted by the producers/exporters and verified by the Authority, Normal Value for Chinese Taipei has been determined as per the method explained earlier.

a.1) M/s Formosa Plastics Corporation

140. The Company produces PVC suspension grade in three plants located in Central and Southern Taiwan. The production process of the Company is fully vertically integrated starting from basic raw material level. The Company produces its own Chlorine and EDC/VCM from Ethylene obtained from other petrochemical producers in Taiwan.

141. FPC has sold *****MTs of PVC suspension grade in its home market against ***** transactions during the POI. However, out of total sales, *****MTs were sold to its own affiliated Companies i.e., M/s Naya Plastics and M/s Formosa Chemical Fibres and balance *****MTs have been sold to unaffiliated parties in the domestic market. Therefore, the sales to affiliated parties were found to be more than *****% of total sales in the domestic market. The average price of the grades sold in the home market to affiliated parties was found to be about *****% lower than the average price to unaffiliated customers. Therefore, the affiliated sales have not been considered for determination of normal value in Chinese Taipei.

142. The Company has sold eight different grades of PVC resin in its home market during the POI, out of which only 4 (S-60, S-65, S-65S and S-70) grades have been exported to India. The quantities of these grades sold in the home market to unrelated customers at arms length are in sufficient volumes for determination of Normal value and apple to apple comparison with the like grades exported to India. After disclosure of the essential facts the Company has pointed out certain errors in computation of Normal value and Comparison with the Export price as two Grades/Types not exported to India has been captured in the Normal Value computation and resulting in a skewed comparison. The data has been rechecked and it was noticed that while the export were of product subtypes S-60-T, S-60-U, S-65S-T, S-65-T and S-70-T, by mistake product subtypes S-60-T, S-60-U, S-65S-T, S-65S-U, S-70-T, and S-70-U was selected from the domestic sales for normal value determination resulting in a skewed comparison. The data has been rechecked and corrected for determination of normal value and export price on like to like basis.

143. The domestic sales are to direct end users with small quantity sold to the traders during the POI. The price is generally delivered price and customers preferring to get the goods at ex-works get a discount equivalent to the freight cost. Mode of payment in domestic transactions was also checked. Domestic sales are against cash advance or credit against mortgage for 60 days. Credit transactions are settled monthly at the end of the credit period. Most of the domestic customers pay in advance of shipment, with only a small portion enjoying credit periods. For the customers operating under credit facility, credit cost is factored in the price for those customers. Average rate of interest calculated on the basis of all short terms loans during the POI and interest pay

outs during this period. The Company also offers a quantity discount depending upon the quantity off-take by a party during the month which varies from *****NT\$/Kg to *****NT\$/Kg.

144. There are only two elements of adjustments in the domestic sales. Inland freight and credit cost against domestic transactions have been deducted to arrive at the net ex-works selling price of this producer/exporter.

145. It was also noticed that the exporter did not make any adjustment to the prices to take into account the Packing types and differential packing costs for the domestic and exports sales. Packing cost for various types of packing used in domestic as well as export sales has been worked out as per the cost records of the company and necessary adjustments have been made to domestic selling price to arrive at net selling price at ex-works level.

145. Unaffiliated domestic sales transactions were subjected to ordinary course of trade test against the verified cost of production and the normal value has been worked out based on this data as follows:

	Data	Average Exchange rate		31.81745
Grade	QUANTITY in Kg	Net Realization in NT\$	Net Price NT\$/Kg	NV USD/MT
S 60-T	*****	*****	*****	*****
S-60-U	*****	*****	*****	*****
S-65S-T	*****	*****	*****	*****
S-65-T	*****	*****	*****	*****
S-65-U	*****	*****	*****	*****
S-70-T	*****	*****	*****	*****

a.2) M/s Ocean Plastics Corporation

147. This responding company produces several products including PVC suspension grade and products manufactured out of PVC and major portion of the PVC resin manufactured by them is self consumed by the company for its PVC products. It has only one production unit manufacturing the subject goods located near Taipei with a capacity of ***** MT of PVC suspension grade per annum. The company does not have Chlor-alkali plant to produce Chlorine and produces PVC from VCM stage procured locally as well as imported.

148. The company has sold *****MT of Suspension Grade PVC during the POI against ***** transactions. The entire sale of the subject goods is to unaffiliated customers in the domestic market. Domestic sales are through traders as well as directly to end users. Domestic sales are in cash and TT terms. However, certain regular customers also avail credit facility up to 30 days Credit period is calculated as the period from the date of invoice to the date of payment and

standard average bank interest rate has been taken for notional adjustment towards the credit cost against the customers availing credit facility.

149. The company offers quantity discounts to regular customers based on their volume off-take during the month, which is adjusted at the end of the month. Quantity discount rate varies from NT\$ *****/kg to NT\$ *****/Kg depending upon the volume.

150. Actual direct selling expense towards inland freight has been adjusted from the selling price to arrive at the ex-works price. It was noticed that the Company did not claim any packing differential or differential packing cost for domestic and export sales as the exporter claims that there is no significant difference in cost of packing material for bulk pack and paper bag packing. But as per their standard pricing policy, the price difference between bulk and paper bag packs is NT\$ **** per Kg and there is no price difference between jumbo pack and tank car prices. Based on this, average packing cost for domestic and export sales have been worked out for adjustment to the domestic and export selling prices for fair comparison.

151. Unaffiliated domestic sales transactions of the exporter were subjected to ordinary course of trade test against the verified cost of production and the normal value has been worked based on this data as follows:

Grade	Total Qty Kg	Avg Price	COP NT\$/Kg	Profitable sales qty	Exch Rate		31.81745		
					Avg Price NT\$/Kg	% of Profit able sales	Packing adjust ment	NV NT\$/ Kg	NV USD/MT
S101	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
S108	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****

a.3) Normal Value: Chinese Taipei

152. On the basis of the normal values determined at product type/grade levels for the co-operating producers, weighted average normal value at product type levels for Chinese Taipei has been determined for comparison with the export price of individual exporters at the same level.

b) Export Price

b.1) Export Price: M/s Formosa Plastics Corporation

153. During the POI, Formosa exported ***** MT of the subject goods to India. The exports are directly to customers in India as well as through traders and resellers. The commission amount to the traders is fixed at US\$*****/MT for all traders. The goods are directly shipped to India under the instruction from the trader and/or customers from India. B/L and shipping documents are prepared by

Formosa. Delivery terms of all the sales are either CIF or C&F. Goods are delivered directly by the Company to the end-user.

154. Against the export sales, the Company has claimed adjustments towards direct selling expenses i.e., Inland and ocean freight and insurance expenses, document fee and handling fees, trade promotion fee and harbour service fee, credit cost and packing cost. After adjusting the direct selling expenses as verified from the records of the company, the net ex-works price for the exporter works out as follows:

Product Type	QUANTITY Kg	Sum of NET INVOICE VALUE USD	Sum of Sum Adjustments in USD	Sum of Net Value Realized USD	Net EP US\$/MT
S-60-T	*****	*****	*****	*****	*****
S-60-U	*****	*****	*****	*****	*****
S-65S-T	*****	*****	*****	*****	*****
S-65-T	*****	*****	*****	*****	*****
S-65-U	*****	*****	*****	*****	*****
S-70-T	*****	*****	*****	*****	*****

b.2) Export Price: M/s Ocean Plastics Corporation

155. OPC has exported only ***** MT of suspension grade PVC to India during the POI against ***** transactions covering only two grades. Out of ***** export transactions to India, ***** transactions are through traders and rest is to direct customers in India. There is no difference in price to different customers as per the pricing policy of the company. However, the company pays agency commission against certain transactions to direct customers in India at the rate of US\$ *****/MT. There is no quantity discount on export sales. The exporter has claimed adjustments towards direct selling expenses viz. inland transportation, ocean freight cost and handling charges, insurance, harbour duties and export development charges which were verified. As noted above, the exporter has not made any adjustment towards the difference in export packaging. The export consignments are packed in 25Kg paper bags and accordingly, an adjustment @***** NT\$/MT is required to be made on the export transactions to arrive at ex-factory export price for like to like comparison at same level of trade. Accordingly, net ex-works export price of this exporter works out as follows:

PRODUCT CODE	QUANTI TY Kg	NET INVOICE VALUE (NT\$)	Sum of Total Adjustments (NT\$)	Sum of Net Value (NT\$)	EP NT\$/Kg	EP USD/MT
S-101	*****	*****	*****	*****	*****	*****
S-107	*****	*****	*****	*****	*****	*****

b.3) Export Price: Others

156. Export Price of all other non-cooperating exporters from Taiwan has been determined on facts available basis taking into account the data of the cooperating exporters from Taiwan. Accordingly, weighted average net export price for all other exporters from Taiwan has been determined as USD ***** per MT.

c). Dumping margin

c.1) Dumping margin: M/s Formosa Plastics Corporation

157. Normal values determined for Chinese Taipei at ex-works level for individual types have been compared with the ex-works export prices of Formosa for the corresponding product types to arrive at weighted average dumping margin for this exporter as follows:

PRODUCT CODE	Sum of QUANTITY Kg	Net EP US\$/MT	NV(US\$/MT)	DM USD/MT
S-60-T	*****	*****	*****	*****
S-60-U	*****	*****	*****	*****
S-65S-T	*****	*****	*****	*****
S-65-T	*****	*****	*****	*****
S-65-U	*****	*****	*****	*****
S-70-T	*****	*****	*****	*****
Weighted Average	*****	*****		*****
DM %				1.53%

c.2) Dumping Margin: M/s Ocean Plastics Corporation

158. Normal values determined for Chinese Taipei at ex-works level for individual types are have been compared with the ex-works export prices of Ocean Plastics for the corresponding product types to arrive at weighted average dumping margin for this exporter as follows:

PRODUCT CODE	Sum of QUANTITY Kg	EP NT\$/Kg	EP USD/MT	NV USD/MT	DM NT\$/Kg
S-101	*****	*****	*****	*****	*****
S-107	*****	*****	*****	*****	*****
Weighted average	*****	*****	*****		*****
%					8.88%

c.3) Dumping Margin: All others

159. Weighted average Normal value of all product types from Chinese Taipei at ex-works level has been compared with the weighted average ex-works export price of all other exporters from Chinese Taipei as determined above to work out the dumping margin for all other non-cooperating exporters from this country which works out as follows:

	NV USD/MT	EP USD/MT	DM USD/MT	DM %
All others	*****	*****	*****	9.28%

G.6 Japan

160. The Authority notes that the following two exporters from Japan filed their questionnaire responses:

1. M/s Taiyo Vinyl Corporation, Japan, and
2. M/s Kaneka Corporation, Japan.

161. However, M/s Kaneka Corporation filed only partial information on its exports to India made through M/s Mitsui & Co and the questionnaire response was later supplemented with the submissions of the trading Company viz. M/s Mitsui & Co. Ltd. But Kaneka did not file any information on its domestic selling price/third country export price and cost of production for determination of cost of production and normal value. The exporter was, vide letter dated 5th December 2006, issued a deficiency memo and asked to complete the submission in the form and manner prescribed. Vide e-mail dated 16th March 2007; the company was again given another opportunity to file the information as called for. However, the exporter has neither filed any information, nor the deficiency memo has been replied to in any manner. Therefore, this exporter has been treated as non-cooperative for the purpose of this investigation. In its post disclosure submissions the exporter has disputed the decision of the Authority to treat them as non-cooperative and has argued that even though they did not file any information on their normal value the Authority should have accepted their export price to determine their dumping margin using normal value determined on the basis of facts available. In this connection the Authority notes that Rule 6.8 provides that

"In a case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the designated authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as it deems fit under such circumstances."

162. Annexure II to the Antidumping Agreement also provides that if information is not supplied within a reasonable time, the authorities will be free to make determinations on the basis of the facts available, including those contained in the application for the initiation of the investigation by the domestic industry.

The Authority notes that this exporter was provided ample opportunity to provide the information required for the determination of their dumping margin. However, in spite of being in possession of the information the exporter has deliberately not provided the information and now argues that the Authority should have accepted their export price and determined the normal value as per facts available. It is not a case where the exporter is not in possession of the information in respect of their normal value but they have deliberately not provided this information thereby significantly impeded the investigation. Therefore, this exporter has been rightly treated as non-cooperative as they have failed to cooperate with the Authority in any manner. In view of the above the Authority does not find any merit in their arguments at this stage.

163. The other responding exporter from Japan, i.e., M/s Taiyo Vinyl Corporation filed its questionnaire responses and also responded to subsequent clarifications. On-the-spot investigation and verification of the data submitted by this producer/exporter was also conducted in their premises in accordance with the Rules. On the basis of the data submitted by the producer/exporter and verified by the Authority, Normal Value for Japan has been determined as per the method explained earlier.

a) Normal Value: M/s Taiyo Vinyl Corporation

164. M/s Taiyo Vinyl Corporation (Taiyo) was established through merger of PVC production units of M/s Tosoh Corporation, M/s Mitsui Chemicals, and M/s Denki Kagaku located at different locations in Japan and has a production capacity of *****MT of PVC resin per year. Taiyo is a single product company dealing with manufacture and sales of PVC alone by procuring the raw materials VCM, mainly from the parent companies. In addition to the supplies from the affiliated parties, Taiyo also procures VCM from unaffiliated suppliers. VCM price between the affiliated parties is based on a formula linked to Naphtha price. The related party procurement price is about *****% higher than the purchase from unrelated parties.

165. The company produces and sales about 28 different grades of PVC in the domestic market including certain special grades. However, only 4 general grade PVC resins have been exported to India during the POI.

166. The company has sold *****MT of PVC resin covering both General grades and Special grades in the domestic market during the POI. The home market sales of the company are direct to end-user (related/unrelated) or through Japanese trading companies (related/unrelated). However, domestic sales to the unrelated parties are 93% of total domestic sales and sales to related parties are 7% of total domestic sales. The prices to related parties are marginally higher than the price to unrelated parties. Therefore, entire domestic sales have been treated as at arms length for the purpose of determination of normal value.

167. For the purpose of determination of normal value, the like article in the domestic market was examined. The company has exported only four grades of

PVC suspension grades to India during the POI and it had significant quantities of sales of these four grades in domestic market also. Quantities of domestic sales of these four grades are as follows:

Grade	Qty. of Domestic sales (MT)	Qty. of Export sales to India (MT)
TH 700	*****	*****
TH 800	*****	*****
TH 1000	*****	*****
TH1300	*****	*****
Total	*****	*****

168. Total sales of the subject goods as well as sales of these four grades as mentioned above are in sufficient quantities in the domestic market and sales are at arm's length. Therefore, entire transactions of general grade PVC (TH series i.e. TH 700, 800, 1000, and 1300) sold in the home market have been considered for normal value determination.

169. Against the domestic sales transactions, Taiyo has claimed adjustments towards inland freight, credit cost, difference in fixed selling cost, difference in technical support cost, difference in advertisement cost, difference in general and administrative costs and difference in financial cost to bring the domestic selling prices to ex-works level for fair comparison with the export price at the same level. Direct selling expenses such as inland freight, credit costs and post sales price adjustments have been checked from the records of the company and has been allowed as per actual.

170. Other adjustments claimed on account of differential cost elements on export and domestic sales as verified from the records of the company and significantly reduced based on actual expenses under these heads and allocations based on turnovers have been allowed to bring the selling prices to ex-works level for fair comparison. The company has not given any discount and the selling price reported is net of commission/mark-up for the domestic traders. Therefore, no adjustments towards these two items have been shown.

171. The company has not claimed any difference towards the packing cost for domestic and export sales. However, it was noticed that the domestic packing is in 25 Kg paper bags, 1 MT jumbo packs and bulk by tankers/lorry, whereas export sales are in 25 Kg paper bags. Packed PVC for the domestic market is palletized whereas for exports, the paper bags are loose stuffed in the containers. Therefore, there is a significant difference in packing cost involved which has not been accounted for by the exporter in its response. Volume of bulk and packed goods and the expenses incurred were verified from the books of accounts of the company and revised packing cost for the domestic and export sales have been worked out. Accordingly, an amount of *****J. Yen per MT is

required to be deducted from the export sales transactions as a differential adjustment towards packing cost.

172. Domestic sales transactions of the exporter were subjected to ordinary course of trade test against the verified cost of production. Accordingly, Normal values of individual product types have been determined based on sales of these grades in the domestic market as follows:

Product code	Average exchange rate					110.207
	Data	Sum of Gross Ex-factory Price (yen)	Sum of Total Adjustments (yen)	Sum of Net Ex-factory Price (yen)	Ex-works price yen/Kg	
TH1000	*****	*****	*****	*****	*****	*****
TH1300	*****	*****	*****	*****	*****	*****
TH700	*****	*****	*****	*****	*****	*****
TH800	*****	*****	*****	*****	*****	*****

b) Export Price

b.1) M/s Taiyo Vinyl Corporation, Japan

173. The Company has exported *****MT of the subject goods to India under ***** transactions during the POI. Sales transaction method of the company was examined. It was noticed that there was no direct export from Taiyo to India during the POI. All sales are through four Japanese Trading Companies. The trading companies negotiate the price with the Indian buyers and in turn place an order on Taiyo for directly shipping the goods to India. The order of the trader on Taiyo gives the breakup of their selling price to Taiyo for each transaction which shows the final CIF export price to Indian customer. On receipt of the order from the trading companies, Taiyo makes arrangement for shipment. The inland transport and ocean freight is paid by Taiyo and included in its price to the trading company which is on CFR basis. However, insurance and other expenses are paid by the trading company and factored into the breakup of prices given by the trading company to Taiyo. The trading company also charges a commission (***** to ***** %) on the CIF price and the final CFR price of Taiyo to the trading company is arrived at after deducting the insurance, interest expenses and commission. Taiyo raises the invoices on the trading companies and realizes the payment from them on the B/L date. Therefore, Taiyo does not incur any credit expense. The invoice price submitted by Taiyo is the net CFR price of Taiyo and the Company has also indicated the final CIF price to Indian customer charged by the trading company, based on the final breakdown price provided by the trading company. However, actual invoice to the Indian customer is not available with Taiyo. On the basis of information provided by one of the trading companies associated with trading of goods of Taiyo i.e., M/s Mitsui & Co., verification was carried out to ascertain the correctness of the final price of the trader. It was however, noticed that the final price of the trader sometimes significantly differ from the price indicated in the breakdown order sheets and the

trader charges higher or lower price from Indian customer based on the actual market condition.

174. Against the CFR prices realized by Taiyo on the shipments made by them to India on behalf of the trading companies, Taiyo has claimed adjustments towards inland freight and ocean freight only as other expenses are borne by the trading companies as stated earlier. No cash discount has been given to any end-user in India as the sales are through the traders. Direct selling expenses have been adjusted as per the verified data.

175. Taiyo has not claimed any differential packing cost for export sales to India. However, it was noticed that exports to India are in 25 Kg two ply paper bags whereas the domestic sales are both in packed and bulk condition. Therefore, as recorded earlier, the packing expenses have been re-worked out and accordingly, differential packing cost @ *****Yen per MT has been deducted from the export sales to arrive at net export price to India. Accordingly, net export price of individual product types/grades of this exporter at ex-works level works out as follows:

	Data		Exchange rate		110.207
Product code	Sum of Qty(KGS)	Sum of Net Invoice Value (JPY)	Sum of Net Ex-Factory price(JPY)	Net EP JPY/MT	NET EP USD/MT
TH-1000	*****	*****	*****	*****	*****
TH-1300	*****	*****	*****	*****	*****
TH-700	*****	*****	*****	*****	*****
TH-800	*****	*****	*****	*****	*****

b.2) Other exporters

176. The Authority notes that there are several producers and exporters of the subject goods in Japan who have not co-operated in the investigation. Therefore, export price of all other non-cooperating exporters from Japan has been determined on facts available basis taking into account the data of the co-operating exporters from the said country. Accordingly, net export price of all other exporters from Japan has been determined as USD *****per MT.

c. Dumping Margin

c.1) M/s Taiyo Vinyl Corporation

177. Normal values determined for Japan at ex-works level for individual types have been compared with the ex-works export prices of Taiyo Vinyl for the corresponding product types to arrive at weighted average dumping margin for this exporter as follows:

	Data					
Product code	Sum of Qty(KGS)	Sum of Net Invoice Value (JPY)	Sum of Net Ex-Factory price(JPY)	NET EP USD/MT	NV USD/MT	DM USD/MT
TH-1000	*****	*****	*****	*****	*****	*****
TH-1300	*****	*****	*****	*****	*****	*****
TH-700	*****	*****	*****	*****	*****	*****
TH-800	*****	*****	*****	*****	*****	*****
Weighted Average	*****			*****		*****
DM %						9%

178. In its post disclosure statement this exporter has requested for review of some of their adjustment claims for determination of dumping margins. In this connection the Authority notes that the adjustments were revised during the verification of their data as the basis of those adjustments were not found to be in order and to the extent such claims were admissible the same has been allowed. This was also duly communicated to the exporter through the verification report. Therefore, the dumping determination is in order and no revision is required.

c.2) Dumping Margin: All others

179. Normal value of from Japan at ex-works level determined based on co-operative exporters data has been compared with the ex-works export price of all other exporters from the said country as determined above to work out the dumping margin for all non-cooperating exporters from this country which works out as follows:

	NV USD/MT	EP USD/MT	DM USD/MT	DM %
All others	*****	*****	*****	13%

G.7 China PR

180. As noted in the previous section in response to the initiation of the investigation, China Chlor-Alkali Industry Association, (CCAIA) filed the information of following 11 Chinese producers/exporters who were interested in participating in the investigation:

- i. Xinjiang Tianye Co Ltd
- ii. Yichang Yihua Pacific Cogen Ltd
- iii. Tianjin DAGU Chemical Co Ltd
- iv. Haohua Yuhang Chemical Co Ltd
- v. Ningxia Yinglige Chemicals co Ltd
- vi. Shandong Ocean Chemical Import and Export Co Ltd with Shandong Haihua Chlor Alkali Resin Co Ltd

- vii. Qingdao Haijing Chemical Group Co Ltd
- viii. Yibin Tianyuan Co Ltd
- ix. Shanghai Chlor Alkali Chemical Co Ltd
- x. Tianjin LG DAGU Chemical Co Ltd
- xi. Inner Mongolia Sanlian Chemical Corporation Ltd

181. In view of large participation from exporters from China PR, the Authority resorted to sampling in terms of Rule 17(3) of the Rules and selected the following three exporters from China under intimation to CCAIA, who represented major portion of exports from that country to India during the POI, for further detailed examination:

- i. M/s Tianjin Dagu Chemical Company Limited (Producer) and M/s Tianjin Bohai Chemical Industries Imp. & Exp. Corporation (Exporter);
- ii. M/s Xinjiang Shihezi Zhongfa Chemical Co. Ltd. - Producer and M/s Xinjiang Tianye Foreign Trade Co. Ltd. - Trader & Exporter;
- iii. M/s Yichang Yihua Pacific Cogen Co. Ltd. - Producer and M/s Hubei Yihua Group Co. Ltd. - Trader & Exporter

182. The sampled exporters as mentioned above have filed their questionnaire response and market economy questionnaire responses and the same has been verified by the Authority to the extent possible. The following non-sampled exporters from China PR also filed request for individual treatment and separate margins:

- i. M/s Tianjin LG Dagu Chemical Company Limited;
- ii. M/s Yibin Tianyuan Co., Ltd.; and
- iii. Shanghai Chlor-Alkali Chemical Co., Ltd.

183. However, in view of participation of large number of exporters from the countries being investigated simultaneously and volume of data involved are so large that individual examination would have been unduly burdensome and prevented timely completion of the investigation. Therefore, the Authority did not find it feasible and practicable to examine the information submitted by the above non-sampled exporters for individual treatment.

184. Therefore, dumping margins for the non-sampled exporters has been determined based on the determination made for the sampled exporter in terms of Rule 17(3) read with Rule 18 (2) of the Rules.

185. The Authority notes that in terms of paragraph 8(2) of Annexure-I of the Rules, a non-market economy presumption was made against China PR and its exporters. However, the exporters from China PR have rebutted the non-market economy presumption in terms of the second proviso of the said paragraph and have claimed their normal value in China in terms of the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 of Annexure-I. The claims of the individual sampled producer/exporters for grant of market

economy treatment have been examined as per the parameters set in para 8.3 of the said Annexure as follows:

G.7.1 Examination of Market Economy claims of sampled exporters

a) M/s Tianjin Dagū Chemical Company Limited (Producer) and M/s Tianjin Bohai Chemical Industries Imp. & Exp. Corporation (Exporter)

186. This sampled producer-exporter combination has filed a detailed market economy questionnaire response and supplementary information in response to the clarification sought by the Authority. The information filed by this producer/exporter was also verified through an on-spot investigation and verification in their premises in China PR.

187. M/s Tianjin Dagū Chemical Company Limited (Tianjin Dagū) is a producer of the subject goods in China, having its production facility at Tianjin Development Area in Tianjin Province. The Company produces PVC using Ethylene as well as Acetylene routes with a total capacity *****MT during the POI. Acetylene process employs Calcium Carbide and Salt as the basic raw materials. The company procures these major raw materials locally from several unaffiliated state-owned enterprises and other private companies. In the Ethylene process, the company uses raw materials from various stages. The company imports Ethylene and cracks it to produce EDC and then VCM and PVC. It also imports EDC and VCM and directly uses them to produce PVC. The company has its own Chlor-Alkali plant which produces Chlorine and Caustic Soda. For production of PVC from Ethylene route, the company procures Ethylene from SINOPEC through pipeline. Ethylene is also imported through its subsidiary viz. M/s Tianjin Dagū International Corporation. The domestic purchase price is found to be lower as compared to import by *****%. The company also imports EDC and VCM in addition to its captive production.

188. The Company produces 4 grades of PVC from the above two routes. However, during the POI, only three grades produced from Ethylene Route have been exported to India. The product manufactured by Dagū is sold by the same company in the domestic market. However, export sales are carried out through the related trading company i.e. M/s Tianjin Bohai Chemical Industries Import & Export Corp.

189. M/s Tianjin Dagū Chemical Company Ltd was established on February 2004, approved by the Peoples' Government of the Tianjin Municipality, by stock reconstruction process of Tianjin Dagū Chemical Industry Limited Company. The new company was formally registered in March 2004 by investment of all operating assets of the former company by way of equity contribution amounting to *****% of total registered capital of the new company. The 6 other state-owned companies contributed the balance amount in cash to establish the new company.

190. The history of the promoting company i.e., M/s Tianjin Dagou Chemical Industry Limited Company shows that this company was established in 1996 by M/s Tianjin Bohai Chemical Industry Group Corporation as a wholly owned entity of the Group Corporation. M/s Tianjin Bohai Chemical Industry Group Corporation was established in 1990 by the Tianjin City Government and continues as a Government owned entity.

191. The process of formation and asset transfer of the responding Company i.e. M/s Tianjin Dagou Chemical Industry Limited Company was verified from the records of the company in order to find distortions, if any, carried over from the erstwhile non-market economy situation of this entity. It was found that transformation from the erstwhile M/s Tianjin Dagou Chemical Industry Limited Company to the new company i.e., M/s Tianjin Dagou Chemical Company Limited is as per the direction of the Government and the process of transformation has been carried out through other state-owned entities. The Company seems to have significant repayments and liquidation of liabilities and addition of assets after transformation though before transformation the Company had significant erosion of net asset value which stood at about *****% of the value of operating assets. It appears that the Company has resorted to certain long term borrowings to liquidate part of the liabilities. But details of such borrowings and interests liabilities, if any, could not be clarified. Management structure of the new Company was also checked to examine the involvement of the Government in the operation of the Company. It was found that the Company has a board of Directors with 7 Directors out of which 6 are Government Nominees and only one Director is representing private investor and Tianjin City Government appoints the Government Nominees in the Board.

192. The exporting Company i.e., M/s Tianjin Bohai Chemical Industries Imp. & Exp. Corporation is also a part of M/s Tianjin Bohai Chemical Industry Group Corporation, which was established in 1990 by the Tianjin City Government and continues as a Government owned entity.

193. In view of the above examination, the Authority proposes to hold that the producing Company continues to be significantly controlled and managed by the State and there has been significant carry over of distortions from the previous non-market economy oriented status of the earlier company from which the responding company has been formed. Therefore, the cost and prices of the responding producer i.e., M/s Tianjin Dagou Chemical Company Limited cannot be accepted for determination of their Normal value in terms of Para-6 of Annexure-1 of the Rules.

b) M/s Xinjiang Shihezi Zhongfa Chemical Co. Ltd. - Producer and M/s Xinjiang Tianye Foreign Trade Co. Ltd. - Trader & Exporter;

194. This sampled producer-exporter combination has filed a detailed market economy questionnaire response and supplementary information in response to

the clarification sought by the Authority. The information filed by this producer/exporter was also verified through an on-spot investigation and verification in their premises in China PR.

195. M/s Xinjiang Shihezi Zhongfa Chemical Co. Ltd. (Zhongfa) is a producer of the subject goods located at Shihezi City in the Xinjiang province of China and has exported the subject goods to India through its related trading Company i.e M/s Xinjiang Tianye Foreign Trade Co. Ltd. (Tianye) during the POI. The Company produces PVC using Calcium Carbide as the basic raw material (Acetylene route) with a capacity of ***** MT of PVC of various grades during the POI. However, only one grade of PVC resin has been exported to India during the POI. The Company also has significant trading activity and purchases PVC from the market and resells the same in the domestic market.

196. The producing Company i.e. M/s Xinjiang Zhongfa Chemical Co Ltd, in its submission, has claimed market economy status for the purpose of normal value determination, as a limited liability company listed in Shanghai stock exchange. Therefore, the market economy claims of this Company was verified from the records of the Company and as per the clarification provided by the executives/lawyers of the Company. The production facility of Xinjiang Zhongfa Chemical Co Ltd is located in the Development Zone of Shihezi City. The Company has an old plant producing Caustic Soda and PVC. There is also an old production facility of the erstwhile Shihezi Chemical Factory (state-owned) located in the same complex producing certain chemical products. Zhongfa buys HCL from Shihezi for its PVC production. Zhongfa purchases Calcium Carbide from state-owned and other private entities and Calcium Carbide is reacted with HCL to produce crude VCM. Crude VCM is purified and polymerized to produce PVC. However, the relationship between the Shihezi Chemical industry factory, which is a state-owned entity and Zhongfa is extremely blurred.

197. Xinjiang Zhongfa Chemical Co Ltd (Responding Producer) was established on July 24, 1995 in the Shihezi Development Zone, by the Government of Xinjiang Province with the capital contributed by 5 state-owned entities, owned by the Xinjiang Province Government. The registered capital of Zhongfa was subsequently raised to *****Million in 1996 and again raised to *****Million in 2001.

198. In June 1996, a new Company in the name and style of M/s Xinjiang Tianye Plastic and Chemical Group Co Ltd. was established by the State and some of the assets of Plastic manufacturing plant and Shihezi chemical industry factory (PVC unit) were transferred to this Group Company. It appears that a part of the plants and assets of Shihezi chemical industry factory (HCL manufacturing units) continued to be with the State. The name of the above Company was changed to M/s Xinjiang Tianye Group Co Ltd in 2001. Consequently, the shareholding pattern of Zhongfa Chemical Co Ltd was changed. In 1997, M/s Xinjiang Tianye Plastic and Chemical Group Co Ltd promoted a new stock holding company in the name and style of M/s Xinjiang Tianye Co Ltd. The

Company was formally registered on 9th June 1997 as a company limited by shares with registered capital of *****RMB. As per the stock offer document (IPO document of the proposed Company) of 21st May 1997, the Company declared itself as a Company in preparation for production of plastic and chemical products. Out of total registered capital of RMB *****, the promoter company M/s Xinjiang Tianye Plastic and Chemical Group Co Ltd contributed *****% (RMB *****). Balance stock of ***** shares (of RMB 1 each) was issued to the public through Shanghai Stock Exchange out of which *****shares were allotted to the employees of the promoting company. The Company was listed in Shanghai Stock Exchange in 1997. The Government holding in the stock listed Company, through M/s Xinjiang Tianye Plastic and Chemical Group Co Ltd, was *****% in the form of assets of the former plastic and chemical manufacturing units held by the Group Company.

199. Asset evaluation of Tianye Group was carried out by an independent evaluator in 1997 for the purpose of capitalization of the assets of the erstwhile chemical and plastic factories and contribution of share capital of the Group in the new Tianye company. As per the valuation report, total assets of the company at the end of 1996, stood at ***** Million RMB which was increased to ***** Million due to revaluation of land use right which was not accounted for earlier and revaluation of buildings and plants and machineries. The current liabilities which stood at *****Million, was also increased to *****Million (increase of *****Million) in the revaluation process.

200. Thus, the capital contribution of Group in Tianye was in the form of net assets of this company (assets of the chemical and plastic units) after revaluation without any cash contribution. Net assets of the units, after revaluation, was *****Million which was converted to equity of 36 Million shares of 1 RMB each at a transfer discount rate of *****% as per the regulations of the securities committee. (In 2005, assets of the company stood at RMB ***** Million and liabilities *****Million, equity ***** Million).

201. Since 1997 till 2001, there have been several transfers of shares of the original state-owned promoters of Zhongfa Chemical Co. Ltd to Xinjiang Tianye Co Ltd and*****% of shares were also given to 7 individuals who were its top management which was subsequently transferred to Xinjiang Tianye Co. Ltd making Zhongfa Chemical Co. Ltd a wholly owned subsidiary of Xinjiang Tianye Co. Ltd.

202. The responding trading company i.e. M/s Xinjiang Tianye Foreign Trade Co. Ltd was established in 2000 and continues to be held by Xinjiang Tianye Co. Ltd. The above examination indicates that the producing company i.e., M/s Xinjiang Zhongfa Chemical Co Ltd is 100% owned by M/s Xinjiang Tianye Co Ltd, which is a stock listed company with *****% holding by the State through M/s Xinjiang Tianye Group Co Ltd. The exporter is also a subsidiary of Xinjiang Tianye Co. Ltd., which is a listed company with majority of shares with the State.

Xinjiang Chemical Industry Factory, which continues to operate within the same factory premises of the producer, still continues as a 100% Government owned entity. Therefore, the provincial Government of Xinjiang Province of China PR continues to hold all the above entities through a maze of cross holdings though Taiyne Co. Ltd. has been listed as a stock holding company.

203. The management structures of all the above entities were also examined to verify the level of involvement of the State in the decision making process and management of these entities. The examination reveals that M/s Xinjiang Tiayne Group Co Ltd. controlled by State-owned Assets Supervision and Management Bureau/Commission of Xinjiang Province which carries out the investor's functions of the State and appoints the board of directors of the Companies involved. The listed company i.e. M/s Xinjiang Tianye Co has 8 directors in the board, out of which 3 directors are appointed by the Group. There are 2 independent directors in the board and others 3 are appointed by the other shareholders and financial institutions. The Board of Directors appoints the top management of the company. The responding producer i.e. M/s Xinjiang Zhongfa Chemical Co Ltd is 100% owned by M/s Xinjiang Tianye Co. Ltd, which appoints all 7 directors of the board of this Company.

204. The above examination indicates that the previous plastic and chemical units have been restructured from State ownership by a series of transfer of ownership through the Plastic and Chemicals Group Company to Tianye stock listed company in which State still maintains majority shareholding. The management control and management functions are also largely in the hands of the state through the Asset Management Bureau. The transformation process from the erstwhile fully state-owned entity into a listed Company with majority state-holding has also carried over significant distortions from the erstwhile non-market economy system. The company also procures significant volume of raw materials and other inputs from other state-owned entities for production of the subject goods. In view of the above, the Authority is of the view that the cost and prices of the responding producer i.e., M/s Xinjiang Zhongfa Chemical Co Ltd cannot be accepted for determination of their Normal value in terms of Para-6 of Annexure-1 of the Rules.

c. M/s Yichang Yihua Pacific Cogen Co. Ltd. - Producer and M/s Hubei Yihua Group Co. Ltd. - Trader & Exporter

205. The responding producer is located in the Yichang City of Hubei Province and has a manufacturing unit which produces PVC from the Calcium Carbide route with a capacity of ***** MT per annum. The company produced only one grade of PVC and sold the same in domestic market as well as in the Indian market during the POI.

206. M/s Hubei Yihua Group Ltd. Liability Co. (Group Company) was established under the erstwhile centrally planned economy system as a fully

state-owned enterprise. Under the reform process of state owned enterprises, the Government holdings in this enterprise is now under the control and supervision of Yichang City State Assets Management Commission in terms of the Interim Regulation on Supervision and Management of State-owned Assets of Enterprises, promulgated by the State Council of the Peoples' Republic of China on 27th May 2003.

207. In April 1997, M/s Hubei Yihua Group Ltd. Liability Co. signed an agreement with M/s British International Power Corporation, U.K. to establish a 30:70 foreign equity joint venture. On 26.7.97, a Chinese-foreign joint venture in the name and style of M/s Yichang Yihua Pacific Cogen Co. Ltd (Pacific Cogen) for production of heat and electricity was set up with a modified Joint Venture (JV) equity participation of *****% by Hubei Group and *****% by British International Power Corporation.

208. In May 2001, British International Power Corporation transferred part of its shares (*****%) to M/s Hubei Yihua Chemical Industry Co. Ltd. (Chemical), a publicly listed co. in Shanghai stock exchange, and retained the remaining *****% shares. Chemical was originally set up as a chemical factory in 1970 under the State and reorganized as a listed Company in 1997. Major shares of the Company are held by Hubei Yihua Group (*****%) and other investment Companies/Funds. Hubei Yohua Group Company has several chemical and fertilizers manufacturing facilities in China.

209. In 2002, M/s British International Power Corporation transferred its shares in Pacific Cogen to M/s Anglo Cayman Energy Development Co. Ltd. (Anglo), a foreign company.

210. The management of the Company has been vested in a board of directors consisting of 5 directors, two each representing the Hubei Group and Yihua Chemicals and one representing Anglo Cayman. However, as per trusteeship agreement between Yihua Chemical Co and Anglo Cayman, the later has given full control of the operations of the Pacific Cogen Company to the former. Therefore, Pacific Cogen is controlled by Yihua Chemical, which is a listed Company with *****% of its shares held by Hubei Group. Hubei Group continues to be a state-owned enterprise under the supervision of Yichang City State Asset Management Commission.

211. In 2003, all the three shareholders of Pacific Cogen signed an agreement to change the business scope to include PVC business and the Articles of Association was also amended in that year. The Board of Directors also passed a resolution dated 14th January 2003 to that effect to set up a PVC manufacturing unit in Yichang City. The company obtained ***** Sqr Meters of land from the City Government on 50 years lease for RMB ***** Million. The company produced the lease agreement and land document for verification. It is noticed that the lease

amount has been paid as one-time lump sum payment and no annual lease rent is paid by the company to the City Government.

212. The PVC plant was set up on the land leased out from the Yichang City Government. Technology was obtained from Jinxi Technology Design Institute, Liaoning Province against payment of license fee of about ***** Million RMB. Production was started in September 2004.

213. The responding companies has submitted that the producing company i.e. Pacific Cogen is a Sino-British Joint Venture and though the companies have significant state-holding, the business decision process of the companies, including their investment decisions are independent from the Government control.

214. It was also clarified by the company that the shares of the State are under the supervision of Yichang City State Asset Management Commission, which assumes the role of a shareholder and exercises all the functions of a shareholder to protect the interest of the state as an investor in the companies. It is observed that the Commission supervises the functions of the company through its nominee directors in the Board. The Commission has the power to appoint the board of directors and exercises administrative control over the board which is empowered to take business and investment decisions. But all investment decisions over ***** Million RMB is required to be submitted to the Commission after the same has been passed by the board.

215. The Authority also notes that company enjoys concessional income tax benefits as a Foreign Joint Venture and pays income tax @15% as against normal rate of 33%. The company purchases the major raw material i.e. Calcium Carbide from Private as well as State/Semi-State owned Enterprises.

216. The exporter i.e. M/s Hubei Yihua Group Co. Ltd. Continues to be a 100% state-owned enterprise.

217. The above examination indicates that though the producing company i.e. Pacific Cogen is a Sino-British Joint Venture, the company continues to have significant state-holding and the business decision process of the company is significantly controlled by the state through the State Assets Management Commission. Process of transformation of the assets of the state into the joint venture appears to have carried forward certain distortions of the erstwhile non-market oriented system.

218. The company also procures significant volume of raw materials and other inputs from other state-owned entities for production of the subject goods. In view of the above, the Authority proposes to hold that the cost and prices of the responding producer i.e., M/s Xinjiang Zhongfa Chemical Co Ltd cannot be

accepted for determination of their Normal value in terms of Para 6 of Annexure 1 of the AD Rules.

219. Commenting upon the rejection of market economy claims of the sampled exporters from China these exporters have argued that merely because there is state ownership and the state nominates the directors in a company, one cannot say that the company does not operate in a market economy environment and 100% divestment of equity holdings by the State in a company shall not be a prerequisite for granting market economy status to that company. It has been argued that State has dual role – one as an investor and another as a sovereign. By exercising the sovereign rights, State may introduce licensing, quotas, price controls, etc across all the companies in a particular industry or all industries. By exercising the rights as an investor, State may take decisions regarding appointment of directors, investment in plant and machinery, operations, etc. Even day-to-day operations may be carried out by directors or other officials appointed by the State. However, it must be noted that such directors or officials carry out the role of the State as an investor in that company and not as a sovereign. Only when the State intervenes as a sovereign, one can assume state interference in the operations of the company and not otherwise. It has been argued that China has recognized this distinction and has established the State Assets Supervision and Management Commission (SASMC) carry out the role of the State as an investor. SASMC does not have any sovereign role to play in the companies under its control. There is nothing on record to show that the transformation process from the erstwhile fully state-owned status into the present status has also carried over significant distortions from the erstwhile non-market economy system.

220. The Authority notes that after verification of their claim of market economy detailed verification reports were sent to both the exporters giving details of the grounds for not accepting their claims. The disclosure statement also contained adequate non-confidential summary of this determination. In respect of all the sampled exporters it was clearly established that these companies have either remained significantly under state control and state has been exercising management control and supervision on these companies, or they have migrated from the erstwhile non-market economy system carrying with them significant distortions from the earlier system in the form of capital asset valuation, land use rights etc as recorded in individual cases. In addition to this the companies were found to source their major raw materials from other related and unrelated state-owned entities at prices which are apparently not at market driven prices. Therefore, the Authority confirms its findings in this respect.

G.7.2 Normal Value: China PR

221. The Authority notes that none of the sampled producers/exporters from China have been found to be operating under market economy condition for

determination of normal value in China in terms of Para-6 of Annexure-1 to the Rules. Paragraph-7 of the Annexure-1 to the Anti-dumping Rules provides that

"....in case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin".

222. In this connection, the Authority notes that some of the responding sampled and non-sampled producers of the subject goods in China PR produce PVC resin using Ethylene route while major part of the PVC resin produced in China is from Acetylene route. China Chlor-Alkali Association has provided consolidated information about the capacity, production and export sales of these producers which indicates that approximately 60% of the output of these producers in China is from Acetylene route and rest comes from the Ethylene route. However, the Authority notes that the price of PVC sold in market is not driven by the route from which it is manufactured. The published price list of the subject product in international journals (like Harriman Chemsult Ltd., London) do not distinguish the product prices based on the raw materials route. Therefore, the normal value of the product in the domestic market would be in the same range.

223. The Authority notes that in the initiation notification, the Authority intimated the interested parties that the domestic industry has suggested selection of Taiwan as appropriate market economy third country for China PR if the exporters from China fail to rebut the presumption of non-market economy. However, the interested parties have not commented upon this aspect during the course of this investigation. Therefore, in terms of the second proviso under para 7 of annexure I of the Rules, the Authority proposes to construct the normal value for the Chinese exporters. For the purpose of construction of normal value the Authority examined the international price of raw materials i.e. VCM as reported in Harriman Chemsult Ltd, London for the POI for Asia Region. The above data shows that average price of VCM in this region was US\$662.08 per MT. The Authority has adopted the above price with the consumption ratio of the cooperating exporters in china PR and optimum conversion cost of the best domestic unit/industry in India have been used as best facts available. The constructed normal value works out as USD ***** per MT.

224. The constructed normal value as above has been compared with the normal value determined for Chinese Taipei and the average prices of PVC Suspension Grade reported by Harriman Chemsult Ltd, London for the Asia Region. The constructed normal value is close to these data and therefore, the Authority finds it appropriate to adopt this as the normal value for China PR.

G.7.3 Export Price and individual dumping margins of Sampled exporters for China PR

a) M/s Tianjin Dagu Chemical Company Limited (Producer) and M/s Tianjin Bohai Chemical Industries Imp. & Exp. Corporation (Exporter)

a.1) Export Price

225. The above producer-exporter combination exported ***** MT of PVC to India during the POI. The producer company did not have any export license during this period and all the exports during this period were carried out through their related trading company i.e. M/s Tianjin Bohai Chemical Industries Import & Export Corp. The goods were first sold by the producer to trader as domestic sales against VAT invoices and the trading Company invoiced the goods to a reseller in Japan i.e., M/s Mitsui & Co., Ltd while the goods were shipped to the customers in India as per the sales contract with Mitsui after receipt of payment or confirmed letter of credit. The VAT refund on exports is claimed by the trading company. On the basis of the invoice raised by Bohai, Mitsui issues a separate invoice on the Indian customer generally retaining a margin of profit for itself as a reseller and the margin of profit or loss against a particular transaction depends upon the actual market condition at that time. M/s Mitsui has also filed the data related to resale of the goods exported by Bohai Chemicals separately which was also verified at Tokyo while making verification in Japan. However, the exporter has vide its letter dated 27th November requested for separate margin for itself without linking it with Mitsui as they do not wish to co-operate with Mitsui in future.

226. The exports are in C&F or CIF terms against LC at sight. Therefore, the exporter has claimed adjustments towards all direct selling expenses on those transactions i.e., Inland freight; customs declaration brokerage fee, overseas freight and Insurance. No packing cost has been deducted as the goods are packed only in 25 Kg paper bags for domestic as well as exports sales during the POI. No credit cost is involved as the goods have been sold against sight LCs. The company has not paid any commission or discount against these transactions.

227. Inland transportation expenses which, includes document charges, handling charge, customs declaration brokerage fee and port charges, were checked from the transporters invoices. Overseas freight and insurance amount against CIF shipments were also checked from the respective invoices. The exporter has not claimed the deduction towards the differential amount of VAT paid @17% and refund obtained @13%

228. Accordingly, the export price of the above exporter works out as follows:

Product code	Sum of Quantity	Sum of Gross Invoice Value USD	Sum of Net Invoice Value USD	Sum of Price adjustment in total USD	Sum of Price ex-factory USD	Sum of CIF Value USD	EP USD/MT
SE700	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
SE-700	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
SLK-1000	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****
SR800	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****

a.2) Dumping Margin

229. The Authority notes that this exporter exported PVC resin produced from Ethylene route. Therefore, weighted Average normal value determined for China PR at ex-works level has been compared with the net export price of this exporter at ex-works level to determine the dumping margin as follows:

type code	Sum of 8. Quantity	EP USD/MT	NV USD/MT	DM USD/MT
SE700	*****	*****	*****	*****
SE-700	*****	*****	*****	*****
SLK-1000	*****	*****	*****	*****
SR800	*****	*****	*****	*****
Weighted Average	*****	*****		*****
				13.54%

b) **M/s Xinjiang Shihezi Zhongfa Chemical Co. Ltd. - Producer and M/s Xinjiang Tianye Foreign Trade Co. Ltd. - Trader & Exporter;**

b.1) Export Price

230. The exporter has exported *****MT of only one grade of PVC to India during the POI through the related group company i.e. M/s Xinjiang Tianye Foreign Trade Co. Ltd. Some of the transactions are through traders in other countries and other transactions are to end users and distributors in India. As per the agreement between Zhongfa and Tianye, the goods are not by the producing company to the exporting company. The exporting company gives a declaration for claiming VAT refund by the producing company. VAT is paid and refund is obtained by the producer.

231. Most of the transactions are on C&F basis and few transactions are on CIF and FOB terms. Direct selling expenses such as inland freight from factory to Tianjin Port including handling, loading and unloading of the cargo and ocean freight has been adjusted as verified.

232. Packing in 25 Kg paper bags and there is no difference in domestic and export packing. Therefore, no difference in packing material has been claimed. VAT adjustment of 4% on the FOB price has been deducted from the invoice value to arrive at net export price at ex-works level. Accordingly, ex-works export price of this exporter works out as follows:

Product Code	Sum of Quantity MT	Sum of Gross Invoice Value (USD)	Sum of Total selling expenses USD	Sum of Ex-works Value USD	Price USD/MT
SG-5I	*****	*****	*****	*****	*****

b.2) Dumping Margin

233. Weighted Average normal value determined for China PR at ex-works level for the PVC resin has been compared with the net export price of this exporter at ex-works level to determine the dumping margin as follows:

Product Code	Sum of Quantity MT	Net export Price USD/MT	NV USD/MT	DM USD/MT
SG-5I	*****	*****	*****	*****
Total				16.70%

c. M/s Yichang Yihua Pacific Cogen Co. Ltd. - Producer and M/s Hubei Yihua Group Co. Ltd. - Trader & Exporter

c.1 Export Price

234. During the POI, the producer-exporter combination exported *****MT of the subject goods to India against ***** transactions. It was clarified that though all export price negotiations were carried out directly by the producing Company, the exports are through the Group Company who held the export license. The producer has obtained export license in 2007 and now free to export directly. The producer i.e. Pacific Cogen sales the goods to the Trader i.e. Yihua Group as domestic sales against VAT invoices. The traders pays 17% VAT on the invoice value of the goods and upon exportation of the goods, claims a refund of 13% on the invoice value of the producer as the VAT refund. Final Invoice on the Indian customers is by the Group Company. The Company produced VAT claim documents for verification.

235. Exports to India are to direct end users as well as Traders in India. No commission has actually been paid to any agent. Therefore, data entry error in the original submission has been rectified and a revised Appendix-2 was produced.

236. Direct selling expenses towards, inland and ocean freight and insurances, loading and unloading expenses Customs Brokerage fee, Container Handling Charge, THC, Booking Charge and expenses towards bank charges as verified from the relevant documents have been deducted from the invoice prices for determination of net ex-works export price.

237. The exported goods are also packed in 25Kg paper bags and there is no difference in domestic and export packing. Therefore, no adjustment towards packing cost is required.

238. On the basis of the above, the net export price and landed values of the above producer-exporter work out as follows:

	Export Price Calculation			Exch Rate 8.132				
Product code	Sum of Quantity (MT)	Sum of Net Invoice Value (USD)	Sum of Total selling expenses RMB	Sum of Ex-works (USD)	CIF Price USD/MT	Ex-works USD/MT	VAT Adjustm ent (USD)	Net ex-works USD/MT
SG5	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****	*****

c.2 Dumping Margin

239. Weighted Average normal value determined for China PR at ex-works level has been compared with the net export price of this exporter at ex-works level to determine the dumping margin as follows:

Product code	Sum of Quantity	NV USD/MT	Net ex-works USD/MT	DM USD/MT
SG5	*****	*****	*****	*****
Grand Total	*****			18.14%

d) Other non-sampled exporters

240. Dumping margin for the following non-sampled exporters from China PR has been determined in terms of Rule 17(3) of the Rules as the weighted average margin of dumping established with respect to the selected exporters or producers:

- i. Haohua Yuhang Chemical Co Ltd
- ii. Ningxia Yinglige Chemicals co Ltd
- iii. Shandong Haihua Chlor Alkali Resin Co Ltd (Producer) with Shandong Ocean Chemical Import and Export Co Ltd (exporter)
- iv. Qingdao Haijing Chemical Group Co Ltd
- v. Yibin Tianyuan Co Ltd
- vi. Shangahi Chlor Alkali Chemical Co Ltd
- vii. Tianjin LG DAGU Chemical Co Ltd

viii. Inner Mongolia Sanlian Chemical Corporation Ltd

241. Accordingly, dumping margin for the following non-sampled producers/exporters has been determined as follows:

Exporter	Export Qty MT	DM USD/MT	DM value USD	EP USD/MT
Tianjin Dagou	*****	*****	*****	*****
Yichang	*****	*****	*****	*****
Xinjiang	*****	*****	*****	*****
Total/Wt Average	*****	*****	*****	*****
DM %		16.34%		

e) All non-cooperating exporters

242. The dumping margin for other non-cooperating exporters from China PR has been determined as per best facts available taking into account the data examined for the co-operating exporters from that country as follows:

	NV USD/MT	EP USD/MT	DM USD/MT	DM %
All others	*****	*****	*****	18.14%

G.8 USA

a) Normal Value

243. The Authority notes that none of the producers and exporters from USA has responded to the initiation notice and submitted any information for determination of dumping margin for this country. In this connection, the Authority notes that Rule 6.8 of the Rules read with Article 6.8 and Annexure-II of the Anti-dumping Agreement provide that if information required from an interested party is not supplied in the form and manner prescribed within a reasonable time, the Authority will be free to make determinations on the basis of the facts available, including those contained in the application for the initiation of the investigation by the domestic industry. In view of the above position, the Authority proposes to estimate the dumping margin of the subject goods in USA on the basis of best facts available with it.

245. In the absence of any verifiable information in respect of actual selling price of the subject goods in the USA, the Authority has examined the published price information available in Harriman Chemsult Ltd, London for the POI. The published price information of suspension grade PVC in the US market for the relevant period shows that the average price (pipe) during this period was USD 1254.58 per MT whereas the spot price of exports from USA was USD 932.88 per MT. However, these prices look quite distorted compared to the prices prevailing in other regions and import statistics available with the Authority.

Therefore, the Normal value in USA has been estimated on facts available basis using the cost and price of the said goods in Japan which represents similar economic conditions, development of the industry involved, etc. Accordingly, the normal value for all exporters in the USA has been determined based on the weighted average normal value of subject goods in Japan as USD *****per MT.

b) Export Price and Dumping Margin

246. Net export price of the subject goods from USA has been estimated on the basis of CIF export price from the import statistics available with the Authority, after adjusting the same for direct and indirect selling expenses on facts available basis. The export price so estimated has been compared with the normal value at ex-works level to determine the dumping margin for all exporters from this country. Accordingly, average net ex-works export price and dumping margin for all non-cooperating exporters from the USA has been estimated as follows:

	Exch Rate	44.19
CIF Price	RS/MT	USD/MT
	35744.21	808.88
Adjustments as per facts available		*****
Net EP		*****
NV		*****
DM		*****
		12.49%

G.9 Malaysia

a) Normal Value

247. The Authority notes that none of the producers and exporters from Malaysia has responded to the initiation notice and submitted any information for determination of dumping margin for this country. Only one exporter, viz. M/s Malaysian International Trading Corporation SDN. BHD. (MITCO) has also made only written submissions on various aspects of the case without filing any questionnaire response or providing any information on normal value or export price. Therefore, there is no meaningful co-operation from any producer/exporter from this country. Accordingly, the Authority proposes to make its determination on normal value, export price and dumping margin for all exporters from this country as per best facts available with it.

248. In the absence of any verifiable information in respect of actual selling price of the subject goods in Malaysia, the Authority has examined the published price information available in Harriman Chemsult Ltd, London for the POI. The published price information of suspension grade PVC in the Malaysia market for the relevant period shows that the average price during this period was USD 921.53 per MT. This information does not appear to be abnormally high

compared to the average price for Asia region during the same period as per the selling price of cooperating exporters of this region. Therefore, the above data has not been found to be reliable for determination of normal value in Malaysia. In view of the above, normal value for Malaysia has been estimated based on the cost and price of the said goods in Korea which represents similar economic conditions and development of the industry involved, etc. Accordingly, the normal value for all exporters in the Malaysia has been determined based on the weighted average normal value of subject goods in Korea as USD *****per MT.

249. Commenting upon the dumping margin determination in respect of Malaysian exporters the exporter has argued that the Authority should have notified the interested parties about the selection of third country before adopting the third country data. It has also been argued that while the published data has been adopted for China the same has not been adopted for Malaysia. In this connection it may be noted that in the absence of no cooperation from the Malaysian exporters, including the above contending party, the Authority has determined the normal value in Malaysia on the basis of best facts available in terms of Rule 6.8 which does not require any prior notice or consultation with any interested party as has been argued. As far as adoption of published data is concerned, as recorded in the findings the published data was highly distorted and unreliable for determination of normal value in Malaysia. Therefore, a reasonable determination has been made based on facts available.

b) Export Price and Dumping Margin

250. Net export price of the subject goods from Malaysia has been estimated on the basis of CIF export price from the import statistics available with the Authority, after adjusting the same for direct and indirect selling expenses on facts available basis. After issuance of the disclosure certain error in the import price adopted for determination of export price has been noticed.

251. The export price so estimated has been compared with the normal value at ex-works level to determine the dumping margin for all exporters from this country. Accordingly, average net ex-works export price and dumping margin for all non-cooperating exporters from the Malaysia has been estimated as follows:

	RS/MT	USD/MT
CIF Price	34304	776.29
Total Adjustments as per facts available		*****
Net EP		*****
NV		*****
DM		*****
		12.47%

G.10 Dumping Margins: Summary

252. On the basis of the above examination, the dumping margins for the subject countries and exporters participating in the investigation have been determined as follows. The Authority notes that the dumping margins from the subject countries are significant and above de minimis except for two exporters where the dumping margins have been found to be below the de minimis level.

Country	Producers	Exporter	Dumping Margin US\$/MT	Dumping Margin (%)
Thailand	M/s Thai Plastics and Chemicals Public Company Limited	M/s Thai Plastics and Chemicals Public Company Limited	*****	9.20%
	All other Producers from Thailand	Any Exporter	*****	11.31%
Korea RP	LG Chem Ltd	LG Chem Ltd	*****	0.03%
	Hanwha Chemical Corporation	Hanwha Corporation	*****	1.36%
	All other Producer from Korea RP	Any Exporter	*****	8.37%
Indonesia	PT Asahimas Chemicals	PT Asahimas Chemicals	*****	7.99%
	All other Producers from Indonesia	Any Exporter	*****	16.10%
Chinese Taipei	Formosa Plastics Corporation	Formosa Plastics Corporation	*****	1.53%
	Ocean Plastics Corporation	Ocean Plastics Corporation	*****	8.88%
	All other producers from Chinese Taipei	Any Exporter	*****	9.28%
Japan	Taiyo Vinyl Corporation	Taiyo Vinyl Corporation	*****	9.25%
	Taiyo Vinyl Corporation	Mitsui & Co	*****	12.82%
	All other Producers from Japan	Any Exporter	*****	8.88%
China PR	M/s Tianjin Dagou Chemical Company Limited	M/s Tianjin Bohai Chemical Industries Imp. & Exp. Corp.	*****	13.54%
	M/s Xinjiang Shihezi Zhongfa Chemical Co. Ltd.	M/s Xinjiang Tianye Foreign Trade Co. Ltd.	*****	16.70%
	M/s Yichang Yihua Pacific Cogen Co. Ltd.	M/s Hubei Yihua Group Co. Ltd.	*****	18.14%
	Non-Sampled Producers/ exporters	Non-Sampled Producers/ exporters	*****	16.57%
	All other producers from China PR	Any exporter	*****	18.14%
USA	All Producers	Any Exporters	*****	12.49%
Malaysia	All Producers	Any Exporters	*****	12.47%

H. INJURY DETERMINATION

253. The Authority notes that the subject goods have been exported to India at significantly dumped prices from the subject countries as determined in the foregoing sections, except for the producers where the dumping margins have been found to be de-minimis. Therefore, injury to the domestic industry has been examined with reference to those dumped imports. In the post disclosure submissions, the domestic industry has reiterated its stand on the scope of the domestic industry and obligation of other domestic producers to provide information. It has been argued that M/s RIL is a supporting company but not a participating company and therefore, seeking information from M/s RIL was unwarranted. It has been argued that the Authority is interpreting the words "domestic industry as a whole" used by the Hon'ble Supreme Court in its judgment to mean the "domestic producers as a whole, contrary to the observation of the Hon'ble Court in the said judgment as the Hon'ble Court has in no way changed the definition of the domestic industry as defined in Rule 2(b). However, in this connection it may be noted that the Authority has been consistently seeking information from all domestic producers in terms of the above judgment. Therefore, the arguments of the domestic industry cannot be accepted.

254. In view of the above for the purpose of the injury examination, the cost and injury information of the applicant domestic producers and M/s RIL have been considered for the determination of NIP and injury to the domestic industry as a whole, has been examined in pursuance of the Supreme Court Judgment in the matter of RIL Vs Designated Authority.

H.1 Views of the interested parties:

255. As recorded in the previous section, the interested parties have inter-alia argued that analysis of injury parameters would show that the petitioning domestic industry does not suffer material injury as the capacity, production and sales have increased significantly.

256. It has been further argued that third countries' average prices are in the same band of prices, or even lower as compared to the imports from the subject countries indicating thereby that there is no causal link between the imports from the subject countries and injury allegedly suffered by the petitioners. It has also been argued that there is a significant demand supply gap in the country and imports are inevitable to meet the growing demand as the domestic producers have not been able to increase their capacities to fulfill the demand. International price of PVC Resin has been fluctuating according to market conditions in the world. The custom duty arbitrage between inputs for manufacturer of PVC Resin such as EDC/VCM and PVC resin itself was very high which helped all the local manufacturers to make bumper profits by increasing the prices or reducing month on month basis without any substantial change in the input costs.

257. It has been further argued that the domestic industry was operating above 100% capacity utilization and the drop in capacity utilization during the POI is due to capacity addition during this period. It is generally not possible to achieve 100% capacity utilisation as there are plants shut down for maintenance and other operational reasons and capacity utilization at 80% in any industry at international level is in fact considered very good. It has been further argued that the contention of the petitioners that domestic industry has lost market share to the extent of 24% during POI as compared to the base year is quite misleading. It has already been stated that domestic industry has been working at near full capacity and even beyond the installed capacity. Further, the domestic industry made fresh investment in increasing the installed capacity since they had already reached 121% of installed capacity for production of PVC in the year 2003-04.

258. It has been argued that there was no way that this figure of 121% could move upwards in accordance with the rate of growth in market demand. Even after expansion, they have achieved 94% of capacity utilization very quickly. Therefore, there is no question of loss of market share as stated by the petitioners and there is also no direct threat to survival of the domestic industry.

H.1.2 Views of the domestic industry

259. The domestic industry submits that the financial condition of the domestic industry has become very precarious which is apparent from the fact that the imports made at extremely low values and at dumped prices and there has been a substantial rise in imports from the subject countries. Dumped imports from the subject countries have increased as a share of total imports and as a share of total demand. The landed value has declined by 14% over the preceding period despite increase in the raw material prices. The domestic prices have also declined by 10% over the preceding year due to dumped imports. The effect of these factors can be seen in the form of decline in market share while the domestic demand has grown during the injury period. Capacity utilization and profitability of the Domestic industry has declined significantly.

H.2 Examination by the Authority:

260. Article 3.1 of the Act and Annexure-II of the Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products, with regard to the volume effect of the dumped imports. The authorities are required to examine whether there has been a significant increase in imports, either in absolute term or relative to production or consumption in the importing member. With regard to the price effect of the dumped imports, the authorities are required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in the importing

country, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increase, which would have otherwise occurred to a significant degree.

261. The Authority has taken note of the arguments of the interested parties on injury examination aspect and addressed the issues raised at appropriate places in this Disclosure statement to the extent these arguments are valid. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts before it and the arguments of the interested parties.

H.3 Cumulative assessment of injury

262. As per para (iii) of Annexure-II of the Rules, In cases where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigation, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that (a) the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two per cent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three per cent of the import of like article or where the export of individual countries less than three per cent, the imports collectively accounts for more than seven per cent of the import of like article and (b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

263. The interested parties have argued that the EU taken as a territory is above de-minimis level and prices from some of the member countries of the EU are at the same level or below the price level from the subject countries. Therefore, the EU too needs to be included in the countries for investigation for the purpose of cumulative assessment of the effect of imports including those from EU, in terms of the provision of the Anti-Dumping Rules.

264. The Authority notes that the volume import from each of the member countries of the EU and their share in total imports is very small and below the de-minimis level. Their cumulative share is also less than 7%. The average price of the imports from the EU is significantly higher than the average price from the subject countries. Further, there is no allegation of dumping from these countries. Therefore, there is no ground to initiate the investigation of dumping from the EU or to examine the impact of such imports cumulatively with the dumped imports from the subject countries.

265. As far as conditions for cumulative assessment of injury on account of dumped imports from the subject countries are concerned, the Authority notes that-

- (i) The margin of dumping in respect of each of the subject country is more than 2% except for the exporters for whom the dumping margin has been determined as de-minimis;
- (ii) The subject goods have been imported from the subject countries under the same tariff classifications;
- (iii) The volume of imports from each of the subject countries is not negligible as defined in Article 5.8 of the Agreement;
- (iv) The imported subject goods are commercial and technical substitutes of the domestically produced PVC Resin;
- (v) The subject goods have been imported by the end users and other importers and the goods have entered the commerce of the country through similar channels;
- (vi) The dumped goods from the subject countries and domestically produced like articles are interchangeable and are being interchangeably used by the user industry. Transaction-wise information on imports from the subject countries shows that the imports are being made by actual users as well as traders who have purchased the material for reselling. Goods supplied by the countries involved are entering the Indian markets through the similar channels of distributions and directly competing in the Indian market.
- (vii) The products supplied from the subject countries are being marketed in India during the same period through comparable sales channels and under similar commercial conditions.

266. In view of the above, the Authority hold that it is appropriate to cumulatively assess the effect of dumped imports of the subject goods from the subject countries, and its impact on the domestically produced like article in the light of conditions of competition between the imported products and the like domestic product. Therefore, for the purpose of injury and causal link analysis, as discussed above, the dumped imports from the subject countries have been cumulated for examination of volume and price effects of dumped imports of the subject goods from the subject countries on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

H.3.1 Material Injury

267. The Rules provide for examination of the impact of dumped imports on the domestic industry on the basis of evaluation of all the relevant economic factors and indices having bearing on the state of domestic industry. For the purpose of this examination, the applicants constitute the domestic industry within the meaning of the term as defined under Rule 2(b) of the Rules. However, the Authority also notes that the Hon'ble Supreme Court in the RIL Vs Designated Authority held that the Authority is required to carry out the determination of the injury and NIP for the 'domestic industry as whole' and not in respect of any

particular company or enterprise. Therefore, in compliance with the above orders, the Authority called for cost and injury information from M/s RIL and their data has been used alongwith the applicant domestic industry for the NIP and injury determination.

268. For the purpose of injury and causal link analysis, as discussed above, the dumped imports from the subject countries have been cumulated for examination of volume and price effects of dumped imports of the subject goods from the subject countries on the domestic industry and its effect on the prices and profitability to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.

269. In their post disclosure submissions the interested parties have further argued that the decision to pursue a cumulative assessment of investigated imports must be reviewed, particularly given the fact that cumulation increases the likelihood of affirmative findings as well as misleads the allocation of injury to the real causes thereto. It has been argued that the cumulation should be done only when there are simultaneous import of the same product under consideration and not technically or commercially substitutable product. At the same time it has also been argued that the Authority should have analysed the injury and causal links with respect to country-wise import prices. The Authority notes that the conditions for cumulative assessment of injury are satisfied and therefore, injury is required to be assessed cumulatively and cumulative impact of dumped imports from all sources being investigated is required to be examined. Therefore, while there could be country-wise variation in landed values of imports, what is required to be seen is the combined impact of all those dumped imports on the domestic industry. Accordingly, the weighted average landed values of imports from all sources have been correctly shown in the findings.

(A) VOLUME EFFECT: Volume Effect of dumped imports and Impact on domestic Industry

270. The effects of the volume of dumped imports from the subject countries as well as dumped imports from other countries have been examined as follows:

1) Import volumes and share of subject countries:

271. For the purpose of injury examination, the Authority has examined the DGCI&S import data, co-operating exporters' export data and data from other secondary sources (i.e. IBIS) provided by the domestic industry. The data from the above sources were compared and it was found that the DGCI&S data for certain countries reports much lesser volume of imports compared to the export volume reported by the co-operating exporters from those countries whereas the IBIS data is quite close to the exporter's data. Therefore, it appears that entire import transactions have not been captured in the DGCI&S data under the dedicated tariff head. Therefore, the Authority finds it more appropriate to adopt

the transaction-wise data provided by IBIS for the volume analysis. On the basis of this data, the import volumes from the subject countries are as follows:

Imports (In MT)	2002-03	2003-04	2004-05	POI (Jan. – Dec. 05)
China	683	15	309	22506
Indonesia	2435	575	3640	15051
Japan	1212	6430	2571	21599
Korea	3455	16558	27118	70143
Malaysia	472	112	6711	16680
Taiwan	3931	10735	3550	28601
Thailand	3361	2804	4576	10299
USA	1120	23195	10296	31068
Total Subject Countries	16668	60423	58771	215947
Trend	100	363	353	1296
Other Countries	7336	18857	10047	38028
Trend	100	257	137	518
Total imports	24003	79280	68817	253975
Trend	100	330	287	1058

272. The above data shows that dumped import from the subject countries has increased almost 13 fold over the base year and imports from all the countries have also increased by 11 fold. Imports from other countries also shows substantial growth but much less compared to the subject countries. However, there is a sudden surge in imports during the POI compared to the previous year. Import volumes from Individual countries under investigation also show significant increase. The share of the subject countries in the total imports to India has also increased from about 69% to 85% during the injury investigation period.

	2002-03	2003-04	2004-05	POI (Jan.-Dec. 05)
Share of Subject Countries	69.44%	76.21%	85.40%	85.03%
Trend	100	110	123	122
Other Countries	30.56%	23.79%	14.60%	14.97%
Trend	100	78	48	49

273. The increase in volume of imports has also been analyzed with respect to the growth in demand of the subject goods in the domestic market. Demand has been estimated based on the actual sales of the applicant domestic industry and M/s RIL and estimated sales of M/s Finolex on facts available basis.

Qty (in MT)	2002-03	2003-04	2004-05	POI (Jan-Dec 05)
Sales-Domestic Industry + RIL	617461	697380	721097	727156
Trend	100	113	117	118
Sales-Other Domestic Producer	99835	96411	102022	90551
Trend	100	97	102	91
Total Domestic Sales	717296	793791	823119	817707
Trend	100	111	115	114

Captive Consumption	28335	30515	15966	20436
Trend	100	108	56	72
Total Imports	24003	79280	68817	253975
Trend	100	330	287	1058
Total Demand	769635	903586	907902	1092119
Trend	100	117	118	142

274. The above data indicates a healthy growth in demand for the subject goods in the domestic market. Whereas total demand of the product shows a growth of 42% over the base year, total imports to India show a growth of over 900% and sale of the domestic industry shows only a moderate growth of 18% over the base year. Imports from the subject countries have increased by about 1200% over the base year.

275. The interested parties have argued that the increase in imports is due to significant increase in demand during this period without commensurate increase in capacity and production by the domestic producers in India. Therefore, demand, production and market share of the domestic industry and other domestic producers have also been analysed to examine the effects of the dumped imports.

ii) Demand, Output and Market shares

a) Production of the Domestic Industry

Qty (in MT)	2002-03	2003-04	2004-05	POI (Jan.- Dec. 05)
Installed Capacity-Domestic Industry + RIL	621320	621320	741320	746020
Trend	100	100	119	120
Production-Domestic Industry + RIL	652840	703706	706419	748056
Trend	100	108	108	115
Capacity utilization	105.07%	113.26%	95.29%	100.27%
Trend	100	108	91	95

276. The above data shows that the domestic demand increased by about 18% between 2002-03 and 2004-05 and the domestic industry added capacity in 2004-05 to increase the total capacity by about 19%. Therefore, the capacity increase and demand increase were more or less in tune. However, there is apparently a sudden increase in demand by about 20% during the POI compared to the previous year and imports have increased several folds during this period. The production of the domestic industry has also increased by about 15% and capacity utilization has dropped by about 5% compared to the base year. Compared to the previous year, the capacity utilization has improved and the domestic industry is producing up to its full capacity, though in the year 2003-04 it had achieved higher capacity utilization of 113%. It indicates that the domestic industry is capable of producing approximately another 1,00,000 MT against its

rated capacity which they are not been able to produced due to availability of dumped imports at cheaper price.

b) Sales of Domestic Industry

Qty (in MT)	2002-03	2003-04	2004-05	POI (Jan-Dec 05)
Sales-Domestic Industry + RIL	617461	697380	721097	727156
Trend	100	113	117	118
Sales-Other Domestic Producer	99835	96411	102022	90551
Trend	100	97	102	91
Total Domestic Sales	717296	793791	823119	817707
Trend	100	111	115	114
Total Imports	24003	79280	68817	253975
Trend	100	330	287	1058
Total Demand	769635	903586	907902	1092119
Trend	100	117	118	142

277. The data shows that the domestic sale of the domestic industry, has increased by about 18% compared to the base year and only by 1% compared to the previous year while the demand has increased by 42% compared to the base year and 20% compared to the previous year. During the same period, the imports have increased several folds.

c) Demand and Market Share

Share in Demand	2002-03	2003-04	2004-05	POI (Jan-Dec 05)
Domestic Industry + RIL	617461	697380	721097	727156
Trend	100	113	117	118
Other Producer	99835	96411	102022	90551
Trend	100	82	87	64
All domestic producers	93.20%	87.85%	90.66%	74.87%
Trend	100	94	97	80
Captive Consumption	3.7%	3.4%	1.8%	1.9%
Trend	100	92	48	51
Imports from Subject Countries	2.17%	6.69%	6.47%	19.77%
Trend	100	309	299	913
Imports from other Countries	0.95%	2.09%	1.11%	3.48%
Trend	100	219	116	365

278. The above data shows that the market share of the domestic industry and supporting producers has declined by about 17% in POI compared to the base year and market share of the subject countries has increased from about 2% in the base year to almost 20% in the POI. Share of other countries has increased only marginally from about 1% to 3.5% during the same period.

279. In their post disclosure submissions the interested parties have reiterated that the demand supply gap in the domestic market makes import inevitable and

the domestic manufacturers have not been able to keep pace with the demand. At the same time certain interested parties have argued that the capacity expansion made by the domestic industry during the previous years and planned expansion in the future is the sign of no injury. The Authority finds these two arguments as contradictory. In the situation of healthy growth of demand it is the reasonable expectation of the domestic industry to expand its capacity. The domestic industry also had a track record of maintaining capacity utilization above 100% except for the POI which indicates that when there is a good demand and price the industry can perform at higher capacity and reduce its fixed cost to remain competitive. Only in the POI in the presence of dumped imports the capacity utilization has fallen leaving a notional capacity of about 1,00,000 MT unutilized. Had the industry been able to maintain the capacity utilization at the historic level, this additional production could have been available for the domestic users reducing the demand supply gap to that extent.

(B) Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

280. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject countries has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. For the purpose of this analysis, the weighted average cost of production (COP), weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-Injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries. For the above purpose, NIP has been determined for the domestic industry as a whole as per the Supreme Court Judgment in RIL matter, taking into account verified cost data of the applicant domestic industry and RIL. As noted earlier, M/s Finolex has been found to be a major importer of the subject goods and therefore, does not qualify for consideration as a part of the domestic industry. Therefore, cost data of M/s Finolex has not been considered for NIP and injury determination.

(i) Price undercutting and underselling effects

281 Price undercutting effect of dumped imports from the subject countries has been determined by comparing the weighted average Landed Value (LV) of dumped imports from the subject countries over the entire period of investigation with the weighted average NSR of the domestic industry for the same period. For this purpose, LV of imports has been calculated by adding 1% handling charge and applicable basic customs duty to the CIF value of imports from the subject countries as per the import statistics considered above.

282. In determining the NSR of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been deducted.

283. For the purpose of price underselling determination, the weighted average landed prices of imports from subject countries/territories have been compared with the NIP of the domestic industry determined for the POI as noted above.

284. Price undercutting and underselling of the dumped imports from the subject countries work out as follows:

	Rs/MT				
Price Undercutting/ Underselling	2002-03	2003-04	2004-05	POI (Jan-Dec 05)	
Domestic Selling Price Rs./MT	*****	*****	*****	*****	
Trend	100	99	119	107	
Cost to Make and Sale-Rs./MT	*****	*****	*****	*****	
Trend	100	101	123	116	
Landed values-Rs./MT					
All Countries	39371.87	37209.07	47719.98	40835.06	
Subject Countries	38049.20	36653.87	47751.69	40986.79	
Price Undercutting					Percentage
All Countries	(*****)	*****	(*****)	(*****)	-2 to 2%
Subject Countries	*****	*****	(*****)	(*****)	-2 to 2%
NIP Rs/MT				*****	
Price underselling					
All Countries				*****	0 to 5%
Subject Countries				*****	0 to 5%

285. The above data shows that cost of sales of the domestic industry increased upto 2004-05 and thereafter declined by about 7% whereas the selling price (NSR) of the domestic industry also increased upto 2004-05 and thereafter there is a significant decline of about 12% compared to the previous year. The landed value of the subject goods from the subject countries also increased upto 2004-05 and thereafter suddenly declined by about 15% compared the previous year. Therefore, the sales realization of the domestic industry seems to have been impacted partly by the decline in cost of production and partly by the steep decline in the landed value of imports.

286. It is also seen that the selling price of the domestic industry is almost at the same level as the weighted average LV of imports from the subject countries. Therefore, the price undercutting at the aggregate level is marginally negative though certain countries have significant positive price undercutting. However, the domestic industry's prices are significantly depressed as the domestic industry apparently kept the prices low to protect its market share and therefore, price undercutting would not give a clear picture of price effect.

287. The landed value of imports from all the subject countries, individually and cumulatively, have been found to be significantly below the NIP of the domestic industry determined by the Authority indicating significant price underselling effect on the domestic industry.

(ii) Price suppression and depression effects of the dumped imports:

288. The price suppression/depression effects of the dumped imports have also been examined with reference to the COP, NSR and LV from the subject countries. The trend of cost of production and selling prices in the domestic market as in the table clearly shows that the decline in sales realization in the POI is much more than the decline in the cost of production. While the cost of sales went up by 23% up to 2004-05 compared to the base year and then declined by about 5% in the POI, the sales realization increased by 19% up to 2004-05 and declined by almost 10% in the POI. During the same period the landed value went up by 21% and then declined suddenly in the POI by almost 15%. The above clearly indicates that in the declining landed value of imports has forced the domestic industry to keep its prices depressed during the POI to retain the market share.. The above data indicates that the domestic industry has been forced to depress its prices to match with the import prices, in order to retain its market share.

H.4 Examination of other Injury Parameters

289. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and major injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analysed by the Authority as follows:

i) Actual and potential effect on productivity

Productivity per Employee	2002-03	2003-04	2004-05	POI (Jan-Dec 05)
Production-DI-MT	652840	703706	706419	748056
No. of Employees	1177	1158	1052	1076
Production/Employee-MT	555	608	671	695
Trend	100	110	121	125

290. There is a decline in employment though there is an increase in output of the domestic industry. Therefore, productivity of the domestic industry, measured in terms of its labour output, has improved substantially.

ii) Profits and actual and potential effects on the cash flow

Profitability (Rs./MT)	2002-03	2003-04	2004-05	POI (Jan-Dec 05)
Weighted average NSR of DI-Rs./MT	*****	*****	*****	*****
Trend	100	99	119	107
Weighted average Cost of sales of DI-Rs./MT	*****	*****	*****	*****

Trend	100	101	123	116
Profit/Loss Per MT	*****	*****	*****	(*****)
Trend	100	56	35	(102)
Cash Profit				
Profit/Loss Rs. Lacs	*****	*****	*****	(*****)
Add: Depreciation-Rs. Lacs	*****	*****	*****	*****
Cash Profit-Rs. Lacs	*****	*****	*****	(*****)
Trend	100	71	54	(55)

291. Cost and sales data of the domestic industry shows that sales realization per unit, after improving till 2004-05, declined significantly in POI below the cost of sales, resulting in negative cash profit in the POI.

iii) Employment and wages

	2002-03	2003-04	2004-05	POI (Jan-Dec 05)
No. of Employees	1177	1158	1052	1076
Trend	100	98	89	91
Wages-Rs. Lacs	*****	*****	*****	*****
Trend	100	98	105	104

292. The employment level of the domestic industry has declined but wage expense has increased compared to the base year. The interested parties have argued that the wage burden and VRS expenses are significant cause of injury to the domestic industry. However, the decline in employment and increase in wage burden was during the period 2003-04 and 2004-05 when the domestic industry was adding capacity and simultaneously reducing extra manpower to become more production and cost efficient. The impact of wage increase during the POI is marginal and does not appear to be the cause of injury.

iv) Investment, Return on investment and ability to raise capital

	2002-03	2003-04	2004-05	POI (Jan-Dec 05)
Profit / Loss-Rs. Lacs	*****	*****	*****	(*****)
Trend	100	63	41	(121)
Interest-Rs. Lacs	*****	*****	*****	*****
Profit/Loss before Interest-Rs. Lacs	*****	*****	*****	(*****)
Capital Employed-Rs. Lacs	*****	*****	*****	*****
Trend	100	94	80	90
Return on investment	*****%	*****%	*****%	(*****)%
Trend	100	73	51	(49)

293. The financial performance of the domestic industry has also been analysed in terms of its cash profits and return on investment. The Authority notes that the domestic industry has added capacity during the injury investigation and also some of the constituents of the domestic industry have revalued their assets during the POI. Therefore, capital employed by the

domestic industry in domestic operation show significant increase during the injury investigation period. However, the profitability of the industry has been steadily declining and has become negative during the POI due to pressure of dumped imports on the prices. Return on investment on the capital employed has become negative during the POI after steadily declining from the base year.

294. The interested parties have argued that the domestic industry has significant expansion plans due to good growth in demand for the subject goods in India. The Authority noted that the demand for the subject goods is increasing by over 10% per year and there is a good potential for further investment and expansion. However, a negative return on investment would make further investment difficult.

v) Magnitude of Dumping

295. Magnitude of dumping, as an indicator of the extent to which the dumped imports can injure the domestic industry, shows that the dumping margins determined against the countries named, for the POI, are significant.

vi) Factors affecting prices

296. Change in cost structure, competition in the domestic industry and prices of competing substitutes have been examined for analyzing the factors other than dumped imports that might be affecting the prices in the domestic market. The Authority notes that PVC resin has a very high demand in the domestic market and the demand is growing at a fast pace due to significant increase in construction activities and use of PVC pipes in agricultural activities. In fact, PVC is fast substituting traditional material in several construction related activities and there is a significant demand supply gap in the country. There are several producers of this product in the country who have participated in the investigation except one (i.e. M/s Finolex). Since demand has outstripped the supply in the domestic market, competition between the domestic producers does not seem to affect the prices.

297. The interested parties have made contradictory arguments about the price of PVC and basic raw materials Ethylene/EDC/VCM. Some of the interested parties have argued that the domestic industry has been resorting to frequent price revisions and aligning its prices as per the international prices. While others have argued that the PVC price is linked to volatility in the raw materials prices which is in turn linked to crude price and not affected by the prices from the subject countries. It has been argued that since the domestic industry prices are driven by cost and prices in the international level and that should not be causing any injury to the domestic industry. However, the Authority notes that while the cost of production of the domestic industry has declined due to decline in prices of critical raw materials during the POI, the selling price decline is more than the decline in cost of production. It is also noted that the prices of imports from the

countries investigated are at significantly dumped prices and these dumped prices are driving the price in the domestic market.

vii) Inventories

Particulars	2002-03	2003-04	2004-05	POI (Jan-Dec 05)
Average Inventory-Domestic Industry (MT)	*****	*****	*****	*****
Trend	100	145	74	197
Inventory as a % of production	*****%	*****%	*****%	*****%
Trend	100	135	68	172

298. The inventory data of the domestic industry indicates significant increase in inventory holding compared to the base year and previous year. Inventory as a percentage of production has also increased by 73% compared to the base year and more than 100% over the previous year.

viii) Growth

299. The demand in the country has increased by 42% during the POI as compared to base year (i.e. 2002-03). However, growth in production and sales of the domestic industry remains moderate and the market share of the domestic industry has declined by about 15% over the same period. It indicates that the increase in the demand has directly been taken over by the dumped imports from the subject countries. The growth with respect to profitability is also significantly declined during the POI.

H.5 Other Known factors and Causal Link

H.5.1 Views of the interested parties

300. As noted earlier, the interested parties have argued that the dumped imports are not responsible for the injury, if any, caused to the domestic industry.

H.5.2 Examination by the Authority

301. The Authority has examined the issue of causal link between the dumped imports from the subject countries and injury suffered by the domestic industry in the light of the above arguments of the interested parties

302. The trend of domestic prices cost of production and landed value of imports from the subject countries clearly indicates that the domestic prices have been significantly depressed to align itself with the import prices. Therefore, price undercutting, in itself, is not a definitive parameter to establish causal link

between the imports from individual countries and injury suffered. The selling price of the domestic industry appears to have been bench marked against the lowest import prices. On the other hand, there is a significant price underselling by the dumped imports.

303. In addition to the above arguments, the Authority has also examined the issue of causal link and other non-attributive factors as laid down in the Rules to segregate injury, if any, caused by other factors. In this regard, the following indicative factors as laid down in the Rules have been examined:

i) Volume and prices of imports from other sources

304. Para (v) of the Annexure-II of the Rules mandates examination of volume and value of imports not sold at dumped prices as a factor for non-attribution analysis. The Authority notes that during the POI, import from the subject countries accounted for over 85% of the imports to India. Balance quantity has been imported from about 23 other countries with negligible import shares individually. The issue of cumulated imports from the member countries of European Communities have also been examined and it was noted that the cumulated imports from EU was about 6% of total imports and prices are higher than the imports from the subject countries. Therefore, the injury caused by the imports from sources other than the subject countries cannot be attributed to the dumped imports from the subject countries.

ii) Contraction in demand and/or change in pattern of consumption

305. Total domestic demand of the product under consideration, has shown a very significant increase by about 42% during the period of investigation as compared to the base year. Compared to the previous year, the growth in demand is about 20%. There is a significant change in consumption pattern in favour of the product in the domestic market and this product is significantly substituting other traditional products in the market. Therefore, unfavourable change in consumption pattern cannot be attributed to the injury to the domestic industry.

iii) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

306. The Authority notes that the subject goods are freely importable and there are no trade restrictive practices in the domestic market. There is no restriction on fair trade in the country and imports of the subject goods take place from several countries and compete with the domestic producers. There are several producers of the subject goods in the domestic market and there is healthy growth in demand, which stripping the supply. Therefore, demand not being a constraint, unhealthy competition in the domestic market or any unfair trade restrictive practices cannot be attributed to the Injury of the domestic industry.

iv) Development of technology and export performance

307. The Authority notes that there is no major difference between the technologies, being used by major producers of the subject goods in the world. The production facilities of the cooperating foreign producer in the subject countries were also verified and it was seen that the producers apply similar production technologies either from ethylene route or acetylene route. The domestic industry also uses the same technologies for production of PVC resin. Therefore, development of technology or inefficient method of production of the domestic industry cannot be treated as a cause of injury to the domestic industry.

308. The Authority notes that total exports of the domestic industry is less than 2% of its total production and the export volume has been constantly declining though export realization per MT improved during the injury period. The decline in export is due to increase in domestic demand and demand supply gap in India.

Particulars	2002-03	2003-04	2004-05	POI (Jan-Dec 05)
Export Sales of DI MT	0	16370	15217	11012
Trend		100	93	67
Export Price Rs/MT		*****	*****	*****
Trend		100	107	119

309. However, the injury analysis has been done on the domestic operation of the Company and therefore, injury if any due to export performance of the domestic industry has not been attributed to the injury suffered by the domestic industry.

v) Productivity of the Domestic Industry

310. Productivity of the domestic industry in terms of labour output has shown substantial improvement.

H.6 Factors establishing causal link

311. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated due to dumped imports from subject countries. Therefore, the causal links between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

1. The dumped import prices and consequently the landed price of imports, cumulatively from the subject countries, have declined significantly during the POI compared to the previous year and sudden decline in the prices have resulted in significant price depression for the domestic industry;

2. Reduction in the selling prices by the domestic industry has adversely affected the profits, cash flow and return on investments of the company;
3. Even though the domestic industry appears to have responded to decline in import prices, by reducing its selling prices, it has lost significant market share to the dumped imports from the subject countries;
4. The domestic industry also appears to have responded to the increase in demand by adding capacity during the injury investigation. But existence of significant price underselling and consequent price depression has resulted in decline in profitability and decline in market share of the domestic industry. Capacity utilization has also declined after operating at over 100% utilization during the previous years.

H.7 Overall assessment

312. The above analysis of the factors that may indicate existence of material injury to the domestic industry shows that in spite of the improvement in several parameters during the intervening period the performance of the domestic industry has deteriorated and the industry suffers injury on account of decline in profitability and return on investment while there is a healthy demand for the product in the domestic markets. The injury suffered is material and significant.

313. In their post disclosure statement the interested parties have reiterated their comments on various injury parameters, analysis of causal link and public interest issues. It has been argued that several parameters shows improved performance of the domestic industry and therefore, material injury claim of the domestic industry is not justified. In this connection the Authority notes that injury determination is an overall assessment of the condition of the domestic industry and no one or several parameters may provide any conclusive guidance in this respect. On the basis of over all assessment of the parameters examined the Authority has concluded that the domestic industry suffers material injury on account of loss in market share and financial loss incurred during the POI due to the price effects of dumped imports. Therefore, the arguments of the interested parties are not valid

314. Therefore, the Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury and such injury has been caused significantly by price and volume effects of dumped imports from the subject countries. Injury, if any, caused due to other factors brought to the notice of the Authority have not been attributed to the dumped imports.

I. Magnitude of Injury and injury margin

315. The Authority has determined non-injurious for the domestic industry taking into cost of production of all participating domestic producers as noted earlier. Accordingly, the NIP for the domestic industry has been determined as Rs***** (USD***** at the exchange rate of Rs44.19). The domestic industry, in its post disclosure submissions has argued that the methodology adopted by the Authority for determination of NIP has resulted in extremely low returns on the cost of production. However, the Authority notes that the NIP for the domestic industry has been determined as per the consistent practice of the Authority taking into account the guidelines provided in the Supreme Court judgment referred earlier. Therefore, the arguments of the domestic industry for an upward revision of the NIP have not been accepted.

316. This non-injurious price of the domestic industry has been compared with the weighted average landed values of the exports from the exporters from the subject countries for determination of injury margin. The injury margins have been worked out as follows:

Country	Producers	Exporter	Injury Margin	IM
			USD/MT	%
Thailand	M/s Thai Plstics and Chemicals Public Company Limited	M/s Thai Plstics and Chemicals Public Company Limited	*****	0 to 10%
	All others	Any	*****	0 to 10%
Korea	LG Chem Ltd	LG Chem Ltd	*****	0 to 5%
	Hanwha Chemical Corporation	Hanwha Corporation	*****	0 to 5%
	All others	Any	*****	0 to 10%
Indonesia	PT Asahimas Chemicals	PT Asahimas Chemicals	*****	10 to 20%
	All others	Any	*****	15 to 25%
Chinese Taipei	Formosa Plastics	Formosa Plastics	*****	0 to 5%
	Ocean Plastics	Ocean Plastics	(*****)	5 to 10%
	All others	Any	*****	0 to 5%
Japan	Taiyo Vinyl Corporation	Taiyo Vinyl Corporation	*****	0 to 10%
	Taiyo Vinyl Corporation	Mitsui & Co	*****	0 to 5%
	All others	Any	*****	5 to 15%
China PR	M/s Tianjin Dagu Chemical Company Limited	M/s Tianjin Bohai Chemical Industries Imp. & Exp. Corporation	*****	0 to 5%
	M/s Xinjiang Shihezi Zhongfa Chemical Co. Ltd.	M/s Xinjiang Tianye Foreign Trade Co. Ltd.	*****	0 to 5%
	M/s Yichang Yihua Pacific Cogen Co. Ltd.	M/s Hubei Yihua Group Co. Ltd.	*****	0 to 10%

Non-Sampled Producers/exporters as per		Non-Sampled Producers/exporters as per		0 to 5%

	list	list		
	All others	Any	*****	0 to 10%
USA	All Producers/Exporters	Any	*****	0 to 10%
Malaysia	All Producers/Exporters	Any	*****	0 to 10%

J. Threat of Material Injury

317. In addition to the above claims of material injury, the domestic industry has also made a claim of threat of material injury, on the grounds that significant price underselling coupled with very large disposable capacities with the producers in the subject countries, is a clear evidence of threat of injury to the domestic industry. In the light of the above claims the issue of threat of material injury has been examined in terms of para vii of Annex II of the Rules. The Authority notes that

- There is a significant increase in dumped imports from the subject countries to India. The imports in the POI are about 12 times higher than the imports in the base year and growth over the previous year is about 300%. The demand for the subject goods is healthy and the trend of growth in import is likely to continue because of the price factor;
- Data on capacities and demand-supply of PVC resin in these countries indicate that there was significantly higher capacities in these countries and export orientation of the producers of the subject goods in these countries is evident;
- The cost and price analysis in the previous section indicate that the dumped imports have significantly depressed the domestic prices in India;

318. The Authority notes that the domestic industry has suffered material injury due to the dumped imports. As far as threat of injury is concerned, the Authority notes that all the major producers of the subject goods in the subject countries have significant capacities and have been exporting significant quantities to India as well as other countries. In line with the demand situation in the country domestic industry has planned expansion of capacities and continuation of dumped imports from the subject countries therefore, pose a distinct threat of material injury to the domestic industry.

K. Conclusions

319. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority as recorded in this finding the authority concludes that:

- i) The subject goods have entered the Indian market from the subject countries at prices less than their normal values in the domestic markets of the exporting countries;

- ii) The domestic industry has suffered material injury and threat of injury exists; And
- iii) The injury has been caused to the domestic industry, both by volume and price effect of dumped imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

L. Indian industry's interest & other issues

320. The Authority notes the arguments and the concerns of the interested parties imports of the subject goods to India is inevitable because of the demand supply gap and the downstream user industry would be adversely affected if antidumping duty is imposed on this product. It has also been argued that small scale sector and priority sectors like agriculture and infrastructure would be adversely affected. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry due to the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of free and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers. On the other hand, if distortion caused by the dumped imports are not corrected it may lead to closure of the domestic production base and subsequent price increase by the foreign producers, which will adversely affect the user industry.

M. Recommendations

321. The Authority initiated and conducted the investigation into dumping, injury and causal links between dumping from the subject countries and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down, and having established positive dumping margins against the subject countries, and having concluded that the domestic industry suffers material injury due to such dumped imports, the Authority is of the opinion that definitive measure is required to be imposed to offset dumping and injury being caused to the domestic industry. Accordingly, the Authority recommends imposition of definitive antidumping duty in the form and manner prescribed below.

322. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, antidumping duty equal the amount indicated in Col 9 of the duty table annexed herewith is recommended to be imposed by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries from the date of such imposition for a period of five years.

Duty Table

Sl. No	Sub Heading or Tariff Item	Description of Goods	Specification	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit of Measure	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)		
1	3904.21	Homopolymer of vinyl chloride monomer (PVC) (suspension grade)	See Footnote ***	Thailand	Any	M/s Thai Plastics and Chemicals Public Co. Ltd.	M/s Thai Plastics and Chemicals Public Co. Ltd.	1821	MT	Rs
2	-Do-	-Do-	-Do-	Thailand	Any	Any other combination of producer-Exporter		2456	MT	Rs
4	-Do-	-Do-	-Do-	Any other than subject countries	Thailand	Any	Any	2456	MT	Rs
5	-Do-	-Do-	-Do-	Korea	Any	LG Chem Ltd	LG Chem Ltd	NIL	MT	Rs
6	-Do-	-Do-	-Do-	Korea	Any	Hanwah Chemical Corporation	Hanwah Chemical Corporation	NIL	MT	Rs
7	-Do-	-Do-	-Do-	Korea	Any	Any other combination of producer-Exporter		1984	MT	Rs
8	-Do-	-Do-	-Do-	Any other than subject countries	Korea	Any	Any	1984	MT	Rs
9	-Do-	-Do-	-Do-	Indonesia	Any	PT Asahimas Chemicals	PT Asahimas Chemicals	2351	MT	Rs
10	-Do-	-Do-	-Do-	Indonesia	Any	Any other combination of producer-Exporter		4738	MT	Rs
11	-Do-	-Do-	-Do-	Any other than subject countries	Indonesia	Any	Any	4738	MT	Rs
12	-Do-	-Do-	-Do-	Chinese Taipei	Any	Formosa Plastics Corporation	Formosa Plastics Corporation	NIL	MT	Rs
13	-Do-	-Do-	-Do-	Chinese Taipei	Any	Ocean Plastics Corporation	Ocean Plastics Corporation	NIL	MT	Rs
14	-Do-	-Do-	-Do-	Chinese Taipei	Any	Any other combination of producer-Exporter		1119	MT	Rs
15	-Do-	-Do-	-Do-	Any other than subject countries	Chinese Taipei	Any	Any	1119	MT	Rs
16	-Do-	-Do-	-Do-	Japan	Any	Taiyo Vinyl	Taiyo Vinyl	2813	MT	Rs

						Corporation	Corporation			
17	-Do-	-Do-	-Do-	Japan	Any	Taiyo Vinyl Corporation	Mitsui & Co	1620	MT	Rs
18	-Do-	-Do-	-Do-	Japan	Any	Any other combination of producer-Exporter		3834	MT	Rs
19	-Do-	-Do-	-Do-	Any other than subject countries	Japan	Any	Any	3834	MT	Rs
20	-Do-	-Do-	-Do-	China PR	Any	Tianjin Dagou Chemical Company Limited	Tianjin Bohai Chemical Industries Imp. & Exp. Corporation	1047	MT	Rs
21	-Do-	-Do-	-Do-	China PR	Any	Xinjiang Shihezi Zhongfa Chemical Co. Ltd.	Xinjiang Tianye Foreign Trade Co. Ltd.	459	MT	Rs
22	-Do-	-Do-	-Do-	China PR	Any	Yichang Yihua Pacific Cogen Co. Ltd.	Hubei Yihua Group Co. Ltd.	2702	MT	Rs
23	-Do-	-Do-	-Do-	China PR	Any	Non-Sampled Producer/exporters as per list *****		1467	MT	Rs
24	-Do-	-Do-	-Do-	China PR	Any	Any other combination of producer-Exporter		2702	MT	Rs
25	-Do-	-Do-	-Do-	Any other than subject countries	Any	Any	Any	2702	MT	Rs
26	-Do-	-Do-	-Do-	USA	Any	Any	Any	2170	MT	Rs
27	-Do-	-Do-	-Do-	Any other than subject countries	USA	Any	Any	2170	MT	Rs
28	-Do-	-Do-	-Do-	Malaysia	Any	Any	Any	3713	MT	Rs
29	-Do-	-Do-	-Do-	Any other than subject countries	Malaysia	Any	Any	3713	MT	Rs

*** The Product has been defined as "homopolymer of vinyl chloride monomer (suspension grade), where various polymer chains are not linked to each other, falling under customs classification no. 3904.21, excluding the specialty PVC suspension resins such as cross-linked PVC, chlorinated PVC (CPVC), vinyl chloride – vinyl acetate copolymer (VC-VAc), PVC paste resin and PVC blending resin".

**** List of Non-sampled exporters from China PR

- a) Haohua Yuhang Chemical Co Ltd
- b) Ningxia Yinglige Chemicals co Ltd
- c) Shandong Haihua Chlor Alkali Resin Co Ltd
- d) Shandong Ocean Chemical Import and Export Co Ltd.
- e) Qingdao Haijing Chemical Group Co Ltd
- f) Yibin Tianyuan Co Ltd
- g) Shanghai Chlor Alkali Chemical Co Ltd
- h) Tianjin LG DAGU Chemical Co Ltd
- i) Inner Mongolia Sanlian Chemical Corporation Ltd

N. Further Procedures

323. An appeal against the orders of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

324. The Authority may review the need for continuation, modification or termination of the definitive measure as recommended herein from time to time as per the relevant provisions of the Act and public notices issued in this respect from time to time. No request for such a review shall be entertained by the Authority unless the same is filed by an interested party as per the time limit stipulated for this purpose.

R. GOPALAN, Designated Authority